THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 195 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक कृ.5 2082 शनिवार, 11 अक्टूबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पाकिस्तान पर जल प्रहार की तैयारी

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान को घुटनों पर लगा दिया। मोदी सरकार ने बड़ा फैसला करते हुए चिनाब नदी के पानी पर रोक लगा दी। ऐसे में अब एक बार फिर भारत ने पाकिस्तान पर जल प्रहार की तैयारी कर ली। सिंधु जल संधि के निलंबन के बीच केंद्र ने चिनाब नदी पर सावलकोट परियोजना को मंजूरी दी है। जिससे साफ होता है कि भारत का पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश है कि पानी को लेकर पुरानी रियायतों का दौरा खत्म हो चुका है। केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर में चिनाब नदी पर 1,856 मेगावाट की सावलकोट जलविद्युत परियोजना के लिए पर्यावरणीय मंजूरी की सिफारिश की है।

'पुरानी साझेदारी फिर से मजबूत हो रही है'

एस जयशंकर ने तालिबान के विदेश मंत्री को दी जानकारी

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। तालिबान के विदेश मंत्री के साथ बातचीत में एस जयशंकर ने कहा, आपकी यह यात्रा भारत-अफगानिस्तान के रिश्तों को आगे बढ़ाने की दिशा में एक अहम कदम है। भारत, अफगान लोगों का शुभचिंतक होने के नाते, आपके विकास में गहरी रुचि रखता है।

आज मैं यह दोहराना चाहता हूं कि अफगानिस्तान में चल रहे भारत के कई प्रोजेक्ट्स के जरिए हमारी पुरानी साझेदारी फिर से मजबूत हो रही है।

जयशंकर ने आगे कहा, पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की सुरक्षा चिंताओं को समझने के लिए हम आपके आभारी हैं। भारत अफगानिस्तान की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और अफगानिस्तान के लोगों की स्वतंत्रता के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। तालिबान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी 16 अक्टूबर तक भारत यात्रा पर हैं। वह आने वाले दिनों में आगरा और देवबंद भी जाएंगे। रिपोर्ट के अनुसार, वह भारत में रह रहे अफगानिस्तान के लोगों से भी मिलेंगे। यह पहली बार है, जब तालिबान के विदेश मंत्री भारत दौरे पर आए हैं। यह भारत की विदेश नीति में एक महत्वपूर्ण घटना है, जब तालिबान पर अपनी स्थिति स्पष्ट की जा रही है। इससे पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 15 मई को मुत्तकी से फोन पर बातचीत की थी। तालिबान के सत्ता में आने के बाद से यह भारत और अफगानिस्तान के बीच शीर्ष स्तर का संपर्क था। भारत ने अब तक तालिबान के शासन को मान्यता नहीं दी है और वह काबुल में एक समावेशी सरकार के गठन की वकालत करता रहा है।

भारत इस बात पर भी जोर देता रहा है कि अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल किसी भी देश के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों के लिए नहीं किया जाना चाहिए। तालिबान शासन ने जनवरी में विदेश सचिव विक्रम मिस्री और मुत्तकी के बीच बातचीत के बाद भारत को एक 'अहम' क्षेत्रीय और आर्थिक शक्ति बताया था।

मारिया कोरिना को मिला नोबेल शांति पुरस्कार

> हाथ मलते रह गए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

वॉशिंगटन, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को शांति का नोबेल पुरस्कार नहीं मिला है। डोनाल्ड ट्रंप बार बार नोबेल पुरस्कार के लिए अपनी दावेदारी पेश कर रहे थे। वो 'सात युद्ध' में शांति करवाने का दावा करते आ रहे थे। लेकिन बावजूद इसके उन्हें शांति का नोबेल पुरस्कार नहीं दिया गया है।

इस बार का शांति का नोबेल पुरस्कार मारिया कोरिना मचाडो को दिया गया है, जो वेनेजुएला की लोकतंत्र समर्थक नेता हैं। डोनाल्ड ट्रंप के लिए ये बहुत बड़ा झटका है, क्योंकि नोबेल पुरस्कार के लिए उन्होंने अपने दूसरे कार्यकाल में क्या नहीं किया है, उन्होंने हर युद्ध में खुद को शांति करवाने वाला मसीहा बताया है। उन्होंने भारत-पाकिस्तान युद्ध में भी शांति करवाने के लिए मध्यस्थता करने का दावा किया था, जिसे भारत ने सिरे से खारिज कर दिया था। हालांकि पाकिस्तान ने उनकी भावना को स्वीकार करते हुए उन्हें नोबेल पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया था। पाकिस्तान के अलावा इजरायल ने भी डोनाल्ड ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया था।

लेकिन डोनाल्ड ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिल पाया। नोबेल शांति पुरस्कार 2025 इस बार वेनेजुएला की लोकतंत्र समर्थक नेता मारिया कोरिना मचाडो को दिया गया है। नॉर्वेजियन नोबेल समिति ने कहा कि यह सम्मान उन्हें वेनेजुएला के लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए उनके अथक संघर्ष और देश को तानाशाही से लोकतंत्र की ओर ले जाने के प्रयासों के लिए दिया गया है। मचाडो ने विपरीत परिस्थितियों में भी लोकतंत्र की ज्योति जलाए रखी और निरंकुश शासन के खिलाफ शांतिपूर्ण संघर्ष जारी रखा।

जम्मू-कश्मीर को राज्य बनाने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

> केंद्र से चार हफ्ते में मांगा जवाब

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर को वापस राज्य का दर्जा देने की लगातार उठ रही मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्ती दिखाते हुए केंद्र सरकार को अहम निर्देश दिया है। कोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र सरकार को चार हफ्ते का समय दिया है ताकि वह जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस देने से जुड़ी याचिकाओं पर अपना जवाब दाखिल कर सके।

मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस मामले की सुनवाई की। बता दें कि जम्मू-कश्मीर से संबंधित ये याचिकाएं शिक्षाविद् जहूर अहमद भट और सामाजिक कार्यकर्ता अहमद मलिक सहित कई लोगों ने दाखिल की हैं। इन याचिकाओं में केंद्र सरकार से मांग की गई है कि वह दिसंबर 2023 में सुप्रीम कोर्ट में दिए गए वादे के अनुसार, जम्मू-कश्मीर को जल्द से जल्द फिर से राज्य का दर्जा दे। वहीं मामले में याचिकाकर्ताओं के वकील ने सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले का हवाला दिया जिसमें अनुच्छेद 370 को रद्द करने को सही ठहराया गया था।

'भारत के खिलाफ अपनी जमीन का इस्तेमाल नहीं होने देंगे'

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री का बयान

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत दौरे पर आए अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी ने शुक्रवार को नई दिल्ली में भारतीय समकक्ष डॉ. जयशंकर से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान अफगानिस्तान के विदेश मंत्री ने भारत को अफगानिस्तान का करीबी दोस्त देश बताया और दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने की मांग की।

भारत, अफगानिस्तान का करीबी दोस्त :

मुत्तकी ने कहा कि दिल्ली आकर अच्छा लग रहा है और यह दौरा दोनों देशों के बीच संबंधों को और बेहतर करेगा। भारत और अफगानिस्तान को संपर्क बढ़ाना चाहिए। मुत्तकी ने कहा कि अफगानिस्तान अपनी जमीन का इस्तेमाल किसी भी अन्य देश के खिलाफ नहीं होने देगा। अफगानी विदेश मंत्री ने कहा कि जब अफगानिस्तान में हाल ही में भूकंप आया तो सबसे पहले मदद भेजने वाला देश भारत ही था। अफगानिस्तान भारत को एक करीबी मित्र राष्ट्र के तौर पर देखता है। अफगानिस्तान भारत के साथ आपसी सम्मान पर आधारित रिश्तें चाहता है, जिसमें व्यापारिक और लोगों के लोगों से संबंध रहें। हम एक ऐसी व्यवस्था बनाने के लिए तैयार हैं, जिससे दोनों देशों के रिश्तें मजबूत हो सकें। बैठक के दौरान भारतीय विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने कहा कि अफगानिस्तान सरकार द्वारा भारतीय कंपनियों को अफगानिस्तान में खनन के लिए आमंत्रित करने का हम स्वागत करते हैं। इस बार आगे चर्चा की जाएगी।

व्यापार और वाणिज्य को बढ़ावा देने के हमारे साझे हित हैं। काबुल और नई दिल्ली के बीच उड़ान सेवाएं बढ़ाने का एलान करते हुए हमें खुशी हो रही है। भारतीय विदेश मंत्री ने कहा कि विकास और समृद्धि के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता है। हालांकि, दोनों देशों द्वारा सीमापार आतंकवाद के साझा खतरों का सामना किया जा रहा है। हमें आतंकवाद से निपटने के लिए समन्वित प्रयास करने होंगे। भारत की सुरक्षा चिंताओं के प्रति आपकी संवेदनशीलता की हम सराहना करते हैं।

1,200 करोड़ के बैंक फ्रॉड का खुलासा

> ज्वैलरी कंपनी और अकाउंटेंट के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

कोलकाता, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई की। एजेंसी ने लगभग 1,200 करोड़ रुपये की बैंक धोखाधड़ी से जुड़े मामले में कई ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। ईडी अधिकारियों ने बताया कि यह छापे एक ज्वैलरी कंपनी के कथित तौर पर फर्जी लोन हासिल करने की जांच से जुड़े हैं। सूत्रों के मुताबिक, ईडी की टीमों ने ज्वैलरी कंपनी के मालिकों, शीर्ष अधिकारियों और कर्मचारियों के आवासों पर तलाशी ली। एजेंसी का कहना है कि इन छापों का मकसद इस धोखाधड़ी से संबंधित महत्वपूर्ण सबूत जुटाना है।

ईडी अधिकारियों ने बताया कि उत्तर कोलकाता के गिरीश पार्क इलाके में स्थित एक चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) के आवास पर भी तलाशी जारी है। सीए पर आरोप है कि उसने ज्वैलरी कंपनी को फर्जी कंपनियों और दस्तावेज़ों के जरिए बैंकों से लोन हासिल करने में मदद की।

जेलों में बंद 4.5 लाख कैदियों को भी मिले वोटिंग अधिकार?

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र चुनाव आयोग से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र और चुनाव आयोग से पूछा है कि क्या देशभर के जेलों में बंद करीब 4.5 लाख विचाराधीन कैदियों को भी मतदान का अधिकार मिलना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान इसपर दोनों से राय मांगी है। सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई बीआर गवई की अगुवाई वाली बेंच में इस मामले में जनहित याचिका (पीआईएल) के पक्ष में वकील प्रशांत भूषण ने पैरवी की। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय लोकतांत्रिक मानदंडों का हवाला देकर दावा किया कि पूरी तरह से इस तरह की पाबंदी कैसे लगाई जा सकती?

अंतर्राष्ट्रीय लोकतांत्रिक मानदंडों का उल्लंघन :

सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस विनोद चंद्रन की बेंच ने देशभर के जेलों में बंद विचाराधीन कैदियों को वोटिंग का अधिकार देने के मामले में प्रशांत भूषण की ओर से पेश की गई दलीलें सुनीं। उनके मुताबिक विचाराधीन कैदियों के मताधिकार पर पूरी तरह से रोक जनप्रतिनिधित्व कानून, 1951 की धारा 62(5) के तहत संवैधानिक गारंटियों और अंतर्राष्ट्रीय लोकतांत्रिक मानदंडों का उल्लंघन है।

लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित नहीं किया जाए :

यह जनहित याचिका पंजाब के पटियाला की रहने वाली सुनीता शर्मा की ओर से दायर की गई है। इस याचिका में कानून और विधि मंत्रालय के माध्यम से केंद्र और चुनाव आयोग को प्रतिवादी बनाया गया है। याचिका में सुप्रीम कोर्ट से दखल देकर यह सुनिश्चित करने की मांग की गई है कि वे कैदी जो चुनावी अपराधों या भ्रष्टाचार के दोषी नहीं ठहराए गए हैं, उन्हें मनमाने तरीके से उनके वोट डालने के लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित नहीं किया जाए। इसी पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया है।

लाइवलॉ ने धारा 62(5) के बारे लिखा है, जेल में बंद होने पर कोई भी शख्स वोट नहीं डाल सकता। चाहे उसे सजा मिली हो या फिर वह पुलिस की हिरासत में हो, वोट देने की अनुमति नहीं है।

भारत के कर सुधार निर्णायक चरण में-पारदर्शी सिस्टम तैयार करने पर फोकस : नीति आयोग

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के कर सुधार एक निर्णायक चरण में है और सरलीकरण, आधुनिकीकरण और कर प्रशासन में विश्वास के एकीकरण पर फोकस किया जा रहा है। यह जानकारी शुक्रवार को नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम की ओर दी गई।

उन्होंने कहा, जैसे-जैसे भारत प्रवर्तन-संचालित अनुपालन से विश्वास-आधारित शासन की ओर बढ़ रहा है, फोकस आनुपातिक, निष्पक्ष और पारदर्शी प्रवर्तन सिस्टम पर केंद्रित होना चाहिए जो करदाताओं को सशक्त बनाते हुए राजकोषीय अखंडता की रक्षा करे। नीति आयोग ने शुक्रवार को नीति टैक्स पॉलिसी वर्किंग पेपर सीरीज-II के तहत दूसरा वर्किंग पेपर जारी किया, जिसको शीर्षक 'भारत के कर परिवर्तन की ओर: गैर-अपराधीकरण और विश्वास-आधारित शासन' था। इस वर्किंग-पेपर में आयकर अधिनियम, 2025 के अंतर्गत आपराधिक प्रावधानों का व्यापक मूल्यांकन किया गया है और उनकी आवश्यकता, आनुपातिकता और सरकार के व्यापक सुधार एजेंडे के साथ संरेखण का मूल्यांकन किया गया है। साथ ही, इसमें दंड को तर्कसंगत बनाने, छोटे और प्रक्रियागत गैर-अनुपालनों को अपराधमुक्त करने और न्यायिक विवेकाधिकार को सुदृढ़ करने के लिए सिद्धांत-आधारित ढांचे का प्रस्ताव किया गया है।

नीति आयोग के वर्किंग-पेपर में कहा गया कि 2025 अधिनियम में कई पुराने अपराधों को खत्म कर दिया गया है, लेकिन 13 प्रावधानों में 35 कार्यों और गलती को आपराधिक श्रेणी में रखा गया है, जिनमें से अधिकांश में अनिवार्य कारावास का प्रावधान है। वर्किंग-पेपर में एक सुनियोजित गैर-अपराधीकरण रोडमैप की सिफारिश की गई।

'भारत-ऑस्ट्रेलिया के संबंध तीन प्रमुख स्तंभों पर आधारित'

> सिडनी में पाकिस्तान पर बरसे राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। सिडनी में पूर्व सैनिकों और भारतीय प्रवासी से बातचीत करते हुए रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने 22 मई को पहलगाम में आतंकी हमले का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, इस आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के रूप में पूरी दुनिया ने भारत की ताकत देखी। इस दौरान उन्होंने खुलकर पाकिस्तान पर निशाना साधा।

ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में शुक्रवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा, 22 मई को पहलगाम में हमारे निर्दोष पर्यटक, जो अपने परिवारों के साथ वहां गए थे, कुछ ने अभी-अभी शादी की थी। पाकिस्तान के आतंकवादियों ने उनका धर्म पूछा और उनकी हत्या कर दी। रक्षामंत्री ने कहा, यह घटना 22 और 23 मई को हुई थी, मैंने रक्षा मंत्रालय में सेना, नौसेना और वा7युसेना के प्रमुखों, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ, रक्षा सचिव और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की बैठक बुलाई और पूछा कि क्या पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई के लिए वे तैयार हैं। उनका उत्तर था कि वे पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने आगे बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी स्थिति से अवगत कराया गया।

केरल हाईकोर्ट का एसआईटी को आपराधिक मामला दर्ज करने का आदेश

अदालत ने माना सोने की हेराफेरी हुई

कोच्चि, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रसिद्ध हिंदू तीर्थस्थल सबरीमाला मंदिर में स्वर्ण-पल्लवन (सोने की परत) की कथित चोरी के मामले में केरल हाईकोर्ट ने आपराधिक मामला दर्ज करने का आदेश दिया है। उच्च न्यायालय ने शुक्रवार (10 अक्टूबर) को विशेष जांच दल (एसआईटी) को सबरीमाला भगवान अयप्पा मंदिर के 'द्वारपालक' मूर्तियों से सोना चोरी के मामले में आपराधिक मामला दर्ज करने और जांच शुरू करने का आदेश दिया है।

न्यायमूर्ति राजा विजयराघवन वी और न्यायमूर्ति के वी जयकुमार की पीठ ने यह आदेश दिए हैं। बेंच ने निर्देश जारी करते हुए कहा कि अब तक की गई जांच से ऐसा प्रतीत होता है कि द्वारपालक मूर्तियों में सोने की हेराफेरी हुई है। इसी के साथ बेंच ने एसआईटी को छह हफ्ते के अंदर जांच रिपोर्ट दाखिल करने और हर दो हफ्ते में एक बार जांच की स्टेटस रिपोर्ट पेश करने का भी निर्देश दिया है। वहीं अदालत ने कहा कि जांच से जुड़ी कोई भी जानकारी सार्वजनिक नहीं होनी चाहिए।

पीठ ने आगे कहा कि उसके समक्ष पेश विजिलेंस रिपोर्ट से यह भी पता चला है कि 'काफी मात्रा में सोना- लगभग 474.9 ग्राम- उन्नीकृष्णन पोट्टी (सोने की परत चढ़ाने का प्रस्ताव देने वाले प्रायोजक) को सौंप दिया गया था।' अदालत ने कहा कि हालांकि, रिकॉर्ड से यह पता नहीं चलता कि सोने की यह मात्रा त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) को (उसके द्वारा) सौंपी गई थी। पीठ ने अपने द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) को 'द्वारपालक' मूर्तियों के मामले के साथ-साथ जांच के दौरान सामने आने वाले अन्य सभी पहलुओं की भी जांच करने का निर्देश दिया है। बेंच ने यह भी कहा कि एसआईटी यह सुनिश्चित करने के लिए कि जांच अत्यंत विवेक और ईमानदारी से की जाए, अदालत के प्रति सीधे जवाबदेह होगी।

देश की सबसे अमीर महिला बनीं सावित्री जिंदल

* फोर्ब्स इंडिया की सूची जारी * अंबानी-अडाणी के बाद तीसरा नंबर * 6 महीने में 4.1 बिलियन डॉलर बढ़ी संपत्ति

हिसार, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। फोर्ब्स इंडिया की रिच लिस्ट 2025 में हरियाणा की हिसार की विधायक और ओपी जिंदल समूह की प्रमुख सावित्री जिंदल भारत की सबसे अमीर महिला बन गई हैं। 39.6 बिलियन डॉलर की कुल संपत्ति के साथ, उन्होंने मुकेश अंबानी और गौतम अडाणी के बाद भारत के सबसे धनी लोगों में तीसरा स्थान हासिल कर लिया है।

अब दुनिया के सबसे अमीर लोगों में सावित्री जिंदल का 48वां स्थान है। इससे पहले अप्रैल में फोर्ब्स बिलियनेयर (मानक के अनुसार जिसकी कुल संपत्ति कम से कम 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर यानि 8,300 करोड़ रुपए या उससे अधिक हो) लिस्ट 2025 की सूची जारी हुई थी। उस समय सावित्री जिंदल की कुल संपत्ति 35.5 बिलियन डॉलर थी। यानि 6 महीने में सावित्री जिंदल की संपत्ति 4.1 बिलियन डॉलर बढ़ गई है, जबकि भारत के 100 सबसे अमीर लोगों की नेटवर्थ 9% गिरकर 1 ट्रिलियन डॉलर यानी करीब 88 लाख करोड़ रुपए रह गई। पिछले साल उनकी नेटवर्थ 1.1 ट्रिलियन डॉलर यानी, करीब 9% लाख करोड़ रुपए थी। ऐसे में जिंदल समूह लगातार आगे बढ़ रहा है। सावित्री जिंदल हिसार विधानसभा सीट से जीतकर विधायक बनी हैं। उनके बेटे उद्योगपति नवीन जिंदल कुरुक्षेत्र से भाजपा के सांसद हैं।

सावित्री जिंदल के 4 बेटों में बंटा है व्यवसाय

जिंदल समूह की अध्यक्ष का साम्राज्य इस्पात, बिजली, सीमेंट और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में फैला हुआ है। कंपनी की स्थापना उनके दिवंगत पति ओम प्रकाश जिंदल ने की थी, जिनकी 2005 में एक हेलिकॉप्टर दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। उनकी मृत्यु के बाद, व्यवसाय उनके चार बेटों में बंट गया। उनके बेटे सज्जन जिंदल मुंबई स्थित जेएसडब्ल्यू स्टील, जेएसडब्ल्यू सीमेंट और जेएसडब्ल्यू पेंट्स का नेतृत्व करते हैं। उन्होंने 2023 में जेएसडब्ल्यू इन्फ्रास्ट्रक्चर को सार्वजनिक किया। 2024 में, उन्होंने चीन की एसएआईसी मोटर की सहायक कंपनी एमजी मोटर इंडिया में 35 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करके इलेक्ट्रिक वाहनों में विस्तार किया। नवीन जिंदल, जिंदल दिल्ली में स्टील एंड पावर का प्रबंधन करते हैं।

मेथामफेटामाइन बरामद

अमृतसर ग्रामीण पुलिस और बीएसएफ को संयुक्त अभियान में सफलता

अमृतसर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स पंजाब के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने गांव भैणी राजपूत्तां के पास की गई अचानक चेकिंग के दौरान 3 किलोग्राम आईस (मेथामफेटामाइन) बरामद की है। यह नशा उच्च गुणवत्ता का बताया जा रहा है,

जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करोड़ों रुपये आंकी जा रही है। जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई पुलिस और बीएसएफ द्वारा साझा खुफिया जानकारी के आधार पर की गई थी। फिलहाल पुलिस ने थाना घरिंडा में इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है। तकनीकी जांच जारी है ताकि नशा तस्करों की पहचान की जा सके और उनके नेटवर्क का पर्दाफाश किया जा सके। एसएसपी देहाती मनिंदर सिंह ने बताया कि इस बरामदगी से नशा तस्करी के एक बड़े नेटवर्क का खुलासा होने की संभावना है।

उन्होंने कहा कि पंजाब पुलिस का लक्ष्य प्रदेश को नशामुक्त बनाना है और इस दिशा में लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि नशे के कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

नौकरी घोटाला: बंगाल के मंत्री सुजीत बोस के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

नगर पालिका के पूर्व अधिकारियों के घरों पर भी रेड

कोलकाता, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को एक नागरिक संगठन में भर्ती में कथित अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में पश्चिम बंगाल के मंत्री सुजीत बोस के ठिकानों पर छापेमारी की। जानकारी के मुताबिक, ईडी ने मंत्री के संपत्ति सहित कोलकाता में छह ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया।

एक अधिकारी ने बताया कि ईडी की टीमों ने साल्ट लेक स्थित मंत्री के आवास-सह-कार्यालय और दमदम नगर पालिका के पूर्व अधिकारियों के घरों पर छापेमारी की। जानकारी के मुताबिक, ईडी तृणमूल कांग्रेस नेता और बंगाल के मंत्री सुजीत बोस के कोलकाता

स्थित साल्ट लेक कार्यालय और दक्षिण दंडम नगर पालिका के उपाध्यक्ष निताई दत्ता के आवास पर छापेमारी कर रहा है। ये छापेमारी एक कथित नगर निकाय भर्ती घोटाले के सिलसिले में हो रही है। बताया जा रहा है कि सुजीत बोस 2010 से 2021 तक दक्षिण दंडम नगर पालिका के उपाध्यक्ष थे। यह कथित तौर पर दूसरी बार है जब ईडी ने इस जांच के सिलसिले में मंत्री के कार्यालय पर छापा मारा है।

पहले भी मंत्री के आवास पर हुई थी छापेमारी

ईडी अधिकारी ने बताया कि आज की छापेमारी का उद्देश्य भ्रष्टाचार से जुड़े दस्तावेज एकत्र करना है। मंत्री का कार्यालय मूल रूप से हमारी सूची में नहीं था। केंद्रीय एजेंसी ने इससे पहले जनवरी 2024 में इसी मामले के सिलसिले में बोस के आवास पर छापेमारी की थी और उनसे 12 घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की थी।

बता दें कि ईडी और सीबीआई नगर निकायों द्वारा की गई भर्तियों में अनियमितताओं की जांच कर रही हैं। 7 जून को सीबीआई ने नदिया, हुगली और उत्तर 24 परगना ज़िलों के कई नगर निकायों और साल्ट लेक नगर पालिका से 16 जगहों पर छापे मारे थे और दस्तावेज़ ज़ब्त किए। अगस्त 2023 में सर्वोच्च न्यायालय ने मामले की सीबीआई जांच को चुनौती देने वाली पश्चिम बंगाल सरकार की याचिका खारिज कर दी थी। तौर पर प्रवर्तन विभाग (ईडी) के तीन अधिकारियों पर हमला किया और उनके वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया।

बंदूक दिखाकर वीडियो बनाते हुए दुष्कर्म करना असंभव, हाईकोर्ट ने आरोपी को किया बरी

चंडीगढ़, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। आरोपी के बंदूक दिखा हाथ में मोबाइल लिए दुष्कर्म करते हुए वीडियो बनाने को पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने असंभव बताते हुए आरोपी को बरी कर दिया है। हाईकोर्ट ने कहा कि कथित पीड़िता का बयान विश्वसनीय नहीं था और प्राथमिकी दर्ज करने में दो महीने की अस्पष्ट देरी हुई थी। हाईकोर्ट ने कहा कि हमारा मानना है कि निचली अदालत के समक्ष अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य अभियुक्त के विरुद्ध दोष सिद्ध करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं।

यदि अभियुक्त द्वारा कथित पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया गया होता तो वह तत्काल पुलिस से संपर्क करती। अपनी चिकित्सा जांच कराती। साथ ही अपने पति के घर आने पर उसे सूचित करती। अभियुक्त को काम से निकाल देती। उसे अपने बच्चों को चिकित्सा देखभाल के लिए ले जाने की अनुमति नहीं देती। पीठ ने कहा कि प्राथमिकी दर्ज करने में दो महीने की देरी हुई है, जिसका कोई कारण नहीं है। निचली अदालत ने सही ही माना है कि अभियोक्ता और अभियुक्त के बीच संबंध सर्वसम्मति से थे।

एक सैन्य अधिकारी ने पुलिस को शिकायत दी थी कि उसके पीजी में काम करने वाले प्रवासी मजदूर ने उसकी पत्नी के साथ दुष्कर्म किया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी। वहां आरोपी ने उसका पीछा किया और बंदूक दिखाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान आरोपी ने वीडियो भी बनाया। आरोपी ने धमकी दी कि अगर उसने इस घटना के बारे में किसी को बताया तो वह उसके परिवार को मार डालेगा।

एसआई ने अपनी जगह जांच के लिए युवक को किया तैनात

भद्रक एसपी ने किया सब-इंस्पेक्टर को किया निलंबित

भद्रक, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। ओडिशा के भद्रक जिले में एक पुलिस उपनिरीक्षक को एक मामले की जांच के लिए एक युवक को भेजने के कारण निलंबित कर दिया गया है। मामले में भद्रक एसपी मनोज राउत ने शुक्रवार को भद्रक ग्रामीण पुलिस स्टेशन के एसआई कार्तिक जेना को एक नागरिक को पुलिस अधिकारी के रूप में प्रतिरूपण करने और एक मामले की जांच करने की अनुमति देने के लिए निलंबित कर दिया है। यह मामला भद्रक ग्रामीण थाना क्षेत्र का है।

भद्रक एसपी मनोज राउत ने सब-इंस्पेक्टर कार्तिक जेना को शुक्रवार को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश दिया। आरोप है कि उन्होंने एक आम नागरिक को पुलिस अधिकारी बनकर जांच के लिए गांव भेजा था। यही युवक बाद में ग्रामीणों के हत्थे चढ़ गया।

गिरफ्तार युवक की पहचान धुसुरी क्षेत्र के धामनगर ब्लॉक निवासी पियूष रंजन पांडा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि पियूष पिछले कुछ समय से थाने में कंप्यूटर का काम और अन्य छोटे-मोटे कामों में सब-इंस्पेक्टर कार्तिक जेना की मदद कर रहा था। गुरुवार को जब कर्तिक जेना को रसिकबागा गांव (कलेई पंचायत) में एक महिला से जुड़ा मामला जांचने जाना था, तब उन्होंने खुद जाने के बजाय पियूष को भेज दिया। जिसके बाद पियूष अपनी निजी मोटरसाइकिल से गांव पहुंचा और ग्रामीणों से पूछताछ करने लगा।

जब ग्रामीणों ने पियूष से उसकी पहचान और पुलिस से जुड़ी जानकारी मांगी तो वह कोई ठोस जवाब नहीं दे सका। इस पर ग्रामीणों को शक हुआ और उन्होंने उसे वहीं रोक लिया। इसके बाद भद्रक ग्रामीण पुलिस को सूचना दी गई। इस सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और पुलिस जांच में सामने आया कि पियूष का पुलिस विभाग से कोई संबंध नहीं है। वह केवल सब-इंस्पेक्टर के कहने पर जांच अधिकारी की तरह गांव गया था। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस विभाग ने तुरंत कार्रवाई की है।

भद्रक के एएसपी अरूप अभिषेक बेहेरा ने कहा, 'यह गंभीर लापरवाही और ड्यूटी का उल्लंघन है। आरोपी युवक का पुलिस विभाग से कोई नाता नहीं है। मामले की पूरी जांच की जा रही है।' फिलहाल सब-इंस्पेक्टर कार्तिक जेना को निलंबित कर दिया गया है और पियूष रंजन पांडा को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि युवक को जांच पर भेजने के पीछे की पूरी साजिश क्या थी और क्या इसमें अन्य लोग भी शामिल थे।

बवाना में बदमाश आफताब को लगी गोली, लूट और हत्या समेत कई मामले हैं दर्ज

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस ने नरेला औद्योगिक क्षेत्र इलाके में मुठभेड़ के बाद एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। बदमाश की पहचान जेजे कॉलोनी निवासी आफताब आलम के रूप में हुई है। बदमाश के पैर में गोली लगी है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि स्पेशल स्टाफ को एक बदमाश के स्कूटी पर हथियार लेकर नरेला में घूमने की जानकारी मिली। पुलिस ने काले रंग की स्कूटी को जी ब्लॉक नरेला औद्योगिक क्षेत्र के पास रोकने की कोशिश की गई। स्कूटी सवार बदमाश पुलिस टीम पर दो राउंड फायरिंग की और पुलिस टीम ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए बदमाश पर तीन राउंड फायरिंग की, जिनमें से एक गोली बदमाश के दाहिने पैर में लगी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आफताब आलम पर झपटमारी, लूट और हत्या का एक मामला समेत कई मामले दर्ज हैं।

अवैध कफ सिरफ की तस्करी का पर्दाफाश

असम पुलिस ने 21 हजार से ज्यादा बोतलें की जब्त, दो गिरफ्तार

गुवाहाटी, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। असम पुलिस को अवैध कफ सिरप को लेकर एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। असम के कछार में पुलिस ने अवैध कफ सिरफ की 21,600 बोतलें बरामद की हैं, जिनकी अनुमानित कीमत 2.16 करोड़ रुपये है। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच से पता चला कि ये नशीली दवाएं पश्चिम बंगाल से लाई जा रही थी।

पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है। कछार जिले के सीनियर सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस नुमाल महत्ता ने बताया कि विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर कछार पुलिस ने सिलचर पुलिस स्टेशन के क्षेत्र रोंगपुर में भारी मात्रा में नशीली दवाओं की अवैध तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है।

ट्रक से जब्त की बोतलें

एससी नुमाल महत्ता ने बताया कि अवैध कफ सिरप की बोतलों की बरामदी एक ट्रक से की गई। उन्होंने कहा कि पुलिस टीम ने मधुरा प्वाइंट, रोंगपुर में एक संदिग्ध ट्रक को रोका। यह ट्रक कोलकाता से लुमडिंग-सिलचर रोड होते हुए त्रिपुरा की ओर आ रहा था। ट्रक में तलाशी लेने पर 36 लोहे के ड्रम बरामद किए गए। हर एक ड्रम में एस्कुफ कफ सिरप के चार कार्टून थे, और हर एक कार्टून में 150 बोतलें थीं। इस तरह ट्रक से कुल 21, 600 कफ सिरप की बोतलें बरामद की गईं।

दो व्यक्तियों को किया गिरफ्तार

पुलिस अधिकारी ने बताया कि अवैध कफ सिरप मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। दोनों आरोपियों की पहचान पश्चिम बंगाल निवासी बापी हलदर (45 वर्ष) और तपश बिस्वास (42 वर्ष) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि बोतलों की जब्ती स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में की गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जब्त की गई बोतलों की कीमत ब्लैक मार्केट में लगभग 2.16 करोड़ रुपये आंकी गई है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला कि ये नशीली दवा पश्चिम बंगाल से लाई गई थी। इस मामले में आगे की जांच जारी है।

सीएम ने की असम पुलिस की सराहना

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोशल मीडिया के जरिए राज्य पुलिस द्वारा ड्रग्स के खिलाफ चल रहे ऑपरेशन की सफलता की सराहना की। उन्होंने लिखा कि "छार पुलिस ने विश्वसनीय खुफिया जानकारी के आधार पर पड़ोसी राज्य से आ रहे एक वाहन को रोंगपुर में रोका और 2.16 करोड़ रुपये मूल्य की 21,600 बोतलें कफ सिरप जब्त कीं । दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया।"

आत्महत्या मामले में डीजीपी शत्रुजीत कपूर पर भी एफआईआर

छुट्टी पर भेजे गए डीजीपी?

गुरुग्राम, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी रहे वाई पूरन के आत्महत्या मामले में हरियाणा पुलिस के महानिदेशक (डीजीपी) शत्रुजीत कपूर के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह प्रथामिकी भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की अधिकारी और पूरन की पत्नी अमनीत की शिकायत पर दर्ज की गई है। प्राथमिकी में 13 अधिकारियों और पूर्व अधिकारियों के नाम हैं। हरियाणा पुलिस के डीजीपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद वह छुट्टी पर भेज दिए गए हैं। साथ ही रोहतक के एसपी नरेंद्र बिजारणिया को भी हटाया जा सकता है। चंडीगढ़ स्थित सेक्टर 11 पुलिस स्टेशन में दर्ज हुई एफआईआर, आईएएस पत्नी लिखित शिकायत और पूरन के फाइनल नोट पर आधारित है।

प्रथामिकी में हरियाणा के डीजीपी शत्रुजीत कपूर के अलावा रोहतक के पुलिस अधीक्षक आईपीएस नरेंद्र बिजारणिया ,हरियाणा के पूर्व डीजीपी मनोज यादव ,पूर्व आईएएस राजीव अरोड़ा (पूर्व एसीएस गृह) ,पूर्व चीफ सेक्रेटरी टीवीएसएन प्रसाद ,पूर्व डीजीपी पीके अग्रवाल ,आईएएस अधिकारी डॉ। एम रवि किरण ,आईएएस अधिकारी आईजी पंकज नैन ,एडीजीपी अमिताभ ढिल्लों ,एडीजीपी संजय कुमार ,आईएएस कला रामचंद्रन ,आईपीएस संदीप खिरवार और आईपीएस सिबाश कविराज के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

2.6 केजी सोना, 5 किलो चांदी, लाखों का कैश जब्त

फार्म हाउस से मिला 17 टन शहद, रिटायर्ड पीडब्ल्यूडी इंजीनियर के घर छापेमारी

भोपाल, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एक रिटायर्ड इंजीनियर के घर पर छापेमारी की गई है। भ्रष्टाचार विरोधी लोकायुक्त ने रिटायर्ड लोक निर्माण विभाग के चीफ इंजीनियर जीपी मेहरा के आवास पर छापेमारी की है। भ्रष्ट रिटायर्ड इंजीनियर के घर से करोड़ों रुपये की आय से अधिक संपत्ति का पता चला है। भ्रष्ट रिटायर्ड इंजीनियर के घर से करोड़ों रुपये का कैश, 3 करोड़ रुपये से ज्यादा का सोना और चांदी मिली है। उसके फार्म हाउस से 17 टन शहद भी बरामद हुआ है। लोकायुक्त के चार पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) स्तर के अधिकारियों द्वारा छापेमारी की गई। ये छापेमारी भोपाल और नर्मदापुरम के चार स्थानों पर की गई। मणिपुरम कॉलोनी स्थित मेहरा के आलीशान घर से अधिकारियों को 8.79 लाख रुपये नकद, लगभग 50 लाख रुपये के आभूषण और 56 लाख रुपये की सावधि जमा राशि मिली। लेकिन असली खजाना उनके दूसरे घर, दाना पानी के पास ओपल रीजेंसी के एक आलीशान अपार्टमेंट में था।

मछली पालन के लिए निजी तालाब भी

जहां जांचकर्ताओं को 26 लाख रुपये नकद, 3.05 करोड़ रुपये मूल्य का 2.6 किलोग्राम सोना और 5.5 किलोग्राम चांदी मिली। सोहागपुर (नर्मदापुरम) तहसील के सैनी गांव में स्थित फार्महाउस में 17 टन शहद, छह ट्रैक्टर, निर्माणाधीन 32 कॉटेज, सात बनकर तैयार कॉटेज का पता चला है। मछली पालन की सुविधाओं वाला एक निजी तालाब भी इस फॉर्म हाउस में बनाया गया है।

कई लग्जरी कारें भी की गईं जब्त

इसके अलावा, एक गौशाला, एक मंदिर, फोर्ड एंडेवर, स्कोडा स्लाविया, किआ सोनेट और मारुति सियाज जैसी लग्ज़री कारें भी मिली हैं। गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र स्थित केटी इंडस्ट्रीज तक भी छापेमारी की गई, जिसे मेहरा का व्यावसायिक अड्डा माना जाता है। यहां अधिकारियों को उपकरण, कच्चा माल, 1.25 लाख रुपये नकद और ऐसे दस्तावेज मिले जिनसे पता चलता है कि मेहरा के रिश्तेदार इस फर्म में साझेदार थे।

अभी भी छापेमारी में जुटी हुई है लोकायुक्त की टीम

लोकायुक्त की टीम को 36.04 लाख रुपये नकद, 2.649 किलो सोना, 5.523 किलो चांदी, सावधि जमा, बीमा पॉलिसियां, शेयर दस्तावेज, कई संपत्तियां और चार लग्ज़री कारें मिली हैं। लोकायुक्त अधिकारियों ने पुष्टि की कि संपत्तियों का मूल्यांकन अभी भी जारी है और यह कई करोड़ रुपये में होने की उम्मीद है। इस बीच, ज़ब्त किए गए दस्तावेजों, डिजिटल फाइलों और बैंकिंग रिकॉर्ड की जांच के लिए फोरेंसिक टीमें तैनात की गई हैं। जीपी मेहरा के बेनामी निवेशों का पता लगाया जा रहा है।

करनदीप सिंह लापता प्रकरण

कंपनी के जवाब का इंतजार, परिवार ने वीजा के लिए भेजा पासपोर्ट

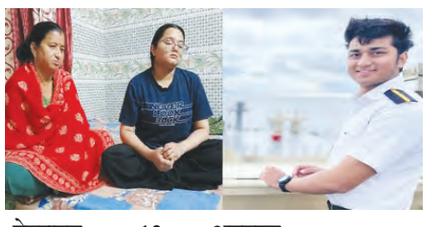

देहरादून, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। ईराक से चीन जा रहे जहाज से लापता हुए दून के करनदीप सिंह का 19 दिन बीतने के बाद भी कुछ पता नहीं चल सका है। चीन में चल रही जांच में परिवार को शामिल करने की बात पर अब अगला कदम भी कंपनी के हाथ में है। परिवार के दो सदस्यों का पासपोर्ट वीजा के लिए भेजा गया है लेकिन अभी तक कंपनी ने परिवार को कुछ नहीं बताया है। मर्चेंट नेवी में सीनियर डेक कैडेट के पद पर तैनात दून के करनदीप सिंह राणा 20 सितंबर को ईराक से चीन जा रहे जहाज से अचानक लापता हो गए थे। परिवार भी लगातार कोशिश में जुटा हुआ है। जहाज के चीन पहुंचने पर मामले की जांच भी शुरू की गई है। परिवार के दो सदस्यों को भी जांच में शामिल करने के लिए कहा गया है। परिवार ने जांच में शामिल होने के लिए पासपोर्ट बनवाया और वीजा के लिए भी भेज दिया है। कंपनी के जवाब के बाद ही अब परिवार भी आगे की तैयारी करेगा।

वहीं, चीन में हुई जांच से भी परिवार को कोई संतुष्टि नहीं मिल पा रही है। करनदीप की बहन सिमरन ने बताया कि दूसरे दिन की जांच में भी चार लोगों के बयान लिए गए लेकिन जांच में क्या निकला, क्या बयान हुए इसके बारे में कुछ नहीं बताया गया।

लोहे की जंजीरों से पीटा, हथेलियां जलाई और माथे पर गर्म सिक्का चिपकाया

उज्जैन, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के उज्जैन में झाड़ फूंक का एक दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला में भूत प्रेत का साया बताकर उसे लोहे की जंजीरों से पीटा, हथेलियों पर जलती हुई बाती रखकर गर्म सिक्के से कपाल जलाया। ढाई घंटे की प्रताड़ना के बाद महिला बेहोश हुई तब जाकर उसे छोड़ा गया। पीड़ित शादीशुदा महिला को लड़की होने पर उसके पति ने भी यह कहकर छोड़ दिया था कि लड़का चाहिए।

यह हृदय विदारक घटना उज्जैन से 70 किलोमीटर दूर खाचरोद तहसील के गांव श्रीवच की है। उज्जैन शहर के जूना सोमवारिया क्षेत्र में रहने वाली 22 वर्षीय उर्मिला चौधरी की अक्सर तबीयत खराब रहती थी। वह अगरबत्ती कारखाने में काम करने जाती है। रिश्तेदारों ने बताया कि इस पर भूत प्रेत का साया है इसलिए झाड़-फूंक करवाना चाहिए। महिला के पिता थाना खाचरोद के गांव श्रीवच में रहते हैं इसलिए रिश्तेदारों ने उसे झाड़ फूंक के लिए गांव में ही बुलाया। गांव में झाड़ फूंक करने वाले भी उसी के रिश्तेदार थे। उर्मिला ने आपबीती सुनाते हुए कहा, "उस महिला ने यह कहा कि मुझे चुड़ैल लग गई है। मैंने उसे कई बार मना किया कि मुझे कोई तकलीफ नहीं है लेकिन उसने एक न सुनी। कुछ और रिश्तेदार भी थे जो खुद को ओझा बता रहे थे। महिला और दो पुरुष झाड़फूंक का काम करते थे। इसके अलावा पांच अन्य पुरुष इस कार्य में उनका साथ दे रहे थे।" बता दें कि उर्मिला की शादी 6 साल पहले गौतमपुरा में हुई थी। उसे 2 वर्ष की एक लड़की भी है। पति ने उसे केवल यह कह कर छोड़ दिया कि उसे लड़का चाहिए था, लड़की क्यों हुई। उर्मिला अब अपनी मां के साथ उज्जैन में रहती है।

बुर्का या पर्दा करने वाली महिलाओं की पहचान कैसे होगी? चुनाव आयोग ने बताई क्या है रणनीति

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव में अब एक महीने से भी कम का समय शेष रह गया है। ऐसे में राजनीतिक पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयारी और तेज कर दी है। ऐसे में चुनाव आयोग भी मतदान की प्रक्रिया को सरल और सुगम बनाने के लिए जोरो सोरो से तैयारी में जुटा है। इसी सिलसिले में चुनाव आयोग ने शुक्रवार को बिहार में मतदान के दौरान बुर्का पहनने या पर्दा करने वाली महिलाओं को लेकर अहम घोषणा की। आयोग ने बताया कि बुर्का पहनने या पर्दा करने वाली महिलाओं के मतदान के दौरान उनकी गरिमापूर्ण पहचान के लिए विशेष इंतजाम किए जाएंगे। इसके तहत ऐसी महिलाओं की पहचान महिला पोलिंग अफसरों या सहायकों की मौजूदगी में की जाएगी, ताकि उनकी निजता बनी रहे।

इससे पहले मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को प्रेस वार्ता में बताया था कि हर बूथ पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को तैनात किया जाएगा, जो बुर्का या पर्दा पहनने वाली महिलाओं की पहचान में मदद करेंगी। उन्होंने यह भी कहा

था कि चुनाव आयोग की स्पष्ट गाइडलाइन है कि मतदान केंद्र के अंदर पहचान कैसे की जानी है, और इसे पूरी सख्ती से लागू किया जाएगा। बता दें कि ये मामला चर्चा में तब आया जब बीते दिनों बिहार भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने हाल ही में आयोग से अनुरोध किया था कि बुर्का पहनकर आने वाली महिलाओं के चेहरे को मतदाता कार्ड से मिलाया जाए।

गौरतलब है कि बिहार में 243 विधानसभा सीटों के लिए दो चरण में छह नवंबर और 11 नवंबर को मतदान होगा। 14 नवंबर को नतीजे आएंगे। पहले चरण में 6 नवंबर को 18 जिलों की 121 सीटों पर वोटिंग होगी। वहीं, दूसरे चरण में 11 नवंबर को 20 जिलों की 122 सीटों पर वोटिंग होगी। इस बार राज्य में कुल 7.43 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। इनमें लगभग 14 लाख नए मतदाता शामिल हैं, जो पहली बार वोट डालेंगे।

ट्रक से 221 आईफोन गायब

ड्राइवर भी लापता. मच गया हड़कंप फ्लिपकार्ट ने पुलिस में की शिकायत

लुधियाना, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब के लुधियाना में ऑनलाइन शॉपिंग कंपनी फ्लिपकार्ट के एक ट्रक से करीब 1.21 करोड़ रुपये मूल्य का सामान चोरी हो गया। चोरी हुए सामान में 221 आईफोन, पांच दूसरी कंपनियों के महंगे मोबाइल और अन्य सामान शामिल हैं। कुल 234 पार्सल गायब हुए हैं। इस चोरी में ट्रक चालक और उसके सहायक पर आरोप लगाए जा रहे हैं। गुरुग्राम स्थित एक लॉजिस्टिक फर्म के कर्मचारी ने पुलिस को शिकायत दी है। इस शिकायत में बताया गया कि 10 दिन पहले ही राजस्थान निवासी नासिर को ट्रक ड्राइवर के रूप में काम पर रखा था। नासिर और उसका सहायक ट्रक में 11 हजार से अधिक पार्सल लेकर खन्ना के गोदाम पहुंचाने गए थे। घटना के दिन ट्रक का सहायक अचानक खन्ना के गोदाम में ट्रक छोड़कर फरार हो गया।

जब गोदाम में पार्सल स्कैन किए गए, तो पता चला कि 234 पार्सल गायब हैं। फर्म ने तुरंत इस घटना की जानकारी पुलिस को दी। शिकायतकर्ता का दावा है कि नासिर और उसके सहायक ने पूर्व योजना बनाकर यह चोरी की। इस मामले में पुलिस ने ट्रक चालक नासिर और उसके सहायक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस कई जगहों पर छापेमारी कर रही है। पुलिस का कहना है कि दोनों आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस के अनुसार, चोरी गए पार्सल में ज्यादातर मोबाइल फोन थे। ये सामान महंगे होने के कारण आसानी से बाजार में बेचा जा सकता है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

जिसके पास दूसरा ऑप्शन हो वो आपका कभी नहीं हो सकता

तेलंगाना पुलिस के सामने तीन शीर्ष माओवादी नेताओं का आत्मसमर्पण

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। माओवादी संगठन सीपीआई (माओवादी) के तीन वरिष्ठ नेताओं ने शुक्रवार को तेलंगाना पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। आत्मसमर्पण करने वाले वरिष्ठ नेताओं में कुंकटी वेंकटराय उर्फ विकास, मोगिलीचेरला वेंकटराजु उर्फ चंदू और थोडेम गंगा उर्फ सोनी शामिल हैं। ये तीनों नेता राज्य समिति सदस्य (एससीएम) के रूप में कार्यरत थे और वर्षों से भूमिगत जीवन जी रहे थे। आत्मसमर्पण करने वाले तीनों वरिष्ठ नेताओं में कुंकटी वेंकटराय उर्फ विकास (आयु 52 वर्ष) सिद्धिपेट जिले के मूल निवासी हैं और 36 वर्षों तक भूमिगत रहे। दक्षिण बस्तर डिवीजनल कमेटी के प्रभारी के रूप में कार्यरत थे। इसी क्रम में मोगिलीचेरला वेंकटराजु उर्फ चंदू (आयु 45 वर्ष) हनमकोंडा जिले से हैं और 35 वर्षों तक संगठन में सक्रिय रहे। सांस्कृतिक मोर्चा (सीएनएम) के प्रभारी के रूप में कार्यरत थे। इसी तरह थोडेम गंगा उर्फ सोनी (आयु 42 वर्ष) छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले की निवासी हैं और 21 वर्षों तक माओवादी संगठन में रही। जनताना सरकार, दक्षिण बस्तर डिवीजन की प्रभारी थीं।

तीन शीर्ष माओवादी नेताओं का आत्मसमर्पण कई प्रमुख कारण बताया जा रहा है। तीनों नेताओं ने स्वास्थ्य समस्याओं, संगठन के भीतर विचारधारात्मक मतभेद और आंतरिक कलह को आत्मसमर्पण का प्रमुख कारण बताया।

इन्होंने अब सामान्य जीवन जीने, परिवार के साथ शांति से रहने और सरकार की पुनर्वास योजनाओं का लाभ उठाने की इच्छा व्यक्त की। तेलंगाना सरकार द्वारा प्रत्येक को 20 लाख रुपये का इनाम डिमांड ड्राफ्ट के रूप में प्रदान किया गया है। इसके अतिरिक्त, उन्हें सरकार की पुनर्वास नीति के तहत सभी आवश्यक सहायता प्रदान की जाएगी। इसे तेलंगाना पुलिस की रणनीति की सफलता मानी जा रही है। तेलंगाना पुलिस की समावेशी और मानवीय नीति के चलते वर्ष 2025 में अब तक कुल 412 माओवादी कैडर आत्मसमर्पण कर चुके हैं, जिनमें 1 केंद्रीय समिति सदस्य, 4 राज्य समिति सदस्य, 8 डिवीजनल समिति सदस्य और 35 क्षेत्रीय समिति सदस्य शामिल हैं। यह तेलंगाना पुलिस की एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। तेलंगाना पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने सभी भूमिगत माओवादी कैडरों से अपील की कि वे अपने गांव लौटें और राज्य के विकास में रचनात्मक भूमिका निभाएं। उन्होंने दोहराया, लड़ाई छोड़ो- गांव लौटो और वादा किया कि आत्मसमर्पण करने वाले सभी माओवादियों को सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग और सम्मानजनक जीवन के लिए आवश्यक सहायता प्रदान की जाएगी। तीन वरिष्ठ माओवादी नेताओं का आत्मसमर्पण न केवल सरकार की नीति की सफलता का प्रतीक है, बल्कि यह संकेत भी है कि हिंसा का रास्ता छोड़ कर शांति और विकास की ओर बढ़ना अब अधिकतर कैडरों की प्राथमिकता बन रहा है।

उपचुनाव में मतदाता 12 फोटो पहचान दस्तावेजों में से किसी का कर सकते हैं उपयोग

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। 11 नवंबर को होने वाले जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव में मतदाता 12 वैध फोटो पहचान दस्तावेजों में से किसी का भी उपयोग करके अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे। जिला चुनाव आयुक्त आर.वी. कर्णन ने शुक्रवार को यह सूची जारी की और बताया कि इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी पात्र मतदाता अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग कर सकें। जिन मतदाताओं के पास मतदाता पहचान पत्र (ईपीआईसी) नहीं है, वे मतदान केंद्र पर आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंक या डाकघर द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक, श्रम मंत्रालय द्वारा जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड या आयुष्मान भारत स्वास्थ्य कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर के अंतर्गत महापंजीयक द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, विदेश मंत्रालय द्वारा जारी भारतीय पासपोर्ट, फोटोग्राफ सहित पेंशन दस्तावेज़, केंद्र या राज्य सरकार, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों या सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा जारी फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, सांसदों/विधायकों/एमएलसी को जारी किए गए आधिकारिक पहचान पत्र या सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा जारी विशिष्ट विकलांगता पहचान पत्र (यूडीआईडी) कार्ड में से कोई भी दस्तावेज़ प्रस्तुत करके अपना वोट डाल सकते हैं।

बीआरएस नेता ने कांग्रेस पर पिछड़ा वर्ग के साथ लगाया विश्वासघात का आरोप

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भवन में पत्रकारों से बात करते हुए बीआरएस नेता और पिछड़ा वर्ग के नेता कायमा मल्लेश ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने चुनाव से पहले किए गए 42 प्रतिशत आरक्षण के वादे पर पिछड़े वर्ग को मूर्ख बनाया। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी जानबूझकर 42 प्रतिशत आरक्षण लागू करने के तकनीकी पहलुओं की अनदेखी कर रहे हैं और झूठी उम्मीदें जगा कर पिछड़ों को निराश कर रहे हैं।

मल्लेश ने कहा कि कुछ पिछड़ा वर्ग के नेता कांग्रेस और भाजपा की बजाय बीआरएस पर निशाना साध रहे हैं और इस तरह मजाक का पात्र बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे नेताओं को कांग्रेस और भाजपा का सामना करना चाहिए, न कि बीआरएस नेताओं के खिलाफ। उन्होंने जाति जनगणना में कथित हेराफेरी का भी उल्लेख किया और दावा किया कि पिछड़ा वर्ग की आबादी को जानबूझकर कम दिखाया गया ताकि कोटे को सही ठहराया जा सके।

बीआरएस नेता ने आगामी जुबली हिल्स उपचुनाव में पिछड़ी जातियों से कांग्रेस को करारा सबक सिखाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी गरीब और कमजोर तबके के लोगों को नासमझ समझते हैं, लेकिन पिछड़ी जातियां उन्हें उचित सजा देंगी। मल्लेश ने मंत्रिमंडल आवंटन में निष्पक्षता की कमी की ओर भी इशारा किया और रेवंत के मंत्रिमंडल में कम से कम सात पिछड़ी जातियों के नेताओं को जगह देने की मांग की।

हाइड्रा ने बंजारा हिल्स की 750 करोड़ रुपये की जमीन की सुरक्षा की

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में शुक्रवार को हाइड्रा का विध्वंस अभियान जारी रहा, जिसमें पॉश बंजारा हिल्स इलाके में बहुमूल्य सरकारी जमीन पर अतिक्रमण को निशाना बनाया गया। अधिकारियों ने बसवतारकम कैंसर अस्पताल के पास लगभग 750 करोड़ रुपये मूल्य की पांच एकड़ जमीन पर अवैध ढांचे हटा दिए। यह कार्रवाई कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच की गई। शेखपेट मंडल के रोड नंबर 10 पर स्थित अतिक्रमित जमीन आंशिक रूप से हैदराबाद जल बोर्ड को आवंटित की गई थी, जिसमें से 1.20 एकड़ जमीन आधिकारिक तौर पर बोर्ड के लिए निर्धारित थी। हालांकि, वीआर इंफ्रा के पार्थसारथी और उनके बेटे विजय भार्गव ने पूरी पांच एकड़ जमीन पर अपना दावा ठोक दिया और उस पर कब्जा कर लिया, शेड बनवा दिए और उस जगह की बाड़ लगा दी। उन्होंने उस जगह की सुरक्षा के लिए सुरक्षाकर्मियों और कुत्तों को भी तैनात किया था। पार्थसारथी ने पंजीकृत विक्रय पत्र के माध्यम से जमीन को अपना बताते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया था, जबकि सरकारी रिकॉर्ड में जमीन संख्या 403/52 सरकारी स्वामित्व में दर्ज थी। हाइड्रा ने जमीन की सरकारी स्थिति की पुष्टि की और मौके का निरीक्षण करने के बाद अतिक्रमण हटाने का फ़ैसला किया। इस कार्रवाई के बाद, हाइड्रा के अधिकारियों ने पूरे पांच एकड़ के भूखंड पर बाड़ लगा दी और उसे सरकारी संपत्ति घोषित करने वाले बोर्ड लगा दिए। यह कार्रवाई सार्वजनिक भूमि की रक्षा और उच्च मूल्य वाले क्षेत्रों में अवैध कब्ज़ों पर अंकुश लगाने के लिए राज्य की प्रतिबद्धता को पुष्ट करती है।

डीसीपी सेंट्रल जोन ने दोमलगुडा थाने का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। डीसीपी सेंट्रल जोन के. शिल्पवल्ली ने गांधीनगर संभाग के दोमलगुडा थाने के अभिलेखों का वार्षिक निरीक्षण किया। इस मौके पर आनंद एडीसीपी सेंट्रल ज़ोन, यादगिरी एसीपी गांधीनगर एसएचओ अमजद अली, डीआई सुधाकर, एसआईडी स्टाफ सभी निरीक्षण के लिए उपस्थित थे।

परेड निरीक्षण, किट निरीक्षण के बाद, डीसीपी ने थाना स्टाफ के साथ बातचीत की। गणेश निर्मजन बंदोबस्त के दौरान दोमलगुडा थाना स्टाफ के अच्छे काम की सराहना करते हुए, उन्होंने डीजी के दृढ़, निष्पक्ष और मैत्रीपूर्ण पुलिसिंग के संदेश को दोहराया और सीपी के स्टाफ को शिकायतकर्ताओं के प्रति सहानुभूतिपूर्ण और त्वरित प्रतिक्रिया, सामुदायिक पुलिसिंग और सक्रिय पुलिसिंग को कर्तव्यों के निर्वहन में एक अतिरिक्त मील बताया। डीसीपी ने पिछले 3 वर्षों के मामलों के रिकॉर्ड और जांच का 8 अक्टूबर और आज 10 अक्टूबर को दो दिनों तक गहन निरीक्षण किया। थाने में रिकॉर्ड का निरीक्षण करने के बाद, डीसीपी ने क्षेत्र का दौरा किया और स्थानीय लोगों से पुलिस स्टेशन के प्रदर्शन और प्रतिक्रिया के बारे में बातचीत की। उन्होंने असंतोष व्यक्त किया और कॉलोनियों में जागरूकता कार्यक्रम चलाने का अनुरोध किया। डीसीपी ने एसएचओ/डीआई और एसआई को क्षेत्र में घूमने, दृश्य पुलिसिंग करने, महिला सुरक्षा, साइबर अपराध, नशा मुक्ति, यातायात नियमों, सीसीटीवी कैमरों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने और खेलकूद जैसी गतिविधियों में युवाओं और समुदाय को शामिल करने के निर्देश दिए।

डीसीपी ने जांचाधीन मामलों के निपटारे और संपत्ति संबंधी अपराधों में संपत्ति की वसूली पर संतोष व्यक्त किया, जो 65 प्रतिशत है। कुल मिलाकर पुलिस स्टेशन का प्रदर्शन अच्छा है और डीसीपी ने अधिकारियों को अधिक सक्रिय रहने और एसआई और कर्मचारियों में पेशेवर क्षमताएं विकसित करने के निर्देश दिए।

ब्रिलियंट कॉलेज से लगभग एक करोड़ रुपये की चोरी

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अब्दुल्लापुरमेट स्थित ब्रिलियंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में चोरों ने कथित तौर पर कॉलेज कार्यालय से करीब एक करोड़ रुपये की नकदी चुरा ली। जानकारी के अनुसार, चोरों ने कार्यालय का दरवाज़ा और कई लॉकर तोड़े, जिनमें ब्रिलियंट समूह के तीन संस्थानों की नकदी रखी थी। यह घटना गुरुवार रात कर्मचारियों के जाने के बाद हुई मानी जा रही है।

कॉलेज का स्वामित्व कांग्रेस विधायक कासिरेड्डी नारायण रेड्डी के पास है। शुक्रवार को स्टाफ ने चोरी की जानकारी पाई और कॉलेज प्रशासन एवं स्थानीय पुलिस को सूचित किया। पुलिस को संदेह है कि यह पूर्व नियोजित चोरी थी, क्योंकि चोरों ने लगभग 200 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज वाला डीवीआर भी चुरा लिया, ताकि कोई वीडियो साक्ष्य न बचे।

पुलिस का मानना है कि चोरी कॉलेज के आंतरिक कार्यों से परिचित किसी व्यक्ति ने की, क्योंकि उसे नकदी का सटीक स्थान और सीसीटीवी नेटवर्क की जानकारी थी। कॉलेज प्रबंधन की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने कर्मचारियों से पूछताछ शुरू कर दी है, जबकि फोरेंसिक टीमों ने घटनास्थल की जांच कर नमूने एकत्र किए हैं।

एलीट ईगल टीम ने अंतर्राष्ट्रीय ड्रग मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क के सरगना को मुंबई से किया गिरफ्तार

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एलीट ईगल टीम ने मुंबई में नाइजीरियाई ड्रग सिंडिकेट से जुड़े ड्रग मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क के सरगना डी रताजी प्रजापति को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई रचाकोंडा पुलिस द्वारा नाइजीरियाई नागरिक ओनेइसी एसोमची केनेथ उर्फ मैक्सवेल उर्फ इमैनुएल बेदियाको की गिरफ्तारी के बाद की गई थी, जिसके बाद मुंबई, दिल्ली, राजस्थान और गोवा में कई अन्य गिरफ्तारियां हुई थीं।

जांच में पता चला कि प्रजापति और उसके सहयोगी मुंबई, अहमदाबाद, नई दिल्ली और गोवा के बीच एक विशाल हवाला नेटवर्क चला रहे थे। इस नेटवर्क के जरिए नाइजीरियाई नागरिकों से प्राप्त ड्रग मनी का लेन-देन किया जाता था। ईगल टीम ने मुंबई में प्रजापति को गिरफ्तार कर, भरत कुमार छगनलाल एंड कंपनी नामक फर्म से 3 करोड़ रुपये की हवाला राशि जब्त की, जिसे नशीली दवाओं की आय को बाहर भेजने में इस्तेमाल किया जा रहा था।

जांच अधिकारियों ने बताया कि यह धनराशि कपड़े, मानव बाल और परिधान जैसी वैध चीजों के निर्यात की आड़ में नाइजीरिया भेजी जाती थी। प्रजापति के सहयोगियों में चेतन सिंह, रौनक प्रजापति, चेतन मावजी और उत्तम सिंह उर्फ जसवंत शामिल हैं, जो नाइजीरियाई कार्टेल के लिए धन संग्रह और डिलीवरी का काम संभालते थे। जांच में अहमदाबाद और नई दिल्ली में अन्य हवाला केंद्रों का भी खुलासा हुआ। इसके अलावा, पहले गिरफ्तार किए गए ओनेइसी केनेथ ने भारत में ड्रग व्यापार के लिए पांच अलग-अलग पासपोर्ट का इस्तेमाल किया था, जिनमें चार नाइजीरियाई और एक घानाई पासपोर्ट था। इससे फर्जी पहचान के तहत अपराधियों के देश में प्रवेश की गंभीर समस्याएं सामने आई हैं। अब तक इस मामले में कुल 25 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और 3.084 करोड़ रुपये की ड्रग मनी जब्त की गई है।

सेवानिवृत्त कर्मचारी ने की सरकार से लंबित लाभ जल्द देने की अपील

कोत्तागुडेम, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोशल मीडिया पर संदेश में श्रीनिवास राव ने कर्मचारियों, जेएसी नेताओं और अधिकारियों से मदद की अपील की और कहा, मैं सेवानिवृत्ति लाभों का इंतजार कर रहा हूं क्योंकि मेरा जीवन जिंदगी और मौत के बीच झूल रहा है। उन्होंने अस्पताल के एक वार्ड में ली गई अपनी तस्वीर भी साझा की। कोत्तागुडेम सरकारी आईटीआई में अधीक्षक के रूप में सेवा देने वाले श्रीनिवास राव ने बताया कि वह 31 मार्च, 2025 को सेवानिवृत्त हो गए, लेकिन उन्हें अभी तक जीपीएफ, पीआरसी 2020 बकाया, 300 दिनों का अर्जित अवकाश का नकदीकरण, डीए बकाया और 2024 में सरेंडर किए गए ईएल से संबंधित लाभ नहीं मिले हैं।

श्रीनिवास राव पहले ही दो बार हृदयाघात का शिकार हो चुके हैं और हाल ही में एक निजी अस्पताल में उनका इलाज हुआ, जहां डॉक्टरों ने उन्हें फिर से स्टेंट लगाने की सलाह दी। इसके अलावा उन्हें रीढ़ की हड्डी से जुड़ी एल4-एल5 समस्या की सर्जरी भी हुई है। उनके पास अपने बच्चे की शादी, घर का निर्माण और पत्नी के घुटने के इलाज जैसी पारिवारिक जिम्मेदारियां हैं, जिनके लिए उन्हें आर्थिक मदद की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि सेवानिवृत्ति लाभों में देरी के कारण उन्हें गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने दुख जताते हुए कहा, अगर मैं किसी से यह कहकर कर्ज मांगता हूं कि मैं अपनी सेवानिवृत्ति की रकम मिलने के बाद उसे चुका दूंगा, तो वे यह कहकर कर्ज देने से मना कर देते हैं कि कोई नहीं जानता कि रकम कब चुकाई जाएगी। तेलंगाना में एक सेवानिवृत्त कर्मचारी की यही हालत है, जिसके लिए हमने लड़ाई लड़ी थी।

कांग्रेस सरकार पर पिछड़ा वर्ग आरक्षण में विफलता का आरोप

खम्मम, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व सांसद नामा नागेश्वर राव ने कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाया कि उसने पिछड़ा वर्ग (बीसी) आरक्षण को वैध बनाने में विफलता दिखाई है। उन्होंने स्थानीय निकाय चुनावों में बीसी के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण देने वाले सरकारी आदेश संख्या 9 पर उच्च न्यायालय के रोक आदेश का हवाला दिया और कहा कि सरकार ने पिछड़ा वर्ग के अधिकारों की रक्षा में लापरवाही बरती है। नागेश्वर राव ने कहा कि बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव ने तेलंगाना राज्य के निर्माण में सभी को (चाहे उनकी राजनीतिक संबद्धता कुछ भी हो) शामिल किया था। लेकिन अब कांग्रेस एकतरफा कार्रवाई कर रही है और पिछड़ा वर्ग कोटे से संबंधित कानूनी प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया गया।

उन्होंने बताया कि राज्य में भाजपा और कांग्रेस के सोलह-सोलह सांसद होने के बावजूद, दोनों ने संसद में पिछड़ा वर्ग आरक्षण का मुद्दा कभी उठाया नहीं। उनके अनुसार, दोनों पार्टियों ने पिछड़ा वर्ग के साथ विश्वासघात किया है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों को संसद में कानून बनाकर पिछड़ा वर्ग आरक्षण बढ़ाने के लिए काम करना चाहिए। नागेश्वर राव ने पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं से अपील की कि वे चंद्रशेखर राव के निर्देशानुसार पिछड़ा वर्ग आरक्षण पर सरकार के छल को जनता तक पहुंचाएं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने चुनाव के समय बड़े वादे किए थे, लेकिन सत्ता में आने के बाद उन्हें भूल गई है। उन्होंने सुझाव दिया कि सरकार को पिछड़े वर्गों के अधिकार और हितों की रक्षा के लिए उचित कदम उठाने चाहिए। बीआरएस हमेशा पिछड़ा वर्गों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा में अग्रणी भूमिका निभाएगा। इस बीच, पिछड़े वर्ग संगठनों ने भद्राचलम, डुम्मुगुडेम और अन्य स्थानों पर सरकार की विफलता के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और कहा कि कांग्रेस और भाजपा पिछड़ा वर्ग के आरक्षण के प्रति ईमानदार नहीं हैं।

एससीआर महिला टीम ने अखिल भारतीय रेलवे कबड्डी चैंपियनशिप जीता

दक्षिण मध्य रेलवे की टीम ने दक्षिण पूर्व रेलवे को 25-19 से हराया

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, सिकंदराबाद में आज 47वीं अखिल भारतीय कबड्डी (महिला) चैंपियनशिप जीत ली। इंटीग्रल कोच फैक्ट्री, चेन्नई तीसरे स्थान पर रही।

इस अवसर पर दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव मुख्य अतिथि थे और उन्होंने एससीआर महिला टीम को चैंपियनशिप ट्रॉफी प्रदान की और टीमों को पदक और प्रमाण पत्र भी वितरित किए।

महाप्रबंधक ने विजेताओं को बधाई दी और सभी टीमों की खेल भावना और ईमानदारी की सराहना की। सत्य प्रकाश, अपर महाप्रबंधक, एससीआर, पी. कोटेश्वर राव, महासचिव, एससीआरएसए और वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी/भंडार एवं कार्यशाला, संतोष कुमार वर्मा, मंडल रेल प्रबंधक, हैदराबा, मंडल, प्रमुख विभागाध्यक्ष, अन्य वरिष्ठ रेल अधिकारी, खेल कर्मी और कर्मचारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे और रोमांचक फाइनल मैच के साक्षी बने।

इस वर्ष, कुल नौ टीमों- दक्षिण पूर्व रेलवे, पूर्व रेलवे, पश्चिम रेलवे, मध्य रेलवे, इंटीग्रल कोच फैक्ट्री, उत्तर पूर्व रेलवे, पूर्वी तट रेलवे और मेजबान दक्षिण मध्य रेलवे ने इस चैंपियनशिप में भाग लिया, जो 7 से 10 अक्टूबर, 2025 तक लीग-सह-नॉकआउट आधार पर आयोजित की गई थी।

ट्रैफिक मार्शल समर्पित सेवा के लिए सम्मानित

अनूठे कार्यक्रम के एक साल से ज्यादा पूरे होने पर मना जश्न

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोसाइटी फॉर साइबराबाद सिक्योरिटी काउंसिल (एससीएससी) ने साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस (सीटीपी) के सहयोग से, पिछले एक साल से साइबराबाद आईटी कॉरिडोर में यातायात प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले ट्रैफिक मार्शलों के लिए एक सम्मान समारोह का आयोजन किया। जुलाई 2024 में 50 मार्शलों के साथ शुरू किया गया ट्रैफिक मार्शल कार्यक्रम अब बढ़कर 135 हो गया है, जो सुचारू यातायात और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में उद्योग-पुलिस की मजबूत साझेदारी को दर्शाता है।

इस अवसर पर बोलते हुए, डॉ. गजराव भूपाल संयुक्त पुलिस आयुक्त-यातायात और उपाध्यक्ष, एससीएससी ने मार्शलों के समर्पण की सराहना की और कहा कि यह पहल प्रभावी सार्वजनिक-निजी सहयोग का उदाहरण है। राजेश बलाराजू, एससीएससी ट्रैफिक फोरम के संयुक्त सचिव ने एससीएससी के माध्यम से इस अनूठे सार्वजनिक-निजी भागीदारी कार्यक्रम में सहयोग करने वालों की सराहना की। एससीएससी के सीईओ नावेद आलम खान ने इस बात पर प्रकाश डाला कि मार्शलों की उपस्थिति ने प्रमुख चौराहों पर भीड़भाड़ को काफी कम किया है और समग्र यातायात अनुशासन में सुधार किया है। कार्यक्रम के एक भाग के रूप में सभी ट्रैफिक मार्शलों को हेलमेट और यूटिलिटी किट वितरित किए गए।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, JC 774532F, Sub, Baji Babu Shaik, R/o, Dist: Bapatla, Andhra Pradesh, changed my Father's name from Shaik Khadar Vali to Shaik Khadar-vali, vide Affidavit No.282148 dt.08.10.2025, before Medchal -Malkajgiri Court, Telangana.

I, JC 774532F, Sub, Baji Babu Shaik ,R/o, Dist: Bapatla, Andhra Pradesh, changed my Mother's name from Shaik Gousha Bagam to Shaik Gous-abi , vide Affidavit No282146 dt.08.10.2025, be-fore Medchal -Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

जेपीएस राठौर का सपा पर तीखा हमला

'2017 से पहले बीमारू राज्य आज माफिया भाग रहे हैं'

हरदोई, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हरदोई में आयोजित स्वदेशी मेले में सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर ने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला।

उन्होंने कहा कि 2017 से पहले यूपी एक बीमारू राज्य था, जहां उद्योगपति नहीं आना चाहते थे, जबकि आज माफिया भाग रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्त कानून व्यवस्था ने प्रदेश को विकसित बनाने की दिशा में ले जाकर प्रति व्यक्ति आय और जीएसडीपी को दोगुना कर दिया है। यही नहीं राठौर ने अखिलेश यादव और आजम खान की हालिया मुलाकात पर तंज कसा और इसे 'घड़ियाली आंसू' करार दिया यह मेला आत्मनिर्भर भारत और वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट योजना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है, जोकि प्रदेश के 75 जिलों में चल रहा है। मंत्री जेपीएस राठौर ने कहा कि 2017 से पहले यूपी बीमारू राज्य की श्रेणी में था। यहां उद्योगपति आना नहीं चाहते थे। अपहरण उद्योग, नकल माफिया, जमीन कब्जा और ट्रांसफर-पोस्टिंग उद्योग फल-फूल रहे थे। आगे बोले कि आज यूपी में माफिया डरते हैं, और असली उद्योग फल-फूल रहे हैं, जिससे युवाओं को नई रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। मंत्री ने योगी सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए बताया कि प्रदेश की इनकम 2017 से 2025 तक दोगुनी हो चुकी है। जीएसडीपी 12.89 लाख करोड़ से बढ़कर 27.51 लाख करोड़ रुपये हो गया है, और प्रति व्यक्ति आय भी दोगुनी हो चुकी है। जेपीएस राठौर ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव और वरिष्ठ नेता आजम खान की 8 अक्टूबर को रामपुर में हुई मुलाकात पर कटाक्ष करते हुए कहा कि अखिलेश 23 महीने तक आजम से पूछने नहीं गए।

बिहार चुनाव: एनडीए में डन हो गई डील

सीट बंटवारे पर राजी हुए चिराग पासवान, जल्द होगा ऐलान

पटना, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में सत्तारुढ़ एनडीए में सीट शेयरिंग को लेकर कई दिनों से लगातार बातचीत हो रही है, लेकिन अभी तक कुछ भी फाइनल नहीं हो पाया है।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान लोक जनशक्ति पार्टी के लिए बड़ी मांग कर रहे हैं। उन्हें कल से ही मनाया जा रहा है। लेकिन अब सूत्रों के हवाले से खबर है कि सीट को लेकर चिराग पासवान मान गए हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि जल्द ही सीट शेयरिंग को लेकर ऐलान कर दिया जाए। माना जा रहा है कि एनडीए में चिराग पासवान के साथ सीट बंटवारे की बातचीत फाइनल हो गई है। चिराग को मनाने के लिए नित्यानंद राय आज शुक्रवार को फिर उनके आवास पर गए थे। दोनों के बीच आज फिर से बैठक हुई।

चिराग पासवान की पार्टी को 26 सीटें संभव

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान आज जब अपने मंत्रालय के लिए निकले तो उनसे डील डन से जुड़ा सवाल किया गया तो उन्होंने सिर हिलाकर अपनी सहमति जताई। माना जा रहा है कि जल्द ही सीट शेयरिंग का ऐलान कर दिया जाएगा। कयास है कि बीजेपी लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास पासवान) को 25 से 26 सीटें दे सकती है। सीट बंटवारे को लेकर एनडीए में जारी घमासान के बीच बीजेपी चिराग पासवान को लगातार मनाने की कोशिश में लगी है। बीजेपी ने केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय को उन्हें मनाने की जिम्मेदारी सौंपी है। नित्यानंद कल गुरुवार को चिराग से मिलने 3 बार उनके आवास पर गए। पहली बार जब नित्यानंद आए तो चिराग अपने घर से निकल चुके थे, तब उन्होंने उनकी मां से मुलाकात की थी। इसके बाद वह 2 बार और मिलने आए। लेकिन तब कोई बात नहीं बनी।

24 घंटे में 4 बार चिराग से मिले नित्यानंद

नित्यानंद राय आज शुक्रवार को भी चिराग से मिलने आए। वह 24 घंटे में 4 बार चिराग से मिलने जा चुके हैं। अब माना जा रहा है कि चिराग पासवान सीट शेयरिंग को लेकर मान गए हैं। इससे पहले नित्यानंद राय ने कल कहा था कि बिहार चुनाव के मद्देनजर लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के साथ सब कुछ पॉजिटिव है। चिराग से बातचीत करने के बाद राय ने कहा, "हमारे चेहरों की मुस्कान ही सब कुछ बता रही है। सब कुछ पॉजिटिव है। चिराग समय आने पर विस्तार से बताएंगे।"

चिराग ही नहीं मांझी के भी तेवर सख्त

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने भी नित्यानंद राय की बात का समर्थन करते हुए कहा कि राय ने जो कहा, वही स्थिति है। सभी बातें समय आने पर विस्तार से साझा की जाएंगी। चिराग से मिलने के बाद नित्यानंद ने केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात की। प्रधान बिहार विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी के प्रभारी हैं। कहा जा रहा है बीजेपी के दोनों दलित सहयोगी अपनी-अपनी मांगें रख रहे हैं। चिराग पासवान के अलावा केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी भी सीटों को लेकर सख्त तेवर अपनाए हुए हैं। वह सीटों की संख्या को लेकर नहीं, बल्कि सीटों के चयन को लेकर भी सख्त बने हुए हैं।

'सैफई में नेताजी के नाम पर बनेगा स्मारक'

मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर अखिलेश का ऐलान

लखनऊ, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव और पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं ने शुक्रवार को पार्टी संस्थापक मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर उन्हें पैतृक गांव सैफई में पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान सपा महासचिव शिवपाल यादव, राज्यसभा सांसद राम गोपाल यादव और रामजी लाल सुमन सहित सपा के कई प्रमुख नेता मुलायम सिंह की पुण्य तिथि पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए।

इस अवसर पर पत्रकारों से बात करते हुए, अखिलेश यादव ने कहा कि इस स्थल पर जल्द ही दिवंगत नेता को समर्पित एक स्मारक बनाया जाएगा। उन्होंने कहा, 'यह नेताजी के नाम पर एक स्मारक होगा। सभी समाजवादियों के लिए एक स्मारक। यह पीढ़ियों को प्रेरित करेगा और इसके माध्यम से, नेताजी अपने विचारों के रूप में हमारे बीच रहेंगे।' उन्होंने कहा कि हम लोगों की कोशिश होगी कि अगले वर्ष तक इस प्रेरणा स्थल को पूरा बना लें। अगले वर्ष नेताजी के जन्मदिन के दिन 22 नवंबर, 2026 को एक बड़े कार्यक्रम के साथ इसका उद्घाटन करने का काम हम लोग करेंगे।

अखिलेश यादव ने कहा कि आज के दिन हम सब लोग संकल्प लेते हैं कि नेताजी के बताए हुए रास्ते पर चलकर इस देश के किसान, मजलूम, अल्पसंख्यक, आदिवासी, मुसलमान भाइयों के लिए हमेशा संघर्ष करेंगे। बहुत सारे फैसले नेताजी ने लिए हैं जिन फैसलों की वजह से समाज में बदलाव दिखाई देता है। मुख्य रूप से समाजवाद और सेकुलरिज्म को उन्होंने हर मौके पर मजबूत बनाने का काम किया।

पिता के हाथ में तीर

वोटिंग से पहले बेटे ने पकड़ लिया लालटेन; दिलचस्प हुआ चुनाव

बांका, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव (2025) की सरगर्मी के बीच दल-बदल का सिलसिला तेज हो गया है। पूर्णिया के पूर्व जदयू सांसद संतोष कुशवाहा के राजद में शामिल होने के बाद अब बांका के जदयू सांसद गिरिधारी यादव के पुत्र चाणक्य प्रकाश रंजन ने भी राजद का दामन थाम लिया है। चाणक्य प्रकाश ने लंदन से उच्च शिक्षा प्राप्त की है। उन्होंने पटना स्थित आवास पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव से मुलाकात के बाद शुक्रवार को राजद की सदस्यता ग्रहण की। बेलहर विधानसभा बांका जिले का सबसे बड़ा विधानसभा क्षेत्र माना जाता है। यहां लगभग 3.60 लाख मतदाता हैं। यादव बहुल यह इलाका हमेशा से राजनीतिक रूप से सक्रिय रहा है। पिछले 2020 के विधानसभा चुनाव में राजद प्रत्याशी पूर्व विधायक रामदेव यादव को जदयू के मनोज यादव से लगभग ढाई हजार मतों से हराया था। इस बार रामदेव यादव का टिकट कटने और उनकी जगह चाणक्य के मैदान में उतरने की चर्चा ने सियासत को गर्मा दिया है। यहां से सांसद गिरिधारी यादव दो बार जदयू के विधायक रहे हैं। इसी दल से एक बार जर्नादन मांझी बने। वर्तमान में जदयू से मनोज यादव विधायक हैं। इसके पहले गिरिधारी के सांसद बनने के बाद 2019 में हुए उपचुनाव में राजद से रामदेव यादव की जीत हुई थी।

मैं नीतीश के साथ, बेटा स्वतंत्र है: गिरिधारी

चर्चा है कि चाणक्य पहले जदयू से टिकट चाह रहे थे। बात नहीं बनने पर राजद का रास्ता चुना। पुत्र के राजद के लड़ने के सवाल पर जदयू सांसद गिरिधारी यादव ने कहा कि वे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ हैं। मेरी आस्था एनडीए के साथ है। बेटा युवा है, उसकी अपनी सोच व स्वतंत्र विचार है। इस संदर्भ में राजद जिलाध्यक्ष अर्जुन ठाकुर ने कहा कि राज्य के भविष्य तेजस्वी यादव हैं। लालटेन जिनके हाथ में होगा वह उन्हें चुनाव में जीताने का काम करेंगे।

तेजस्वी यादव के 'हर घर सरकारी नौकरी' वाले दावे पर

जेडीयू नेता का हमला, बोले- 'उनकी बुद्धि भी जेल में कैद'

पटना, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के चुनावी माहौल में राजद के नेता तेजस्वी यादव द्वारा हाल ही में किए गए 'हर घर में सरकारी नौकरी' देने के वादे ने राजनीतिक बहस को और तेज कर दिया है। इस वादे पर जेडीयू नेता नीरज कुमार ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। नीरज कुमार ने कहा कि 20 वर्षों से लालू परिवार सत्ता से बाहर है, तो क्या उनकी बुद्धि भी कारावास में कैद हो गई है।

क्या राज्य सरकार के पास संविधान के तहत यह अधिकार है कि वह हर घर में सरकारी नौकरी दे सके। इसका मतलब यह है कि संविधान से तेजस्वी यादव का कोई लेना-देना नहीं है। जेडीयू नेता नीरज कुमार ने आगे सवाल उठाया कि बिहार में 2 करोड़ 76 लाख 68 हजार 930 परिवार हैं, जो जातिगत सर्वे में शामिल हैं। नीरज कुमार ने कहा कि यदि एक परिवार में चार सदस्य शैक्षणिक योग्यता रखते हैं, तो क्या सभी को सरकारी नौकरी मिलेगी और यह कैसे संभव है। यह वादे केवल अज्ञानता और भ्रम फैलाने के लिए दिए जा रहे हैं।

नीरज कुमार ने तेजस्वी यादव द्वारा विशेषज्ञ की राय लेने के दावे पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि आपने कहा कि विशेषज्ञ की राय ली है, लेकिन कौन है यह विशेषज्ञ जो अज्ञानता का तांडव मचा रहा है। नौकरी के अवसर केवल सरकारी क्षेत्र तक सीमित नहीं हैं, बल्कि निजी क्षेत्र और गैर सरकारी क्षेत्र में भी रोजगार मिलते हैं। इस प्रकार का वादा सिर्फ चुनावी प्रचार लगता है। नीरज कुमार ने राजद के पुराने फैसलों की ओर इशारा करते हुए कहा कि आपने पहले भी जब नौकरी के बदले जमीन ली थी, तो उसे लौटा दिया। अब ऐसा वादा करना अज्ञानता और भ्रम की राजनीति है।

'भगवान से तो डरते नहीं, चुनाव आयोग से क्या डरेंगे'

एफआईआर होने के बाद बोले पप्पू यादव

पूर्णिया, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की सरगर्मी के बीच पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव के खिलाफ एफआईआर हो गई है। पप्पू यादव पर आरोप है कि उन्होंने बिहार चुनाव के मद्देनजर लागू आचार संहिता के बीच जनता को पैसे बांटे। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। अब एफआईआर होने के बाद खुद पप्पू यादव ने प्रतिक्रिया दी है। उनका कहना है, हम भगवान से तो डरते नहीं हैं, चुनाव आयोग से क्या डरेंगे? पैसे मांगने का आरोप लगने पर पप्पू यादव ने सफाई पेश की और बताया कि वह जनता में नोट बांटने क्यों गए। न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए पप्पू यादव ने कहा, हम न तीन में न तेराह में, न हमको चुनाव लड़ना है। चार-चार लोग सीएम पद के दावेदार हैं। चिराग पासवान हाजीपुर से, नित्यानंद राय वहीं से, कुशवाहा जी और हमारे नेता भी वहीं से। वहां पर बाढ़ में सब यादव और राजपूत का घर कट गया।

'भगवान से डरबे नहीं करते हैं ईसी से कौन डरेगा'- पप्पू यादव

मदद करने पर पप्पू यादव ने कहा, हम तो जा नहीं रहे थे। हमको सब सोशल मीडिया पर टैग कर के बता रहा था कि 12 दिन से खाना नहीं खाए हैं। 300-400 घर कट गया। अब उन लोगों ने खाना हीं खाया था तो हमने मदद कर दी। उन्होंने यह भी कहा, हम भगवान से डरबे नहीं करते है, चुनाव आयोग से कौन डरेगा भाई? क्या बोलते रहते हैं आप लोग?

तेजस्वी यादव के नौकरी वाले वादे पर क्या बोले पप्पू यादव

हाल ही में आरजेडी की ओर से तेजस्वी यादव ने वादा किया है कि महागठबंधन की सरकार बनने पर 20 महीने के अंदर सरकारी नौकरियां देंगे, यह कैसे संभव है? इस सवाल के जवाब में पप्पू यादव ने कहा कि सबको अपनी बात कहने का अधिकार है। इसमें हम कुछ नहीं जानते हैं। हां, रोजगार की बात की जा सकती है। इतना नौकरी कहां से आएगा? हालांकि, रोजगार देने की क्षमता तो है ही। कांग्रेस तो सब जगह रोजगार देती ही है।

भतीजे ने की चाचा की हत्या, सुबह टहलने निकले थे कैलाश चौधरी

पटना, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में जहां विधानसभा चुनाव को लेकर सियासत चरम पर है। नेताओं पर चुनाव की खुमारी तेजी से चढ़ने लगी है। टिकट बंटवारे के घमासान के चलते अभी तक ज्यादातर पार्टियों ने उम्मीदवारों का ऐलान नहीं किया है। बिहार में इस बार मुकाबला महागठबंधन और एनडीए के बीच है लेकिन अभी तक दोनों ही गठबंधन में सीट शेयरिंग फॉर्मूला फाइनल नहीं किया है। इसी उठापटक के बीच मोकामा के पूर्व विधायक अनंत सिंह ने राजनीति में धमाकेदार वापसी का ऐलान कर दिया है। बिहार की सियासत में 'छोटे सहरसा, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। सहरसा में शुक्रवार की सुबह करीब 6 बजे एक बुजुर्ग शख्स की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान कैलाश चौधरी (65 साल) के रूप में की गई। गोली मारने का आरोप उनके भतीजे पर लगा है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिवार वालों का कहना है कि चार से पांच गोली मारी गई है। पूरी घटना सौर बाजार थाना क्षेत्र के सहुरिया गांव के पास की है। बताया जा रहा है कि जमीन विवाद में इस हत्या की घटना को अंजाम दिया गया है।

कैलाश चौधरी टहलने के लिए निकले थे। इसी दौरान इस घटना को अंजाम दे दिया गया। उधर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। आगे की जांच में जुट गई है। कैलाश चौधरी सहुरिया पश्चिम वार्ड नं 9 के रहने वाले थे। परिजनों के अनुसार, सुबह करीब 6 बजे कैलाश चौधरी घूमने के लिए निकले थे। इसी दौरान 6-7 लोग उनके पीछे-पीछे जा रहे थे। लोगों को लगा कि ये सभी लोग भी ऐसे ही घूमने-टहलने निकले होंगे। इसी दौरान मनीष चौधरी नाम के व्यक्ति ने गोली मार दी। गोली लगने पर कैलाश चौधरी भागने लगे लेकिन बाकी लोगों ने पकड़ लिया। इसके बाद फिर सिर में गोली मारी गई। परिवार के अनुसार चार-पाचं गोली लगी है।

बिहार चुनाव हो और अनंत सिंह की चर्चा ना हो, ऐसा कैसे हो सकता है? इस बार फिर किया नया धमाका

सरकार' के नाम से मशहूर बाहुबली नेता अनंत सिंह ने जेडीयू के टिकट पर अपने गढ़ मोकामा से चुनाव लड़ने की घोषणा कर बिहार की सियासत में नया मोड़ ला दिया है। अनंत सिंह अपनी बयानबाजी और अपने अलग अंदाज को लेकर अक्सर चर्चा में रहते हैं।

उन्होंने अपने आधिकारिक फेसबुक पेज पर पोस्ट कर घोषणा की है कि वे जेडीयू के टिकट पर मोकामा विधानसभा क्षेत्र (178) से 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन करेंगे। अनंत सिंह 14 अक्टूबर को मोकामा विधानसभा सीट पर नामांकन दाखिल करेंगे। इस सीट पर उनकी पत्नी नीलम देवी फिलहाल विधायक हैं। दरअसल, साल 2022 में मोकामा में उप चुनाव हुआ था। यह चुनाव इसलिए कराया गया था क्योंकि आर्म्स एक्ट के एक मामले में 10 साल की सजा मिलने पर अनंत सिंह की विधायकी चली गई थी। 2022 में अनंत सिंह को सजा होने के बाद उपचुनाव में नीलम देवी आरजेडी के टिकट पर चुनाव जीती थीं लेकिन 2024 में पाला बदलकर सत्ता पक्ष (एनडीए) के साथ आ गई थीं। अगस्त 2025 में जेल से रिहा होने के बाद ही अनंत सिंह ने कह दिया था कि अब पत्नी नहीं लड़ेंगी, वो खुद चुनाव लड़ेंगे। अनंत सिंह ने सोशल मीडिया पर लोगों को अपने नॉमिनेशन में आने का खुला न्योता दिया है। सीट बंटवारे और कैंडिडेट लिस्ट आने से पहले ही उन्होंने खुला ऐलान करते हुए फेसबुक पोस्ट में लिखा है, "लोकतंत्र के महापर्व बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में मोकामा विधानसभा क्षेत्र 178 से हमारे नामांकन समारोह में आप सभी जनता मालिक सादर आमंत्रित हैं। यह हमारे लिए गौरव और संकल्प की बेला है। आप सभी जनता मालिकों और समर्थकों से विनम्र निवेदन है — अपना आशीर्वाद, स्नेह और समर्थन अवश्य प्रदान करें, ताकि यह यात्रा जनहित और न्याय के मार्ग पर सफल हो सके।"

घर के बाहर सो रही महिला का भेड़िये ने दबोचा गला, फिर इस तरकीब से बची जान

बहराइच, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। कैसरगंज रेंज में भेड़िये का हमला जारी है। भेड़िये ने सोते समय दो महिलाओं पर हमला किया है। चीख-पुकार मचाने पर ग्रामीण दौड़े तो वह भाग गया। रात में फिर से भेड़िये की दस्तक से ग्रामीणों में दहशत बढ़ गई। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने गश्त बढ़ाया, लेकिन शुक्रवार सुबह तक कोई सफलता हाथ नहीं लगी।

वन विभाग की कार्यशैली पर ग्रामीणों में काफी आक्रोश है। फखरपुर ब्लाक के भिरगूपुरवा निवासी राजू की पत्नी विमला घर के बाहर सो रही थी। बताया जाता है कि रात करीब 11 बजे दबे पांव भेड़िया पहुंचा और गले पर हमला कर दिया। वह तत्काल उठी और शोर मचाने लगी। शोर सुन आसपास के ग्रामीण तत्काल लाठी-डंडा लेकर दौड़े तो वह भाग गया करीब एक घंटे बाद ही कुछ ही दूरी पर स्थित राजेश की मां पर हमला कर दिया।

वहां भी शोर मचाने पर वह भाग निकला। सूचना वन विभाग को दी गई। मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने गश्त किया और सर्च आपरेशन चलाया, लेकिन कोई सफलता हाथ नहीं लगी। ग्रामीणों का आक्रोश फिर बढ़ता जा रहा है। डीएफओ रामसिंह यादव ने बताया कि वन्यजीव के हमले की सूचना मिलते ही टीम को भेजा गया है। तलाश में टीमें लगी हुई है।

तौकीर रजा पर 5 हजार रुपए का कर्ज

28 साल पहले खाद के लिए लिया था; बरेली बवाल के बाद पहुंची रिकवरी टीम

बदायूं, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। बरेली हिंसा के आरोपी तौकीर रजा की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। 5055 रुपये के लोन को न चुकाने के मामले में उनके बरेली स्थित घर पर बैंक ने वसूली का नोटिस चस्पा किया है। तौकीर रजा को बदायूं जिला सहकारी बैंक ने 15 दिनों में कर्ज चुकाने का अल्टीमेटम दिया है। बैंक अधिकारियों ने कहा- अगर 15 दिनों में कर्ज नहीं चुकाया गया तो उनकी जमीन को खोजकर नीलामी कर वसूली की जाएगी। दरअसल, तौकीर रजा ने 28 साल पहले 1997 में 5055.60 रुपए का खाद खरीदने के लिए लोन लिया था। अब इस पर ब्याज सहित कुल बकाया 28, 346 रुपए हो गया है।

बैंक ने वसूली के लिए नोटिस चस्पा किया है। तौकीर रजा मूल रूप से बिनावर थाना क्षेत्र के करतौली गांव के निवासी हैं। लेकिन करतौली की सारी जमीनों व घर को बेचकर वह बरेली में बस चुके हैं। जिला सहकारी संघ लिमिटेड बदायूं के अध्यक्ष रवेंद्र पाल सिंह के अनुसार, तौकीर ने यह लोन 1997 से पूर्व साधन सहकारी समिति करतौली से फसल उगाने के लिए लिया था। लोन लेने के बाद उन्होंने न तो मूलधन चुकाया और न ही ब्याज जमा किया। बैंक की ओर से उन्हें कई नोटिस भेजे गए थे। बरेली हिंसा में गिरफ्तारी होने पर उससे जुड़े रिकॉर्ड बदायूं में भी खंगाले गए तो पता चला।

डीसीबी चेयरमैन जेके सक्सेना ने बताया कि तौकीर रजा पर बैंक का 28 हजार रुपये से अधिक बकाया है। बकाया राशि वसूलने के लिए अभी तक बैंक ने क्या कार्रवाई की है, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। रिकवरी के लिए विधिक प्रक्रिया अमल में लाई जा रही। डीसीबी की रसूलपुर पुठी बीपैक्स समिति के सचिव की ओर से जारी यह अंतिम चेतावनी नोटिस है। तौकीर रजा के बरेली के बिहारीपुर ढाल इलाके में आला हजरत दरगाह के पास स्थित उनके आवास पर चस्पा किया गया। नोटिस में स्पष्ट लिखा है कि 15 दिन में ऋण अदायगी न होने पर उत्तर प्रदेश सहकारी समिति अधिनियम 1965 की धारा 95 (क) के तहत कार्रवाई की जाएगी।

'दीदी को धोखा नहीं दे सकती'

सूरत में दोहरे हत्याकांड से पहले जीजा साली के बीच क्या हुई थी बात? व्हाट्सएप? से भी खुला राज

प्रयागराज, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। सूरत गुजरात के सूरत में एक शख्स ने अपने ही घर पर खून की होली खेली। वो भी सिर्फ एक सनक के चलते। उसे अपनी 20 साल की साली से शादी करनी थी। परिवार में पत्नी और तीन बच्चे हैं। फिर भी उसका दिल अपनी साली पर आ गया था। वो उसे गंदे वीडियो भेजा करता। अश्लील मैसेज किया करता। उसे लगता था कि साली भी उससे शादी कर लेगी। मगर साली के दिल में उसके लिए प्यार नहीं था। वो उसे बस अपना जीजा ही मानती थी। प्रयागराज से साली अपने भाई की शादी की शॉपिंग के लिए सूरत आई थी। भाई और मां भी साथ थे। वो अपनी बड़ी बेटी के घर रुके थे। तभी 8 अक्टूबर के दिन जीजा ने अचानक से एक डिमांड सबके सामने रख दी। बोला- मैं साली से शादी करना चाहता हूं। यह सुनकर सभी सन्न रह गए। विवाद के बाद झगड़ा हुआ। जीजा का माथा ऐसा ठनका कि उसने साली और साले को मार डाला। वहीं, सास को भी गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने फिर आरोपी जीजा को गिरफ्तार कर लिया। जांच में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए।

3 बच्चों के पिता ने कर डाला डबल मर्डर

जानकारी के मुताबिक, उधना थानाक्षेत्र स्थित पटेल नगर इलाके के साईं जलाराम सोसायटी में संदीप घनश्याम गौड़ अपनी पत्नी वर्षा और तीन बच्चों के साथ रहता है। संदीप का साला निश्चय अशोक कश्यप अपनी बहन ममता कश्यप और मां शकुंतला देवी के साथ 4 अक्टूबर 2025 को प्रयागराज से सूरत में भाई की शादी के लिए कपड़ों की खरीदी के लिए आया था। कश्यप परिवार को इसकी भनक नहीं थी कि शादी के लिए सूरत में कपड़ों की खरीदी उनके जीवन का अंत लेकर आएगी। बुधवार देर रात को साईं जलाराम सोसायटी के इसी घर में जब सभी लोग मौजूद थे तभी इस घर में रहने वाले संदीप गौर ने अपने साले और सास से अपनी साली के साथ दूसरी शादी करने की इच्छा जताई। बोला- मैं साली से शादी करना चाहता हूं।

साली ने कर दिया था शादी से इनकार

दामाद के मुंह से यह बात सुन सास भी सन्न रह गई। वो बोलीं- ये कैसी बातें कर रहे हो तुम? संदीप बोला- ममता अगर मेरी न हुई तो किसी की भी उसे नहीं होने दूंगा। बस फिर क्या था। साली भी बोली- मैं अपनी दीदी को धोखा नहीं दे सकती। मैं आपसे शादी नहीं करूंगी। इसी बात को लेकर परिवार में बहस छिड़ गई और विवाद में बदल गई। इसी दौरान संदीप गौर ने चाकू से अपने साले निश्चय कश्यप, साली ममता कश्यप और सास शकुंतला देवी के ऊपर ताबड़तोड़ वार करना शुरू कर दिया। संदीप के इस हमले में उसके साले और साली की मौके पर पर मौत हो गई। जबकि सास को घायल अवस्था में अस्पताल ले जाया गया जहां उसका इलाज चल रहा है।

अश्लील वीडियो भेजता था जीजा

आरोपी संदीप फरार था। पुलिस ने उसे उधना रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया। बाद में पुलिस ने जीजा साली के व्हाट्सएप? चैट को खंगाला तो वो भी हैरान रह गए। संदीप अक्सर अपनी साली को अश्लील मैसेज और वीडियो भेजता था। फिलहाल इस केस में जांच जारी है। देखना होगा कि आरोपी को क्या सजा मिलती है।

'सड़क पर बदतमीजी करोगे तो ऐसा इंजेक्शन लगाएंगे कि उल्टी दस्त करते फिरोगे'

बैतूल की घटना पर बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा का बयान

बैतूल, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के बैतूल में आरएसएस के जिला प्रचारक के साथ मारपीट के बाद बवाल हुआ। बैतूल के मुलताई में पथराव और आगजनी हुई है। हिंदू संगठनों के लोगों ने थाने का घेराव किया तो मुस्लिम संगठनों के लोगों ने भी प्रदर्शन किया। बैतूल की घटना पर बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने बयान देते हुए कहा कि अपराध किसी को भी नहीं करने दिया जाएगा। अपराधी के हाथ पांव चौराहे पर तोड़े जाएंगे।

विधायक शर्मा ने अपराधियों को चेतावनी देते हुए कहा कि सड़क पर बदतमीजी करोगे तो बाबा साहब अंबेडकर का इंजेक्शन ऐसा लगेगा की उल्टी दस्त करते फिरोगे। बीजेपी विधायक ने कहा कि यह तनाव पैदा करना चाहते दुकानों को जलाकर दरकार दहशत पैदा करना चाहते हैं। यह गुंडागर्दी जमाना चाहते हैं। कान खोल कर सुन लो अपराध किसी को भी नहीं करने दिया जाएगा। किसी भी कीमत पर नहीं करने दिया जाएगा। अपराधी के चौराहे पर हाथ पांव तोड़े जाएंगे। उन्होंने कहा कि अगर चौराहे पर तुम बदतमीजी करोगे। अगर चौराहे पर राहगीरों के साथ मारपीट करोगे चौराहे पर ही पिटोगे। चौराहे पर ही कार्रवाई होगी। इसलिए प्रेम से समझाना चाहते हैं।। सड़क सबके लिए है। सड़क पर सब चल सकते हैं लेकिन सड़क पर चलने के पहले सहनशीलता लाना जरूरी है।

बैतूल बवाल के मामले में बड़ा एक्शन

वहीं, बैतूल बवाल के मामले में पुलिस ने बड़ा एक्शन लिया है। इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही बैतूल के एसपी ने दो सब इंस्पेक्टर को सस्पेंड कर दिया है। मुलताई के थाना प्रभारी को भी लाइन हाजिर कर दिया गया है। ऐतिहातन शहर में भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। पुलिस के मुताबिक, शहर में अब शांति है।

सीबीआई नहीं करेगी कफ सिरप से बच्चों की मौत के मामले की जांच

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी याचिका

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मध्य प्रदेश और राजस्थान में कथित रूप से जहरीली खांसी की सिरप से बच्चों की मौत के मामलों पर सीबीआई जांच और देशभर में दवा सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की मांग करने वाली जनहित याचिका को खारिज कर दिया। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति उज्जल भूयान और न्यायमूर्ति के। विनोद चंद्रन की पीठ ने वकील विशाल तिवारी द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया। शुरुआत में पीठ नोटिस जारी करने के पक्ष में थी, लेकिन बाद में विचार कर याचिका खारिज कर दी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता अखबार पढ़कर सीधे अदालत पहुंच जाते हैं। मेहता ने कहा कि वह किसी राज्य की ओर से पेश नहीं हो रहे हैं, लेकिन तमिलनाडु और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों ने इस मामले में गंभीर कदम उठाए हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि राज्यों में दवा कानूनों को लागू करने की उचित व्यवस्था पहले से मौजूद है। पीठ ने याचिकाकर्ता तिवारी से पूछा कि उन्होंने अब तक शीर्ष अदालत में कितनी जनहित याचिकाएं दायर की हैं। तिवारी की ओर से बताया गया कि उन्होंने अब तक आठ से दस ऐसी याचिकाएं दायर की हैं, तो पीठ ने उनकी याचिका खारिज कर दी।

याचिका में ये की गई थी मांग

याचिका में केंद्र सरकार को निर्देश देने की मांग की गई थी कि वह यह पता लगाए कि दवा सुरक्षा और गुणवत्ता जांच प्रणाली में कौन सी चूक हुई, जिनकी वजह से निम्न गुणवत्ता वाली दवाएं बाजार में पहुंचीं। इसमें अदालत से यह भी आग्रह किया गया है कि आगे किसी भी बिक्री या निर्यात की अनुमति देने से पहले सभी संदिग्ध उत्पादों का एनएबीएल-मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं के माध्यम से विष विज्ञान परीक्षण अनिवार्य किया जाए।

मध्य प्रदेश में अब तक 23 मौतें

बता दें कि कोल्ड्रिफ कफ सिरप से मध्य प्रदेश में अब तक 23 बच्चों की मौत की पुष्टि की गई है। छिंदवाड़ा में 20, पांढुर्ना में एक तो बैतूल में दो बच्चों की मौत हो चुकी है। सभी में लक्षण एक जैसे थे। हालांकि एक बच्चे के परिजन पोस्टमार्टम के लिए तैयार हुए हैं, जिसके बाद बच्चे का शव कब्र से निकालकर जांच की गई। वहीं राजस्थान में भी तीन बच्चों की मौत इन्हीं कारणो से होना बताया जा रहा है।

पहले बच्चों को सर्दी-खांसी हुई तो उन्हें खांसी की दवा दी गई। दो-तीन दिन बाद बच्चों ने यूरिन करना बंद दिया। जांच में उनकी किडनी फेल होने की जानकारी सामने आई। कुछ दिनो के इलाज के बाद बच्चों की लगातार मौत हो रही हैं। देशभर में ये मामला चर्चा में बना हुआ है।

अंगूठा लगवाकर भी नहीं बांटा गया गेंहू

अधिकारी के पहुंचते ही मचा हड़कंप डिपो धारक पर मामला दर्ज

फरीदाबाद, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। डिपो धारकों द्वारा सरकारी राशन का गबन आम बात हो गई है। डिपो धारकों के खिलाफ समय पर और पूरा राशन न बांटने की शिकायतें मिली हैं। हरफला गांव में एक डिपो धारक ने मशीन पर कार्डधारकों के अंगूठे के निशान तो ले लिए, लेकिन गेहूं नहीं बांटा।लग शिकायत खाद्य एवं आपूर्ति विभाग तक पहुंची। जांच में मामला सही पाया गया। डिपो धारक के गोदाम में करीब 15 क्विंटल गेहूं मिला, जो बांटा जाना था। अधिकारियों के मुताबिक, डिपो धारक के खिलाफ सेक्टर 58 थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है।

पुलिस मामले की जांच कर रही है। विभाग के सहायक खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी अंकित कुमार ने सेक्टर 58 थाने में दी अपनी शिकायत में कहा है कि विभाग द्वारा हरफला गांव में आवंटित डिपो मयंक ने सितंबर का राशन नहीं बांटा। कार्डधारकों को केवल सरसों का तेल और चीनी दी गई, गेहूं नहीं दिया गया। डिपो धारक ने कार्डधारकों से कहा था कि चूंकि इस साल गेहूं नहीं आया है, इसलिए वह अगले महीने दोगुना राशन देगा। लेकिन कार्डधारकों को यह बात रास नहीं आई। अधिकारी ने बताया कि विभाग की एक टीम ने गाँव का दौरा किया और कई कार्डधारकों से बात की। सभी ने डिपो धारक के खिलाफ शिकायत की।

खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के नियंत्रक आदित्य कौशिक ने बताया कि डिपो धारकों को कई बार सख्त चेतावनी दी गई है कि वे पूरा राशन समय पर बाँटें। विभाग की टीमें लगातार जांच कर रही हैं। कार्डधारकों की हर शिकायत को गंभीरता से लिया जा रहा है। अगर किसी को डिपो धारकों द्वारा राशन वितरण में देरी का सामना करना पड़ता है, तो वे तुरंत शिकायत करें। ऐसे डिपो धारकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाएगा और सख्त कार्रवाई भी की जाएगी।

शहीद के बेटे को थाली में भरकर दिए 21 लाख रुपये

पत्नी-बच्चों को बिलखते देख सूरत के बिल्डर का पसीजा दिल

सूरत, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। सूरत के बिल्डर विजय भरवाड़ ने देश के लिए शहीद हुए जवान के परिवार को 21 लाख रुपसे की बड़ी आर्थिक सहायता प्रदान की है। यह मदद अमरेली जिले के लाठी तालुका के धामेल गांव के सपूत और भारतीय सेना के जवान मेहुल मेपाभाई भूवा (भरवाड़) के परिवार को दी गई, जो 18 सितंबर 2025 को कश्मीर में 'ऑपरेशन महादेव' के दौरान ड्यूटी पर शहीद हो गए थे। शहीद मेहुल भाई का अंतिम संस्कार 20 सितंबर को उनके पैतृक गांव में किया गया था। तभी विजय भरवाड़ ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो देखा जिसमें वह शहीद जवान की पत्नी और बच्चे रो रहे थे। उन्हें रोते-बिलखते देख बिल्डर विजय भाई का हृदय द्रवित हो उठा। सोशल मीडिया पर शहीद परिवार के हृदय विदारक दृश्यों को देखकर बिल्डर भावुक हो गए थे। शहीद जवान के बेटे की शिक्षा और भविष्य के लिए तत्काल सहायता करने का फैसला करते हुए, वह कारों के काफिले के साथ सूरत से मदद के लिए दौड़ पड़े और 21 लाख रुपये की सहायता राशि लेकर परिवार के पास पहुंचे।

शहीद परिवार की मदद पर क्या बोले विजय भरवाड़?

विजय भाई भरवाड़ ने बताया, मैंने सोशल मीडिया में देखा था कि शहीद जवान का परिवार, उनके बेटे और पत्नी बहुत रो रही थी। उनके घर की परिस्थिति मुझे बहुत नाजुक लगी। उनका सामाजिक सब काम खत्म होने के बाद हमारी टीम वहां पहुंची और जांच की तो पता चला कि उनकी स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। हमने सोचा कि उनको कुछ आर्थिक मदद करनी चाहिए। इसलिए हमने 21 लाख रुपये जितनी राशि इकट्ठी की और उनके परिवार को आर्थिक मदद की। यह राशि बहुत मामूली है क्योंकि उन्होंने देश के लिए जान की कुर्बानी दी है, उनको तो 21 करोड़ दे तो भी कम है।

'किसी ने सिर पर बोतल मारी'

स्कूल में छात्रा से किसने की ये खौफनाक शरारत? जान पर बन आई, होश आया तो सुनाई आपबीती

मंडला, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मंडला जिले में एक छात्रा रात भर स्कूल में बेहोश पड़ी रही। किसी को इसकी खबर तक न हुई। बेटी घर नहीं लौटी तो परिजनों ने थाने में तहरीर दी। फिर स्कूल के अंदर से छात्रा लहूलुहान हालत में मिली। उसकी चोटी भी कटी हुई थी। होश आते ही छात्रा ने आपबीती सुनाई। घटना बम्हनी बंजर के शासकीय कन्या विद्यालय की है।

8 अक्टूबर को स्कूल से छुट्टी के बाद छात्रा के सिर पर पीछे से किसी ने हमला किया। छात्रा घर नहीं लौटी तो उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई गई। परिजन खुद भी उसकी तलाश कर रहे थे। जब वो छात्रा को ढूंढते हुए स्कूल पहुंचे, तो वह क्लास रूम में बेहोश मिली जिसके सिर पर भी चोट थी। मामले की सूचना मिलते ही स्टाफ ने एम्बुलेंस बुलाकर छात्रा को अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने बताया कि छात्रा की हालत फिलहाल स्थिर है, लेकिन सिर की चोट गहरी है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्कूल के सभी कमरों की तलाशी ली और सीसीटीवी फुटेज देखे। प्रारंभिक जांच में फुटेज में एक संदिग्ध छाया दिखाई देने की बात सामने आई है। इधर, छात्रा के पिता का कहना है कि देर रात तक बेटी की तलाश की। रात में ही थाने पहुंचर पुलिस को भी सूचना दी थी।

वहीं, होश आने के बाद पीड़ित छात्रा ने बताया कि स्कूल की छुट्टी के बाद अपनी क्लास रूम बैग लेने जा रही थी, तभी किसी ने पीछे से बोतल मार दी। उसके बाद मुझे कुछ याद नहीं है। सहायक आयुक्त वंदना गुप्ता ने विद्यालय के प्रभारी सुशील हरदाहा और भृत्य रोहोड़ी जोगी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

एयरपोर्ट का नाम क्या रखा जाए? चर्चाओं के बीच आया अजित पवार का बड़ा बयान

मुंबई, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। नवनिर्मित नवी मुंबई हवाई अड्डे के नामकरण को लेकर चल रही बहस के बीच महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने कहा कि फिलहाल सबसे जरूरी है कि एयरपोर्ट पूरी तरह कार्यरत हो जाए। उन्होंने कहा कि उड़ान और लैंडिंग लगभग 45 दिनों में शुरू होने की उम्मीद है। पवार ने कहा कि स्थानीय नागरिकों की भावनाओं का सम्मान किया जाएगा और इस पर मुख्यमंत्री पहले ही जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर चुके हैं। अजीत पवार ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता फिलहाल एयरपोर्ट को संचालन योग्य बनाना है ताकि मुंबई क्षेत्र की हवाई सेवाओं पर दबाव कम हो सके। उन्होंने कहा कि एक बार हवाई अड्डा चालू हो जाने के बाद, नामकरण को लेकर उचित और सर्वसम्मत निर्णय लिया जाएगा। पवार ने आश्वासन दिया कि इस प्रक्रिया में स्थानीय लोगों की भावनाओं और परंपराओं का पूरा ध्यान रखा जाएगा। इसी बीच पुणे में आयोजित एक 'परिवार मिलन' कार्यक्रम में अजीत पवार ने कहा कि ऐसे आयोजनों से सरकार को जनता की वास्तविक समस्याओं को समझने का मौका मिलता है। उन्होंने बताया कि इसमें कार्यकर्ता, महिलाएं और समाज के अलग-अलग वर्गों के लोग भाग लेते हैं। पवार ने कहा कि "समस्याओं को केवल सुनने और खुद देखकर समझने में बड़ा फर्क होता है, इसलिए ऐसे कार्यक्रमों का महत्व बढ़ जाता है।"

अजीत पवार ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि आम लोगों से सीधे संवाद के ज़रिए नीतियों को और अधिक जनसुलभ बनाया जाए। उन्होंने कहा कि चाहे एयरपोर्ट का नामकरण हो या मध्यम वर्ग की परेशानियां, जनता की भागीदारी से ही समाधान निकलता है। पवार ने भरोसा दिलाया कि महाराष्ट्र सरकार हर मुद्दे पर जनता की भावनाओं के अनुरूप निर्णय लेगी और विकास कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखेगी।

'किसानों को कर्जमाफी की लत लग गई है' मंत्री के बयान से खड़ा हुआ सियासी तूफान, विपक्ष ने मांगा इस्तीफा

लातूर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के सहकारिता मंत्री बाबासाहेब पाटील के एक बयान ने सियासी तूफान खड़ा कर दिया है। उन्होंने किसानों की कर्जमाफी को 'लत' करार देते हुए कहा है कि चुनाव जीतने के लिए नेता कुछ भी वादे कर देते हैं, लेकिन जनता को सोच-समझकर मांग करनी चाहिए। इस बयान पर विपक्ष ने कड़ी नाराजगी जताई है और मंत्री के इस्तीफे की मांग की है। उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के नेता पाटील के बयान को विपक्ष ने असंवेदनशील करार दिया है। पाटील ने एक जनसभा में कहा, 'लोगों को कर्जमाफी की लत लग गई है।

हमें चुनाव जीतना होता है, इसलिए चुनाव में हम कुछ न कुछ वादा करते हैं, लेकिन लोगों को तय करना चाहिए कि उन्हें क्या मांग करनी चाहिए। किसी चुनाव में अनिल भाई जैसे नेता किसी गांव गए और वहां के लोगों ने मांग की कि हमें नदी चाहिए। नेता सोचते हैं कि चुनाव हार रहे हैं, जीतने के लिए अभी नदी लाने का वादा कर देते हैं। चुनाव के वक्त हम कुछ भी वादा करते हैं, पर लोगों को तय करना चाहिए कि उन्हें क्या मांगना चाहिए।'अहमदपुर विधानसभा क्षेत्र से एनसीपी के विधायक और सहकारिता मंत्री पाटील ने अपने बयान में यह भी कहा कि किसानों को 'कर्जमाफी की लत' लग गई है।

उद्धव और शिंदे के बीच कब्जे की जंग. महाराष्ट्र का संभाजीनगर क्यों बना सियासी एपिसेंटर?

मुंबई, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की सियासत में इन दिनों उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे के बीच सियासी जंग देखने को मिल रही है। दोनों ही तरफ से जमकर बयानबाजी की जा रही है। इस बीच दोनों ही गुटों की निगाहें संभाजीनगर की महानगरपालिका टिकी हुई हैं। यही कारण है कि यह सियासी जंग और तेज हो चली है। उद्धव ठाकरे के दौरे से पहले आनन-फानन में एकनाथ शिंदे ने भी संभाजीनगर का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। छत्रपति संभाजीनगर महानगरपालिका चुनाव को लेकर सियासी पारा हाई हो चला है। सभी दल अपनी-अपनी तैयारियों में जुटे हुए हैं। शनिवार को पहले से तय उद्धव ठाकरे का संभाजीनगर दौरा होने वाला है।

इससे पहले ही उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को अचानक से दौरे का ऐलान कर क्षेत्र की सियासी गर्मी बढ़ा दी है। उद्धव और एकनाथ दोनों ही नेता संभाजीनगर महानगरपालिका चुनाव में अपना कब्जा जमाने के लिए तैयारी कर रहे हैं। यही कारण है कि यह लड़ाई हर रोज और रोचक होती जा रही है। इसके साथ ही एकनाथ शिंदे के अचानक दौरे ने सियासी पारा भी हाई कर दिया है। शनिवार को उद्धव ठाकरे का पहले से तय संभाजीनगर दौरा होने वाला है, जहां वे पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे।

रोड शो करेंगे और एक बड़ी जनसभा को संबोधित करेंगे, लेकिन इसी बीच उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को अचानक अपने संभाजीनगर दौरे का ऐलान कर सियासी हलचल तेज कर दी है। सूत्रों के अनुसार, जैसे ही उद्धव ठाकरे के कार्यक्रम की जानकारी शिंदे गुट को मिली, उन्होंने तुरंत अपने स्थानीय नेताओं को एक्टिव कर दिया और उद्धव के दौरे से एक दिन पहले यानी शुक्रवार को शक्ति प्रदर्शन करने का आदेश दिया है। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि यह कदम संभाजीनगर मनपा पर कब्जे की जंग को और तेज करने वाला साबित हो सकता है। संभाजीनगर महानगरपालिका पर पहले अविभाजित शिवसेना का शासन था, लेकिन अब दोनों गुटों के बीच प्रतिष्ठा की लड़ाई अपने चरम पर है।

स्थानीय स्तर पर दोनों पक्षों ने कार्यकर्ताओं की मीटिंग, बैनर-पोस्टर और रैली की तैयारियां तेज कर दी हैं। आने वाले दिनों में संभाजीनगर की सियासत और गर्म होने के आसार हैं।

हिमाचल में सेब छोड़कर बागवान करने लगे कीवी-अनार उत्पादन, अध्ययन में खुलासा

शिमला, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। जलवायु परिवर्तन हिमाचल की बागवानी के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभर रहा है। सर्दियों में ठंडक के घंटों में कमी, हिमपात में गिरावट और असमय वर्षा ने खासकर सेब उत्पादन को प्रभावित किया है। कई क्षेत्रों में बागवान अब सेब की खेती छोड़कर कीवी, अनार, पर्सिमोन और अन्य फसलों की ओर रुख कर रहे हैं। हालांकि, राज्य ने पिछले 53 वर्षों में बागवानी क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। इन वर्षों में राज्य में फल उत्पादन क्षेत्रफल में 433 प्रतिशत और पैदावार में 448 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। बावजूद कई इलाकों के बागवान सेब बागवानी से मुंह मोड़ने लगे हैं। नौणी विवि के क्षेत्रीय बागवानी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र शरबो किन्नौर के वैज्ञानिकों डॉ। अरुण कुमार ने इस पर एक अध्ययन किया है। उनका अध्ययन में सहयोग दुर्गा प्रसाद भंडारी, बुद्धि राम और दीपिका ने किया है। अध्ययन में बताया गया है कि 1970-71 में जहां 44,329 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फलों की खेती होती थी, वहीं 2022-23 में यह बढ़कर 2,36,466 हेक्टेयर हो गया। इसी अवधि में फल उत्पादन 1,48,580 मीट्रिक टन से बढ़कर 8,14,611 मीट्रिक टन हो गया है। फलों की पैदावार में सबसे बड़ा योगदान सेब का रहा है, जो वर्ष 2022-23 में कुल उत्पादन का 82.5 प्रतिशत है।

ऑपरेशन वर्सन में मिली बड़ी सफलता

कुपवाड़ा में छुपाया गया भारी हथियारों का जखीरा बरामद, आतंकियों के मंसूबे फेल

कुपवाड़ा, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। जिले में सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने ऑपरेशन वर्सन के दौरान वन क्षेत्र से भारी मात्रा में हथियारों का ज़खीरा बरामद किया है। इसमें दो एके राइफलें, चार रॉकेट लॉन्चर, भारी मात्रा में गोला-बारूद और अन्य सामग्री शामिल हैं। सुरक्षाबलों द्वारा इसे एक बड़ी कामयाबी बताया जा रहा है क्योंकि यह हथियार आतंकवादियों के हाथों में पहुंचने से पहले सुरक्षाबलों के हाथ लग गए। सूत्रों के अनुसार ओजीडब्ल्यू मॉड्यूल द्वारा यह हथियार यहां वन क्षेत्र में आतंकवादियों तक पहुंचाने के लिए छिपाए गए थे। वहीं हथियारों की बरामदगी की पुष्टि करते हुए घाटी में सेना की कमान संभालने वाली चिनार कोर ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर लिखा, विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर सेना और जम्मू कश्मीर पुलिस ने 8 अक्टूबर 25 को कुपवाड़ा के वर्सन स्थित ब्रिजथोर वन क्षेत्र में एक संयुक्त अभियान शुरू किया। बता दें कि इससे पहले भी ज़िले के क्रॉपोरा में सुरक्षाबलों ने एक ओजीडब्ल्यू शकील अहमद को गिरफ्तार किया गया था और उसकी निशानदेही पर ठिकाने से 1 पिस्तौल, 10 पिस्तौल राउंड, 100 एके राउंड और अन्य युद्ध सामग्री बरामद की गई थी।

जम्मू संभाग में आतंकियों के खिलाफ तेज होगा अभियान

जम्मू संभाग के किश्तवाड़, उधमपुर और राजोरी जिले बढ़ती आतंकवाद घटनाएं और आगामी विधानसभा उप-चुनाव में सुरक्षा व्यवस्था सुरक्षा एजेंसियों के लिए चुनौती है। जम्मू-कश्मीर में एक साल बाद उपचुनाव हो रहे है। उप-चुनाव और बढ़ती आतंकी घटनाएं के बीच सुरक्षित माहौल बनाना सुरक्षा एजेंसियों के लिए भी चुनौती है। जम्मू संभाग के तीन जिले बीते डेढ़ से दो साल से आतंकवाद से पीड़ित है। आए दिन आतंकी हमला करने के बाद गायब हो जाता है। पूरी सुरक्षा तंत्र उन्हें ढूंढने में लता है लेकिन कोई सुराग नहीं मिल पाता है। किश्तवाड़ के दच्छन, पाडुर के के दुर्गम इलाके, उधमपुर में डुडु- बसंगतढ के पहाड़ी इलाके, सियोजधार सहित अन्य इलाकों में आतंकी लंबे समय से सक्रिय है। सुरक्षा एजेंसियों का ही दावा है कि आतंकी पारंपरिक गुफाओं का इस्तेमाल आशियाने9 के रूप में कर रहे है।

इन सभी घटनाओं के बाद वीरवार को गृहमंत्री अमित शाह की जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा पर उच्च स्तरीय बैठक काफी अहम मानी जा रही है। ब्रिगेडियर विजय सागर (सेवानिवृत्त) ने कहा कि यह बैठक काफी अहम है। जम्मू संभाग में लगातार आतंकी हमले हो रहे है। सेना और पुलिस के बीच समन्वय और ज्यादा बढ़ाने की जरूरत है। आतंकी पारंपरिक रूट का इस्तेमाल कर रहे है। ऐसे बड़ी बैठकों मेंइस तरह के मुद्दों पर विस्तृत चर्चा होती है, रणनीतियां बनाई जाती है।

खोज: लाखों साल की जुदाई, एक जैसी पुकार

शायद पक्षियों ने रखी भाषा की नींव

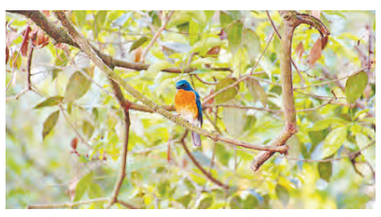

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। दुनिया के चार महाद्वीपों में बसे ऐसे पक्षी जो लाखों साल पहले एक-दूसरे से जुदा हो चुके हैं, आज भी एक जैसी चेतावनी भरी पुकार निकालते हैं वह भी तब, जब उनके घोंसलों के पास कोई चालाक परजीवी पक्षी मंडरा रहा हो। यह पुकार केवल एक आवाज नहीं बल्कि सहयोग की भाषा है, जिसे वे सामाजिक रूप से सीखते हैं और साझा खतरे के खिलाफ एकजुट होकर प्रयोग करते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है यह वही व्यवहार है, जिसने शायद कभी इन्सानी भाषा की नींव रखी होगी। पक्षियों की दुनिया में हुई ताजा खोज ने वैज्ञानिकों के सामने एक रोमांचक सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या भाषा का बीज प्रकृति में बहुत पहले बोया जा चुका था? कॉर्नेल यूनिवर्सिटी और स्पेन के डोनाना बायोलॉजिकल स्टेशन के वैज्ञानिकों द्वारा किया गया शोध बताता है कि लाखों वर्ष पहले अलग-अलग दिशाओं में उड़ चले पक्षी आज भी एक जैसी चेतावनी भरी पुकार का उपयोग करते हैं। यह शोध नेचर इकोलॉजी एंड एवोल्यूशन पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। कुछ पक्षी जैसे कोयल या कुक्कू अपने अंडे दूसरों के घोंसले में रख देते हैं। वे अपने बच्चों की परवरिश नहीं करते, बल्कि मेजबान पक्षी को धोखे में रखकर उसकी मेहनत का फायदा उठाते हैं। इस परजीवी व्यवहार से बचने के लिए कई प्रजातियों ने समय के साथ एक रणनीति विकसित कर ली। एक खास चेतावनी पुकार, जो सुनते ही आसपास के पक्षी तुरंत सतर्क हो जाते हैं और घोंसले के आसपास गश्त बढ़ा देते हैं। वैज्ञानिकों ने ऑस्ट्रेलिया, चीन, अफ्रीका और यूरोप के 20 से अधिक पक्षियों का अध्ययन किया। इन पक्षियों की चेतावनी कॉल लगभग एक जैसी थी।

शोधकर्ताओं का कहना है,यह पुकार आधी जन्मजात है और आधी सीखी हुई। जब कोई पक्षी यह चेतावनी सुनता है तो वह सहज रूप से आसपास झांकने आता है। अगर उसे कोई परजीवी पक्षी दिखाई देता है तो वह समझ जाता है कि यह पुकार किस खतरे से जुड़ी है। बाद में जब वही स्थिति दोहराई जाती है, तो वह खुद भी वही पुकार निकालता है यानी उसने अर्थ सीख लिया। इसे वैज्ञानिक सामाजिक संचरण (सोशल ट्रांसमिशन) कहते हैं। एक ऐसा व्यवहार जो समाज में रहकर सीखा जाता है।

शोध सिर्फ पक्षियों की कहानी नहीं बताता, बल्कि यह इन्सान की कहानी की झलक भी देता है। संभव है, शुरुआती मनुष्य भी डर, चेतावनी या गुस्से जैसी भावनाओं को आवाजों में व्यक्त करते होंगे। धीरे-धीरे उन्होंने इन ध्वनियों को अर्थ देने शुरू किए और यहीं से भाषा का जन्म हुआ होगा। जैसे पक्षी एक सामान्य पुकार से एकजुट होकर खतरे को दूर भगाते हैं, वैसे ही इन्सानों ने शब्दों के जरिए एक-दूसरे से जुड़ना सीखा। यह खोज याद दिलाती है कि प्रकृति में भाषा और अर्थ का अंकुर बहुत गहराई तक फैला है। एक अन्य शोध से यह भी पता चला दुनिया के सबसे तेज आवाज वाले पक्षियों में व्हाइट बेल्ड बेलबर्ड और स्क्रीमिंग पिहा शीर्ष पर माने जाते हैं। बेल्ड बेलबर्ड की आवाज की तीव्रता करीब 125 डेसिबल मापी गई है यानी एक रॉक कॉन्सर्ट या उड़ान भरते जेट इंजन जितनी तेज।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 11 अक्टूबर- 2025

आंध्रप्रदेश में अवसरों की भरमार

लोकसभा चुनाव के बाद जब आंध्र प्रदेश में विधानसभा का चुनाव हुआ तो सीएम एन. चंद्रबाबू नायडू प्रचंड बहुमत से सत्ता में लौटे हैं। सत्ता में आते ही 75 साल पार कर चुके मुख्यंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कडी मेहनत कर यह साबित कर दिया कि टेक जगत में उनका दबदबे का कोई सानी नहीं है। उनके मेहनता का नतीजा रहा कि आंध प्रदेश को निवेश के मोर्चे पर बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। टीडीपी मुखिया एन चंद्रबाबू नायडू की कुशलता का कमाल है कि गूगल की सहायक कंपनी ने आंध्र प्रदेश में निवेश के लिए अपना खजाना खोलने का ऐलान किया है। श्री नायडू की अध्यक्षता में हुई 11वीं राज्य निवेश संवर्धन बोर्ड (एसआईपीबी) की बैठक में 30 निवेशों को मंजूरी दी गई है। इनके जरिए राज्य में कुल 1.14 लाख करोड़ रुपये का निवेश होने का मार्ग खुल गया है। जाहिर है इसे चंद्रबाबू नायडू सरकार के बड़ी उपलब्धि के तौर पर देखा जाना चाहिए। सबसे बडी बात यह है कि इसमें गूगल की एक सहायक कंपनी 87,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, जो भारत में अब तक का सबसे ज्यादा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश माना जा रहा है। आंध्र प्रदेश को बंपर निवेश मिलने पर चंद्रबाबू नायडू के बेटे और मंत्री नारा लोकेश ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा है कि आंध्र के विशाखापत्तनम को अब डाटा वैली बनने से कोई रोक नहीं सकेगा। आंध्र प्रदेश सरकार के अनुसार सीएम एन चंद्रबाबू नायडू की अध्यक्षता में हुई 11वीं राज्य निवेश संवर्धन बोर्ड (एसआईपीबी) की बैठक में आईटी, ईंधन, पर्यटन, एयरोस्पेस, खाद्य प्रसंस्करण और अन्य क्षेत्रों में निवेश को जिस तरह से मंज़ूरी दी गई है, उससे 67,000 नौकरियां मिलने की उम्मीद जगी है। सरकार के अनुसार रेडेन इन्फोटेक इंडिया लिमिटेड का 87,520 करोड़ रुपये का निवेश होगा। यह तकनीक जगत की दिग्गज कंपनी गूगल की एक सहायक कंपनी बताई जा रही है। यह विशाखापत्तनम में भारत का सबसे बड़ा डेटा सेंटर स्थापित करेगी। जिसके तहत तारलुवाड़ा, अदाविवरम और रामबिल्ली में तीन परिसर विकसित किए जाने का प्लान है। मुख्यमंत्री नायडू निवेशकों को आकर्षित करने के लिए पिछले 15 महीनों से अथक प्रयास में लगे रहे, जिसका सुफल अब सामने आने लगा है। इससे गदगद हो कर नायडू ने कहा कि यह परियोजना एक मजबूत तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र की नींव रखेगी और क्षेत्र में तकनीकी विकास को जो गति मिलेगी उसे दुनिया देखेगी। आईटी मंत्री नारा लोकेश ने भी कहा कि प्रस्तावित डेटा सेंटर विशाखापत्तनम को 'डेटा वैली' के रूप में स्थापित करेगा और इसका उद्देश्य पांच लाख लोगों के लिए रोजगार के अवसर प्रदान करना होगा। नायडू ने रायलसीमा क्षेत्र में औद्योगिक विकास को गति देने के लिए एक विशेष आर्थिक गलियारा स्थापित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया है। उन्होंने घोषणा की है कि विशाखापत्तनम आर्थिक क्षेत्र में श्रीकाकुलम और पूर्वी गोदावरी ज़िले शामिल होंगे, जबकि अमरावती आर्थिक क्षेत्र में पश्चिमी गोदावरी और प्रकाशम जिले शामिल होंगे। एक तीसरा आर्थिक क्षेत्र नेल्लोर और रायलसीमा जिलों तक फैला होगा। इस योजना के पूरा होने के बाद निश्चित ही यह पूरा क्षेत्र विश्व के नक्शे पर अपना स्थान बना लेगा।

जयप्रकाश और गांधी की पीड़ा

निरंकार सिंह

भारत के स्वाधीनता का निर्णायक संघर्ष महात्मा गांधी के नेतृत्व में लड़ा गया था। उस संघर्ष में जयप्रकाश नारायण (जेपी) गांधी जी के सिपाही थे। जिन्होंने 1942 के अंग्रेजों भारत छोड़ों के आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी। जब सभी बड़े नेता गिरफ्तार कर लिये गये तो जयप्रकाश जेल की दीवार फांद कर बाहर आ गये और उन्होंने भूमिगत रहकर उस आंदोलन का संचालन किया। हालांकि कुछ महीनों के बाद वह फिर गिरफ्तार कर लिये गये और जेल में भारी यातनाएं भी दी गयीं। इसलिए जब हम जयप्रकाश नारायण के जीवन पर नजर डालते हैं तो गांधी जी याद आते हैं। भले ही गांधी की उपलब्धियां ज्यादा हों, उन्होंने देश को आजाद कराने के लिए अंग्रेजी हुकूमत पर दबाव बनाने के अहिंसक आन्दोलन में बड़े पैमाने पर आम लोगों को जोड़ा था। लेकिन यह लड़ाई एक मायने में सीधी भी थी, क्योंकि विदेशी हुकूमत से आजादी का विचार बहुत बेलाग था और लोगों की भावनाएं जगाने वाली इसमें अपील थी। लेकिन संवैधानिक मान्यता का दावा करने वाली शासन व्यवस्था की तानाशाही और भ्रष्टाचार के खिलाफ जनता का समर्थन पाना काफी मुश्किल था। भले ही यह काम कितना भी जरूरी क्यों न हो। इन सबसे भी बढ़कर यह समानता थी कि दोनों ही राजनीति को नैतिक आधार पर चलाना चाहते थे और दोनों की नैतिकता का आध्यात्मिक स्रोत धर्म ही था। ऊपरी आडम्बरों और साम्प्रदायिक असहिष्णुता से मुक्त धर्म। दोनों ने ही अपने विरोधियों को अलग-थलग करने या घेरने की जगह सहयोग और मतभेद समाप्त करने की नीति पर अमल किया। वे मूलतः राजनेता न होकर अच्छे शिक्षक थे, मूल्यों के प्रचारक थे। वे भले ही पूरी राजनीतिक सत्ता को अपने नजरिए के अनुसार नया रूप देने में सफल न हुए हों, पर उन्होंने जिन मूल्यों पर जोर दिया उनका महत्व सदैव बना रहेगा। गांधी और जेपी अलग-अलग रास्तों से लगभग एक राजनीतिक दर्शन तक पहुँचे थे। गांधी का रास्ता मुख्यतः अनुभवों और प्रयोगों पर आधारित था। जेपी की विचार यात्रा वैचारिक थी और इसकी झलक हमें उनके रोचक लेखन में मिलती है। आज देश के विकास को जीडीपी के पैमाने से मापा जाता है। विकास का पश्चिमी माडल सिर्फ जरूरतें बढ़ाकर मानव विकास के जिस रास्ते की कल्पना कर रहा है या जिस रास्ते पर जा रहा है, उसे देख वे भी गांधी की तरह हैरान होते। वे चाहते थे कि स्वराज में जनता की भागीदारी दिखायी दे। जनता अपनी जिन्दगी अपने हाथ रखे और पुनर्निर्माण के रास्ते पर अपने बलबूते बढ़े। इसलिए उनका आग्रह था कि सत्ता देश के लाखों गांवों में बिखेर दी जाये, मुट्ठी भर

राजधानियों के हाथ में केन्द्रित न रहने दी जाये। लेकिन गांधी जी अपनी इस कल्पना को साकार करने के लिए जीवित नहीं रह सके, फिर भी इतनी बात दुनिया के सामने आ गयी कि नेहरू और गांधी के रास्ते अलग थे। नेहरू का रास्ता राष्ट्र-राज्य (नेशन स्टेट) था और गांधी का ग्राम गणराज्य का। आजादी के तीस साल बाद सत्ता में आयी जनता सरकार ने भी जेपी द्वारा प्रस्तावित विकेन्द्रित शासन व्यवस्था लाने की दिशा में कोई प्रयास नहीं। जेपी द्वारा 1974-75 में भ्रष्टाचार और कुशासन के खिलाफ उभरे बिहार आन्दोलन का नेतृत्व करना, जवाब में इन्दिरा गाँधी द्वारा आपातकाल लागू करना, उन्हें और हजारों अन्य नेताओं को जेलों में बन्द करना, 1977 के चुनाव में विपक्षी दलों को एकजुट करना और चुनाव में भारी जीत दिलवाते हुए केन्द्र में पहली गैर-कांग्रेस सरकार का गठन कराने में उनकी भूमिका इतिहास की चीजें हैं। लेकिन गाँधी की तरह जेपी को भी समझ में आ गया कि मैदाने-जंग में जीत का मतलब यह नहीं होता कि जीत के सेनापति उन क्रान्तिकारी उद्देश्यों के लिए भी उतने ही मन से काम करें। यह बात खासतौर से तब और भी ज्यादा स्पष्ट ढंग से सामने आती है जब प्रस्तावित बदलावों से सत्ता में आये लोगों के अपने अधिकारों से भी कटौती का मसला जुड़ा हो। जैसे ही अंग्रेजों ने आजादी देने की बात स्वीकार कर ली और विभाजन समेत सत्ता के हस्तान्तरण की बातें शुरू हुई। गांधी की उपेक्षा शुरू हो गई। उन्होंने अपने सचिव और जीवनीकार प्यारेलाल से शिकायत की, 'आज मेरी कौन सुनता है-आजादी की लड़ाई लड़ते हुए तो हम एक थे लेकिन आजादी के अवसर पर हम विभाजित हैं। सत्ता की संभावना ने हमारा नैतिक बल हर लिया है।' सम्भव है कि यही शब्द जेपी के मुँह से भी तब निकलते जब 1977 में इन्दिरा गांधी के शासन को खत्म करने के लिए एकजुट हुई जनता पार्टी के घटक दल बिखरने लगे थे। आजाद भारत में कुछ ही महीने जिन्दा रहने के दौरान ही महात्मा को पार्टी पॉलिटिक्स की बुनियाद ही गड़बड़ होने का एहसास हो गया था। 1947 की पहली तारीख को उन्होंने कांग्रेस के रचनात्मक कार्यकर्ताओं से कहा था, ''आज राजनीति भ्रष्ट हो गई है। राजनीति में जाने वाला हर आदमी इसमें नहा जाता है। हम सभी को इससे बाहर ही रहना चाहिए। फिर 27 जनवरी को उन्होंने कहा, कांग्रेस ने अपनी आजादी की लड़ाई का शुरूआती और जरूरी हिस्सा हासिल कर लिया है। पर इसका मुश्किल भाग अब आना है। लोकतंत्र के मुश्किल रास्ते पर इसने ऐसे घटिया ठिकाने बनाये हैं, जिनसे भ्रष्टाचार पैदा हुआ है और गड़बड़ी वाले ऐसे संस्थान बने हैं जो नाममात्र के लोकतांत्रिक और जनप्रिय हैं (तेन्दुलकर, महात्मा खण्ड 8) अचरज नहीं कि बहुदलीय प्रणाली में भ्रष्टाचार के अन्तर्निहित होने की बात जेपी ने भी जोर-शोर से ही कही थी। दो दिन बाद गांधी ने कांग्रेस के लिए एक नये संविधान की रूपरेखा रखी जिसके अनुसार कांग्रेस को पार्टी के रूप में भंग करके लोक सेवक संघ का रूप दिया जाना था, जिसके जिम्मे भारत के सात लाख गांवों में सामाजिक, नैतिक और आर्थिक आजादी लाने का काम सौंपा जाना था। उन्होंने नीचे पंचायत से ऊपर तक चरणबद्ध ढंग से चुनाव कराने का सुझाव दिया था। ग्यारह वर्ष बाद लिखा जेपी का आलेख 'ए प्ली फॉर रिकंस्ट्रक्शन आफ द इण्डियन पोलिटी' (भारतीय राज्यव्यवस्था का पुर्ननिर्माण) इसी सोच पर आधारित है। हमें नहीं मालूम कि गांधी जी ने अपनी इस योजना को आगे बढ़ाने के लिए क्या प्रस्ताव रखा था, अगले ही दिन उनकी हत्या हो गई और उनके पूरे दर्शन के साथ इस योजना या अभिलाषा को भी ताक पर रख दिया गया। जेपी के अनुसार लोकसेवक संघ बनाने का प्रस्ताव विलक्षण और दमदार था। बिहार आन्दोलन ने लोकसभा या विधानसभा के उम्मीदवारों के चुनाव और चुने हुए प्रतिनिधियों के काम-काज पर नजर रखने के लिए जिस एक अराजनैतिक समाज सेवा संगठन बनाने का उद्देश्य रखा था उसके बीज लोक सेवक संघ वाले विचार में थे। जेपी में लोगों को परखने की शक्ति गांधी जी जितनी न थी और न ही वे गांधी जितने चालाक थे। वे बहुत भावुक थे और कई बार रोने की हद तक आ जाते थे। बचपन में उनको बाउल कहा जाता था और वह निर्दोष भावुकता उन्होंने आखिर तक बचाये रखी थी। उनको ठगा जा सकता था और अक्सर ठगा भी गया। वे अपने साथियों और विरोधियों की मंशा और महत्वाकांक्षा को समझ पाने में विफल हो सकते थे। वे सामाजिक और राजनीतिक आचरण का अन्दाजा लगा पाने में अव्यावहारिक और स्वप्नजीवी साबित हो सकते थे। पर उनकी गलतियों और राजनीतिक चलन के उतार चढ़ाव या मोड़ों ने व्यापक सामाजिक-आर्थिक क्रान्ति के प्रति उनके विचार को कभी भी कम नहीं किया और इस काम में वे जीवन के आखिरी दिन तक लगे थे। इसमें निजी सत्ता की कोई कामना न थी। गांधी और जे.पी. नैतिक शक्ति के महान प्रेरणास्रोत हैं।

करघों की धरती, आत्मनिर्भर भारत की धड़कन

सुरेश गांधी

भारत की धरती का सबसे सुंदर संगीत है, "खटखट" करती करघे की लय। यह वही लय है जो भदोही की गलियों, मिर्ज़ापुर की बुनकर बस्तियों, और राजस्थान की हवेलियों में एक साथ गूंजती है। यह केवल कपड़े की बुनाई नहीं, बल्कि भारतीय आत्मा की कला है, जो मिट्टी से उठकर रंगों, धागों और स्वप्नों में ढल जाती है। यहां की कालीनें हमारे घरों की ज़मीन पर बिछी होती है, लेकिन उसकी जड़ें हमारी संस्कृति के भीतर तक पैठी हैं। आज जब "मेक इन इंडिया" और "आत्मनिर्भर भारत" की चर्चा हर मंच पर है, तब भारतीय कालीनें उस अभियान की सबसे जीवंत मिसाल हैं, जो श्रम, सादगी और सौंदर्य की त्रिवेणी से जन्म लेती हैं। मतलब साफ है भारतीय कालीनों का डिज़ाइन किताबों से नहीं, जीवन से निकलता है। उसमें गांव की सांझ का केसरिया रंग है, खेतों की हरियाली की ताजगी है, और स्त्री की साड़ी से उतर आया लालपन है। भदोही या मिर्ज़ापुर का बुनकर कोई फैशन डिज़ाइनर नहीं, पर उसके हाथों से निकलने वाला हर पैटर्न एक कविता है। कहीं त्योहारों की उमंग है, कहीं ऋतुओं का परिवर्तन, कहीं बेटी की विदाई की नमी है, तो कहीं सावन की झूला-गीत की छटा। कालीनों की हर बुनावट में लोककथा छिपी है, यह भारत के लोकजीवन का चलायमान संग्रहालय है।

भदोही के ही 'फेटकापुर', 'गोपीगंज' और 'सुरियावाँ' जैसे कस्बों में सैकड़ों वर्ष पुरानी बुनाई परंपरा आज भी जिंदा है। घरों में महिलाएं करघे पर बैठी हैं, बच्चे धागों को सुलझा रहे हैं, और पुरुष बाहर के बाज़ार से रंगीन ऊन व कपास लेकर लौट रहे हैं। यहां की हर गली में किसी न किसी घर से करघे की आवाज़ आती है, जैसे यह कोई गीत हो, जो पीढ़ियों से गाया जा रहा है। भारतीय कालीनों की खासियत केवल उसके डिज़ाइन में नहीं, बल्कि उसकी आत्मा में है। कालीनों में रंगों का तालमेल अद्भुत होता है। पाँच रंगों, लाल, पीला, नीला, हरा और सफ़ेद, के बीच बुनकर जब नई रचना करता है, तो वह केवल पैटर्न नहीं बनाता, वह भाव बुनता है। कपास, ऊन और जूट जैसे प्राकृतिक रेशों से बनी दरी में न तो रासायनिक कठोरता होती है, न मशीनरी ठंडापन। यह मिट्टी से जुड़ी सादगी, हाथों की गर्मी और आत्मा की नमी से सनी होती है। इन कालीनों के डिज़ाइन में भारत की विविधता झलकती है, राजस्थान की पुष्कर मेला, गुजरात का कच्छ, पंजाब की फुलकारी, कश्मीर की नक्काशी और दक्षिण की कलात्मक लय। हर क्षेत्र ने अपने तरीके से दरी को सजाया-संवारा और उसे अपना 'लोक स्वभाव' दिया। आज पेरिस, लंदन, न्यूयॉर्क या टोक्यो के आधुनिक घरों में भारतीय कालीनें एक "इंडियन टच" देती है। विदेशी डिज़ाइनर्स इसे "हैंडमेड ऑर्गेनिक कार्पेट्स" के नाम से ब्रांड करते हैं। जीआई टैग, इसकी हस्तनिर्मित विशुद्धता और पारंपरिक बुनाई। काफी समय तक मशीनों से बनी कालीनों ने हस्तनिर्मित दरियों को चुनौती दी, परंतु जैसे ही दुनिया 'सस्टेनेबल लिविंग' की ओर लौटी, हस्तनिर्मित दरी फिर से प्रासंगिक हो गई। यूरोप और अमेरिका के उपभोक्ता अब पर्यावरण-हितैषी उत्पादों की ओर लौट रहे हैं, और भारतीय कालीन उनके लिए 'कल्चरल लग्ज़री' बन गई है।

कहा जा सकता है अब कालीन केवल फर्श की सजावट नहीं रही। इसे डिज़ाइनर्स ने फ़ैशन की दुनिया में भी उतार दिया है। दिल्ली, जयपुर, मुम्बई और हैदराबाद में आधुनिक डिज़ाइनर 'बुने हुए टेक्सटाइल्स' से बैग, कुशन कवर, जैकेट और वॉल हैंगिंग तक तैयार कर रहे हैं। 'इंडिया डिज़ाइन वीक' जैसे मंचों पर भदोही की कालीनों को 'इंडियन आर्टिस्ट्री इन वीव' कहकर प्रस्तुत किया जा रहा है। वहीं, सोशल मीडिया के युग में 'सस्टेनेबल होम डेकोर' के तहत युवा पीढ़ी अब अपनी जड़ों की ओर लौट रही है। यह एक सकारात्मक संकेत है कि भारतीय परंपरा अब केवल विरासत नहीं, आधुनिकता का भी हिस्सा बन रही है। पुराने समय में करघे हाथ से चलते थे। ऊन और कपास के धागे में रंग प्राकृतिक स्रोतों से मिलते थे, हल्दी, मेहंदी, नीला, और इमली के छिलके। आज स्थिति बदली है। नई मशीनें आई हैं, ऑटोमेटिक करघे और पॉवरलूम ने काम तेज़ किया है। लेकिन कई विशेषज्ञों का मानना है कि इससे बुनाई का "मानवीय स्पर्श" कम हुआ है। भदोही, जयपुर, और पनिपत में कई कलाकार अब भी पारंपरिक करघों पर ही काम करते हैं। उनका कहना है, "मशीन बुनाई कर सकती है, मगर आत्मा नहीं डाल सकती।" यही कारण है कि 'हैंडलूम मार्क' और 'जियोग्राफिकल इंडिकेशन टैग' वाले उत्पादों की कीमत और प्रतिष्ठा दोनों अधिक हैं।

घरों की ज़मीन से विश्व बाज़ार तक

कभी ये कालीनें गांव के आंगन की शोभा थी, अब अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी की पहचान है। भदोही की कालीनें अमेरिका, फ्रांस, जापान और यूरोप के शहरों में "इंडियन हैंडमेड कारपेट्स" के रूप में बिकती हैं। यह केवल आर्थिक नहीं, सांस्कृतिक निर्यात है, जो दुनिया को बताता है कि भारत अब भी "हाथ से बना" सबसे सुंदर देश है। आज भदोही और मिर्ज़ापुर में ओडीओपी (वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट) योजना, जीआई टैग और हुनर हाट जैसे कार्यक्रमों ने नई ऊर्जा दी है। युवा बुनकर अब परंपरा और आधुनिकता के संगम से नई पहचान गढ़ रहे हैं। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर 'भदोही कारपेट्स' ब्रांड बनकर उभरा है, जो गांवों को वैश्विक बाजार से सीधे जोड़ रहा है। हमारे घरों में जब फ़र्श पर बिछी दरी पर बच्चे खेलते हैं, बुज़ुर्ग आसन जमाते हैं, या अतिथि का स्वागत होता है, तो वह केवल एक वस्त्र नहीं, बल्कि घर की संस्कृति का हिस्सा होती है। कभी यही दरी गांव की दुआर पर पड़ी रहती थी, जहां संध्या के समय रामायण पाठ होता था, या भजन-कीर्तन गूंजते थे। उस पर बैठा हर व्यक्ति भारतीय सामूहिकता का प्रतीक था। यही वह बुनावट है जो कहती है, "भारत केवल तकनीक से नहीं, परंपरा से चलता है।"

कला नहीं, यह तो घर की संस्कृति है

कालीनें भारतीय गृहस्थ जीवन की मौन नायिका है। घर में जब अतिथि आता है, तो सबसे पहले उसके स्वागत में यही बिछाई जाती है। यही पर परिवार के बुज़ुर्ग पूजा करते हैं, बच्चे खेलते हैं, और स्त्रियां बातें करती हैं। यह वस्त्र नहीं, वह भूमि है जिस पर भारतीय संस्कृति टिकी है। हर बुनाई में "सादगी की सुंदरता" है, और हर धागे में "विश्वास का रंग"। जब मशीनें दुनिया पर राज कर रही हैं, तब भी भारतीय बुनकर अपने हाथों की गरिमा बनाए हुए हैं, क्योंकि यहां कला कभी व्यापार नहीं बनी, वह जीवन का विस्तार बनी। खास यह है कि भारतीय कालीन का डिज़ाइन किसी कला विद्यालय की देन नहीं, बल्कि गांव की चौपाल, खेतों के हरियाले दृश्य, और त्यौहारों की उमंग से निकला हुआ रंग है। भदोही और मिर्ज़ापुर की दरियां मिट्टी के रंगों, हरे खेतों, पीले अमलतास और लाल पलाश की छटा को करघे पर उतारती हैं। बुनकर अपने मन का रंग धागों में भर देता है, कोई अपनी बेटी की विदाई का दर्द बुनता है, तो कोई सावन की उमंग। यही कारण है कि हर दरी में एक कहानी छिपी होती है, एक भावनात्मक साक्ष्य, जो भारत की लोकसंस्कृति को जीवित रखता है।

मैं लड़की हूं — संकट नहीं, समाधान हूं!

आरके जैन

जब एक बालिका जन्म लेती है, वह केवल एक जीवन नहीं लाती-वह एक नई दृष्टि, अनंत संभावनाओं का सूर्य, और समाज को बदलने की अटल शक्ति लाती है। उसकी मुस्कान में भविष्य की गूंज और आंखों में सपनों का सागर छिपा है। लेकिन यह कटु सत्य भी है कि आज भी दुनिया के कई हिस्सों में वह भेदभाव, असमानता और अन्याय के साये में अपनी पहचान की लड़ाई लड़ रही है। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस, जो हर साल 11 अक्टूबर को मनाया जाता है, केवल एक तारीख नहीं, बल्कि एक क्रांतिकारी उद्घोषणा है-"मैं लड़की हूं, मैं बदलाव की अगुआ हूं।" यह दिन बालिकाओं की अदम्य शक्ति का उत्सव है और उनके अनदेखे संघर्षों को सम्मान देने का आह्वान।

संयुक्त राष्ट्र ने 2025 के लिए इस दिवस का विषय चुना है—"मैं लड़की हूं, मैं बदलाव का नेतृत्व करती हूं: संकट की अग्रिम पंक्ति में लड़कियां", यह विषय आज की सच्चाई को उजागर करता है-बालिकाएं अब परिवर्तन की प्रतीक्षा नहीं करतीं; वे उसकी सशक्त वाहक हैं। चाहे जलवायु परिवर्तन के खिलाफ संघर्ष हो, डिजिटल समानता की मांग हो, या सामाजिक न्याय की लड़ाई-हर मोर्चे पर बालिकाएं अपनी अमिट छाप छोड़ रही हैं। संकटों में, जब दुनिया ठहर जाती है, यही बालिकाएं आगे बढ़ती हैं। कोविड-19 महामारी इसका जीवंत उदाहरण है। यूनेस्को के आंकड़ों के अनुसार, उस दौरान लगभग 24 मिलियन बच्चे, विशेषकर लड़कियां, स्कूल छोड़ने के कगार पर थे। फिर भी, भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में किशोरियों ने मास्क बनाए, स्वास्थ्य जागरूकता फैलाई, और ऑनलाइन शिक्षा के लिए अपने समुदायों को प्रेरित किया। यह साबित करता है कि नेतृत्व उम्र या लिंग से नहीं, बल्कि दृढ़ संकल्प और संवेदना से परिभाषित होता है।

इन प्रेरक कहानियों के बीच एक कड़वी सच्चाई भी है। यूनिसेफ की 2023 की रिपोर्ट बताती है कि दुनिया भर में 129 मिलियन लड़कियां स्कूल से वंचित हैं। प्राकृतिक आपदाओं, युद्धों और गरीबी के कारण सबसे पहले इन्हीं की शिक्षा छिनती है। जलवायु परिवर्तन जैसे संकटों में, लड़कियां न केवल पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना करती हैं, बल्कि सामाजिक असमानता का भी शिकार बनती हैं। बांग्लादेश और भारत में बाढ़ व चक्रवातों के दौरान लड़कियों को अक्सर परिवार की जिम्मेदारियां उठानी पड़ती हैं, जिससे उनकी शिक्षा और स्वास्थ्य प्रभावित होते हैं। लेकिन यही लड़कियां समाधान की मशाल भी थाम रही हैं। मलावी और युगांडा में किशोरियां जलवायु कार्यकर्ता बनकर स्थानीय स्तर पर वृक्षारोपण और टिकाऊ खेती को बढ़ावा दे रही हैं। यह दिखाता है कि संकट की अग्रिम पंक्ति में लड़कियां केवल पीड़ित नहीं, बल्कि परिवर्तन की सशक्त अगुआ हैं। डिजिटल असमानता एक और अनदेखा संकट है। आज डिजिटल पहुंच केवल सुविधा नहीं, बल्कि मौलिक अधिकार है। फिर भी, इंटरनेशनल टेलीकम्युनिकेशन यूनियन (आईटीयू) के 2024 के आंकड़ों के अनुसार, विकासशील देशों में केवल 37% महिलाएं और लड़कियां इंटरनेट का उपयोग करती हैं, जबकि पुरुषों के लिए यह आंकड़ा 43% है। भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में लाखों लड़कियों को स्मार्टफोन और डिजिटल शिक्षा की कमी झेलनी पड़ती है। यह केवल तकनीकी संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि सामाजिक सोच का अभाव है। केन्या और नाइजीरिया में लड़कियां डिजिटल शिक्षा के लिए अभियान चला रही हैं, कोडिंग सीख रही हैं, स्टार्टअप शुरू कर रही हैं, और तकनीकी क्षेत्र में अपनी जगह बना रही हैं। यह एक नई क्रांति की शुरुआत है, जो हमें यह सवाल पूछने को मजबूर करती है-क्या हम वाकई अपनी लड़कियों को डिजिटल युग में नेतृत्व के लिए सशक्त कर रहे हैं? लड़कियों की मानसिक दृढ़ता और आत्मविश्वास एक अनमोल शक्ति है, जिसे हम अक्सर अनदेखा कर देते हैं। हम उन्हें सशक्त बनाने की बात करते हैं, लेकिन क्या हम उन्हें ठोकर खाकर फिर उठने का हौसला देते हैं? समाज लड़कियों से हर कदम पर पूर्णता मांगता है, पर गलतियों से सीखने की आजादी उन्हें शायद ही मिलती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, सामाजिक दबाव और लैंगिक असमानता के कारण किशोरियों में तनाव और चिंता की दर लड़कों से कहीं अधिक है। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस हमें सिखाता है कि नेतृत्व का मतलब केवल जीत नहीं, बल्कि हर मुश्किल में खुद पर भरोसा कायम रखना है। हमें हर लड़की को यह यकीन दिलाना होगा कि उसकी आवाज अमूल्य है और उसकी असफलताएं उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी शक्ति का सबूत हैं।परिवर्तन की शुरुआत घर की चौखट से होती है। क्या हम अपनी बेटियों को निर्णय लेने की आजादी देते हैं? क्या उनकी राय को बेटों जितना सम्मान मिलता है? एक अध्ययन बताता है कि भारत में केवल 27% परिवार किशोरियों को घरेलू फैसलों में शामिल करते हैं। नेतृत्व की नींव घर में पड़ती है। जब एक बेटी को यह विश्वास मिलता है कि वह गलती कर सकती है, उससे सीख सकती है, और फिर दुनिया को चुनौती दे सकती है, तभी वह सच्चा नेतृत्व निभाती है।

आस्था,विश्वास और विकास का पर्याय भारत

संजीव ठाकुर

भारत में विगत दो-तीन दशकों में भारत में कृषि,विज्ञान,टेक्नोलॉजी, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है. भारत में विशेष तौर पर साइंस एंड टेक्नोलॉजी तथा सामरिक क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाने में सफलता पाई है। इन दिनों विश्व में जितने भी राजनीतिक और कूटनीतिक अहम फैसले किये जाते हैं उन में भारत की सलाह तथा उपस्थिति अनिवार्य मानी जा रही है यह भारत के गौरव की बात है। 1947 में भारत और पाकिस्तान ने स्वतंत्रता प्राप्त की, लेकिन दोनों देशों की दिशा भिन्न रही। पाकिस्तान ने मुस्लिम राष्ट्र की अवधारणा अपनाई और अलग राह चुनी, जिसके परिणामस्वरूप आज वह कई आर्थिक और सामाजिक कठिनाइयों का सामना कर रहा है। भारत ने लोकतांत्रिक और जनतांत्रिक मूल्यों के आधार पर विकास के नए आयाम स्थापित किए, देश को सशक्त, विकसित और आत्मनिर्भर बनाया।

पिछले दशक में भारत की राजनीतिक संरचना में उत्तरदायित्व आधारित शासन और प्रभावी प्रशासन ने लोकतंत्र को मजबूती दी। रिपोर्ट कार्ड राजनीति के उदय ने नेताओं और दलों का मूल्यांकन उनके कार्यों और परिणामों के आधार पर शुरू किया। संवैधानिक स्तर पर ऐतिहासिक कदम जैसे अनुच्छेद 370 का निरसन और जम्मू-कश्मीर का पुनर्गठन, तीन तलाक कानून और नागरिकता संशोधन अधिनियम ने न केवल राजनीतिक इच्छाशक्ति बल्कि सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय नीति में नए दृष्टिकोण स्थापित किए। डिजिटल संसदीय पहलें, ई-संसद और डिजिटलीकरण ने लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाया, वहीं विपक्ष, मीडिया और सोशल मीडिया ने लोकतांत्रिक विमर्श को चुनौतीपूर्ण और प्रभावशाली बनाया। नई भारत की अवधारणा केवल राजनीति और अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं रही। योग, आयुर्वेद और प्राचीन भारतीय ज्ञान को वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत किया गया। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण भारतीय सांस्कृतिक और धार्मिक आकांक्षाओं का प्रतीक बना। शिक्षा और पाठ्यपुस्तकों में भारतीय इतिहास और आख्यानों को नवीन रूप दिया गया। हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं के विकास पर जोर दिया गया। सांस्कृतिक कूटनीति के माध्यम से भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी पहचान मजबूत की, जबकि बहुलतावाद और परंपरा बनाम आधुनिकता जैसी सामाजिक चुनौतियाँ विचार विमर्श का विषय बनीं। भारत ने इस दशक में अर्थव्यवस्था में अभूतपूर्व सुधार किए। मेक इन इंडिया ने विनिर्माण और रक्षा उत्पादन को बढ़ावा दिया। जीएसटी ने कर प्रणाली को सरल और पारदर्शी बनाया, 2025 के संशोधन से आम जनता को बड़ी राहत मिली। डिजिटल इंडिया, जनधन योजना और यूपीआई ने नकदी रहित लेन-देन और वित्तीय समावेशन में क्रांति ला दी।

स्टार्टअप इंडिया ने नवाचार और उद्यमिता को प्रोत्साहित किया। परिणामस्वरूप भारत विश्व की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा, जबकि बेरोजगारी, ग्रामीण–शहरी असमानता और कृषि सुधार अधूरे रहना अभी भी गंभीर चुनौती बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत ने अपनी नई पहचान बनाई।

जी20 समिट और शंघाई सहयोग संगठन की बैठकों में भारत ने संतुलित और निर्णायक नेतृत्व प्रस्तुत किया। रूस, चीन और पड़ोसी देशों के साथ संतुलित कूटनीतिक संबंधों ने भारत की स्थिति को मजबूत किया। अमेरिकी टैरिफ और यूरोपीय दबावों का भारत ने स्पष्ट विरोध किया, जिससे वैश्विक मंच पर उसकी भूमिका और प्रभाव बढ़ा।

अपनी डफली अपना राग

डॉ टी महादेव राव

"छोटू! क्या बात है बड़े गहरे सोच रहा है?" पार्क में बेंच पर अन्यमनस्क से छोटू को देख मैंने पूछा। अचानक मौन टूटा और छोटू पूछ बैठा। भैया! आप जानते हैं प्याज, लहसुन और अदरक के दाम क्यों बढ़ गए हैं? हां छोटू! भारी वर्ष के चलते फसल अच्छी न होने से, दूसरे प्रांतों से पूर्ति न होने से और बिचौलियों की वजह से इनके दाम बढ़े हैं।

न भैया। आपका तर्क सही नहीं है। ये कारण हो सकते हैं लेकिन मुख्य और असली कारण कुछ और है।"

"अच्छा ज्ञानदेव छोटू! बताएं मुख्य और असली मुद्दा है क्या?"

"इसका असली कारण है हमारी वित्त मंत्री प्याज, लहसुन और अदरक नहीं खातीं, इसलिए।

अच्छा! तो करों के रूप में मध्य वर्ग जनता का खून पीने के साथ वे मंचिंग में खाती क्या हैं? और जो भी खाती हैं वे भी तो महंगे ही होंगे न? बताओ आजकल कौन सी चीज़ ऐसी है जो सस्ती है, हमारी जेब को भारी नहीं पड़ती? अब कहोगे बड़े भैया शाकाहारी हैं इसलिए चिकन, मटन और अंडों के भाव बढ़ गए। तो क्या वे साग सब्जी भी नहीं खाते जो उनके दाम भी तो कितने बढ़ गए? अब और ये मत कहना कि सारे सांसद, विधायक और नेता साइकल से या पैदल आते हैं। इसलिए पेट्रोल डीजल के दाम बढ़ गए। यह कोई तर्क है तुम्हारा?

भैया! काहे गर्माते हो? इससे एक और बड़ी बात सामाजिक माध्यमों में चक्कर लगा रही है। वो क्या? यही कि लकड़ी के चूल्हे जलाते हैं कुछ सांसद इसलिए गैस की कीमतों में बढ़ोतरी होती है।

महंगाई के शॉक से बाहर आइए। आप तो गहरे चले जाते हैं मोती की खोज में समंदर के अंदर जाते गोताखोर की तरह और मुझ पर टूट पड़ते हैं। जान लीजिये महंगाई इस देश का ब्रांड है और इस ब्रांडेड देश के बड़े लोग इस ब्रांड को बाकायदा बनाए हुये हैं अपने अस्तित्व को बचाने के लिए।

तर्क और कुतर्क में फर्क है छोटू! कुछ भी कहता है तू तो। बता कौन सी बात है जो मीडिया में चक्कर काट रही है?

यही कि किसी ने हमारे वर्तमान वित्त मंत्री से पूछा कि आप डॉ मनमोहन सिंह जैसा अर्थशास्त्री, सफल वित्त मंत्री बनना पसंद करेंगी? उन्होंने कहा मैं मनमोहन सिंह बनना पसंद नहीं करूंगी। अब मैं कुछ कहूँ। तो तुम कुछ भी सोचना शुरू कर दोगे छोटू! पार्टियाँ अलग होती हैं। व्यक्ति और विद्वान डॉ. मनमोहन सिंह दुनिया के गिने-चुने अर्थशास्त्रियों में से एक हैं। एक और बात, अब संसद में सत्ताधारी दल के सभी सांसदों की डिग्रियाँ मिला दी जाएँ, मनमोहन सिंह जी की डिग्रियाँ उनसे ज़्यादा हैं। भले ही प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव के समय के वित्त मंत्री जितने लोकप्रिय नहीं थे। बेहद सफल। उनके कार्यकाल में जीडीपी आठ से नौ हो गई, जो शत प्रत थी। यह विश्वस्तरीय थी। आधार, सूचना का अधिकार जैसी कई विशेष चीजें उनके समय में हुईं। जब इस सरकार ने... उन्होंने कहा था कि नोटबंदी से जीडीपी में दो अंकों की गिरावट आएगी। वही हुआ। ऐसा अर्थशास्त्री बनने के लिए पूरे दृढ़ संकल्प के साथ सपने देखने होते हैं। वर्तमान वित्त मंत्री कभी भी एक सफल वित्त मंत्री नहीं बन सकता, मनमोहन सिंह बनना तो दूर की बात है। भले ही उन्हें मौनी बाबा कहा जाता था, लेकिन उनकी चुप्पी पर्याप्त नहीं थी। यह सब लोगों की चीख-पुकार से कहीं ज़्यादा सार्थक और उपयोगी था।

अहोई अष्टमी पर इस कुंड में लगाएं डुबकी, मिलेगा संतान सुख का आशीर्वाद

अहोई अष्टमी 13 अक्टूबर सोमवारको है। अहोई अष्टमी के दिन संतान की सुरक्षा के लिए पूजा और व्रत करते हैं। मथुरा में एक ऐसा चमत्कारी कुंड है, जहां अहोई अष्टमी के दिन कुंड में स्नान करने के लिए बड़ी संख्या में भक्त पहुंचते हैं। मथुरा के गोवर्धन के पास राधा कुंड है।

राधा कुंड में स्नान से संतान सुख की प्राप्ति

अहोई अष्टमी के दिन कुंड को खास तरीके से सजाया जाता है। माना जाता है कि कार्तिक कृष्ण पक्ष की अष्टमी के दिन जो भी दंपत्ति जोड़े के साथ कुंड में स्नान करता है, तो उसे संतान सुख की प्राप्ति होती है। इसके अलावा, संतान के जीवन में आई बाधाओं का भी नाश होता है। इस कुंड को लेकर कई तरह की मान्यताएं प्रचलित हैं। यह भी कहा जाता है कि राधा कुंड में स्नान करने से गौ हत्या के पाप से भी मुक्ति मिलती है।

राधारानी का आशीर्वाद

अहोई अष्टमी के दिन भक्त कुंड में आधी रात को स्नान करने आते हैं और अपनी मनोकामना की पूर्ति करते हैं। स्नान करने के बाद भक्त कुंड की परिक्रमा करते हैं और राधारानी का आशीर्वाद लेने के लिए बरसाना में स्थित मंदिर भी जाते हैं।

राधा कुंड की कथा

राधा कुंड के बारे में कहा जाता है कि राधारानी के आदेश पर श्रीकृष्ण ने अरिष्टासुर दैत्य (आधा बैल, आधा राक्षस) का वध किया था। अब हत्या और गौ हत्या का पाप मिटाने के लिए राधारानी ने सभी पवित्र जलों में स्नान करने का सुझाव दिया। ऐसे में भगवान श्रीकृष्ण ने बांसुरी बजाकर सभी पवित्र नदियों का जल इकट्ठा कर लिया।

कहा जाता है कि कुंड का निर्माण राधारानी ने अपने कंगन से किया। राधा रानी के कंगन से दो कुंड बने, पहला श्याम कुंड और दूसरा राधा कुंड। इस कुंड को भगवान कृष्ण का मुकुट भी कहा जाता है, क्योंकि भगवान कृष्ण ने हमेशा राधा रानी को अपने मस्तक पर स्थान दिया है।

ताउम्र बना रहेगा प्यार

राधा कुंड में दुनिया की सारी पवित्र नदियों का जल एक जगह ही मिल जाता है, जिसकी वजह से श्रद्धालुओं के बीच कुंड की आस्था बहुत है। इस कुंड को राधा और श्याम के प्यार का पवित्र स्थान भी माना जाता है। कहा जाता है कि शादी होने के बाद नव-दंपति को कुंड में स्नान करना चाहिए, जिससे उनके जीवन में ताउम्र प्यार बना रहे। इन कुंडों में नहाने से राधा और कृष्ण दोनों का आशीर्वाद मिलता है।

नीम का पेड़ शुभ क्यों माना जाता है? घर के बाहर लगाने से क्या होंगे लाभ

ज्योतिषाचार्य ऋषिकांत मिश्र शास्त्री के मुताबिक, नीम कई औषधीय गुणों से भरपूर होने के साथ कई वास्तु दोषों को खत्म करने में अहम भूमिका निभाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि नीम के पेड़ को घर के बाहर सही दिशा में लगाने से घर में बरकत होने लगेगी। आइए जानते हैं आखिर नीम के पेड़ महत्व क्या है और घर के बाहर लगाने के फायदे क्या हैं?

हिन्दू धर्म में नीम के पेड़ का विशेष महत्व होता है। घर के बाहर नीम का पेड़ होने से नकारात्मक शक्तियों की हानि होती है। इसके साथ ही यह शनि, राहु-केतु की पीड़ा से भी बचाता है। ऐसे में यदि घर के बाहर सही दिशा में इस पेड़ को लगाते हैं तो घर की बरकत होने लगती है।

घर के बाहर नीम का पेड़ होना बेहद फलदायी माना जाता है। इस पेड़ का सीधा संबंध मंगल ग्रह से होता है। इसके साथ ही केतु और शनि ग्रह भी इससे संबंध रखते हैं। ऐसे में यदि आप नीम का पेड़ लगाना चाहते हैं तो दक्षिण दिशा बेहद शुभ रहेगी। दक्षिण दिशा में नीम का पेड़ लगाने से घर में लंबे समय से रुकी बरकत दोबारा से शुरू हो जाएगी।

हिन्दू धर्म में नीम के पेड़ को नीमाड़ी देवी कहा जाता है। इस पेड़ में देवी का वास होने से इसका पूजन किया जाता है। मान्यता है कि इस पेड़ की लकड़ियों से हवन करने से वास्तु दोष दूर हो जाते हैं। परिवार में सुख-शांति आती है और पितृ दोष से भी मुक्ति मिलती है। इसके अलावा नीम की पत्तियों से घर में धुआं करने से नकारात्मक शक्तियां नष्ट होती है

नीम के पेड़ का मंगल ग्रह से संबंध होता है। इसके चलते इस पेड़ पर जल अर्पित करने से हनुमान जी प्रसन्न होते हैं, जिसके फलस्वरूप वह मंगल के दुष्प्रभाव के खत्म करते हैं। इसके साथ ही, नीम की माला पहनने से शनि के दोषों को टाला जा सकता है।

वहीं, कुंडली में केतु ग्रह शांत करने के लिए नीम की पत्तियां पानी में डालकर स्नान करें। ऐसा करने से आपको कई समस्याओं से छुटकारा मिलता है।

घर के बाहर पेड़ लगाने और उसकी पूजा करने से कई राशि वालों को विशेष लाभ मिलता है। ज्योतिषशास्त्र में शनि को मकर और कुंभ राशि का स्वामी माना जाता है। इसलिए शनिदेव की पूजा करने से इन राशि वालों को विशेष फल मिलता है। शनि खुश रहें, इसीलिए घर के बाहर नीम का पेड़ लगाया जाता है।

धनतेरस पर भूलकर भी किसी को ना दें ये चीजें, रूठ जाएंगी मां लक्ष्मी

हिन्दू धर्म में सालभर में कई उत्सव आते हैं। उन्हीं उत्सव में से एक धनतेरस का त्योहार दिवाली के पांच दिवसीय उत्सव की शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। इसे धनत्रयोदशी भी कहा जाता है। यह पर्व हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को मनाया जाता है। इसी दिन से घर-परिवार में सुख, समृद्धि और ऐश्वर्य का आगमन होता है। धनतेरस पर विशेष रूप से कई शुभ वस्तु खरीदना शुभ माना जाता हैं। लेकिन, धनतेरस को लेकर कुछ नियमों के बारे में बताया जाता है जिनका ध्यान रखें तो धन संबंधी दिक्कतों को खुद से दूर किया जा सकता है।

इसी तरह धनतेरस को लेकर एक नियम ये भी है कि धनतेरस की शाम को किसी को भी 5 विशेष चीजें उधार में कभी नहीं देनी चाहिए। आइए उज्जैन के आचार्य आनंद भारद्वाज से जानते हैं...

धनतेरस पर धन की देवी लक्ष्मी के साथ भगवान कुबेर की पूजा का विधान है। ऐसे में इस दिन भूलकर भी किसी को धन उधार न दें। विशेष रूप से शाम की पूजा या पूजा के बाद को पैसे उधार देने की गलती कतई न करें। इससे माता लक्ष्मी घर से हमेशा के लिए जा सकती हैं।

अक्सर देखा जाता है कि घर में इस्तेमाल होने वाली चीज हम किसी को भी उधार दे देते हैं। लेकिन इस दिन की शाम को भूलकर भी किसी को उधार में चीनी नहीं देनी चाहिए, क्योंकि चीनी का सीधा संबंध लक्ष्मी जी से है। गन्ना का भोग माता लक्ष्मी को अति प्रिय है। ऐसे में चीनी को घर से धनतेरस की शाम को भूलकर भी न निकालें या न तो किसी को उधार में दें। इससे मां लक्ष्मी रूठ सकती हैं।

आमतौर पर नमक ऐसी चीज है जो हर घर में मिल जाती है, लेकिन धनतेरस की शाम को किसी को भी उधार में नमक देने से बचना चाहिए।

नमक समुद्र से निकलता है और माता लक्ष्मी का समुद्र से गहरा संबंध है। ऐसे में जैसे ही धनतेरस की शाम को आप किसी को नमक उधार में देते हैं तो इससे आपके घर की बरकत रुक सकती है। आपको पैसों की कमी हो सकती है।

इस दिन माता लक्ष्मी की पूजा का विधान है। इसलिए इस दिन यानि धनतेरस की शाम को किसी को भी उधार में दूध, दही, तेल, सुई जैसी चीजें न दें, यहां तक की न तो ये चीजें किसी और के घर से मांग कर ले आएं। इससे आपके ग्रहों की दशा बिगड़ सकती है और आपके जीवन पर इसका बहुत अशुभप्रभाव पड़ सकता है, आपकी परेशानियां बढ़ सकती हैं।

भगवान धन्वंतरि के 5 प्रसिद्ध मंदिर, जहां धनतेरस पर होती है विशेष पूजा

विष्णु भगवान के रूप भगवान धन्वंतरि को आयुर्वेद का जनक माना जाता है। भगवान धन्वंतरि रोगों से मुक्ति दिलाने के लिए जाने जाते हैं, क्योंकि समुंद्र मंथन के समय के वह हाथ में अमृत कलश और जड़ी-बूटियां के साथ अवतरित हुए थे। दक्षिण भारत में भगवान धन्वंतरि को समर्पित कई मंदिर हैं, जहां धनतेरस पर दूर-दूर से भक्त अपनी मन्नत लेकर आते हैं।

धनतेरस पर धन्वंतरि की विशेष पूजा

धनतेरस त्योहार पर भगवान धन्वंतरि की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है और आरोग्य होने का वरदान लिया जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि भगवान धन्वंतरि के सबसे ज्यादा मंदिर दक्षिण भारत में हैं? यहां धनतेरस के दिन भक्त अपने रोगों से मुक्ति पाने के लिए आते हैं।

तिरुमला का धन्वंतरि मंदिर

आंध्र प्रदेश के तिरुमला में धन्वंतरि मंदिर है, जिसे अपनी सकारात्मक ऊर्जा और रोगों से मुक्ति पाने के लिए जाना जाता है।

मान्यता है कि यहां विशेष पूजा-अर्चना करने से आध्यात्मिक ऊर्जा बढ़ती है और धन-धान्य का आशीर्वाद भी मिलता है। यहां हर साल धन्वंतरि होमम होता है, जो वहां के पुजारी करते हैं। ये होमम पूरे देश के कल्याण और महामारी से बचाने के लिए होता है।

श्री धन्वंतरि आरोग्य पीठम मंदिर

तमिलनाडु के चेन्नई में प्राचीन श्री धन्वंतरि आरोग्य पीठम मंदिर है, जहां आयुर्वेदिक पूजा का महत्व बहुत ज्यादा है। दूर-दूर से भक्त यहां आकर अपनी बीमारियों से छुटकारा पाने के लिए भगवान धन्वंतरि को जड़ी-बूटी अर्पित करते हैं। धनतेरस के मौके पर यहां मंदिर में खास पूजा रखी जाती है और मंदिर को फूलों से सजा दिया जाता है।

त्रिशूर धन्वंतरि मंदिर

केरल के वैद्यनाथपुर जिले के त्रिशूर में भी भगवान धन्वंतरि का मंदिर है, जो अपने आप में अनूठा है। इस मंदिर को अपनी पारंपरिक आयुर्वेदिक विरासत के लिए जाना जाता है।

माना जाता है कि धनतेरस के दिन अगर मंदिर में बैठकर पूजा और जाप किया जाए तो सभी रोगों से मुक्ति मिलती है और भक्त को लंबी आयु भी मिलती है। यहां भगवान धन्वंतरि पर खास तौर पर घी और तुलसी के पत्ते अर्पित किए जाते हैं और प्रसाद के तौर पर भी उन्हें खाया जाता है। वहां खास तरह का प्रसाद मुक्कुडी बनता है।

थोट्टुवा धन्वंतरि मंदिर

केरल के थोट्टुवा में भी भगवान धन्वंतरि का मंदिर है। माना जाता है कि इस मंदिर में खुद भगवान धन्वंतरि विराजते हैं और यहां की गई पूजा फलदायी होती है।

धनतेरस के मौके पर भक्त लंबी-लंबी लाइनों में लगकर भगवान के दर्शन करते हैं और प्रसाद स्वरूप प्राकृतिक चीजें अर्पित करते हैं। भक्त यहां अपने परिवार के लिए अनुष्ठान भी कराते हैं।

रंगनाथस्वामी मंदिर

तमिलनाडु का रंगनाथस्वामी मंदिर भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी का मंदिर है, लेकिन धनतेरस पर यहां धन्वंतरि भगवान की विशेष पूजा-अर्चना होती है और जड़ी-बूटियों से बना प्रसाद अर्पित किया जाता है।

मृत्यु के बाद कैसे तय होता है अगला जन्म

हमारे जीवन में मौत एक ऐसा सच है जिसे कोई भी टाल नहीं सकता। चाहे इंसान कितना भी धनी हो कितना भी ताकतवर हो एक दिन उसे मरना ही पड़ता है। हिंदू धर्म में इस जीवन-मृत्यु और अगले जन्म का रहस्य गरुड़ पुराण में बड़े ही स्पष्ट रूप से बताया गया है। गरुड़ पुराण हिंदू धर्म का एक पवित्र ग्रंथ है जो भगवान विष्णु और उनके वाहन गरुड़ के संवादों पर आधारित है। इसमें मृत्यु के बाद आत्मा के सफर कर्मों का हिसाब अगले जन्म का नियम और मोक्ष तक पहुँचने का मार्ग विस्तार से बताया गया है।

मृत्यु के समय आत्मा को बहुत पीड़ा होती है

फरीदाबाद के महंत स्वामी कामेश्वरानंद वेदांताचार्य ने बताया कि गरुड़ पुराण के अनुसार मृत्यु के समय आत्मा के लिए बहुत पीड़ा होती है। शरीर छोड़ना आसान नहीं होता। ऐसा कहा गया है कि शरीर छोड़ने का दर्द लगभग 1000 बिच्छुओं के डंक के बराबर होता है। यह शरीर लगभग 70 से 90 साल तक साथ रहता है, इसलिए आत्मा इसे छोड़ने में कष्ट महसूस करती है। जब शरीर छोड़ दिया जाता है, तो आत्मा को एक सूक्ष्म प्रेत शरीर मिलता है।

महंत स्वामी के अनुसार मृत्यु के बाद यह प्रेत शरीर यमलोक में यमराज के पास जाता है। यमराज और उनके मुनीम चित्रगुप्त कर्मों का लेखा-जोखा करते हैं। अगर प्रेत के दाह संस्कार कर दिए जाते हैं तो आत्मा को शांति मिलती है। नहीं तो यह आत्मा घर और अपने मृत शरीर के आस-पास भटकती रहती है। कई बार यह रोते हुए परिजनों के पास जाती है, लेकिन किसी को छू नहीं सकती। शमशान में शरीर का दाह संस्कार करने से आत्मा की यात्रा सुगम होती है। कई जगह लोग दाह संस्कार के बाद हड्डियों को गंगा या अन्य पवित्र स्थानों में प्रवाहित करते हैं, ताकि आत्मा को शांति मिले।

13 दिन तक भटकती है आत्मा

गरुड़ पुराण में बताया गया है कि मृत्यु के बाद आत्मा 13 दिन तक भटकती है। इस दौरान परिवार वाले जौ का आटा और अन्य सामग्री लेकर मंत्रोच्चारण से आत्मा को तृप्त करते हैं। इसके बाद आत्मा अपनी यात्रा यमलोक की ओर शुरू करती है। वैतरणी नदी पार करना, विश्राम करना, यमपुरी में चित्रगुप्त के सामने कर्मों का लेखा-जोखा कराना सभी प्रक्रियाएँ इस ग्रंथ में विस्तार से बताई गई हैं।

दुख का मूल कारण अनियंत्रित इच्छाएं हैं, व्यक्ति बिना मेहनत के सबकुछ पाना चाहता है

मनुष्य के दुख का मुख्य कारण उसकी अनियंत्रित कामनाएं हैं। वह बिना मेहनत और योग्यता के सबकुछ पाने की इच्छा रखता है। ये निरंतर बढ़ती इच्छाएं उसे असंतुष्ट बना देती हैं। उसकी कामनाएं इतनी प्रबल हो जाती हैं कि वह सत्य-असत्य का भेद भूलकर काम करने लगता है। जीवन में अतृप्तता के कारण व्यक्ति कभी सुखी नहीं हो पाता।

कर्मों के आधार पर ही अगले जन्म का निर्धारण

स्वामी जी ने यह भी बताया कि कर्मों के आधार पर ही अगले जन्म का निर्धारण होता है। अच्छे कर्म करने वाले व्यक्ति की आत्मा स्वर्ग या कैलाश जैसे उच्च स्थानों में जाती है और वहां सुखों का अनुभव करती है। इसके बाद वह फिर इस पृथ्वी पर अच्छे घरों में जन्म लेती है। जबकि बुरे कर्म करने वालों की आत्मा नरक में जाती है और दुख भोगती है। फिर कर्मों के अनुसार उन्हें अगली बार जन्म मिलता है।

कैसे मिलता है स्वर्ग

गरुड़ पुराण हमें यह सिखाता है कि जीवन में किए गए कर्म ही हमारे भविष्य और अगले जन्म का निर्धारण करते हैं। दान, सेवा, सत्य बोलना, दूसरों की मदद करना जैसे सत्कर्म हमें स्वर्ग या उच्च जीवन की ओर ले जाते हैं। वहीं बुरे कर्म हमें कठिनाइयों और दुखों में डाल सकते हैं। मोक्ष प्राप्त करने के लिए भक्ति ध्यान और सत्कर्म की आवश्यकता होती है। मोक्ष पाने पर आत्मा पुनर्जन्म के चक्र से मुक्त होकर परमात्मा में विलीन हो जाती है। इस प्रकार, गरुड़ पुराण सिर्फ मृत्यु और मृत्यु के बाद के सफर के बारे में नहीं बताता बल्कि यह हमें यह भी सिखाता है कि हमारे कर्म हमारे जीवन, मृत्यु और अगले जन्म को आकार देते हैं। जीवन में अच्छे कर्म करना और दूसरों की भलाई करना ही अंतिम लक्ष्य और आत्मा की शांति का मार्ग है।

अमिताभ बच्चन ने देर रात किया ट्वीट, यूजर्स ने पीट लिया माथा, बोले- अब बस कर दो अंकल!

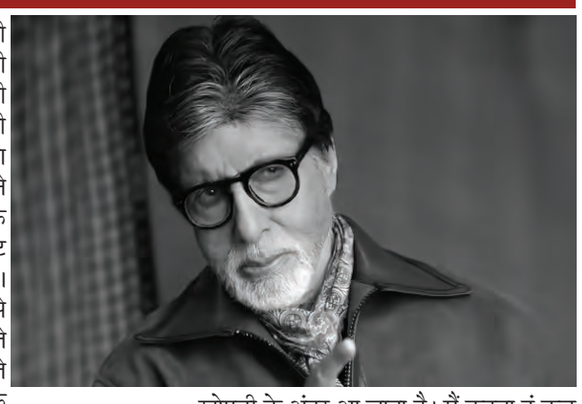

अमिताभ बच्चन की फिल्में भी आजकल इतनी चर्चा नहीं बटोरतीं, जितनी चर्चा उनके ट्वीट्स की होती है। सोशल मीडिया पर जबरदस्त एक्टिव रहने वाले मेगास्टार रात के एक-डेढ़ बजे भी ट्वीट करने से पीछे नहीं हटते। कई बार तो वो ऐसे अजीबोगरीब पोस्ट कर देते हैं कि यूजर्स खूब मौज लेते हैं। हाल ही उन्होंने रात के ढाई बजे ब्रह्मांड के हिलने को लेकर एक अजीब पोस्ट किया था, जिसे देख यूजर्स ने उनकी खूब फिरकी ली। और अब एक बार फिर अमिताभ बच्चन ने कुछ ऐसा लिख दिया कि खुद उनकी भी हंसी छूट गई। उनके ट्वीट पर यूजर्स भी खूब मजेदार रिएक्शन्स दे रहे हैं।

82 वर्षीय सदी के महानायक यानी अमिताभ बच्चन ने अपने X अकाउंट पर 8 अक्टूबर की रात 10 बजकर 28 मिनट पर एक ट्वीट किया। 8 अक्टूबर की रात ढाई बजे अमिताभ बच्चन ने ट्वीट किया था- ऊपर देखा, इधर उधर देखा- पूरा ब्रह्मांड हिल गया। और अब उन्होंने 'खोपड़ी में ब्रह्मांड' की बात की।

अमिताभ बच्चन का खोपड़ी और ब्रह्मांड पर ट्वीट वायरल

अमिताभ बच्चन ने ट्वीट किया, 'T 5526- .... बाद में पता चला कि ब्रह्मांड तो खोपड़ी में है।' इसके साथ ही उनकी हंसी छूट गई और लाफिंग इमोजी बनाए। इस पर यूजर्स ने मजेदार ट्वीट्स किए। एक ने लिखा, 'जया जी ने बताया होगा।' एक का ट्वीट था, 'श्रीमान जी कभी ब्रह्मांड हिलता है और कभी ब्रह्मांड खोपड़ी के अंदर आ जाता है। मैं कहता हूं कुछ तो गड़बड है। या तो ब्रह्मांड छोटा हो गया है या खोपड़ी बड़ी।'

यूजर्स ने लिए मजे, किए मजेदार कमेंट्स

एक और यूजर ने लिखा, 'कभी कभी अक्ल दाढ़ 85 की उम्र में भी आती है?' एक ने लिखा, 'इसीलिए तो सिर पर डंडा पड़ने पर तारे दिखते हैं।' एक बोला, 'आपकी खोपड़ी में तो सच में ब्रह्मांड है, क्योंकि आप KBC के होस्ट हैं। एक का ट्वीट है, 'लगता है किसी ट्रक के पीछे लिखा देख लिया है यहां ट्वीट कर दिया।' एक बोला, 'बस कर जाओ अंकल। बुढ़ापे में बकवास करने की भी कोई सीमा, कोई रेखा होती है।'

लाख मजाक उड़ाए जाने पर भी अमिताभ बच्चन रहते हैं शांत

वैसे, मानना पड़ेगा कि यूजर्स अमिताभ बच्चन के ट्वीट्स पर जिस तरह के रिएक्शन देते हैं और कमेंट्स करते हैं, उन्हें मेगास्टार खुद पर हावी नहीं होने देते। वह तब भी लगातार ट्वीट्स करते हैं। ट्वीट नंबर गलत भी हो जाता है, तो सही तरह लिखकर पब्लिकली माफी मांगने से भी नहीं चूकते।

'मेरी यूनिवर्स हो तुम', पत्नी रकुल के जन्मदिन पर जैकी ने जताया प्यार

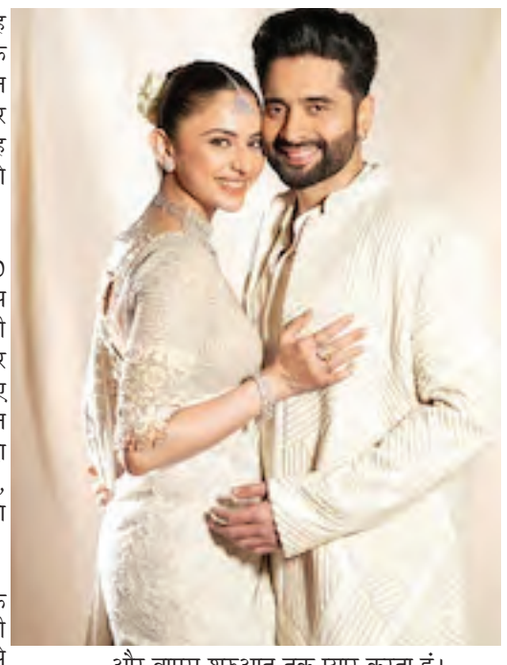

जैकी भगनानी और रकुल प्रीत सिंह बॉलीवुड के पसंदीदा कपल्स में से एक हैं। जैकी ने आज रकुल के जन्मदिन पर एक शानदार पोस्ट शेयर किया और माना कि उनकी पत्नी रकुल प्रीत सिंह 35 साल की होने पर 'हर गलत को सही' महसूस कराती हैं।

जैकी का रकुल के लिए खास पोस्ट

अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह आज 10 अक्तूबर को 35 साल की हो गईं। इस खास मौके पर उनके पति जैकी भगनानी ने रकुल को अपना प्यार ब्रह्मांड बताया और साथ ही उनके लिए एक कविता भी लिखा, 'जन्मदिन मुबारक हो -यह दिन शब्दों से ज्यादा मायने रखता है, क्योंकि इसी दिन, भगवान ने तुम्हें मेरे रास्ते भेजने का फैसला किया।'

तुम्हारे साथ कैसी है मेरी दुनिया-जैकी

अनुग्रह और प्रकाश में लिपटा एक आशीर्वाद, तुम हर गलत को सही महसूस कराती हो। दिल से सबसे अच्छी, तुम जो कुछ भी करती हो और दुनिया तुम्हारे साथ एक दयालु जगह है। सबसे अच्छी पत्नी, सबसे अच्छी बेटी, बहू भी, सबसे अच्छी बहन - ऐसा कुछ भी नहीं है जो तुम नहीं कर सकती। मेरी सबसे अच्छी दोस्त, मेरी शांति, मेरी मार्गदर्शक, मेरी चिकित्सक, मेरा जीवन - मेरा गौरव।'

जैकी ने रकुल से किया प्यार का इजहार

इसलिए आज, मैं प्रार्थना करता हूं और वास्तव में यही चाहता हूं कि तुम्हारे सभी सपने जीवन को शांत बना दें। तुम सबसे चमकीले, सबसे भव्य हिस्से की हकदार हो क्योंकि तुम हर दिल की रानी हो। मैं तुम्हें चांद की गोद से परे, हर ग्रह के अंतहीन स्थान से परे और बृहस्पति, तारों और वापस शुरुआत तक प्यार करता हूं।

रकुल और जैकी का करियर

रकुल और जैकी की प्रेम कहानी रकुल और जैकी लंबे समय तक पड़ोसी थे, लेकिन कोविड-19 लॉकडाउन में उनकी नजदीकियां बढ़ीं। दोनों ने कुछ समय तक डेटिंग की और 21 फरवरी, 2024 को शादी कर ली। रकुल जल्द ही फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' में आयशा खुराना की भूमिका में नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ अजय देवगन, आर. माधवन, तब्बू, जिमी शेरगिल, आलोक नाथ और इनायत सूद भी होंगे। तमन्ना भाटिया और प्रकाश राज कैमियो रोल में दिखेंगे। अंशुल शर्मा के निर्देशन में बनी यह फिल्म 14 नवंबर को रिलीज होगी।

हिजाब पहनने पर ट्रोल हुईं दीपिका पादुकोण यूजर्स बोले- बिंदी इच्छा है और ये मजबूरी ?

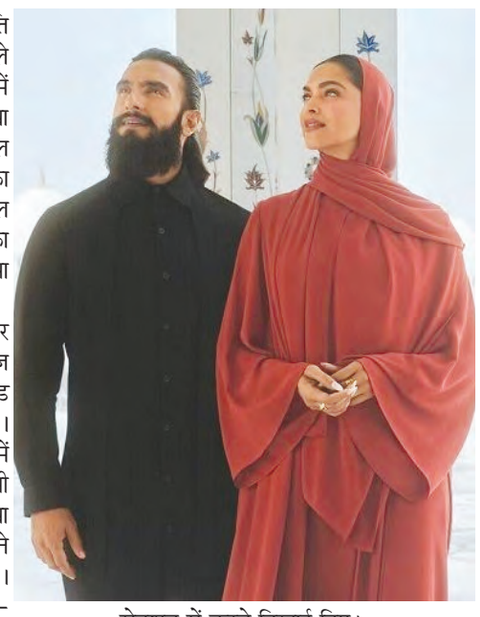

दीपिका पादुकोण और पति रणवीर सिंह एक एड में पिछले दिनों नजर आए। इस एड में दीपिका को हिजाब पहने देखा गया। यह देखकर कई सोशल मीडिया यूजर्स भड़क उठे। दीपिका को हिजाब पहनने को लेकर ट्रोल किया जा रहा है। जानिए, दीपिका ने क्यों पहना हिजाब? और क्या है ये पूरा मामला?

दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह ने अपने सोशल मीडिया पेज पर एक एड साझा किया। यह एड अबू धाबी टूरिजम से जुड़ा था। अबू धाबी की कई जगहों को इसमें दिखाया गया। एक मस्जिद में भी रणवीर और दीपिका को देखा गया। इस सीन में दीपिका ने अपना सिर कवर करके रखा है। उनकी ड्रेस भी बुर्के से मिलती-जुलती नजर आती है। यह देखकर ही सोशल मीडिया यूजर्स दीपिका पर भड़क गए हैं।

यूजर्स ने किया दीपिका को ट्रोल

सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने दीपिका की सोच को लेकर सवाल किए। एक यूजर ने लिखा, 'यह दीपिका का डाउनफॉल है।' एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, 'दीपिका पादुकोण का 'माई चॉइस' याद है? जहां वोग मैगजीन में वह कहती हैं, 'बिंदी लगाना है या नहीं, मेरी मर्जी। लेकिन अबू धाबी में वह हिजाब पहने पर्यटन को बढ़ावा दे रही हैं। जाहिर है, माई चॉइस अचानक स्थानीय परंपरा द्वारा प्रायोजित हो जाता है।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'इसको 'कल्कि' फिल्म ने निकालकर सही किया।' इसी तरह के ट्रोलिंग कमेंट यूजर दीपिका के लिए कमेंट सेक्शन में करते दिखाई दिए।

फैंस दीपिका के बचाव में दिखे

ऐसा नहीं है कि सभी लोग दीपिका पादुकोण को हिजाब पहनने पर ट्रोल कर रहे हैं। एक्ट्रेस के फैंस उनके सपोर्ट में नजर आए। एक फैन ने कमेंट किया, 'बुर्के में बेहद खूबसूरत लग रही हैं।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'मैं यह स्पष्ट कर दूं कि शेख जायद मस्जिद जाने वाले हर पर्यटक, पुरुष और महिला, दोनों को सभ्य कपड़े पहनने होते हैं। महिलाओं को अपना सिर कवर करना होता है। कई ईसाई हस्तियां भी अपना सिर यहां कवर करती हैं। इसलिए इसे मुद्दा मत बनाइए।' एक फैन दीपिका के लुक की तारीफ की। वह लिखती हैं, 'दीपिका हर पोशाक में सुंदर लगती हैं।'

एक दीवाने की दीवानियत का ट्रेलर छाया सोशल मीडिया पर

हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा की जबरदस्त केमिस्ट्री ने लगा दी आग !

इंतज़ार हुआ ख़त्म ! एक दीवाने की दीवानियत का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर आखिरकार रिलीज़ हो गया है, और वाकई इसका इंतज़ार करना सार्थक रहा। हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा स्टारर यह ट्रेलर इंटरनेट पर धमाल मचा रहा है इसमें दिख रही है उनकी जबरदस्त

केमिस्ट्री, गहन ड्रामा, रोमांस और दिल छू लेने वाला संगीत, जो इस दिवाली दर्शकों को एक बेहतरीन सिनेमाई अनुभव देने का वादा करता है।

फिल्म के निर्देशक मिलाप मिलन ज़वेरी ने ट्रेलर के पीछे की अपनी सोच साझा करते हुए कहा, ट्रेलर एक बार फिर मोहब्बत, नफ़रत और दर्द को दर्शाता है हर्षवर्धन और सोनम के किरदारों के बीच की केमिस्ट्री के साथ-साथ वह संगीत भी जो इस समय चार्ट्स पर शीर्ष पर है।

अपनी रचनात्मक दृष्टि पर और बात करते हुए मिलाप ने आगे कहा, हमारी फिल्म एक इंटेंस रोमांटिक ड्रामा है, जिसमें संगीत पहले से ही दर्शकों का दिल जीत रहा है। ट्रेलर में हमने वही दिखाने की कोशिश की है डायलॉग्स की गहराई, म्यूज़िक का असर, और सोनम व हर्षवर्धन के शानदार परफॉर्मेंस की तीव्रता। हमें उम्मीद है कि दर्शक ट्रेलर को पसंद करेंगे और फिल्म से और जुड़ाव महसूस करेंगे।

एक दीवाने की दीवानियत का निर्देशन मिलाप मिलन ज़वेरी ने किया है और फिल्म के निर्माता हैं दिनेश जैन और अंशुल गर्ग, सह-निर्माता राघव शर्मा। यह फिल्म इस दिवाली, 21 अक्टूबर 2025 को भव्य रूप से सिनेमाघरों में रिलीज़ होने जा रही है।

ट्रेलर को दर्शकों और सिनेप्रेमियों से मिल रहे जबरदस्त रिस्पॉन्स के बाद, फिल्म के प्रति उत्सुकता आसमान छू रही है और एक दीवाने की दीवानियत अब इस दिवाली की सबसे बहुप्रतीक्षित रिलीज़ में से एक बन चुकी है।

थलपति विजय के घर को बम से उड़ाने की धमकी, चेन्नई में बम की धमकी वाले ऐसे दावों की वारदात बढ़ती जा रही

चेन्नई में तब खलबली मच गई, जब एक्टर और नेता थलपति विजय के घर बम होने ही धमकी मिली। मौके पर बम एक्सपर्ट्स और खोजी कुत्तों की टीम पहुंचीं। तीन घंटे सर्च ऑपरेशन के बाद यह धमकी फर्जी निकली। पुलिस ने अब अपना बयान जारी किया है।

तमिल सिनेमा के पैन इंडिया सुपरस्टार थलपति विजय के घर को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। एक्टर और टीवीके प्रमुख विजय को केंद्र सरकार ने वाई कैटेगरी की सुरक्षा दी है। लेकिन चेन्नई के नीलांकराई स्थित कपालीश्वर नगर स्थित उनके घर पर बम की इस धमकी से हड़कंप मच गया है। सोशल मीडिया पर यह खबर आग की तरह फैली। आनन फानन में बम एक्सपर्ट्स का एक दल एक्टर के घर पहुंचा। खोजी कुत्तों की मदद ली गई। लेकिन पूरी जांच के बाद यह 'फर्जी धमकी' निकली।

एक्टर के घर बम की धमकी एक ई-मेल पर दी गई थी। गहन जांच के बाद, पता चला कि यह धमकी एक धोखा थी। पुलिस उस अज्ञात व्यक्ति की पहचान की जांच कर रही है, जिसने फिल्म इंडस्ट्री, फैंस और आम जनता में खलबली मचा दी है। इस घटना के बाद अब विजय के घर पर सुरक्षा और बम निरोधक उपाय के नए इंतजाम किए जाने की संभावना है।

विजय को मिला ई-मेल- आपके घर में बम रखा है

पुलिस ने बताया कि अभिनेता-राजनेता विजय को गुरुवार को एक ई-मेल मिला, जिसमें कहा गया था कि उनके नीलांकरई स्थित आवास पर बम रखा गया है। घर की जांच के बाद यह खबर झूठी निकली। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कॉल मिलने पर, बम निरोधक दस्ते (बीडीडीएस) को सुबह-सुबह मौके पर भेजा गया और जांच की गई, लेकिन कुछ नहीं मिला।

तड़के 3 बजे पहुंची पुलिस, 7:25 बजे तक ली गई पूरे घर की तलाशी

मौके पर मौजूद पुलिस ने बताया कि उन्होंने सुबह करीब 3 बजे तलाशी शुरू की। शुरुआत में घर के बाहर तलाशी ली गई। बाद में, जब तमिलगा वेत्री कझगम के संस्थापक विजय की नींद खुली, तो पुलिस को तलाशी के लिए घर के अंदर जाने दिया गया। पुलिस ने कहा, 'जब हमें कुछ नहीं मिला, तो हम सुबह करीब 7.25 बजे वहां से चले गए।'

पिछले महीने एस.वी. शेखर को भी मिला बम की धमकी वाला ई-मेल

एक सहायक पुलिस आयुक्त ने न्यूज एजेंसी 'पीटीआई' से कहा कि शहर की कई हस्तियों को हॉटमेल से बम की अफवाह वाले ई-मेल मिल रहे हैं। अधिकारी ने बताया, 'पिछले महीने, एक अन्य अभिनेता-राजनेता एस.वी. शेखर को भी बम की धमकी वाला एक मेल मिला था। इन ईमेल की विषय-वस्तु एक जैसी है। हम अभी तक उस मेल आईडी का पता नहीं लगा पाए हैं।'

दो दिन पहले एक अखबार को भी मिली थी ऐसी ही धमकी

चेन्नई में बम की धमकी वाले ऐसे दावों की वारदात बढ़ती जा रही है। दो दिन पहले 6 अक्टूबर को, चेन्नई के एक प्रमुख राष्ट्रीय अखबार को भी बम की धमकी वाला एक मेल मिला, जिसमें दावा किया गया था कि उनके ऑफिस में तीन आरडीएक्स आईईडी रखे गए हैं। पिछले मामलों की तरह, बीडीडी दस्ते ने गहन तलाशी के बाद इसे एक अफवाह घोषित कर दिया।

अगले साल 2026 में रिलीज होगी विजय की 'जन नायकन'

वर्क फ्रंट की बात करें तो थलपति विजय आगे एच. विनोद के डायरेक्शन में बनी 'जन नायकन' में नजर आएंगे। यह एक राजनीतिक थ्रिलर फिल्म बताई जा रही है, जो अगले साल 2026 में पोंगल के अवसर पर 9 जनवरी को रिलीज होगी। फिल्म का पोस्ट-प्रोडक्शन का काम तेजी से चल रहा है।

कौन है हार्दिक पांड्या के साथ दिखी एक्ट्रेस माहिका शर्मा, इस फिल्म में कर चुकी हैं काम

भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पांड्या हाल ही में एक मॉडल और एक्ट्रेस के साथ एयरपोर्ट पर नजर आए हैं। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। अफवाहें हैं कि वह हार्दिक पांड्या की गर्लफ्रेंड हैं। ऐसे में आइए जानते हैं यह अभिनेत्री कौन हैं और क्या करती हैं?

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि हार्दिक पांड्या, मॉडल और एक्ट्रेस माहिका शर्मा के साथ नजर आ रहे हैं। अपनी गाड़ी से उतर कर हार्दिक पांड्या माहिका शर्मा का इंतजार करते हैं। माहिका गाड़ी से उतर कर हार्दिक के साथ हो लेती हैं। इसके बाद दोनों साथ में एयरपोर्ट के अंदर चले जाते हैं।

चर्चा में हार्दिक और माहिका

हार्दिक पांड्या अपने बाल और गेंदबाजी के अलावा माहिका शर्मा के साथ रिश्ते को लेकर सुर्खियों में हैं। उनका नाम मॉडल और एक्ट्रेस माहिका शर्मा से जोड़ा जा रहा है। इससे पहले हार्दिक का नाम जैस्मिन वालिया से जोड़ा जा रहा था। अब जब हार्दिक माहिका के साथ नजर आए हैं तो उनके रिश्ते में होने की चर्चाएं हैं। ऐसे में आइए जानते हैं माहिका शर्मा कौन हैं?

पढ़ाई के बाद मॉडलिंग और एक्टिंग में रखा कदम

आपको बता दें कि माहिका

शर्मा एक मॉडल और एक्ट्रेस हैं। वह इंस्टाग्राम पर फैशन और फिटनेस कंटेंट शेयर करती हैं। माहिका ने अपनी स्कूली पढ़ाई दिल्ली से पूरी की। इसके बाद उन्होंने इकोनॉमिक्स और फाइनेंस की पढ़ाई की। पढ़ाई पूरी करने के बाद माहिका ने कई जगह इंटर्नशिप की। इसके बाद उन्होंने मॉडलिंग और एक्टिंग की तरफ कदम बढ़ाया।

फिल्म में नजर आईं माहिका

माहिका ने फ्रीलांसर के तौर पर अपने करियर की शुरुआत की। वह रैपर रागा के एक म्यूजिक वीडियो में नजर आईं। इसके बाद उन्होंने फिल्मों में कई छोटी भूमिकाएं निभाईं। वह क्यूमेंट्री 'इनटू द डस्क' और ओमंग कुमार की फिल्म 'पीएम नरेंद्र मोदी' (2019) में नजर आईं। इसके अलावा माहिका कई ब्रांड्स के विज्ञापनों में भी नजर आ चुकी हैं।

मॉडलिंग में मिला अवॉर्ड

माहिका ने कई मशहूर फैशन डिजाइनर के लिए वॉक किया है। इनमें तरुण तहिलियानी, मनीष मल्होत्रा, अनीता डोंगरे, रितु कुमार और अमित अग्रवाल शामिल हैं। 24 साल की माहिका शर्मा को 2024 के इंडियन फैशन अवार्ड्स में मॉडल ऑफ द ईयर (न्यू एज) का पुरस्कार भी मिला।

चर्चा में आए हार्दिक-माहिका

हार्दिक और माहिका तब चर्चा में आए जब सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था। कयास लगाया गया कि माहिका के पीछे हर्दिक पांड्या थे। हाल ही में माहिका ने अपनी उंगलियों पर 23 लिखा हुआ एक वीडियो शेयर किया। पांड्या का जर्सी नंबर 23 है। हालांकि हार्दिक पांड्या और माहिका शर्मा ने अपने रिश्ते को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है।

आप भारत में क्या कर रहे, दुबई चले जाओ... अभिनव कश्यप ने अब शाहरुख खान पर साधा निशाना

सलमान खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'दबंग' के डायरेक्टर अभिनव कश्यप एक बार फिर चर्चा में हैं। बीते दिनों सलमान पर बेधड़क और बेबुनियाद आरोप लगाने के बाद अब उन्होंने शाहरुख खान पर निशाना साधा है। अनुराग कश्यप के भाई अभिनव ने 'किंग खान' पर तंज कसते हुए कहा है कि शाहरुख खान को दुबई चले जाना चाहिए। डायरेक्टर ने सुपरस्टार की आलोचना करते हुए कहा कि वह सिर्फ समाज से 'लेते हैं', बदले में कुछ नहीं देते हैं।

अभिनव कश्यप ने शाहरख खान के लिए कहा, 'यह समाज सिर्फ लेना जानता है, देना नहीं। वे सिर्फ लेते हैं, लेते हैं और और लेते हैं। शाहरुख खान के दुबई वाले घर को 'जन्नत' कहते हैं, जबकि यहां वाले को मन्नत कहते हैं।

इसका क्या मतलब है? यहां आपकी सारी मन्नतें कुबूल हो गईं। वह और भी दुआएं करते रहते हैं। मैंने सुना है कि वह अपने बंगले में दो मंजिल और बनवा रहे हैं। इसलिए मांग बढ़ रही है। लेकिन अगर आपकी 'जन्नत' वहां है, तो वहीं जाकर रहो। आप भारत में क्या कर रहे हैं?'

अभिनव कश्यप बोले- क्या तुम मुझे खाना देते हो?

अभिनव कश्यप यही नहीं रुके। उन्होंने शाहरुख की 2023 में रिलीज फिल्म 'जवान' के एक मशहूर डायलॉग पर भी निशाना साधा। कहा, 'फिर वो फ़िल्मों में ऐसी लाइन्स बोलते हैं कि बेटे को हाथ लगाने से पहले बाप से बात कर। हम इन लोगों से क्या बात करें? इन्होंने अपने महल आम आदमी की पहुंच से बाहर बना लिए हैं। मुझे क्या फर्क पड़ता है कि इनकी कुल संपत्ति कितनी है? क्या तुम मुझे खाना देते हो? शाहरुख भले ही बोलने में माहिर हों, लेकिन नीयत उसकी भी गड़बड़ ही है।'

कौन हैं अभिनव कश्यप?

अभिनव कश्यप एक राइटर और डायरेक्टर हैं। उनका एक परिचय यह भी है कि वह डायरेक्टर अनुराग कश्यप के भाई हैं। अभिनव कश्यप ने 'जंग' से स्क्रीनप्ले राइटर के तौर पर शुरुआत की थी। फिर साल 2010 में वह सलमान खान की 'दबंग' से बॉलीवुड में बतौर डायरेक्टर शुरुआत की। यह सुपरस्टार एक्टर की पहली 100 करोड़ी फिल्म बनी। बाद में अभनिव ने रणबीर कपूर के साथ 'बेशरम' फिल्म बनाई, लेकिन यह बुरी तरह पिट गई। इसके बाद से ही वह पर्दे से दूर हैं।

बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड, अब 'किंग' की तैयारी

दूसरी ओर, शाहरुख खान की बात करें तो हाल ही 71वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स में उन्हें 'जवान' के लिए बेस्ट एक्टर का पुरस्कार मिला है। वह इन दिनों एक्शन थ्रिलर 'किंग' की तैयारी कर रहे हैं, जो 2027 में रिलीज होगी। इस फिल्म को सिद्धार्थ आनंद डायरेक्ट कर रहे हैं। जबकि इसमें शाहरुख के साथ उनकी बेटी सुहाना खान, दीपिका पादुकोण और अभिषेक बच्चन नजर आएंगे।

क्या स्मृति मंधाना को लग गई नजर!

महिला विश्व कप में रन के लिए जूझ रहीं शीर्ष-15 बल्लेबाजों में उनका नाम नहीं

महिला वनडे विश्व कप 2025 की शुरुआत से पहले दुनिया भर की महिला क्रिकेटरों से जब पूछा गया कि 'कौन-सी खिलाड़ी टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा प्रभाव डालेगी?' तो लगभग सभी ने एक ही नाम लिया- स्मृति मंधाना। पाकिस्तान की फातिमा सना, श्रीलंका की विशमी गुणारत्ने, ऑस्ट्रेलिया की एश्ले गार्डनर, न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स और जेस कर और इंग्लैंड की लॉरेन बेल, सभी ने स्मृति का नाम लिया, लेकिन अब वही स्मृति मंधाना रनों के लिए जूझती हुई नजर आ रही हैं। टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबलों में उनका बल्ला खामोश रहा है और वह अब तक इस टूर्नामेंट की शीर्ष-15 बल्लेबाजों की सूची में भी शामिल नहीं हैं।

मंधाना की फॉर्म बनी भारत के लिए चिंता का विषय

भारत की स्टार ओपनर स्मृति मंधाना से इस विश्व कप में बड़ी उम्मीदें थीं। वे अपनी तकनीक, टाइमिंग और आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जानी जाती हैं। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले वह रिकॉर्ड पर रिकॉर्ड बना रही थीं। हालांकि, अब तक खेले गए मैचों में वह अपनी लय नहीं पकड़ पाई हैं। शुरुआती पारियों में उनका औसत बेहद गिरा हुआ है और स्ट्राइक रेट भी प्रभावशाली नहीं रहा।

आईसीसी टूर्नामेंट्स में मंधाना का औसत प्रदर्शन

मंधाना का आईसीसी टूर्नामेंट्स में प्रदर्शन भी औसत रहा है। वनडे में जहां उनका करियर औसत 47.06 का और स्ट्राइक रेट 89.61 का है, वहीं टी20 में उनका करियर औसत 29.93 का और स्ट्राइक रेट 123.97 का है। हालांकि, महिला वनडे विश्व कप में मंधाना का औसत घटकर 34.05 का और स्ट्राइक रेट 82.94 का हो जाता है, जबकि टी20 विश्व कप में औसत घटकर 21.83 का और स्ट्राइक रेट 114.41 का हो जाता है।

मंधाना का अब तक रिकॉर्ड

मंधाना अब तक तीन पारियों में 18.00 की औसत से 54 रन बना पाई हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 72.97 का रहा है। वह अब तक सात चौके और एक छक्का लगा सकी हैं। वह इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों में 22वें स्थान पर हैं। क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि मंधाना ओवरथिंकिंग और दबाव का शिकार हो रही हैं।

हरमनप्रीत ने शीर्ष क्रम पर फोड़ा था ठीकरा

पूर्व भारतीय खिलाड़ी ने मिताली राज ने कमेंट्री के दौरान कहा, 'जब हर कोई आपसे उम्मीद रखता है, तो कभी-कभी खिलाड़ी खुद पर ज्यादा दबाव महसूस करने लगता है। स्मृति को बस अपने नैचुरल गेम पर लौटने की जरूरत है।' मंधाना के जल्दी आउट होने की वजह से भारत ने अब तक कोई धमाकेदार ओपनिंग नहीं की है और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने गुरुवार को दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद शीर्ष क्रम पर ही हार का ठीकरा फोड़ा।

सोशल मीडिया पर फैंस बोले- नजर लग गई!

स्मृति की गिरती फॉर्म पर सोशल मीडिया पर भी प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई है। सोशल मीडिया यूजर्स का मानना है कि लगता है इतनी सारी स्टार्स ने एक साथ मंधाना का नाम लिया तो उन्हें नजर लग गई। कई प्रशंसकों ने कहा कि स्मृति जल्द ही वापसी करेंगी, क्योंकि उनकी प्रतिभा और क्लास पर कोई सवाल नहीं। एक और फैन ने लिखा, 'स्मृति सिर्फ एक पारी दूर हैं, फॉर्म में लौटते ही सबको जवाब देंगी।'

टीम इंडिया को चाहिए ओपनिंग में ठोस शुरुआत

हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम इस समय अपने मध्यक्रम पर निर्भर दिख रही है। ऐसे में ओपनर स्मृति मंधाना की वापसी टीम के संतुलन के लिए बेहद जरूरी है। भारत को आगामी मैचों में मजबूत शुरुआत की आवश्यकता है, जो स्मृति ही दे सकती हैं। क्रिकेट प्रेमियों को उम्मीद है कि आने वाले मुकाबलों में स्मृति मंधाना अपने पुराने अंदाज में लौटेंगी। भारत का अगला मैच 12 अक्तूबर को ऑस्ट्रेलिया से है।

मुशीर खान से विवाद के बीच पृथ्वी शॉ महाराष्ट्र की रणजी टीम में शामिल, अंकित बावने बने कप्तान

मुंबई के मुशीर खान के साथ अभ्यास मैच के दौरान हुए विवाद के बीच पृथ्वी शॉ को महाराष्ट्री की रणजी टीम में शामिल किया गया है। महाराष्ट्र ने आगामी रणजी ट्रॉफी सीजन के लिए 16 सदस्यीय टीम की घोषणा की है, जिसमें पृथ्वी शॉ और जलज सक्सेना नए चेहरे हैं। टीम की कमान अंकित बावने के हाथों में होगी, जिन्हें पूर्णकालिक कप्तान बनाया गया है।

पृथ्वी ने बल्ले से दिखाया दम

पृथ्वी ने मुंबई के खिलाफ तीन दिवसीय अभ्यास मैच में शानदार प्रदर्शन किया और 219 गेंदों पर 181 रन बनाए। हालांकि, उनकी यह पारी विवादित तरीके से समाप्त हुई जहां वह एक बार फिर विवादों में घिर गए। पृथ्वी इस मैच में अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे और दोहरा शतक लगाने की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन मुशीर खान की गेंद पर स्वीप शॉट मारने के चक्कर में बाउंड्री पर कैच थमा बैठे।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

आउट होने के बाद पृथ्वी मुंबई टीम के खिलाड़ियों से भिड़ गए। पृथ्वी उस वक्त इतने गुस्से में थे कि उन्होंने मुशीर को बल्ला दिखाया। यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि पृथ्वी के गुस्से का कारण क्या था, लेकिन अंपायर ने बीच-बचाव कर पृथ्वी को अलग किया और मामले को शांत कराया। मालूम हो कि मुशीर भारतीय क्रिकेटर सरफराज खान के भाई हैं। पृथ्वी का मुशीर से उलझने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें देखा जा सकता है कि पृथ्वी मुशीर को बल्ले दिखा रहे हैं जिसके बाद अंपायर ने उन्हें अलग कराया। इसके बाद जब पृथ्वी शॉ ड्रेसिंग रूम लौट रहे थे तो उनकी सिद्धेश लाड से भी बहस हो गई थी। फिर अंपायर को बीच बचाव के लिए बीच में आना पड़ा।

ग्रुप बी में शामिल महाराष्ट्र

महाराष्ट्र को पिछले साल की उपविजेता टीम केरल, सौराष्ट्र, चंडीगढ़, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, पंजाब और गोवा के साथ ग्रुप बी में रखा गया है। महाराष्ट्र का पहला मैच केरल के खिलाफ 15-18 अक्तूबर तक तिरुवनंतपुरम में होगा। टीम में भारतीय बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ भी शामिल हैं जो पहले अपनी राज्य टीम की कप्तानी कर चुके हैं। चयनकर्ताओं ने अनुभव को प्राथमिकता देते हुए राजवर्धन हंगरगेकर की जगह प्रदीप दाधे को चुना।

मुंबई छोड़ महाराष्ट्र का हिस्सा बने पृथ्वी शॉ

शॉ और सक्सेना दोनों इस घरेलू सत्र से पहले महाराष्ट्र की टीम में शामिल हुए थे। शॉ ने मुश्किल दौर के बाद अपनी घरेलू टीम मुंबई को छोड़ दिया था।

इस दौरान उन्होंने लाल गेंद की टीम में अपनी जगह भी खो दी। वह अपने करियर की नई शुरुआत करने के लिए महाराष्ट्र में शामिल हो गए।

सक्सेना ने 2005-06 में मध्य प्रदेश के लिए पदार्पण किया था। वह 2016-17 सत्र में केरल में शामिल हुए और पिछले साल रणजी फाइनल में खेले जिसमें टीम विदर्भ से हार गई। महाराष्ट्र पिछले रणजी ट्रॉफी सत्र (2024-25) में सात मैचों में दो जीत, दो ड्रॉ और तीन हार के साथ एलीट ग्रुप ए अंक तालिका में पांचवें स्थान पर रहा था।

टीम इस प्रकार है

अंकित बावने (कप्तान), ऋतुराज गायकवाड़, पृथ्वी साव, अर्शिन कुलकर्णी, सिद्धेश वीर, सौरभ नवले (विकेटकीपर), मंदार भंडारी (विकेटकीपर), जलज सक्सेना, विक्की ओस्तवाल, रामकृष्ण घोष, मुकेश चौधरी, प्रदीप दाधे, हितेश वालुंज, सिद्धार्थ म्हात्रे, हर्षल काटे, रजनीश गुरबानी।

धोनी ने मदुरै में किया क्रिकेट स्टेडियम का उद्घाटन हवाई अड्डे पर फैंस का लगा हुजूम

पूर्व भारतीय कप्तान एम एस धोनी गुरुवार को एक अंतरराष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट स्टेडियम का उद्घाटन करने मदुरै शहर पहुंचे तो प्रशंसक उनके स्वागत के लिए हवाई अड्डे पर उमड़ पड़े। इसका वीडियो और तस्वीरें भी सामने आई हैं।

धोनी को तमिलनाडु क्रिकेट संघ (टीएनसीए) के सहयोग से 'वेलाम्मल एजुकेशनल ट्रस्ट' द्वारा विकसित स्टेडियम तक ले जाया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 325 करोड़ रुपये की लागत से बना यह स्टेडियम मदुरै में चिंतामणि रिंग रोड पर वेलाम्मल अस्पताल के पास 11.5 एकड़ में फैला है और इसमें 7,300 लोगों के बैठने की क्षमता है।

धोनी का अंतरराष्ट्रीय करियर

चेन्नई सुपर किंग्स में 'थाला' के रूप में जाने जाने वाले धोनी ने भारत के लिए 98 टी20 खेले, जिसमें 126.13 के स्ट्राइक रेट से 37.60 की औसत से 1,617 रन बनाए। उनके नाम इस प्रारूप में दो अर्धशतक हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 56 रन है। टेस्ट की बात करें तो धोनी ने 90 मैच खेले, जिसमें 38.09 की औसत से 4,876 रन बनाए। उन्होंने 224 के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ छह शतक और 33 अर्धशतक बनाए। वह टेस्ट में भारत के लिए 14वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। एक कप्तान के रूप में उन्होंने 60 टेस्ट मैचों में भारत का नेतृत्व किया, जिसमें से उन्होंने 27 मैच जीते, 18 हारे और 15 ड्रॉ रहे। **आईपीएल में अभी भी खेल रहे धोनी**

आईसीसी खिताब के लिए भारत का मार्गदर्शन करने के अलावा, उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) और चैंपियंस लीग टी20 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को भी चैंपियन बनाया है। उन्होंने सीएसके को 2010, 2011, 2018, 2021 और 2023 में पांच आईपीएल खिताब दिलाए हैं। धोनी की कप्तानी में सीएसके ने 2010 और 2014 में चैम्पियंस लीग टी20 का खिताब जीता है। धोनी ने 2016 से 2017 में सीएसके के बैन होने पर राइजिंग पुणे सुपरजाएंट्स के लिए खेले थे। आईपीएल में धोनी ने 278 मैच खेले हैं। इनमें उन्होंने 38.30 की औसत और 137.45 के स्ट्राइक रेट से 5,439 रन बनाए हैं। उन्होंने टूर्नामेंट में 24 अर्धशतक भी लगाए हैं। उनके नाम 158 कैच और 47 स्टंपिंग भी हैं।

रोहित को वनडे कप्तानी से हटाने पर आई गांगुली की प्रतिक्रिया

शुभमन गिल को भारतीय वनडे टीम की कप्तानी सौंपने पर पूर्व खिलाड़ियों से मिली-जुली प्रतिक्रिया देखने को मिली है और अब पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने भी इसे लेकर अपनी राय रखी है। गांगुली टीम प्रबंधन के इस फैसले से खुश हैं और उन्होंने गिल को कप्तानी सौंपने का समर्थन किया है। मौजूदा समय में बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के अध्यक्ष गांगुली का कहना है कि रोहित को कप्तानी से हटाने से पहले उनसे सलाह-मशविरा किया गया होगा।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज से संभालेंगे कमान

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का एलान किया था। इसके लिए वनडे टीम की कमान रोहित के बजाए गिल को सौंपी थी जो टेस्ट में भी टीम की कप्तानी करते हैं। रोहित

को इस तरह कप्तानी से हटाए जाने से उनके फैंस निराश हुए थे और मोहम्मद कैफ सहित कुछ अन्य पूर्व क्रिकेटरों ने इस फैसले पर नाराजगी जताई थी, लेकिन दादा के नाम से मशहूर गांगुली ने गिल को कप्तान बनाए जाने का समर्थन किया है।

गांगुली बोले- रोहित से सलाह करके लिया गया होगा फैसला

गांगुली ने कहा, मुझे लगता है कि यह रोहित के साथ सलाह-मशविरा करके किया गया है। मुझे नहीं पता कि अंदर क्या है। मुझे लगता है कि यह एक उचित फैसला है। रोहित खेलते रह सकते हैं और इस बीच आप एक युवा कप्तान को तैयार करते रह सकते हैं। इसलिए मुझे इसमें कोई समस्या नहीं दिखती। मुझे यकीन है कि रोहित से बात की गई होगी। इसलिए मुझे नहीं पता कि यह बर्खास्तगी है या कुछ और। मुझे यकीन है कि यह आपसी बातचीत होगी क्योंकि रोहित एक बेहतरीन कप्तान रहे हैं। पिछले दो वर्ष में उन्होंने टी20 विश्व कप जीता है। उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी जीती है इसलिए रोहित शर्मा के लिए प्रदर्शन कोई मुद्दा नहीं है। मुझे लगता है कि चयनकर्ताओं के दिमाग में यही बात है। जैसा कि उन्होंने पूछा कि दो साल बाद जब दक्षिण अफ्रीका में विश्व कप होगा तब वह 40 साल के हो जाएंगे। गांगुली ने कहा, रोहित टी20 क्रिकेट नहीं खेलते इसलिए वह 2026 में भारत में होने वाले विश्व कप का हिस्सा नहीं होंगे, लेकिन जब वह 2027 में दक्षिण अफ्रीका जाएंगे तब वह 40 साल के हो जाएंगे और यह खेल में एक बड़ी संख्या है।

रोहित इतने लंबे समय से खेल रहे हैं इसलिए मुझे नहीं लगता कि कोई भी निश्चित है कि रोहित 40 साल की उम्र में खेलेंगे या नहीं। इसलिए मुझे नहीं लगता कि यह सबसे बुरा फैसला है। ऐसा सबके साथ होता है।

हरमनप्रीत ने बल्लेबाजों पर फोड़ा दक्षिण अफ्रीका से हार का ठीकरा, बोलीं- जिम्मेदारी ही नहीं उठाई

भारतीय महिला क्रिकेट टीम को महिला विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन विकेट से हार झेलनी पड़ी। मैच के बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टीम के शीर्ष क्रम (टॉप ऑर्डर) को कठोर शब्दों में लताड़ लगाई। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजों ने जिम्मेदारी नहीं ली और इसी कारण टीम को जीत से हाथ धोना पड़ा।

हरमनप्रीत ने मैच के बाद कहा, 'हमने टॉप ऑर्डर के रूप में जिम्मेदारी नहीं ली। हमें चीजें बदलनी होंगी और अच्छे स्कोर बनाने होंगे। टूर्नामेंट लंबा है, इसलिए सकारात्मक रहना होगा। यह कठिन मैच था, लेकिन इससे बहुत कुछ सीखने को मिला।'

भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 102 रन पर छह विकेट गंवा दिए थे, लेकिन विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋचा घोष ने टीम को संभाला। उन्होंने 77 गेंदों में 94 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें 11 चौके और पांच छक्के शामिल थे। उनकी यह पारी भारत को 251 रन के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने में अहम रही।

हरमनप्रीत ने ऋचा की तारीफ करते हुए कहा, 'वह हमारे लिए बेहतरीन रही हैं। उन्होंने जिस तरह से बल्लेबाजी की, वह

तारीफ के काबिल है। वह बड़े स्कोर बना सकती हैं और उम्मीद है कि वह ऐसे ही जारी रखेंगी।'

दक्षिण अफ्रीका की शानदार वापसी

दक्षिण अफ्रीका की ओर से नादीन डी क्लर्क ने 54 गेंदों में 84 रन नाबाद की धमाकेदार पारी खेली। उन्होंने एल वोल्वार्ड्ट (70) और क्लोए ट्रायन (39 नाबाद) के साथ मिलकर टीम को रोमांचक जीत दिलाई। डी क्लर्क को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। डी क्लर्क ने मैच के बाद कहा, 'भारत को उनके घर में हराना सबसे बड़ी उपलब्धि है। हमने खेल को गहराई तक ले जाकर जीत हासिल की। हम जानते थे कि अगर मैच को लंबा ले जाएं तो जीत सकते हैं।'

वोल्वार्ड्ट बोलीं- ऐसा कुछ कभी नहीं देखा

दक्षिण अफ्रीका की कप्तान एल वोल्वार्ड्ट ने मैच के बाद कहा, 'मैंने अपने करियर में ऐसा कुछ नहीं देखा। डी क्लर्क की पारी बेहद खास थी। हमें थोड़ी मुश्किल में थे, लेकिन उन्होंने हमें संभाल लिया।' उन्होंने आगे कहा कि टीम ने अपने पहले मैच से सीख ली थी और इस बार शांत दिमाग से खेला।

अंक तालिका में तीसरे स्थान पर भारत

इस हार के साथ भारत को टूर्नामेंट में पहली हार मिली है। अब टीम को अगले मुकाबलों में बेहतर बल्लेबाजी और सामूहिक प्रदर्शन की जरूरत होगी। कप्तान हरमनप्रीत ने साफ कहा कि टीम को मानसिक रूप से मजबूत रहना होगा और गलतियों से सीखकर आगे बढ़ना होगा। भारत इस हार के साथ अंक तालिका में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बाद तीसरे स्थान पर है। भारत का अगला मैच 12 अक्तूबर को ऑस्ट्रेलिया से है।

'अगर आपकी टीम की नींव टी20 पर टिकी है तो...', कप्तान गिल ने दो स्तरीय प्रणाली को लेकर रखी राय

भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने इशारों में वेस्टइंडीज टीम पर निशाना साधा है। गिल ने कहा कि टेस्ट उत्कृष्टता पर आधारित क्रिकेट व्यवस्था मजबूत एकदिवसीय और टी20 टीमें तैयार करेगी लेकिन इसके विपरीत स्थिति नहीं होगी। उन्होंने हालांकि इस बहस को दरकिनार कर दिया कि क्या वेस्टइंडीज जैसी टीम के संघर्ष को देखते हुए टेस्ट में दो स्तरीय प्रणाली की आवश्यकता है।

वेस्टइंडीज के प्रदर्शन में आई है गिरावट

वेस्टइंडीज एक समय मजबूत टीम मानी जाती थी, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में उनके प्रदर्शन में गिरावट देखने मिली है। पिछले दो दशक में कैरेबियाई क्रिकेट में काफी बदलाव आया है और टी20 लीग की सफलता का मतलब है कि इसकी सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं ने वित्तीय स्थिरता के लिए इन लीगों में खेलने का रास्ता चुना है जिससे लाल गेंद के खिलाड़ियों की गुणवत्ता में उल्लेखनीय और तेजी से गिरावट आई है।

दो स्तरीय प्रणाली पर क्या बोले गिल?

अहमदाबाद में पहले टेस्ट में वेस्टइंडीज को पारी और 140 रन से हराने के बाद गिल से पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि अब दो स्तरीय प्रणाली का समय आ गया है तो भारतीय कप्तान ने वेस्टइंडीज का नाम लिए बिना एक मजबूत नींव के महत्व के बारे में बात की। गिल ने दूसरे टेस्ट मैच की पूर्व संध्या पर कहा, मुझे लगता है कि यह आईसीसी का फैसला होगा कि दो स्तरीय प्रणाली होनी चाहिए या नहीं। लेकिन मुझे लगता है कि एक क्रिकेट खेलने वाले देश के तौर पर अगर आपका लाल गेंद का आधार बहुत मजबूत है तो आप एकदिवसीय और टी20 में अपने आप अच्छा प्रदर्शन करेंगे। अगर आप इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, किसी भी टीम को देखें। अगर टेस्ट टीम बहुत अच्छी हैं तो यह स्वाभाविक है कि आपकी एकदिवसीय और टी20 टीम भी अच्छा प्रदर्शन करेंगी।

गिल ने कहा, मुझे नहीं पता, हो सकता है कि उनके वेस्टइंडीज खिलाड़ियों का ध्यान टी20 और लीग पर अधिक हो। इसलिए अगर आपका ध्यान उसी पर है और आप खेल के आधार को भूल जाते हैं तो किसी भी देश का संघर्ष वहीं से शुरू होता। अगर आप टेस्ट प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं तो स्वाभाविक है कि वनडे और टी20 में भी आपकी टीम अपने आप अच्छी होगी। अगर आपके पास अच्छा आधार है तो आपके पास अच्छे विकल्प होंगे।

'बुमराह को आराम मिलना चाहिए' अभिषेक नायर की गौतम गंभीर को सलाह

पूर्व भारतीय सहायक कोच अभिषेक नायर ने जसप्रीत बुमराह के वर्कलोड प्रबंधन पर अपनी राय दी है और कहा है कि उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच से आराम दिया जाना चाहिए। भारत और वेस्टइंडीज के बीच शुक्रवार से दो मैचों की टेस्ट सीरीज का आखिरी मुकाबला नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। नायर ने बुमराह के अलावा केएल राहुल, ध्रुव जुरेल और कुलदीप यादव पर भी बात की।

'बुमराह को मिले आराम'

इस सीरीज के बाद भारतीय टीम तीन वनडे और पांच टी20 मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी। चयनकर्ताओं ने बुमराह को वनडे सीरीज के लिए नहीं चुना है जबकि टी20 सीरीज में वह खेलते नजर आएंगे। नायर ने कहा, 'मुझे लगता है कि बुमराह यह टेस्ट खेलेंगे। टीम का चयन देखकर लगता है कि भारत यह मैच बड़े अंतर से जीतना चाहता है ताकि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में फायदा मिल सके। हालांकि, मेरी निजी राय में बुमराह को आराम देना चाहिए क्योंकि वे भारत के लिए बेहद अहम खिलाड़ी हैं। आगे और टेस्ट सीरीज हैं और फिर टी20 विश्व कप भी आने वाला है। इसलिए उन्हें थोड़ा आराम देना जरूरी है, लेकिन ऐसा लगता है कि वे यह मैच खेलेंगे।'

नायर ने केएल और जुरेल के प्रदर्शन को सराहा

भारत ने पहला मुकाबला पारी और 140 रन से जीता था। इस मुकाबले में केएल राहुल ने शानदार शतक जड़ा था। नायर ने उनके प्रदर्शन पर कहा, 'राहुल दिल्ली की पिच को अच्छी तरह जानते हैं। उन्होंने यहां आईपीएल में 500 से ज्यादा रन बनाए हैं। उनके खेल में सबसे बड़ा बदलाव तकनीकी नहीं, बल्कि मानसिक है। वे अब ज्यादा इरादे के साथ खेलते हैं। पिछले मैच में शतक के बावजूद वे निराश दिखे क्योंकि वे जानते थे कि इसे 150–200 तक ले जा सकते थे। यही भूख उन्हें और आगे ले जाएगी।'

करवाचौथ के दिन अनिल अंबानी की हुई चांदी

फेवरेट कंपनी ने 45 मिनट में कमाए 2,754 करोड़

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। भले ही अनिल अंबानी के दिन उतने अच्छे ना चल रहे हैं. उन्हें रेगुलेटरी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा हो, उसके बाद भी कभी कभी उनके हिस्से में कुछ अच्छे दिन आ ही जाते हैं. करवाचौथ का दिन भी कुछ ऐसे ही अच्छे दिनों में एक देखने को मिला. जब उनकी फेवरेट कंपनी रिलायंस पॉवर के शेयरों में तूफानी तेजी देखने को मिली. जैसे ही कंपनी का शेयर खुला तो लाल निशान पर दिखाई दिया था. लेकिन 45 मिनट में कंपनी के शेयरों ने एक रफ्तार पकड़ी कि की वैल्यूएशन में एक ही झटके में 2,754 करोड़ रुपए का इजाफा हो गया.

साथ कंपनी के रिटेल निवेशकों की भी झोली भर गई. जानकारों के अनुसार कंपनी के लगभग 7 करोड़ इक्विटी शेयरों का ट्रांजेक्शन देन हुआ, जबकि इसके एक सप्ताह और एक महीने के औसत ट्रांजेक्शन का वॉल्यूम 2 करोड़ शेयर है. पिछले हफ्ते, कंपनी को सीएलई प्राइवेट लिमिटेड से संबंधित मामलों में सेबी से कारण बताओ नोटिस प्राप्त हुआ था. यह मामला कंपनी के सीएलई से संबंधित पिछले जोखिमों और खुलासों से उपजी है. कंपनी ने किसी भी मौजूदा वित्तीय संबंध से इनकार किया है, हालांकि रेगुलेटरी जांच ने बाजार का ध्यान आकर्षित किया है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर कंपनी के शेयरों के आंकड़े किस तरह के देखने को मिल रहे हैं.

कंपनी के शेयरों में तूफानी तेजी

शुक्रवार को शेयर बाजार में कंपनी के शेयरों में तूफानी तेजी देखने को मिल रही है. मात्र 45 मिनट के अंदर कंपनी के शेयर 15 फीसदी तक उछल गए. आंकड़ों को देखें तो कंपनी का शेयर मामूली गिरावट के साथ 44.05 रुपए पर ओपन हुए थे. उसके बाद कंपनी के शेयर 10 मिनट तक इसी रेंज में दिखाई दिए. लेकिन बाद में कंपनी के शेयरों को जैसे पंख लग गए. आंकड़ों को देखें तो कंपनी का शेयर 50.70 रुपए पर पहुंच गया. वैसे एक दिन पहले कंपनी के शेयर 44.45 रुपए पर बंद हुए थे. जानकारों की मानें तो आने वाले दिनों में कंपनी के शेयरों में उतार चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं.

कंपनी की वैल्यूएशन में भी इजाफा

वहीं दूसरी ओर कंपनी की वैल्यूएशन में भी बड़ा इजाफा देखने को मिला है. जब कंपनी का शेयर 44.05 रुपए पर ओपन हुआ था. तब कंपनी की वैल्यूएशन 18,244.49 करोड़ रुपए थी. जोकि सुबह 10 बजे के करीब कंपनी के शेयर 50.70 रुपए पहुंचने पर 20,998.77 करोड़ रुपए पर आ गई. इसका मतलब है कि कंपनी की वैल्यूएशन में 2,754.28 करोड़ रुपए का इजाफा देखने को मिल चुका है. वैसे कंपनी की वैल्यूएशन काफी दिनों के बाद 20 हजार करोड़ रुपए के पार देखने को मिली है.

पहली तिमाही में कैसा था परफॉर्मेंस

अनिल अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस पावर ने वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में 44.68 करोड़ रुपए प्रॉफिट हासिल किया था. जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही के 97.85 करोड़ रुपए के घाटे से एक महत्वपूर्ण सुधार है. रेवेन्यू साल-दर-साल 5.3 फीसदी घटकर 1,885.58 करोड़ रुपए रह गया, जो वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही के 1,992.23 करोड़ रुपए से कम था और तिमाही-दर-तिमाही 4.7 फीसदी घटकर 1,978.01 करोड़ रुपए रह गया, जो वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही के 1,978.01 करोड़ रुपए से कम है. वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में कुल आय 2,025 करोड़ रुपए रही, जो एक साल पहले के 2,069 करोड़ रुपए से 2 फीसदी कम है. साल-दर-साल लाभ में सुधार के बावजूद, शुद्ध लाभ तिमाही-दर-तिमाही 64 फीसदी गिर गया, जबकि मार्च तिमाही में यह 125.57 करोड़ रुपए था.

आंखें खोल कर देख लें ट्रंप

एप्पल गूगल के बाद अब मेटा करेगी भारत में बड़ा निवेश, 44 करोड की डील फाइनल

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत की अर्थव्यवस्था को मृत बताने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अब आंखें खोलकर देख लें। उनके ही देश की बड़ी-बड़ी कंपनियां भारत की अर्थव्यवस्था का लोहा मान रही हैं और यहां जमकर निवेश कर रहा हैं। एप्पल और गूगल के बाद अब मेटा भी भारत में बड़ा निवेश करने जा रही है। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार इसके लिए उनसे 5 मिलियन डॉलर (करीब 44 करोड़ रुपये) की डील फाइनल की है। मेटा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप जैसी कंपनियों की मालिक है। मेटा भारत में एक बड़ा अंडरसी केबल प्रोजेक्ट शुरू कर रहा है। इस प्रोजेक्ट का नाम वाटरवर्थ है। यह अरबों डॉलर का प्रोजेक्ट है। इस प्रोजेक्ट के लिए मुंबई और विशाखापत्तनम को लैंडिंग साइट्स (जहां केबल जमीन पर उतरेगा) के तौर पर चुना गया है। इस प्रोजेक्ट के लिए मेटा ने भारत में सिफी टेक्नोलॉजीज को अपना लैंडिंग पार्टनर बनाया है। यह डील करीब 5 मिलियन डॉलर की बताई जा रही है। खास बात यह

है कि गूगल भी अपने 400 मिलियन डॉलर के 'ब्लू-रमन' सबसी केबल के लिए सिफी टेक्नोलॉजीज के साथ ही पार्टनरशिप कर रहा है।

मेटा और गूगल जैसी बड़ी टेक कंपनियों का भारत में इस तरह का निवेश, देश के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में उनकी बढ़ती दिलचस्पी को दिखाता है। यह इस बात का भी संकेत है कि दुनिया भर में डेटा कनेक्टिविटी के मामले में भारत का महत्व लगातार बढ़ रहा है। पिछले तीन सालों में भारत के सबसी केबल (समुद्र के नीचे बिछाए जाने वाले केबल) के क्षेत्र में बहुत बड़ी क्षमता जुड़ी है। सिर्फ मेटा और गूगल ही नहीं, बल्कि रिलायंस जियो और भारती एयरटेल जैसी भारतीय टेलीकॉम कंपनियां भी इस क्षेत्र में भारी निवेश कर रही हैं। वे भारत में बढ़ती डेटा की मांग का फायदा उठाना चाहती हैं। कैलिफोर्निया की कंपनी 'ओपनकेबल्स इंक' के फाउंडर सुनील टैगारे का मानना है कि मेटा का यह केबल सिस्टम अगले 5 से 10 सालों में करीब 10 अरब डॉलर का निवेश हो सकता है। उन्होंने बताया कि इसमें सिर्फ केबल बिछाने का खर्च 2 अरब डॉलर होगा। इसके अलावा 1 पेटाबिट प्रति सेकंड की क्षमता वाले इक्विपमेंट के लिए 2 अरब डॉलर और भारत में एआई डेटा सेंटर बनाने या लीज पर लेने के लिए कम से कम 6 अरब डॉलर का निवेश किया जाएगा।

क्या है वाटरवर्थ केबल सिस्टम?

'वाटरवर्थ' केबल सिस्टम 50,000 किलोमीटर से भी ज्यादा लंबा होगा और यह दुनिया का सबसे लंबा सबसी केबल सिस्टम बनने वाला है। यह अमेरिका, भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका को जोड़ेगा। इस केबल का रास्ता खास तौर पर 'डब्ल्यू' आकार का बनाया गया है ताकि यह लाल सागर के खतरनाक इलाके से बच सके। हाल ही में लाल सागर में जहाजों पर हमलों की वजह से केबल को नुकसान पहुंचा है। इस केबल के साल तक जमीन पर उतरने की उम्मीद है।

क्रिप्टो स्कैम और 23 एफआईआर... जावेद हबीब की कितनी है नेटवर्थ? विवादों से पहले भी रहा है नाता, अब क्यों फंसे?

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रसिद्ध हेयर स्टाइलिस्ट जावेद हबीब और उनके परिवार के सदस्य एक बड़े क्रिप्टो स्कैम में फंस गए हैं। इस मामले में 400 से ज्यादा निवेशकों से करोड़ों रुपये की ठगी हुई है। इकोनॉमिक टाइम्स के मुताबिक पुलिस ने 23 एफआईआर दर्ज की हैं और आरोपियों के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया है। यह सब तब हुआ जब कंपनी ने अचानक अपना काम बंद कर दिया। हालांकि, हबीब परिवार ने कंपनी से किसी भी तरह के संबंध से इनकार किया है। यह पूरा मामला साल 2023 में शुरू हुआ। जावेद हबीब, उनके बेटे अनस और कंपनी के मुखिया सैफुल्लाह खान ने संभल के सरायतरीन इलाके के एक होटल में एक प्रमोशनल इवेंट में हिस्सा लिया था। इस इवेंट का मकसद फॉलिकल ग्लोबल कंपनी (एफएलसी) नाम की कंपनी में निवेशकों को लुभाना था। कंपनी ने निवेशकों को उनके लगाए पैसों पर 50% से 75% तक का रिटर्न देने का वादा किया था। पुलिस के मुताबिक, सैकड़ों लोगों ने इस कंपनी में 5 लाख से 7 लाख रुपये तक का निवेश किया। ज्यादातर निवेश क्रिप्टोकरेंसी के जरिए हुआ था। लोगों को जल्दी और ज्यादा मुनाफे का लालच दिया गया था। संभल के एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि कुछ ही महीनों में कंपनी के दफ्तर बंद हो गए और हबीब परिवार गायब हो गया। जब निवेशकों ने अपने पैसे वापस मांगे, तो सैफुल्लाह ने उन्हें धमकी दी। बिश्नोई ने यह भी कहा कि यह कंपनी एक पारिवारिक कारोबार की तरह लग रही थी, जिसमें हबीब की पत्नी को फाउंडर बताया गया था।

नितिन गडकरी के मंत्रालय ने पानी की तरह बहाया पैसा

रेलवे मिनिस्ट्री भी नहीं रही पीछे, जानें कहां खर्च हुई रकम

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश में रेल और सड़क नेटवर्क को लेकर कई बड़े काम हुए हैं और हो रहे हैं। इन प्रोजेक्ट पर दोनों मंत्रालय ने खूब पैसा खर्च किया है। सड़क परिवहन और रेलवे मंत्रालयों ने मौजूदा वित्तीय वर्ष की पहली छमाही में पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) के उपयोग में शानदार प्रदर्शन किया है। सड़क परिवहन मंत्रालय की कमान केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के पास तो रेलवे की जिम्मेदारी अश्विनी वैष्णव के पास है। सड़क परिवहन मंत्रालय ने अपने बजट का 63% और रेलवे मंत्रालय ने 56.5% खर्च कर दिया है। सितंबर के अंत तक इन दोनों मंत्रालयों का संयुक्त कैपेक्स 3.1 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा, जो वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए आवंटित 5.2 लाख करोड़ रुपये के बजट का एक बड़ा हिस्सा है। इस वित्तीय वर्ष में सभी क्षेत्रों के लिए आवंटित कुल 11.2 लाख करोड़ रुपये के कैपेक्स में से आधे से अधिक हिस्सा सड़क और रेलवे क्षेत्र को मिला है।

सड़क मंत्रालय ने कितना किया खर्च?

सड़क परिवहन मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि इस साल कैपेक्स का इस्तेमाल उनके मंत्रालय के इतिहास में सबसे अधिक है। उन्होंने पहले छह महीनों के लिए तय लक्ष्य को भी पार कर लिया है। मंत्रालय ने अब तक कुल 2.7 लाख करोड़ रुपये के आवंटन में से लगभग 1.7 लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं। पिछले साल इसी अवधि में यह खर्च 1.4 लाख करोड़ रुपये था। सूत्रों का कहना है कि बजट का बेहतर उपयोग होने से, भविष्य में जब बजट अनुमानों को संशोधित किया जाएगा, तो आवंटन बढ़ाने की गुंजाइश बन सकती है।

रेलवे मंत्रालय का कितना खर्च?

वहीं, रेलवे मंत्रालय की बात करें तो सितंबर के अंत तक कैपेक्स पर 1.4 लाख करोड़ रुपये खर्च हुए। पूरे 2025-26 के लिए रेलवे का कैपेक्स बजट 2.5 लाख करोड़ रुपये है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय ट्रांसपोर्टर ने पिछले छह महीनों में सुरक्षा-संबंधी कामों पर 22,286 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। इसके लिए एफवाई26 में 39,456 करोड़ रुपये का बजट रखा गया था। इस खर्च में 'कवच' जैसी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा तकनीक से जुड़े काम, ट्रैक नवीनीकरण, रोड ओवर ब्रिज, पुल और लेवल क्रॉसिंग पर हुए काम शामिल हैं।

सोना 1,784 सस्ता हुआ, 1.20 लाख/10 ग्राम पर आया

चांदी 1.62 लाख के ऑलटाइम हाई पर, इस साल 76,126 महंगी हुई

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। सोने की कीमत में लगातार चार दिन में 5,675 रुपए की बढ़ोतरी के बाद आज (10 अक्टूबर) गिरावट देखने को मिल रही है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,784 रुपए गिरकर 1,20,845 रुपए पर आ गया है। इससे पहले ये गुरुवार को 1,22,629 रुपए पर था, जो सोने का ऑल टाइम हाई प्राइस था। वहीं, चांदी की कीमत आज पहली बार 1.62 लाख रुपए के ऑलटाइम हाई पर पहुंच गई है। ये 2,593 रुपए बढ़कर 1,62,143 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। इससे पहले गुरुवार को ये 1,59,550 रुपए प्रति किलो के भाव पर थी। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, इंडस्ट्रियल डिमांड बढ़ने की वजह से चांदी की कीमत में पांचवें दिन बढ़त देखने को मिल रही है।

इस साल सोना 44,683 और चांदी 76,126 महंगी हुई

इस साल अब तक सोने की कीमत 44,683 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,20,845 रुपए हो गया है। चांदी का भाव भी इस दौरान 76,126 रुपए बढ़ गया है। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो अब 1,62,143 रुपए प्रति किलो हो गई है।

1.55 लाख रुपए तक जा सकता है सोना

गोल्डमैन सैक्स की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, बैंक ने अगले साल तक सोने के लिए 5000 डॉलर प्रति औंस का टारगेट रखा है। मौजूदा एक्सचेंज रेट के हिसाब से रुपए में यह लगभग 1,55,000 रुपए प्रति 10 ग्राम होगा। ब्रोकरेज फर्म पीएल कैपिटल के डायरेक्टर संदीप रायचुरा ने कहा कि सोना 1,44,000 रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है।

तनातनी की खबरों के बीच टाटा ट्रस्ट की बोर्ड बैठक समाप्त

विवाद टाटा ट्रस्ट और टाटा संस के बीच चल रहे सत्ता संघर्ष से जुड़ा है

मुंबई, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। टाटा ट्रस्ट के बोर्ड की बैठक बैठक 10 अक्तूबर को समूह के मुख्यालय बाम्बे हाउस में दोपहर दो बजे तक चली। इसमें बोर्ड के कुछ सदस्य व्यक्तिगत रूप से मौजूद रहे रहे, जबकि कुछ सदस्य वीडियों कॉल के जरिए बोर्ड की बैठक से जुड़े। सूत्रों के अनुसार बैठक में ट्रस्ट प्रशासन के उचित संचालन, फंडिंग की जानकारी, नियमों के अनुपालन की समीक्षा हो सकती है। खबरें है कि ट्रस्टियों की नियुक्ति और उनके कार्यकाल को नया करने पर विशेष चर्चा नहीं हुई है। माना जा रहा है कि बैठक के दौरान मुख्य मुद्दा रहा- टाटा ट्रस्ट को टाटा संस से हाल ही में लाभांश के रूप में मिले 1,700 करोड़ रुपये का परोपकर के क्षेत्र में कैसे इस्तेमाल किया जाए? इस चर्चा के बीच ट्रस्टियों के बीच तनाव देखा जा रहा है। इसमें संतुलन बनाए रखना और बढ़ते तनाव को कम करने के प्रयास जारी है। इसकार की भी इस गहमागमी पर नजर है। माना जा रहा है कि शुक्रवार को हुई बोर्ड की बैठक भी सरकार की ओर से की गई पहल का नतीजा है। फिलहाल बोर्ड की बैठक में क्या-क्या फैसला लिए गए, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। भारत के सबसे प्रतिष्ठित औद्योगिक समूहों में से एक टाटा ग्रुप इन दिनों आंतरिक विवादों के कारण सुर्खियों में है। यह विवाद टाटा ट्रस्ट और टाटा संस के बीच चल रहे सत्ता संघर्ष से जुड़ा है। मामला रतन टाटा की पहली पुण्यतिथि से ठीक पहले सामने आया है। ऐसे समय में जब देश की अर्थव्यवस्था को स्थिरता की आवश्यकता है, टाटा ग्रुप की स्थिरता काफी मायने रखनती है। विवाद की शुरुआत टाटा के बोर्ड में नियुक्तियों और संचालन से जुड़ी नीतियों को लेकर हुई। रिपोर्ट्स के अनुसार, टाटा ट्रस्ट में दो धड़े बन गए हैं। एक धड़ा नोएल टाटा यानी दिवंगत रतन टाटा के सौतेले भाई के साथ है। दूसरा धड़ा मेहली मिस्त्री (दिवंगत साइरस मिस्त्री के चचेरे भाई) के साथ है।

पहले रूस, अब ईरान से सौदे पर अमेरिका ने भारत समेत 50 कंपनियों पर लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ के बाद बैन-बैन खेलने के मूड में नजर आ रहे हैं। पहले तो उन्होंने सत्ता में आने के बाद दुनिया भर के देशों पर बेतहाशा टैरिफ लगा दी। फिर अलग से फार्मा पर टैरिफ लगा दिया। यही नहीं उन्होंने उसी के साथ एच-1बी वीजा का शुल्क भी बढ़ा दिया। यानी ट्रंप ने अपना प्रभुत्व जताने के लिए सारे कर्म किए। मसलन उन्होंने भारत पर पहले रूस से तेल खरीदने के आरोप में टैरिफ लगाया और अब ईरान से तेल और एक्सपोर्ट करने के चलते कुछ भारतीय नागरिकों, भारतीय कंपनियों सहित कुल 50 एंटीटीज पर बैन लगाने का फरमान जारी किया है। अमेरिकी वित्त विभाग के ऑफिस ऑफ फॉरेन असेट्स कंट्रोल ने गुरुवार को ईरान से तेल और तरलीकृत पेट्रोलियम गैस की बिक्री और शिपिंग में शामिल 50 से ज्यादा लोगों, कंपनियों और जहाजों पर प्रतिबंध लगाए हैं। इनमें कुछ भारतीय नागरिक भी शामिल हैं, जो ईरान के तेल कारोबार से जुड़े थे।

अमेरिकी वित्त विभाग का कहना है कि इन लोगों ने मिलकर अरबों डॉलर के तेल और एलपीजी का निर्यात किया, जिससे ईरान को भारी कमाई हुई। इस पैसे का इस्तेमाल ईरान ने उन आतंकवादी समूहों को सपोर्ट करने में किया, जो अमेरिका के लिए खतरा हैं। इन प्रतिबंधों का निशाना वे नेटवर्क हैं, जो सैकड़ों मिलियन डॉलर के ईरानी एलपीजी को ट्रांसपोर्ट करते हैं। इसके अलावा, करीब दो दर्जन छाया बेड़े के जहाज, चीन के एक क्रूड ऑयल टर्मिनल और एक इंडिपेंडेंट रिफाइनरी भी टारगेट किए गए हैं। वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि हम ईरान की तेल

निर्यात मशीन को तोड़ रहे हैं, ताकि उनकी कमाई कम हो और आतंकवादी समूहों को फंडिंग न मिले। रिलीज के मुताबिक, भारतीय नागरिक वरुण पुला, सोनिया श्रेष्ठ और इयप्पन राजा पर ईरानी तेल और एलपीजी के ट्रांसपोर्ट में शामिल होने के लिए प्रतिबंध लगाए गए हैं।

अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने कहा कि इन प्रतिबंधों की वजह से इन लोगों और कंपनियों की अमेरिका में मौजूद सारी संपत्ति फ्रीज कर दी गई है। अगर कोई अमेरिकी या विदेशी नागरिक इन प्रतिबंधों का उल्लंघन करता है, तो उस पर सिविल या क्रिमिनल पेनल्टी लग सकती है।

रिलीज में ये भी कहा गया कि इन प्रतिबंधों का मकसद व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाना है। अगर जिन लोगों या कंपनियां पर बैन लगा है वह चाहें, तो वे कानूनी प्रक्रिया के जरिए प्रतिबंध हटवाने की कोशिश कर सकते हैं।

हरे निशान पर बंद हुआ भारतीय शेयर बाजार

सेंसेक्स 328 अंक चढ़ा, निफ्टी 25200 के पार

मुंबई, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय बाजार शुक्रवार को हरे निशान पर बंद हुआ। फार्मास्युटिकल और बैंकिंग शेयरों में मजबूत तेजी तथा विदेशी पूंजी प्रवाह के चलते मुंबई, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। शुक्रवार को सेंसेक्स करीब 329 अंक चढ़ गया। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 328.72 अंक या 0.40 प्रतिशत उछलकर 82,500.82 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 482.01 अंक या 0.58 प्रतिशत की बढ़त के साथ 82,654.11 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 103.55 अंक या 0.41 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,285.35 पर आ गया। घरेलू बाजारों में मजबूती और कच्चे तेल की कीमतों में व्यापक कमजोरी के कारण शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 10 पैसे बढ़कर 88.69 (अनंतिम) पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि मजबूत घरेलू बाजार और कमोडिटी कीमतों में रात भर की गिरावट के कारण रुपये में तेजी आई। सेंसेक्स की कंपनियों में भारतीय स्टेट बैंक, मारुति सुजुकी इंडिया, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी, बीईएल, अडानी पोर्ट्स, इटरनल, सन फार्मास्यूटिकल्स, पावर ग्रिड, आईटीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, ट्रेंट, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा और एचडीएफसी बैंक प्रमुख लाभ में रहे। दूसरी ओर, टाटा स्टील, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टेक महिंद्रा, टाइटन, बजाज फिनसर्व, टाटा मोटर्स, भारती एयरटेल और बजाज फाइनेंस पिछड़ गए। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि बैंकिंग और फार्मास्युटिकल शेयरों में मजबूत बढ़त के चलते भारतीय शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। सरकार द्वारा भारतीय स्टेट बैंक का नेतृत्व करने के लिए निजी क्षेत्र के पेशेवरों को आमंत्रित करने के बाद निवेशकों की धारणा में सुधार हुआ। नायर ने कहा कि अमेरिका द्वारा बायोसिक्योर एक्ट को पुनर्जीवित करने से फार्मा शेयरों में तेजी आई, जिसका उद्देश्य विदेशी कंपनियों, विशेष रूप से चीन की कंपनियों के साथ बायोटेक संबंधों को खत्म करना है, जिससे भारतीय सीडीएमओ को मजबूत बढ़ावा मिला। एशियाई बाजारों में, हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक, टोक्यो का निक्केई 225 सूचकांक और शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए, जबकि सियोल का कोस्पी हरे निशान में बंद हुआ। यूरोप के शेयर बाजारों में मिला-जुला रुख रहा। अमेरिकी बाजार गुरुवार को अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर से पीछे हटकर निचले स्तर पर बंद हुए।वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.63 प्रतिशत गिरकर 64.81 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		लग्नारम्भ समय	
सुर्य - कन्या	मे	कन्या--	04-32 बजे
चंद्र - वृष	मे	तुला----	06-37 बजे
मंगल-तुला	मे	वृश्चिक...	08-47 बजे
बुध - तुला	मे	धनु......	11-01 बजे
गुरु - मिथुन	मे	मकर...	13-08 बजे
शुक्र - कन्या	मे	कुंभ....	14-58 बजे
शनि मीन	मे	मीन....	16-36 बजे
राहु कुंभ	मे	मेष.....	18-11 बजे
केतु सिंह	मे	वृष....	19-57 बजे
		मिथुन..	21-57 बजे
		कर्क...	00-10 बजे
		सिंह---	

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947,** सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय **06-11**
भोग्य कलि वर्ष-**426874** सूर्यास्त. **17-53**
कलियुग संवत् **-5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885126**
दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
मास - कार्तिक कृष्ण शनिवार **11 October**
तिथि - पंचमी **16-43** तक उपरान्त षष्ठी
नक्षत्र - रोहिणी **15-19** तक उपरान्त मृगशिरा
योग - व्यतिपात **14-06** तक उप वरियान
करण - तैतिल **16-43** तक उप गर
व्रत पद्म प्रभु जन्म जैन
त्योहार सर्वार्थसिद्ध योग ०६-३९ से

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 09-06 से 10-34 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	06-11 - 07-38	अशुभ	लाभ	17-53 - 19-28	शुभ
शुभ	07-38 - 09-06	शुभ	उत्पात	19-28 - 20-59	अशुभ
रोग।।	09-06 - 10-34	अशुभ	शुभ	20-59 - 22-31	शुभ
उत्पात	10-34 - 12-03	अशुभ	अमृत।	22-31 - 00-03	शुभ
चंचल	12-03 - 13-31	शुभ	चंचल	00-03 - 01-34	शुभ
लाभ	13-31 - 14-59	शुभ	रोग	01-34 - 03-06	अशुभ
अमृत	14-59 - 16-28	शुभ	काल	03-06 - 04-38	अशुभ
काल	16-28 - 17-53	अशुभ	लाभ	04-38 - 06-11	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — आप अपने पेशेवर व्यवहार में आत्मविश्वास और संतुलन लाते हैं, अपनी उपस्थिति से सम्मान अर्जित करते हैं। अंतर्ज्ञान आपको पंक्तियों के बीच की बात समझने और सहकर्मियों के सूक्ष्म संकेतों पर प्रतिक्रिया देने में मदद करता है। आपके कलात्मक कौशल रचनात्मक कार्यों में एक अनूठा स्पर्श जोड़ते हैं।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — आपकी भावनात्मक अंतर्ज्ञान में वृद्धि हुई है, जो आपके करियर के निर्णयों का मार्गदर्शन करती है। सामंजस्य की भावना काम पर आपके रचनात्मक प्रयासों को बढ़ावा देती है, जो आपकी परियोजनाओं के माध्यम से चमकती है। हालाँकि तीव्र भावनात्मक जीवन और भावनात्मक संघर्ष पढ़ाई में संतुलन बनाए रखने की आपकी क्षमता को चुनौती दे सकते हैं।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — एक मालिक के रूप में, अपने अधीनस्तों के लिए आपमें एक दिल है । उन्हें ज्यादा उत्साह के साथ प्रदर्शन करने के लिए आपकी प्रशंसा की जरूरत है। उनसे बात करें और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए आप किसी पार्टी का आयोजन भी कर सकते है । वे इसके लिए आप का आदर करेंगे।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — आपका कार्य जीवन उत्साह ला सकता है, नई शुरुआत की चिंगारी जगा सकता है। अपनी प्रवृत्ति पर भरोसा करें और अपनी परियोजनाओं को पोषित करें। विवरण पर ध्यान देकर, आपकी उत्पादकता बढ़ाई जा सकती है। विलक्षण कार्यों की अपेक्षा करें, और अपने अध्ययन या कैरियर में बदलावों को अपनाएँ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — जैसे-जैसे आत्मविश्वास आपके कार्यों को गति देता है, आपकी सामाजिक उपस्थिति और भी मज़बूत होती जाती है। स्वतंत्र निर्णय आपके मार्ग को आकार देते हैं, जिससे आप अपनी मौलिकता के साथ अलग नज़र आते हैं। तार्किक सोच आपकी योजना बनाने और अपने काम या पढ़ाई में निरंतरता बनाए रखने की क्षमता को बढ़ावा देती है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आपका स्वाभाविक आकर्षण और दृढ़ संकल्प आपके पेशेवर जीवन में ध्यान आकर्षित करता है। फोकस और प्रेरणा मजबूत है, और आप अपने आस-पास के माहौल को सुंदर बनाते हैं। फिर भी, एक सतर्क मानसिकता आपके दृष्टिकोण को परिष्कृत करने में मदद करती है। आशावाद को जिम्मेदारी के साथ संतुलित करें।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आज आपका करियर अंतर्ज्ञान और स्पष्ट सोच के सहज संतुलन द्वारा समर्थित है। मेष राशि में चंद्रमा आपकी प्रेरणा और उत्साह को बढ़ाता है, जबकि कर्क राशि में सूर्य आपको सहानुभूति के माध्यम से दूसरों से जुड़ने में मदद करता है। आप विचारों को अच्छी तरह से व्यक्त करते हैं, विकास और स्पष्टता दिखाते हैं। आपकी अंतर्दृष्टि आपको स्मार्ट, सार्थक निर्णयों की ओर ले जाएगी।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — आप ऊर्जावान महसूस करते हैं और साहसिक कदम उठाने के लिए तैयार हैं, अपने करियर में रचनात्मक प्रेरणा का संचार करते हैं। नवाचार सहजता से प्रवाहित होता है, जिससे आपको नई अंतर्दृष्टि के साथ समस्याओं का समाधान करने में मदद मिलती है। आपको निर्णायक रूप से कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — आपको अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, हालांकि भावनात्मक ट्रिगर निर्णयों को प्रभावित कर सकते हैं। अधिक ध्यान और विस्तार पर ध्यान उत्पादकता का समर्थन करता है। नए अवसर उत्पन्न हो सकते हैं, जो विविध अनुभव प्रदान करते हैं। हालाँकि, लापरवाही और असहिष्णुता से बचें, क्योंकि वे महंगी गलतियों का कारण बन सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आपकी रचनात्मकता और अनुशासन एक साथ मिलकर काम करते हैं, जिससे आपको केंद्रित और उत्पादक बने रहने में मदद मिलती है। आप भावनात्मक रूप से असंगत महसूस कर सकते हैं, जो दूसरों के साथ आपके व्यवहार को प्रभावित कर सकता है। सत्ता संघर्ष से बचें या टीम वर्क में अभिमान को हस्तक्षेप करने न दें।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — आपकी रचनात्मकता सबसे अलग है, जो आपको काम पर एक मजबूत छाप छोड़ने में मदद करती है। अपनी दिनचर्या में किसी भी व्यवधान को संतुलित करने के लिए अनुशासित और स्थिर रहें। आप आंतरिक तनाव या सख्त मानसिकता महसूस कर सकते हैं, इसलिए लचीला बने रहने पर ध्यान दें।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — कार्यस्थल पर मतभेद उत्पन्न हो सकते हैं, लेकिन आपकी भावनात्मक अंतर्दृष्टि आपको उनका सामना शालीनता से करने में मदद करती है। आपका आकर्षण और ऊर्जा आपको दूसरों से अलग बनाती है, आपके कार्यों में नेतृत्व और उत्साह को बढ़ावा देती है। मज़बूत संचार सहज बातचीत को बढ़ावा देता है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

15 नवंबर से शुरू होगी धान खरीदी

साय कैबिनेट का फैसला, 3100 रेट, 21 क्विंटल प्रति एकड़ सीमा, 6–7 दिन में होगा भुगतान

रायपुर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में शुक्रवार को महानदी भवन में कैबिनेट बैठक हुई। मीटिंग में धान खरीदी को लेकर कई अहम फैसले लिए गए हैं। इस बार 15 नवंबर 2025 से 31 जनवरी 2026 तक धान खरीदी की जाएगी। राज्य के 25 लाख से ज्यादा किसानों से 3100 प्रति क्विंटल की दर से खरीदी होगी।

किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान की खरीदी की जाएगी। खरीदी में पारदर्शिता और समय पर भुगतान तय करने के लिए किसानों को उनकी राशि 6 से 7 दिनों के अंदर दी जाएगी।

इससे पहले, 2024-25 में 149.25 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई थी। राज्य में कुल 25.49 लाख से ज्यादा किसानों ने धान बेचा था। जिसके लिए 31 हजार 89 करोड़ का भुगतान हुआ। इस बार प्रदेश में 160 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी की संभावना जताई जा रही है।

30 सितंबर को साय कैबिनेट के लिए गए फैसले

इससे पहले 30 सितंबर

मंगलवार को साय कैबिनेट की मीटिंग हुई थी। बैठक में 3 प्रमुख फैसले लिए गए थे। दिव्यांगजन के कल्याण के लिए 24.50 करोड़ रुपए की बकाया राशि एकमुश्त चुकाने का निर्णय लिया गया। 100 स्पेशल एजुकेटर की भर्ती करने का फैसला भी लिया गया था।

साथ ही शासकीय सेवकों को आकस्मिक वित्तीय जरूरत पर वेतन के विरुद्ध अल्पावधि ऋण उपलब्ध करने के प्रस्ताव पर भी मुहर लगी। वहीं इस बैठक में अमिताभ जैन को विदाई और नवनियुक्ति मुख्य सचिव का स्वागत किया गया। साथ ही उन्होंने पदभार ग्रहण किया था।

सरकारी कर्मचारियों की अचानक आने वाली वित्तीय जरूरतों को देखते हुए उन्हें वेतन के विरुद्ध अल्पकालिक ऋण देने का फैसला लिया गया।

यह ऋण बैंकों या वित्तीय संस्थाओं के माध्यम से दिया जाएगा। वित्त विभाग को आगे की कार्रवाई के लिए अधिकृत किया गया।

पात्र बैंक/संस्थाओं से एमओयू (समझौता पत्र) करने का प्रारूप भी मंजूर किया गया।

दिव्यांगजनों के हित में बड़ा फैसला

राज्य सरकार ने राष्ट्रीय दिव्यांगजन वित्त-विकास निगम (एनडीएफडीसी) की 24.50 करोड़ रुपए की बकाया ऋण राशि एकमुश्त चुकाने का निर्णय लिया गया।

यह राशि एनडीएफडीसी की ओर से राज्य के दिव्यांगों को 3% ब्याज दर पर शिक्षा और स्वरोजगार के लिए दिए गए ऋण से संबंधित है।

स्पेशल एजुकेटर्स की सीधी भर्ती में नियमों में छूट

स्कूल शिक्षा विभाग में 100 स्पेशल एजुकेटर की सीधी भर्ती के लिए नियमों में एक बार के लिए छूट दी गई। भर्ती नियम-2019 को शिथिल करते हुए, चयन परीक्षा के बजाय मेरिट के आधार पर भर्ती की अनुमति दी गई। यह फैसला दिव्यांग बच्चों की शिक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया।

राजस्व कर्मचारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

एसीबी की टीम ने 3 हजार रुपए के साथ पकड़ा, 10 हजार रुपए मांगी थी घूस

हजारीबाग, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) हजारीबाग की टीम ने दारू अंचल में बड़ी कार्रवाई करते हुए राजस्व कर्मचारी ज्ञानी राम को तीन हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई शुक्रवार को की गई, जिससे सरकारी तंत्र में व्याप्त रिश्वतखोरी के खिलाफ सख्त संदेश गया है।

जानकारी के अनुसार, दारू थाना क्षेत्र के मेढ़कुरी कला गांव निवासी हिरामन प्रजापति ने एसीबी हजारीबाग कार्यालय में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि राजस्व कर्मचारी ज्ञानी राम उनकी पत्नी दुर्गा देवी के नाम दाखिल-खारिज आवेदन को स्वीकृत करने के बदले दस हजार रुपए की रिश्वत की मांग कर रहा था। शिकायतकर्ता ने इतनी बड़ी रकम देने से इनकार कर एसीबी को सूचित किया। एसीबी ने शिकायत की गंभीरता को देखते हुए उसका सत्यापन कराया।

सत्यापन में पाया गया कि ज्ञानी राम ने पहली किस्त के तौर पर तीन हजार रुपए की मांग की थी। इसके बाद एसीबी टीम ने पूरी योजना बनाकर ट्रैप ऑपरेशन तैयार किया।

75 का दूल्हा, 45 साल की दुल्हन से की लव-मैरिज

बुजुर्ग ने मूंछों पर दी ताव, करवाचौथ से पहले लिए 7 फेरे, मोहल्लेवाले बने बाराती

बिलासपुर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में गुरुवार की रात 75 साल के बुजुर्ग ने 45 साल की महिला से लव मैरिज की है। करवाचौथ से एक दिन पहले शिव मंदिर में सात फेरे लिए। वरमाला और मांग भरकर सभी रस्म निभाई। शादी के बाद बुजुर्ग अपनी मूंछों पर ताव देते नजर आया।

इस दौरान पूरे मोहल्लेवासी बाराती बने। बाकायदा बाजे गाजे के साथ नाच गाकर विधि विधान से शादी कराई। बुजुर्ग पहले से शादीशुदा है, लेकिन उसकी पत्नी की कई साल पहले मौत हो चुकी है। महिला की भी ये दूसरी शादी है। पहला पति नशे में मारपीट करता था, इसलिए 10 साल पहले उसे छोड़ दिया था।

दरअसल, मामला सरकंडा के चिंगराजपारा अटल आवास क्षेत्र का है। जहां मजदूरी का काम करने वाले 75 साल के दादू राम गंधर्व का दिल मोहल्ले के ही रहने वाली आरती त्रिवेदी (45) पर आ गया।

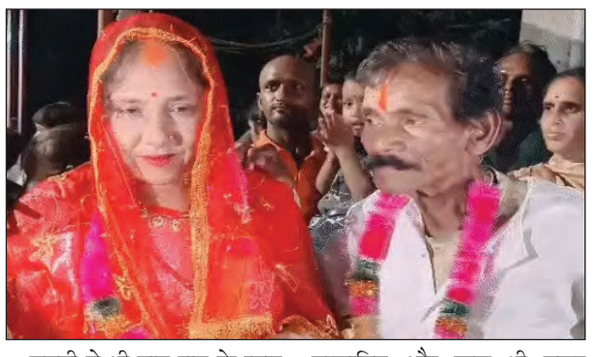

युवती ने भी दादू राम के प्यार को स्वीकार किया। प्यार परवान चढ़ा, तो दोनों ने शादी कर साथ में जीवन बिताने का फैसला लिया। फैसले को हकीकत में बदलने का दिन आया, तो गुरुवार की रात दोनों ने पूरे विधि विधान से शादी की।

खास बात यह रही कि इस अनोखे प्रेम विवाह का गवाह पूरा मोहल्ला बना। बाजे-गाजे और नाच-गाने के साथ मोहल्ले के लोग शादी में शामिल हुए और दोनों को नवविवाहित जीवन की बधाई दी। यह शादी लोगों को हैरान जरूर कर गई, लेकिन दोनों के प्यार को देखकर लोग उत्साहित और खुश भी नजर आए। महिला ने बताया कि उनकी पहली शादी 1993 में हुई थी। पति शराब पीकर विवाद करता था।

इसलिए 10 साल पहले उसको छोड़ दी थी। इसके बाद से अकेले जिंदगी काट रही थी। उनके 2 बच्चे भी हैं। बेटी की शादी हो चुकी है। बेटा पिता के पास रहता है।

पिछले एक-दो साल से दादू राम गंधर्व को जानती है। हमने बची हुई जिंदगी साथ बिताने का फैसला किया। करवा चौथ से एक दिन पहले शादी की। आज करवा चौथ का व्रत भी रखा है।

चक्रधरपुर रेलवे स्टेशन पर किया गया मॉक ड्रिल

ट्रेन की खिड़की काटकर निकाले गए यात्री अस्थाई मेडिकल कैंप में किया गया इलाज

चाईबासा, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिमी सिंहभूम के चक्रधरपुर रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार को मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। सायरन बजते ही स्टेशन पर अफरातफरी मच गई और धुएं का गुब्बार उठता दिखाई दिया। हालांकि, यह कोई वास्तविक दुर्घटना नहीं थी, बल्कि आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए रेलवे की तैयारियों का आकलन करने के लिए एक अभ्यास था।

इस मॉक ड्रिल में एक ट्रेन दुर्घटना का परिदृश्य बनाया गया था, जिसमें पांच यात्रियों की मौत और आठ के घायल होने की स्थिति दिखाई गई। घायलों में एक यात्री गंभीर रूप से घायल दिखाया गया। यात्रियों को ट्रेन की खिड़कियां काटकर बाहर निकाला गया और उन्हें अस्थाई मेडिकल कैंप में प्राथमिक उपचार दिया गया। इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य आपातकालीन स्थिति में रेलवे की प्रतिक्रिया क्षमता को परखना और लोगों को रेलवे की सतर्कता के प्रति जागरूक करना था। ड्रिल में रेलवे की सिविल डिफेंस टीम, एनडीआरएफ की 9वीं बटालियन, भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के साथ-साथ रेलवे के रनिंग, इंजीनियरिंग, ऑपरेटिंग, मेडिकल और कॉमर्शियल विभाग के कर्मचारी शामिल हुए। ड्रिल के दौरान डीआरएम तरुण हुरिया और एडीआरएम विनय हेंब्रम सहित रेलवे के सभी वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे और पूरी प्रक्रिया की निगरानी की। रेलवे प्रशासन ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और आपात स्थितियों से निपटने के लिए इस तरह के अभ्यास अत्यंत आवश्यक हैं, जो रेलवे की हर समय की तैयारी को दर्शाते हैं।

संदिग्ध अवस्था में इंजीनियर की मौत

संकट मोचन मंदिर के निर्माण कार्य में लगे थे, बिस्तर के नीचे से दवाएं भी बरामद

चतरा, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। चतरा में एक इंजीनियर का शव उनके कमरे से बरामद किया गया है। घटना सिमरिया थाना क्षेत्र के शीला के पीरी गांव की है। यहां निर्माणाधीन संकट मोचन मंदिर के कार्य में ये लगे हुए थे। मृतक के बिस्तर के नीचे से कुछ दवाएं भी बरामद की गई है।मृतक की पहचान बिहार के मधेपुरा निवासी दिलनवाज के रूप में हुई है। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने बताया कि उन्हें मंदिर निर्माण कार्य के लिए चतरा आए इंजीनियर की मौत की जानकारी मिली थी।

सिमरिया थाना के एसआई नंदलाल राम के अनुसार, मृतक कुछ दिनों से बीमार चल रहा था और दवाइयां भी ले रहा था। हालांकि, घटनास्थल से मृतक के बिस्तर के नीचे से कुछ दवाएं भी बरामद हुई हैं।

कांग्रेसी बोले- बीजेवाइएम नेताओं ने काफिले रोककर गाली दी

खूब मारा, कवर्धा में राहुल टिकरिहा के दौरे का विरोध, महिलाओं के अपमान में दिखाए काले झंडे

कवर्धा, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिहा पद की जिम्मेदारी संभालने के बाद पहली बार कवर्धा पहुंचे। 9 अक्टूबर को टिकरिया के दौरे का कांग्रेसियों ने विरोध किया। कांग्रेसियों ने राहुल टिकरिहा पर महिलाओं को अपमानित करने का आरोप लगाते हुए काले झंडे दिखाए।

कवर्धा राजनांदगांव रोड में होटल थथ के पास युवा कांग्रेसियों ने काफिले के सामने हंगामा भी किया। जिसके बाद काफिले से उतरकर भाजयुमो नेता ने गाली दी और मारपीट की। जिसका वीडियो भी सामने आया है।

कांग्रेसियों ने बीजेवाइएम नेता पर कार्रवाई की मांग को लेकर थाने के सामने बैठ गए। रात तक

यह हंगामा चला। कांग्रेसियों ने ये भी आरोप लगाया कि बीजेवाइएम नेताओं का काफिला हथियार से लैस था। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कवर्धा जिला युवा कांग्रेस ने कहा कि राहुल टिकरिहा के ऊपर उनके आगे संबंधियों और युवती के द्वारा चरित्र हीनता का आरोप लगा है। इस विषय पर काले झंडे लेकर राहुल वापस जाओ के नारे लगा रहे थे।

जैसे ही भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष का काफिला उस जगह पर पहुंचने वाला था, उससे पहले कुछ युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने युवक कांग्रेसियों के ऊपर हमला बोल दिया और अपशब्दों का प्रयोग किया गया।

साथ ही मारपीट करने का भी आरोप भाजयुमो के कार्यकर्ताओं पर लगा है, हालांकि की पुलिस की ड्यूटी लगाई गई थी, जिनके बीच बचाव करने के बाद मामला शांत हो गया।

युवक कांग्रेसियों से मारपीट के विरोध में जिला इकाई के सदस्यों ने थाने में धरना देकर राहुल टिकरिया के साथ आए हुए सदस्यों के खिलाफ एफआईआर करने की मांग करने के लिए देर तक थाने के सामने बैठे हुए थे।

पुलिस अधीक्षक कृष्णा चंद्राकर ने बताया कि युवक कांग्रेस के द्वारा एफआईआर के लिए आवेदन आया है, मामले की जांच के आगे की कार्रवाई की जावेगी।

5 लाख महिलाओं का नाम महतारी वंदन योजना से काटा

दिवाली से पहले बड़ा झटका, 20वीं किस्त ट्रांसफर होते ही सामने आया सच

रायपुर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिवाली से पहले छत्तीसगढ़ की करीब 5 लाख महिलाओं को बड़ा झटका लगा है। राज्य की महतारी वंदन योजना से करीब 5 लाख महिलाओं के नाम काट दिए गए हैं। यह जानकारी अमित शाह के बस्तर दौरे के बाद सामने आई है। अमित शाह ने बस्तर दौरे में महतारी वंदन योजना की 20वीं किस्त जारी की। इस दौरान 65 लाख महिलाओं के बैंक खातों में 606.94 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए गए। जबकि पहली किस्त में 70 लाख से अधिक महिलाओं को पैसे ट्रांसफर किए गए थे।

महतारी वंदन योजना की शुरुआत मार्च 2024 में पीएम मोदी ने की थी। सरकारी बयान के अनुसार, पीएम मोदी ने पहली किस्त 10 मार्च 2024 को जारी की थी। अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया था कि करीब 70

लाख से अधिक महिलाओं के खाते में 655.57 करोड़ रुपये की राशि ट्रांसफर की गई है।

अमित शाह के बस्तर दौरे को लेकर अधिकारियों ने जानकारी देते हुए कहा था कि नरेंद्र मोदी की 'मोदी की गारंटी' के तहत शुरू की गई महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ की बहनों के जीवन में नई रोशनी लाई है। यह योजना केवल आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि महिलाओं के आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता को बढ़ाने वाला ऐतिहासिक कदम है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जगदलपुर में बस्तर दशहरा एवं मुरिया दरबार के अवसर पर माई दंतेश्वरी की धरती से राज्य की 64 लाख 94 हजार 768 हितग्राही महिलाओं को महतारी वंदन योजना की 20वीं किस्त के रूप में 606 करोड़ 94 लाख रुपये की राशि अंतरित करते हुए यह बात कही। महतारी वंदन योजना के तहत छत्तीसगढ़ सरकार हर पात्र महिला को हर महीने 1 हजार रुपये देती है। बीजेपी ने विधानसभा चुनाव के दौरान अपने घोषणा पत्र में इस योजना की घोषणा की थी। राज्य में सरकार बनने के बाद 10 मार्च 2024 को यह योजना शुरू की गई। तब से महिलाओं के खाते में हर महीने 1000 रुपये ट्रांसफर किए जा रहे हैं। महतारी वंदन योजना की 20वीं किस्त 5 लाख महिलाओ को नहीं मिलने पर सवाल उठाते हुए कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग की मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े बताए महतारी वंदन योजना की 20वीं किश्त में 5 लाख महिलायें कम कैसे हो गई? इनको 20वीं किश्त की राशि क्यों नहीं दी गई? महतारी वंदन योजना से जुड़ी 5 लाख महिलाओं को बाहर किया गया।

चेक पोस्ट पर 16.5 लाख रुपए नगद बरामद

हजारीबाग, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। हजारीबाग पुलिस ने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव-2025 के मद्देनजर आदर्श आचार संहिता के तहत बड़ी कार्रवाई की है। चौपारण थाना क्षेत्र के चोरदाहा चेक पोस्ट पर वाहन जांच के दौरान पुलिस ने एक कार से 16 लाख 50 हजार रुपए नगद बरामद किए हैं।

यह कार्रवाई 09 अक्टूबर 2025 की रात करीब 8:30 बजे हुई। पंचायत सचिव केदार साव और सहायक निरीक्षक राज कुमार सिंह के नेतृत्व में संयुक्त वाहन जांच अभियान चल रहा था। इसी दौरान एक संदिग्ध अर्टिगा वाहन को रोका गया। तलाशी में वाहन सवार दक्षिण दिल्ली निवासी आकृति कनौजिया के सूटकेस से यह राशि मिली।

पुलिस के मुताबिक, आकृति कनौजिया बरामद नगदी के संबंध में कोई संतोषजनक दस्तावेज या स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं कर सकीं। इसके बाद, मौके पर मौजूद दंडाधिकारी सह पंचायत सचिव केदार साव ने विधिवत जब्ती सूची तैयार कर पूरी राशि जब्त कर ली। इस अभियान में अंचल अधिकारी चौपारण संजय कुमार यादव, थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी, सहायक निरीक्षक राज कुमार सिंह, सहायक निरीक्षक बादल कुमार महतो सहित सशस्त्र और लाठी बल की टीम शामिल थी। हजारीबाग एसपी अंजनी अंजन ने बताया कि चुनावी प्रक्रिया में धन, शराब या अन्य प्रलोभनकारी सामग्रियों के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध है। एसपी ने स्पष्ट किया कि किसी भी अवैध गतिविधि या संदेहास्पद लेन-देन की जानकारी मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। जब्त की गई नगदी की विस्तृत जांच की जा रही है और संबंधित विभागों को इसकी सूचना दे दी गई है।

पुलिस प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे चुनाव को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में सहयोग करें।

धारदार हथियार से पति-पत्नी की हत्या

पत्नी की लाश आंगन में, पति का शव कमरे में लहूलुहान मिला, पड़ोसी हिरासत में

खैरागढ़, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। खैरागढ़ जिले के अतरिया गांव में शुक्रवार सुबह पति-पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी गई। मृतकों की पहचान बाबूलाल शोरी (55) और उनकी पत्नी सुनती बाई शोरी (51) के रूप में हुई है। पत्नी की लाश घर के आंगन में और पति का शव कमरे के भीतर खून से लथपथ हालत में मिला। यह वारदात गंडई थाना क्षेत्र की है।

शुरुआती जानकारी के अनुसार, हत्या शुक्रवार तड़के सुबह करीब 4 से 5 बजे के बीच की बताई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की। मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी गई है।

थाना प्रभारी राजेश देवदास ने बताया कि दोनों की हत्या धारदार हथियार से की गई है। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पड़ोसी भगवती गोंड (35) को हिरासत में ले लिया है। आरोपी, मृतक दंपती के घर के सामने ही रहता था। शुरुआती जांच में हत्या के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है।

पुलिस आपसी रंजिश और अन्य संभावित एंगल को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। थाना प्रभारी राजेश देवदास ने बताया कि आरोपी से पूछताछ जारी है और हत्या में इस्तेमाल हथियार की तलाश की जा रही है।

गांव में मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। डबल मर्डर की इस घटना से गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों ने हत्या के इस मामले में पुलिस से सख्त और जल्द कार्रवाई की मांग की है।

चोरी का खुलासा, दो गिरफ्तार

सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक के घर से गहने चुराने वाले पकड़े गए, खिड़की उखाड़ घर में घुसा था

गिरिडीह, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। गिरिडीह पुलिस ने न्यू बरगंडा प्रोफेसर कॉलोनी में सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक शिवनारायण पांडेय के घर हुई चोरी की घटना का खुलासा कर दिया है। इस मामले में चोरी करने वाले और एक ज्वेलरी कारोबारी सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के बरवाडीह पहाड़ीडीह निवासी हाशिम अंसारी उर्फ लुटेरा और नगर थाना क्षेत्र के कुटिया मंदिर रोड निवासी ज्वेलरी कारोबारी रूपेश ठाकुर के रूप में हुई है। डीएसपी वन नीरज कुमार सिंह ने बताया कि 1 अक्टूबर को शिवनारायण पांडेय के घर में रसोईघर की खिड़की उखाड़कर चोरी की गई थी। घटना के समय शिवनारायण अपने परिवार के साथ पूजा में शामिल होने के लिए बेंगाबाद थाना क्षेत्र के भंवरडीह गए हुए थे। डीएसपी नीरज सिंह के अनुसार, हाशिम अंसारी ने चोरी का सोना-चांदी रूपेश ठाकुर को 1 लाख रुपए में बेचा था, जिसमें से उसे 39 हजार रुपए अग्रिम के तौर पर मिले थे।

गैंगस्टर सुजीत सिन्हा पलामू जेल से साहिबगंज शिफ्ट होगा

दो माह पहले चाईबासा जेल से लाया गया था पलामू, कई जिलों में है मामला दर्ज

पलामू, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। गैंगस्टर सुजीत सिन्हा को पलामू की मेदिनीनगर सेंट्रल जेल से साहिबगंज जेल में स्थानांतरित किया जाएगा। जेल आईजी ने इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं।

सुजीत सिन्हा मेदिनीनगर के रेड़मा का निवासी है और उसके गिरोह के दर्जनों सक्रिय सदस्य क्षेत्र में मौजूद हैं।

इसी के मद्देनजर, पलामू के डीआईजी और सेंट्रल जेल के अधीक्षक ने मुख्यालय को विधि व्यवस्था संबंधी रिपोर्ट भेजी थी, जिसमें सुजीत सिन्हा को पलामू जेल से हटाने की मांग की गई थी।

जेल आईजी के आदेश में कहा गया है कि बंदी सुजीत सिन्हा को प्रशासनिक दृष्टिकोण से केंद्रीय कारा मेदिनीनगर, पलामू से साहिबगंज मंडल कारा में स्थानांतरित करने की अनुमति दी जाती है।

जेल आईजी ने पलामू के डीसी, एसपी और जेल अधीक्षक को स्थानांतरण के दौरान पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

कुख्यात अपराधी सुजीत सिन्हा को इसी साल 10 अगस्त को चाईबासा जेल से पलामू की जेल में लाया गया था। उस पर राज्य के कई जिलों में आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने का आरोप है।

सुजीत सिन्हा के मामलों की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) भी कर रही है। उस पर रांची, हजारीबाग, लातेहार, चतरा, रामगढ़ और पलामू सहित कई जिलों में मामले दर्ज हैं।

दीपावली-छठ पर मौसम रहेगा साफ, हल्की सिहरन भी

रांची, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड में मौसम परिवर्तन के संकेत मिलने शुरू हो गए हैं। रांची में अगले दो दिन 11 अक्टूबर तक आसमान में बादल छाए रहेंगे और हल्की वर्षा हो सकती है। इसके बाद 12 अक्टूबर से मौसम साफ रहेगा।

राज्य के कुछ जिलों में आज हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। इसके बाद मौसम पूरी तरह साफ रहेगा।

मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि 4 दिन बाद 12 अक्टूबर से मानसून की वापसी शुरू हो जाएगी। 15 से 16 अक्टूबर तक मानसून वापस हो जाएगा। फिलहाल कोई नया सिस्टम बनता नहीं दिख रहा है। ऐसे में दीपावली और छठ पूजा के मौके पर मौसम साफ रहने की संभावना है। हालांकि, दीपावली के बाद हल्की ठंडक का भी अहसास होगा। नवंबर के पहले सप्ताह से ठंडक बढ़ेगी। मौसम विभाग के अनुसार, अगले पांच दिनों तक अधिकतम तापमान में किसी तरह का बदलाव नहीं होगा। रांची में अधिकतम तापमान 30 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है। वहीं, न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। अक्टूबर की शुरुआत से अब तक झारखंड में सामान्य से 75 प्रतिशत अधिक वर्षा दर्ज की गई है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, राज्य में इस माह अब तक 66.7 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है, जबकि सामान्य औसत 38 मिमी रहती है। यानी इस महीने अब तक लगभग दोगुनी बारिश हो चुकी है।

राज्य में मानसून कमजोर रहा। पिछले 24 घंटे में राज्य में कहीं-कहीं पर गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हुई। सर्वाधिक बारिश 21.8 एमएम पंचेत (धनबाद) में दर्ज की गई।

डोनाल्ड ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार नहीं देने के फैसले पर नार्वे की कमेटी ने दिया जवाब

मारिया को लेकर दुनिया से की बड़ी अपील

वॉशिंगटन, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। नोबेल शांति पुरस्कार की घोषणा का इस साल काफी बेसब्री से इंतजार किया जा रहा था। इसकी वजह ये थी कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खुद को दावेदार घोषित कर चुके थे। दुनिया के सबसे ताकतवर लोगों नें शुमार होने की वजह से अमेरिकी राष्ट्रपति के नाम को लेकर नोबेल समिति दबाव में रहेगी। शुक्रवार को नोबेल समिति ने ऐलान किया कि इस साल ये पुरस्कार वेनेजुएला की मारिया कोरिना मचाडो को दिया जा रहा है। नोबेल समिति ने कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति का नाम इसमें था लेकिन उनकी टीम ने बिना किसी दबाव के फैसला लिया है।

द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप के दबाव अभियान के बारे में पूछे जाने पर नोबेल अध्यक्ष जोर्गेन वाटने फ्राइडनेस ने कहा कि समिति में अपना फैसला लेने का साहस और ईमानदारी है। ट्रंप की पैरवी के सवाल पर भी फ्राइडनेस ने कड़ा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि समिति को हर साल हजारों पत्र मिलते हैं। समिति बिना किसी दबाव के लेती है।

जॉर्गेन ने कहा कि मारिया सक्रिय हैं और वेनेजुएला में ही रहेंगी। इसलिए उन्होंने इस बात पर विचार किया है कि यह पुरस्कार उनके उद्देश्य का समर्थन करेगा, उसे सीमित नहीं करेगा। दिसंबर में ओस्लो में होने वाले पुरस्कार वितरण समारोह में मारिया के आने पर उन्होंने कहा कि वे उम्मीद करते हैं। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि सुरक्षा संबंधी गंभीर स्थिति है।

नोबेल कमेटी ने शुक्रवार को कहा कि साल 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार वेनेजुएला की राजनेता मरिया कोरीना मचादो को दिया गया है। नोबेल शांति पुरस्कार मरिया कोरीना मचादो को वेनेजुएला के लोगों के लिए लोकतांत्रिक अधिकारों को बढ़ावा देने और न्यायपूर्ण और शांतिपूर्ण तरीक़े से तानाशाही के सामने लोकतंत्र के लिए संघर्ष करने के लिए दिया गया है।

नोबेल कमिटी ने अपने बयान में कहा है कि 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार ऐसी महिला को जा रहा है, जिन्होंने अंधेरे के बीच लोकतंत्र की लौ को जलाया है। नोबेल शांति पुरस्कार हासिल कर रहीं मरिया हालिया समय में लैटिन अमेरिका में साहस के सबसे असाधारण उदाहरणों में से एक हैं। वह एक महत्वपूर्ण शख़्सियत रही हैं।

योगी बोले- रवि किशन विदेशी घड़ी पहनते हैं

बात स्वदेशी की करते हैं, गोरखपुर में मंत्री ने कहा- इनकी दुकान नाच रही

गोरखपुर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। गोरखपुर में सीएम योगी ने स्वदेशी मेले में रविकिशन की विदेशी घड़ी को लेकर तंज कसा। उन्होंने कहा कि स्वदेशी बोलने से कुछ नहीं होगा। इसे अपनाना भी होगा। इसी बीच शुक्रवार को मेले का शुभारंभ करने के बाद सीएम ने रविकिशन को बुलाकर अपने बगल की कुर्सी पर बैठाया।

रविकिशन के करीबी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया- सांसदजी ने ऑडेमार्स पिगुएट की घड़ी पहनी थी। यह स्विट्जरलैंड की कंपनी है। इसकी कीमत करीब 50 लाख रुपए है। इस ब्रांड की शुरुआत ही 24 लाख से होती है।

केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने भी रवि किशन की चुटकी ली। कहा- आजकल इनका समय अच्छा चल रहा। इनकी दुकान नाच रही है। योगी जी इन्होंने चाय-पानी की व्यवस्था बहुत अच्छी की है। लेकिन, हम जैसे जन प्रतिनिधि को बुलाकर चाय नहीं पिलाई।

सांसद रवि किशन ने कहा- पिछली सरकारों ने हमें और भिखारी बना दिया। यही सोचते थे कि गरीब है, मरेगा। अब हिम्मत है किसी की। लंगड़ा ऑपरेशन चल रहा। अपराधी एक-एक पैर पर नाच कर चल रहे हैं। ज्यादा करेंगे तो दोनों पर नाचेंगे।

दरअसल, ग्रेटर नोएडा में उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो के तीसरे संस्करण का सफल आयोजन किया गया था। सीएम ने सभी जिलों में त्योहारों से पहले स्वदेशी मेला आयोजित करने के निर्देश दिए थे। गोरखपुर के डीएम दीपक मीणा ने बताया- मेले की टाइमिंग सुबह साढ़े दस बजे से रात 8 बजे तक रहेगी। इसका आयोजन 'वोकल फार लोकल' की भावना को सशक्त करने, स्थानीय उत्पादों उद्यमियों को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है।

गाजा पीस प्लान के समर्थन पर पाकिस्तान में हिंसा भड़की

2 लोगों की मौत, अमेरिकी दूतावास तक मार्च करने की कोशिश कर रहे थे

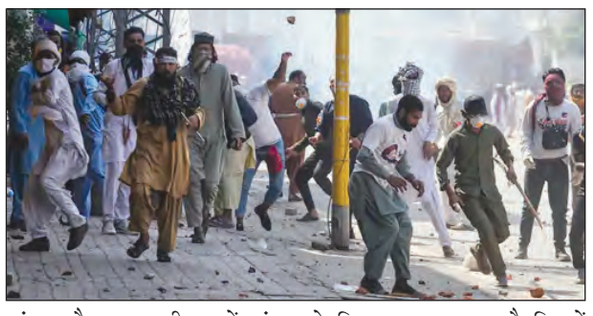

इस्लामाबाद, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। गाजा में ट्रम्प के पीस प्लान का समर्थन करने को लेकर पाकिस्तान में तनाव बढ़ गया है। कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) ने इसे लेकर शुक्रवार को प्रदर्शन किया।

इन्होंने अमेरिकी दूतावास की तरफ मार्च करने की कोशिश की, जिसे लेकर उनकी पुलिस से झड़प हो गई। इसमें झड़प में 2 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई है और कई लोग घायल हैं।

टीएलपी आज इस्लामाबाद में मार्च निकाल रही है। इसे रोकने के लिए सरकार ने राजधानी की ओर जाने वाली प्रमुख सड़कें ब्लॉक कर दी हैं और इस्लामाबाद व रावलपिंडी में मोबाइल इंटरनेट सेवा बंद कर दी है। इस प्रदर्शन की शुरुआत तब हुई जब गुरुवार देर रात पंजाब पुलिस ने टीएलपी मुख्यालय पर छापा मारकर इसके नेता साद रिजवी को गिरफ्तार करने की कोशिश की। इस दौरान हुई झड़पों में कई लोग घायल हुए, जिनमें करीब एक दर्जन पुलिसकर्मी शामिल हैं।

पुलिस ने बताया कि शहर के अंदर और बाहर की सड़कें बंद कर दी गई हैं। दंगा रोकने के लिए पुलिस को प्रमुख रास्तों पर तैनात किया गया और सरकारी दफ्तरों व विदेशी दूतावासों वाले रेड जोन को पूरी तरह सील कर दिया गया।

पाकिस्तानी अखबार 'डॉन' के मुताबिक, गृह मंत्रालय ने एक आदेश में कहा कि रात 12 बजे से अगले आदेश तक इन दोनों शहरों में 3जी/4जी सेवाएं बंद रहेंगी।

रावलपिंडी जिला प्रशासन ने भी 11 अक्टूबर तक धारा 144 लागू कर दी, जिसके तहत कोई भी प्रदर्शन, रैली, जुलूस, धरना या लाउडस्पीकर का इस्तेमाल नहीं हो सकता। पुलिस अधिकारी हसन वकार चीमा ने कहा कि संवेदनशील जगहों पर हिंसा का खतरा है। पूरे पंजाब में 10 दिनों के लिए धारा 144 लागू है, जिसमें चार या ज्यादा लोगों के जमा होने और हथियार दिखाने पर रोक है। हालांकि, नमाज, शादी, अंतिम संस्कार, दफ्तर और अदालतों को छूट दी गई है। टीएलपी की स्थापना 2017 में खादिम हुसैन रिजवी ने की थी। वे पंजाब के धार्मिक विभाग में काम करते थे, लेकिन 2011 में सलमान तासीर की हत्या करने वाले मुमताज कादरी का समर्थन करने पर नौकरी से निकाले गए। 2016 में कादरी को सजा होने पर टीएलपी ने ईश निंदा के मुद्दे पर देशव्यापी प्रदर्शन शुरू किए। खादिम ने फ्रांस के खिलाफ भी भड़काऊ बयान दिए। उनकी मृत्यु के बाद 2023 में बेटे साद रिजवी ने संगठन संभाला।

भारत अफगानिस्तान के रास्ते पाकिस्तान में करा रहा हमले

तालिबानी विदेश मंत्री की दिल्ली यात्रा से बौखलाई पाकिस्तानी सेना, उगला जहर

इस्लामाबाद, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान की सेना की ओर से एक बार फिर भारत पर इल्जामों की झड़ी लगाई गई है। पाक सेना के प्रवक्ता अहमद शरीफ चौधरी ने कहा है कि पाकिस्तान के अंदर हो रहे आतंकी हमलों में भारत का हाथ है। चौधरी ने दावा किया कि पाकिस्तान में हमले कराने के लिए भारत की एजेंसियां अफगानिस्तान को आधार बना रही हैं। चौधरी का ये बयान ऐसे समय आया है, जब अफगान तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी दिल्ली में हैं। मुत्तकी की इस यात्रा को ना सिर्फ भारत और अफगानिस्तान बल्कि पूरे क्षेत्र की राजनीति के लिहाज से अहम माना जा रहा है।

जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने शुक्रवार को पेशावर में कहा, '2014 में आर्मी पब्लिक स्कूल त्रासदी की घटना के बाद तत्कालीन सरकार और सेना ने खैबर पख्तूनख्वा से आतंकवाद के खतरे को जड़ से उखाड़ना शुरू कर दिया था।

हालांकि हाल के वर्षों में आतंकवाद में वृद्धि देखी गई है। इसके पीछे कुछ पड़ोसी देशों की ताकत है।' चौधरी ने इस दौरान कहा कि 2025 में 516 लोगों की जान आतंकी हमलों में गई है। इसमें 132 नागरिक और 311 पाकिस्तानी सेना के जवान शामिल हैं। अफगान शरणार्थियों की स्वदेश वापसी पर बोलते हुए चौधरी ने कहा कि दशकों के बाद सरकार ने उन्हें वापस भेजने का फैसला किया है तो इस मुद्दे पर राजनीति हो रही है और कहानियां गढ़ी जा रही हैं।

गाजा में लागू युद्धविराम समझौता लागू

लड़ाई रुकते ही नेतन्याहू ने दिखाए तेवर

तेल अवीव, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजरायली सेना ने शुक्रवार को कहा कि गाजा पट्टी के लिए इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम समझौता स्थानीय समयानुसार दोपहर से लागू हो गया है।

इसके बाद इजरायली सैनिक गाजा से सहमति वाली लाइन पर लौट रहे हैं। यह घोषणा इजरायल के मंत्रिमंडल के गाजा पट्टी में युद्धविराम, बंधकों और फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई की अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की योजना को मंजूरी देने के कुछ घंटों बाद आई है।

इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा, 'सोमवार रात से शुरू होने वाला आगामी सिमहत तोरा उत्सव,बंधकों की वापसी के साथ राष्ट्रीय आनंद का दिन होगा।

इजरायल के नागरिकों ने दो साल पहले एक राष्ट्रीय शोक देखा था। इस साल यह सिमहत तोरा राष्ट्रीय आनंद का दिन होगा।' हालांकि इस दौरान नेतन्याहू ने हमास को चेतावनी भी दी।

शुक्रवार तड़के इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय से जारी बयान में कहा गया कि मंत्रिमंडल ने बंधकों की रिहाई के लिए एक समझौते की 'रूपरेखा' को मंजूरी दी है। एक इजराइली सुरक्षा अधिकारी ने कहा कि सेना वापस आ रही है लेकिन अपनी नई स्थिति में गाजा के तकरीबन 50 प्रतिशत हिस्से पर वह नियंत्रण रखेगी।

तड़के तक जारी रही गोलाबारी

इजरायली मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद गाजा निवासियों ने शुक्रवार सुबह तक गोलाबारी तेज होने की सूचना दी।

मध्य गाजा के नुसरात शरणार्थी शिविर में गाजा शहर से विस्थापित होकर शरण लिए लोगों में से एक महमूद शार्कावी ने बताया कि तड़के गोलाबारी तेज हो गई। शार्कावी ने कहा कि आज सीजफायर से पहले गोलाबारी में काफी वृद्धि हुई है।

हमास के वरिष्ठ अधिकारी खलील अल-हय्या ने कहा कि इजरायल 2,000 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा, मिस्र के साथ सीमा पार खोलेगा और मदद की अनुमति देगा।

हय्या ने कहा कि इजरायली जेलों में बंद सभी महिलाओं और बच्चों को रिहा किया जाएगा।

अल-हय्या ने कहा कि ट्रंप प्रशासन और मध्यस्थों ने आश्वासन दिया है कि युद्ध समाप्त हो गया है।

फिलीपींस में 7.6 तीव्रता का भूकंप

सुनामी का खतरा टला, लोग जान बचाने के लिए सड़कों पर लेटे

मनीला, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। फिलीपींस के दक्षिणी मिंडानाओ द्वीप के पास समुद्र में शुक्रवार सुबह 7.6 तीव्रता का भूकंप आया है।

इसके चलते सुनामी की चेतावनी जारी की गई थी। फिलहाल सुनामी का खतरा टल गया है। पेसिफिक सुनामी वॉर्निंग सेंटर ने जानकारी दी कि स्थिति अब सामान्य है।

फिलीपींस की भूकंप विज्ञान एजेंसी ने कई और झटकों की चेतावनी दी। आधे घंटे तक 5.9 तीव्रता और 5.6 तीव्रता के कई झटके महसूस किए गए। एजेंसी ने विनाशकारी सुनामी आने की आशंका जताई थी।

मध्य और दक्षिणी फिलीपींस के तटीय शहरों में रहने वाले लोगों को तत्काल ऊंची जगहों पर जाने को कहा गया। फिलहाल किसी तरह के बड़े नुकसान की जानकारी नहीं है। इससे पहले 30 सितंबर को फिलीपींस के सेबू प्रांत में 6.9 तीव्रता का भूकंप आया था। इसमें 69 लोगों की मौत हो थी, जबकि करीब 150 घायल हुए थे।

भारतीयों को एच-1बी वीजा पर नया झटका देने की तैयारी

डोनाल्ड ट्रंप ने बनाई बड़े बदलाव की योजना

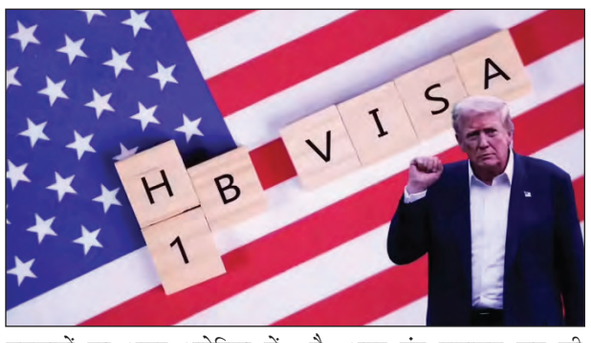

वॉशिंगटन, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। एच-1बी वीजा पर 100000 डॉलर का भारी भरकम शुल्क लगाने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस वीजा कार्यक्रम पर एक और झटका देने की तैयारी कर रहे हैं। ट्रंप प्रशासन अब इसके लिए पात्रता पर अतिरिक्त आव्रजन प्रतिबंध लगाने की योजना बना रहा है। अमेरिका के गृह मंत्रालय (डीएचएस) ने एच-1बी वीजा श्रेणी को संशोधित करने के लिए अपने एजेंडे में एक नियम परिवर्तन का प्रस्ताव रखा है। संघीय रजिस्टर में औपचारिक रूप से सूचीबद्ध प्रस्तावों में कई तकनीकी पहलू शामिल हैं। इसमें सीमा छूट के लिए पात्रता में संशोधन, कार्यक्रम की आवश्यकताओं का उल्लंघन करने वाले नियोक्ताओं की अधिक जांच जैसे नियम शामिल हैं। इन बदलावों का असर अमेरिका में काम करने की इच्छा रखने वाले हजारों भारतीय पेशेवरों और छात्रों पर पड़ने की उम्मीद है। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि क्या अमेरिकी गृह मंत्रालय उन नियोक्ताओं और पदों को सीमित करने की योजना बना रहा है, जिन्हें वार्षिक सीमा से छूट दी गई है। अगर ट्रंप प्रशासन छूट की सीमा में बदलाव करता है तो यह कदम गैर-लाभकारी रिसर्च संगठनों, विश्वविद्यालयों और स्वास्थ्य सेवा संस्थानों पर असर डाल सकता है, जो वर्तमान में छूट का लाभ उठा रहे हैं।

प्रस्ताव के अनुसार, इन बदलावों का उद्देश्य एच-1बी गैर-आप्रवासी कार्यक्रम में सुधार लाना और अमेरिकी कर्मचारियों के वेतन और कार्य स्थितियों की बेहतर सुरक्षा करना है। नए नियमों को इसी साल दिसम्बर में जारी किया जा सकता है। इसके पहले रिपोर्टों में कहा गया था कि ट्रंप प्रशासन पारंपरिक एच-1बी लॉटरी की जगह वेतन-आधारित चयन प्रणाली लाने की योजना बना रहा है। ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों ने लॉटरी सिस्टम को गलत बताया गया है। एच-1बी एक अस्थायी वीजा श्रेणी है, जो भारतीयों समेत हाई-स्किल विदेशी नागरिकों को अमेरिका में काम करने का अवसर देती है। यह आमतौर पर ग्रीन कार्ड हासिल करने से पहले अमेरिका में लंबे समय तक काम करने का एकमात्र तरीका है।

पवन सिंह की पत्नी ज्योति ने पीके से मांगी मदद

बोलीं- मेरे साथ अन्याय हो रहा है, प्रशांत किशोर ने कहा- पवन भी मेरे दोस्त

पटना, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। पवन सिंह से चल रहे विवाद के बीच उनकी पत्नी ज्योति सिंह ने शुक्रवार को प्रशांत किशोर से मुलाकात की। जनसुराज के ऑफिस में बंद कमरे में दोनों के बीच करीब 20 मिनट बातचीत हुई।

मुलाकात के बाद ज्योति सिंह ने कहा, 'यहां पर मैं चुनाव लड़ने के लिए या टिकट के लिए नहीं आई हूं। मेरे साथ जो अन्याय हुआ है वह किसी और महिला के साथ ना हो। मैं उन तमाम महिलाओं की आवाज बनना चाहती हूं जिनके साथ यह अन्याय हो रहा है। बस इसलिए मैं प्रशांत किशोर से मिलने आई हूं। यहां पर चुनाव को लेकर या टिकट को लेकर कोई बात नहीं हुई है।'

ज्योति सिंह से मिलने के बाद प्रशांत किशोर ने कहा- 'ज्योति सिंह यहां बिहार की महिला के तौर पर आई हैं। इनकी बातों को हम लोगों ने सुना है। सबसे पहले तो इन्होंने चुनाव लड़ने की कोई बात नहीं की है। उन्होंने बस अपनी यह बात रखी है कि इनके साथ बहुत बड़ा अन्याय हो रहा है, उसमें यह चाहती हैं कि इनके साथ जो हुआ है कम से कम बिहार की दूसरी महिलाओं के साथ ऐसा ना हो। यह चाहती हैं कि उन्हें जनसुराज से मदद मिले। किसी भी पारिवारिक मामले में जनसुराज की कोई भूमिका नहीं है लेकिन सुरक्षा के मामले में जनसुराज पूरी तरह से आपके साथ खड़ा रहेगा। पवन सिंह भी हमारे मित्र हैं, यह उनका पारिवारिक मामला है और इसमें हम कुछ नहीं कह सकते हैं। मेरी ये सामाजिक जिम्मेदारी है कि मैं इनसे मुलाकात करूं और इनकी बात सुनूं। बिहार की कोई भी महिला, शहरी या अन्य व्यक्ति यदि उसे लगता है कि हमारे सामने अपनी बात रखने से उसे मदद मिल सकती है तो हम सुनने के लिए तैयार हैं।' मुलाकात से पहले प्रशांत किशोर ने कहा, '2 साल पहले उन्होंने (ज्योति सिंह) अपने कुछ साथियों के साथ हमसे मुलाकात की थी। उस समय हमारी उनसे परिचय के तौर पर बात हुई थी और उस समय भी हमने उनसे यही कहा था कि ये आपका पारिवारिक मामला है और इस मामले में कुछ बोलना मेरा उचित नहीं होगा।

हम किसी के पारिवारिक या व्यक्तिगत मामले में नहीं पड़ते और टिकट की बात है तो किसी एक व्यक्ति के लिए नियम बदले नहीं जाएंगे। आरा से पहले ही हमारा उम्मीदवार घोषित है।

सर तन से जुदा: लाहौर से रावलपिंडी तक पाकिस्तान को फूंकने वाला कट्टरपंथी टीएलपी मौलाना साद रिजवी

इस्लामाबाद, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कई इलाके पिछले दो दिनों से इजरायल के नाम पर सुलग रहा है। पाकिस्तान की राजधानी को सुरक्षित रखने के लिए हर एक रास्ते को ब्लॉक कर दिया गया है। जबकि देश के कई इलाकों में भीषण हिंसा हो रही है। उस वक्त ये हिंसा और भड़क उठी जब पुलिस ने तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) के मुख्यालय पर छापा मारकर उसके कट्टर इस्लामिक नेता साद रिजवी को गिरफ्तार करने की कोशिश की। साद रिजवी की गिरफ्तारी की खबर फैलते ही पाकिस्तान में दर्जनों जगहों पर हिंसक प्रजर्शन शुरू हो गये। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पुलिस और टीएलपी समर्थकों के बीच झड़पों में दर्जनभर से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हो चुके हैं। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थर और लोहे की छड़ें फेंकीं, जिसके जवाब में पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे और लाठीचार्ज किया, कई जगहों पर गोलीबारी भी की गई है। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में प्रदर्शनकारी टीयर गैस शेल और गोलियों के खोखे दिखाते नजर आए हैं। इस हिंसा की शुरूआत उस वक्त हुई जब टीएलपी ने 8 अक्टूबर को इजरायल के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन का ऐलान कर दिया और उसके समर्थक सड़कों पर हिंसा करने लगे। हैरान करने वाली बात ये है कि, इजरायल और हमास के बीच युद्धविराम हुआ है, हमास ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के युद्धविराम प्रस्ताव को स्वीकार किया है, लेकिन तहरीक-ए-लब्बैक इस युद्धविराम को खारिज करते हुए पाकिस्तान में प्रदर्शन कर रहा है। भारी हिंसा के बाद शहबाज सरकार ने लाहौर और इस्लामाबाद में सुरक्षा बढ़ा दी है, जबकि प्रशासन ने फैजाबाद इंटरचेंज पर कंटेनर लगाकर रास्ते बंद कर दिए हैं ताकि प्रदर्शन रोका जा सके।

15 हजार रिश्वत लेने के आरोप में राजस्व कर्मचारी निलंबित

गया, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। गया में भ्रष्टाचार के खिलाफ जिला प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है। शुक्रवार की सुबह जिला पदाधिकारी शशांक शुभंकर को वॉट्सऐप पर एक वायरल ऑडियो मिला। ऑडियो में फतेहपुर अंचल कार्यालय के राजस्व कर्मचारी रवि कुमार पर रिश्वत मांगने का आरोप लगा। रवि कुमार पर आरोप है कि उन्होंने राजस्व से जुड़े काम के निष्पादन के लिए अपने दलाल अजय कुमार के जरिए पीड़ित आवेदक पिंटू यादव से 15 हजार की रिश्वत फोन-पे के जरिए ली। ऑडियो सुनने के बाद प्रारंभिक जांच में मामला प्रथम दृष्टया सही पाया गया।

काबुल में पाकिस्तान की एयर स्ट्राइक

टीटीपी चीफ को मारने का दावा, तालिबान बोला- पाकिस्तान हमसे उलझना बंद करे, वरना अमेरिका से हालत पूछ ले

काबुल, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने गुरुवार रात अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के कई ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक, एयरफोर्स ने टीटीपी चीफ मुफ्ती नूर वली मेहसूद को मारने का दावा किया है।

पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक महसूद पूर्वी काबुल में बने एक ठिकाने में मौजूद था। उसकी कार और गेस्टहाउस को निशाना बनाया गया। तालिबान सरकार के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि विस्फोट में किसी के घायल होने की कोई रिपोर्ट नहीं है।

वहीं, तालिबान विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी ने कहा- पाकिस्तान हमसे उलझना बंद कर दे। अफगानिस्तान को परेशान करने की गलती न करे। ब्रिटेन और अमेरिका से पूछ लो, जो हमसे युद्ध लड़ चुके हैं। तो वे बताएंगे कि यह खेल अच्छा नहीं है। हमें दोस्ती चाहिए, झगड़ा नहीं। पाकिस्तान ने काबुल पर ऐसे वक्त में एयरस्ट्राइक की है जब, तालिबान सरकार के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी 7 दिन के भारत दौरे पर आए हुए हैं। वे यहां पर 7 दिन रहेंगे।

नूर वली महसूद का जन्म 26 जून 1978 को पाकिस्तान के दक्षिणी वजीरिस्तान के गुड़गांव इलाके में हुआ था। वह पाकिस्तान के मोस्ट वांटेड आतंकवादियों में से एक है। मुल्ला फजलुल्लाह की मौत के बाद उसने संगठन की कमान संभाली। वह टीटीपी का चौथा अध्यक्ष है। डिफेंस एक्सपर्ट्स के मुताबिक महसूद 2003 में एक जिहादी गुट में शामिल हुआ था। यह गुट पाकिस्तान के कबायली इलाकों में तालिबान शासन के समय उभरा था। फिर बाद में 2007 में बैतुल्लाह महसूद की अगुवाई में टीटीपी का हिस्सा बन गया। साल 2013 तक नूर वली महसूद कराची में टीटीपी की गतिविधियों की देखरेख करने लगा था। वह पूरे पाकिस्तान में आतंकवादी हमलों के लिए पैसे जुटाने के मकसद से जबरन वसूली और अपहरण के नेटवर्क का नेतृत्व करता था।

अनोखी जनसुनवाई : कलेक्टर के सामने सिंहासन पर बैठे 'सिया-राम'

› किस समस्या में हैं 'भगवान' ? हैरान कर देगा मामला

दौसा, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। आपने अकसर भगवान के नाम से कोर्ट में केस रजिस्टर होते हुए सुना और देखा होगा। भगवान के नाम पर लोगों को केस लड़ते और अधिकार जमाते हुए भी सुना होगा, लेकिन जिले के गादरवाड़ा गांव से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसे सुनकर आप हैरान रह जाएंगे। यहां सिंहासन में बैठकर खुद भगवान ही कलक्टरी में जन सुनवाई में पहुंच गए। ये नजारा देखकर हर कोई हैरान रह गया।

जन सुनवाई में पहुंचे भगवान

दरअसल होने वाली जन सुनवाई में लोग अपनी समस्याएं कलेक्टर के पास लेकर पहुंचते हैं, लेकिन सोचिए अगर जन सुनवाई में खुद भगवान अपनी समस्या लेकर पहुंच जाएं तो क्या होगा? ग्राम गादरवाडा ब्राह्मणान में मंदिर माफी की जमीन का रास्ता बंद करने के विरोध में पुजारी और ग्रामीण ठाकुरजी को कलेक्ट्रेट लेकर पहुंच गए। ग्रामीणों ने कलेक्टर को ज्ञापन भी सौंपा। ग्रामीणों का कहना था कि गादरवाड़ा ब्राह्मणान से बास-गुढ़लिया सड़क को जोड़ते हुए खाता संख्या 21 में जाने वाला कच्चा आम रास्ता मालियों की ढाणी के लोगों ने अवरुद्ध कर दिया है। इस खाता संख्या के पास खसरा नंबर 34 (सिवाय चक) है। जिस पर भी इन लोगों ने पूर्णतया कब्जा किया हुआ है। भगवान सीतारामजी के मंदिर की सेवा पूजा करने से पीड़ित परिवार का जीवनयापन होता है।

खसरा नं. 21 में 14 खातेदार (2) विधवा और 2 बी.पी.एल हैं। प्रधानमंत्री खाद्य सुरक्षा से कुछ राशन प्राप्त होने से राहत मिल रही है, वरना पीड़ित परिवार का गुजारा करना भारी पड़ जाता है। पुजारी लल्लूराम शर्मा ने बताया कि मालियों की ढाणी से बांदीकुई तहसील में दो पटवारी कार्यरत हैं, जिन्होंने सभी लोगों को गुमराह किया हुआ है। उक्त दोनों पटवारी अपने आप को एसडीएम, बांदीकुई बताते हैं। ऐसे में लडाई-झगडे. की आशंका बनी हुई है, जिससे जमीन पर खेती करना भी असंभव हो चुका है।

प्रशासन के सभी लोग सरपंच, तहसीलदार, एसडीएम, कलेक्टर और मुख्यमंत्री को भी लिखित में अवगत कराने बावजूद उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है। रेलवे के ठेकेदार द्वारा मिलीभगत से मालियों की ढाणी के लिए रेलवे लाइन के पास से रास्ता दिया गया है। जिससे विवाद की स्थिति उत्पन्न है। ग्राम गादरवाडा ब्राह्मणान को भी खसरा नं. 34 के नजदीक मौजूद रेलवे फाटक संख्या 164 और 165 के बीच में से रास्ता दिया जाए अन्यथा आंदोलन कर आत्मदाह किया जाएगा।

बिजली का झटका और खंभे से चिपक गया लाइनमैन हुई दर्दनाक मौत

जोधपुर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के जोधपुर के सारण नगर सी रोड से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.

वीडियो में देखा जा सकता है कि एक लाइनमैन बिजली के खंभे पर चढ़कर तारों को जोड़ने और लाइट की लाइन बढ़ाने का काम कर रहा था. उसने सेफ्टी बेल्ट और दस्ताने पहन रखे थे, लेकिन इसके बावजूद वह करंट की चपेट में आ गया. करंट लगते ही वह कुछ सेकंड तक खंभे से चिपका रहा और झटके से कांपने लगा। मौके पर मौजूद लोगों के मुताबिक, यह हादसा अचानक हुआ. लाइनमैन ऊपर काम कर ही रहा था कि अचानक तेज करंट दौड़ गया. सेफ्टी उपकरण होने के बावजूद भी वह करंट से बच नहीं सका. कुछ देर बाद एक जोरदार झटका लगा और वह खंभे से नीचे गिर गया. नीचे गिरते ही वहां मौजूद लोग दौड़कर उसकी ओर पहुंचे.

एसएमएस ट्रॉमा सेंटर के जिस आईसीयू में अग्निकांड हुआ, उसी का हेड निकला रिश्वतखोर

जयपुर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के सबसे बड़े अस्पताल यानी जयपुर के सवाई मानसिंह हॉस्पिटल के ट्रोमा सेंटर में रविवार 5 अक्टूबर को बड़ा अग्निकांड हुआ था। जिस आईसीयू में यह कांड हुआ उसका प्रभारी डॉ. मनीष अग्रवाल था।

इस अग्निकांड में 8 मरीजों की दम घुटने से मौत हो गई थी। अग्निकांड के बाद सरकार ने एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक डॉ. सुधीर भाटी और ट्रोमा सेंटर के प्रभारी डॉ. अनुराग धाकड़ को पद से हटाया दिया था लेकिन आईसीयू के हैड डॉ. मनीष अग्रवाल के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की थी। वही डॉक्टर बीती रात को एक लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए ट्रेप हो गया। इस भ्रष्ट डॉक्टर के अब कई कारनामे खुलने वाले हैं क्योंकि एसीबी की टीम डॉ. मनीष अग्रवाल के विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी कर छानबीन कर रही है।

10 फीसदी कमिशन मांग रहा था डॉ. अग्रवाल

डॉ. मनीष अग्रवाल वरिष्ठ न्यूरो सर्जन होने के साथ सवाई मानसिंह अस्पताल में प्रशासनिक कार्य भी देखता था। वह परचेज कमेटी में था। न्यूरो सर्जरी के उपकरण, दवाएं और अन्य सामान की खरीद में डॉ. अग्रवाल की अनुमति जरूरी थी। उपकरण और दवाएं का स्टोर से बिल बनने के बाद बिल डॉ. मनीष अग्रवाल के पास जाते थे। उसी के हस्ताक्षर के बाद पेमेंट होता था। ऐसे में डॉ. अग्रवाल कंपनी के प्रतिनिधियों से 10 फीसदी कमिशन मांग रहा था। ब्रेन कॉइन सप्लाई करने वाली कंपनी के प्रतिनिधि का कहना था कि तीन महीने से बिल अटका रखे थे। जब बिल पर हस्ताक्षर कराने के लिए कंपनी का प्रतिनिधि डॉ. मनीष अग्रवाल के ऑफिस में गया तो बिल को फेंक दिया गया। बोले कि उनकी हैसियत के हिसाब से पैसा देना पड़ेगा, तभी बिल पर हस्ताक्षर करेंगे।

डॉ. मनीष अग्रवाल ने कंपनी के प्रतिनिधि को शाम 7 बजे घर बुलाया। चूंकि एसीबी ने ट्रेप की तैयारी कर ली थी। ऐसे में एक जवान को मरीज बनाकर डॉ. मनीष अग्रवाल के घर भेज दिया। शाम 7 बजे जब परिवादी रिश्वत की राशि लेकर डॉ. मनीष अग्रवाल के घर पहुंचा। तब एसीबी का जवान मरीज के रूप में उसी घर में मौजूद था। जैसे ही रिश्वत की राशि ली और परिवादी ने इशारा किया तो एसीबी के जवान ने डॉ. अग्रवाल को दबोच लिया। इसके तुरंत बाद एसीबी टीम के अन्य जवान और अधिकारी मौके पर पहुंच गए।

कई पदों पर आसीन है डॉ. अग्रवाल

वरिष्ठ न्यूरो सर्जन डॉ. मनीष अग्रवाल कई पदों पर आसीन है। न्यूरो सर्जरी विभाग का हेड होने के साथ वह एसएमएस मेडिकल कॉलेज का एडिशनल प्रिंसिपल भी है। ऐसे में प्रशासनिक कार्यों में उसका पूरा दखल था।

टोंक से कांग्रेस सांसद हरीश मीणा के इकलौते बेटे की हार्ट अटैक से मौत

40 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

टोंक, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। टोंक सवाई माधोपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद और पूर्व डीजीपी रहे हरिश चंद्र मीणा के पुत्र का एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया. बताया जा रहा है कि पिछले कुछ दिनों से वह जयपुर के एक निजी अस्पताल में स्वास्थ्य संबंधी समस्या के चलते भर्ती हुए थे, जिसके बाद उनका अस्पताल में इलाज चल रहा था. इलाज के दौरान उनका निधन हो गया।

इस घटना के बाद इलाके में शोक की लहर दौड़ गई. सांसद हरीश चंद्र मीणा के पुत्र हनुमंत मीणा की उम्र करीब 40 वर्ष बताई जा रही है. हनुमंत मीणा व्यवसायी थे, वे राजनीति में सक्रिय नहीं थे. पारिवारिक सूत्रों की मानें तो उनका निधन हृदयघात के कारण हुआ है।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने घटना पर संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा, "मैं इस दुखद समय में परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करता हूं. ईश्वर इस आघात को सहन करने की शक्ति प्रदान करें." एआईसीसी महासचिव सचिन पायलट ने इस दुखद घटना की खबर सुनते ही अपने सभी कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि वह जयपुर के लिए रवाना हो चुके हैं और इस दुख की घड़ी में परिवार के प्रति उनकी गहरी संवेदनाएं हैं।

पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने भी सांसद हरीश मीणा के पुत्र के निधन पर गहरी संवेदनाएं व्यक्त की. नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इस दुखद घटना पर परिवार के प्रति संवेदनाएं प्रकट कीं. हनुमन्त मीणा के निधन की खबर से पूरे प्रदेश के राजनीतिक हलकों में शोक की लहर दौड़ गई. कांग्रेस नेताओं और स्थानीय कार्यकर्ताओं ने शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं।

ऐप पर बुकिंग ट्रैवलिंग और फिर रास्ते में लूट

अलवर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। अगर आप कभी कैब शेयरिंग ऐप के माध्यम से यात्रा करते हैं तो यह कहानी आपके लिए चेतावनी है. अलवर पुलिस ने फरीदाबाद के रहने वाले विजय चौधरी नाम के व्यक्ति को अरेस्ट किया है. पुलिस का कहना है कि इस आरोपी ने कैब शेयरिंग एप पर बुकिंग की और कैब में लोगों को बैठाकर रास्ते में लूट लिया।

23 और 27 सितंबर को अलवर के पिनान कट पर दो घटनाएं हुईं. पहली घटना में विजय ने अपने शिकार को कैब में बिठाया और मेकअप का सामान, सोने की चैन और 5,000 रुपये कैश सहित उनके पास मौजूद सारा सामान लूट लिया।

सीकर के बाद अब भिवाड़ी में सेक्सटॉर्शन गैंग का भंडाफोड़

› 26 वर्षीय अरफीना उर्फ सिमरन समेत 3 आरोपी गिरफ्तार

अलवर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में पिछले कुछ समय से सेक्सटॉर्शन गैंग के कारनामों के कई मामले सामने आए हैं। ताजा मामला भिवाड़ी में उजागर हुआ है। यहां जेरोली थाना पुलिस ने एक 26 वर्षीय युवती अरफीना उर्फ सिमरन और उसके दो साथी पुरुषों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में 19 वर्षीय राशिद और 28 वर्षीय जिशान शामिल हैं। ऐसी एक केस में पिछले महीने सीकर में महिला सरगना को गिरफ्तार किया गया था।

सावधानी जरूरी, सेक्सटॉर्शन गैंग ऐसे फंसाती है शिकार

अगर किसी अनजान महिला से कॉल आए और वह मीठी-मीठी व प्यार भरी बातें करे, तो सावधान रहें। यह महिला हनी ट्रैप गैंग से जुड़ी हो सकती है और आपको फंसाकर झूठे मुकदमे दर्ज करवा सकती है तथा लाखों रुपए ऐंठ सकती है। भिवाड़ी पुलिस अधीक्षक क्षेत्र के अंतर्गत जैरोली थाना पुलिस ने आरोपियों को पकड़कर खुलासा किया। गैंग के लोग पहले ही पीड़ित से 3 लाख रुपए ऐंठ चुके थे। गुरुवार को पुलिस ने 50 हजार रुपए ठगते हुए आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

पुलिस ने बताया कि 6 अक्टूबर को खनोल गांव थाना टपुकड़ा के रहने वाले पीड़ित उमर मोहम्मद को अरफीना नामक महिला ने फोन कर मिलने का लालच दिया। पहले पीड़ित ने मना किया, लेकिन महिला ने उसे फंसा लिया। आरोपी उसे बाघौर लेकर गए और फिरोजपुर झिरका के होटल में ठहराया। आरोपियों ने होटल मैनेजर की मदद से पीड़ित की फोटो और वीडियो बनाए। इसके बाद उन्हें डराया-धमकाया और 15 हजार रुपए, 14 हजार की गाड़ी और 9 हजार रुपए पीड़ित के फोन से ट्रांसफर करवा लिए।

पीड़ित पर लगातार कॉल्स और पैसे की मांग की गई। 50 लाख से शुरू होकर 2.5 लाख रुपए तक की राशि मांगी गई। पीड़ित ने तुरंत थाना जैरोली में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने सूचना मिलने के बाद 8 अक्टूबर को हनी ट्रैप के जरिए आरोपियों को पकड़कर गिरफ्तार किया।

सांगानेर पुलिस ने ठगी करने वाले दो शातिर बदमाशों को दबोचा

एटीएम कार्ड बदलकर करते थे ठगी

जयपुर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। सांगानेर थाना पुलिस ने एटीएम बदलकर लोगों के खातों से पैसे निकालने वाले दो अंतरराज्यीय ठगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान मनोज कुमार (41) निवासी गोवर्धन, जिला मथुरा (उत्तर प्रदेश) और कृष्ण कुमार शर्मा (40) निवासी डीग, जिला भरतपुर (राजस्थान) के रूप में हुई है। दोनों आरोपी लंबे समय से जयपुर और आसपास के इलाकों में एटीएम ठगी की वारदात को अंजाम दे रहे थे। थानाधिकारी लिखमाराम ने बताया कि पुलिस को शिकायत मिली थी कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने एटीएम बदलकर 36 हजार रुपये निकाल लिए हैं।

इस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान टीम ने संबंधित एटीएम बूथों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिनमें दोनों संदिग्धों की पहचान हो गई। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दोनों को धर दबोचा। पकड़े गए बदमाश एटीएम बूथ के पास खड़े होकर उन लोगों की तलाश करते थे, जिन्हें एटीएम चलाने में दिक्कत होती थी। वे खुद को मददगार बताकर लोगों से एटीएम कार्ड ले लेते और चुपके से उसका दूसरा कार्ड बदल देते थे। जैसे ही पीड़ित चला जाता, आरोपी उसके कार्ड से नकदी निकाल लेते थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से कई बैंकों के एटीएम कार्ड, नकदी और अन्य दस्तावेज बरामद किए हैं। पूछताछ में खुलासा हुआ है कि दोनों पहले भी अलग-अलग राज्यों में एटीएम ठगी के मामलों में लिप्त रहे हैं।

शिक्षा मंत्री स्कूल पहुंचे तो सामने आया पीटीआई का बड़ा कांड

› बिना खेले रिश्तेदार को कबड्डी टीम में शामिल किया

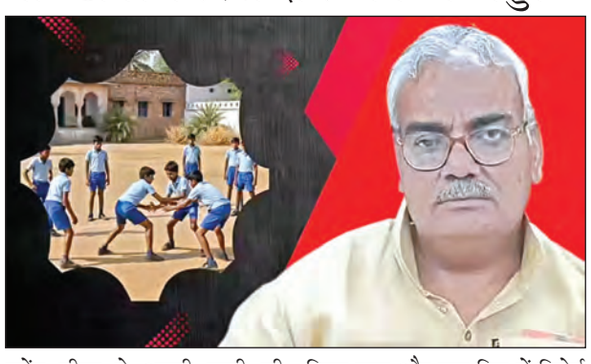

कोटा, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के गृह जिले कोटा में एक पीटीआई ने बड़ा कांड कर दिया। उसने बिना खेले अपने रिश्तेदार को कबड्डी टीम में शामिल कर लिया। जब शिक्षा मंत्री को इसकी जानकारी मिली तो एक्शन लेते हुए उन्होंने संबंधित पीटीआई शिक्षक को एपीओ कर दिया। शिक्षा एवं पंचायत राज मंत्री मदन दिलावर ने गुरुवार को सुल्तानपुर इलाके के स्कूलों और गांवों के दौरे पर थे। गंभीर लापरवाही मिलने पर बिसलाई ग्राम पंचायत के विकास अधिकारी को निलंबित करने के निर्देश दिए और जालिमपुरा स्कूल के पीटीआई को भी एपीओ करने के आदेश जारी किए।

मंत्री दिलावर जब जालिमपुरा ग्राम पंचायत पहुंचे तो उन्होंने स्कूल का निरीक्षण किया। ग्रामीणों ने शिकायत की कि स्कूल के शारीरिक शिक्षक (पीटीआई) सुरेंद्र मीणा ने अपनी पत्नी की बहन अनुराधा मीणा, निवासी रतनपुरा, को अगस्त माह में स्कूल में प्रवेश दिलाया और बिना स्कूल आए, ब्लॉक व जिला स्तरीय प्रतियोगिता खेले ही राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में चयन करवा दिया। मंत्री दिलावर ने कबड्डी खेलने गई छात्राओं से भी जानकारी ली। मामले की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने शिक्षा विभाग के संयुक्त निदेशक रूप सिंह को निर्देश दिए कि पीटीआई को तत्काल एपीओ किया जाए और चार दिन में रिपोर्ट तैयार की जाए। उन्होंने कहा कि जांच में दोषी पाए जाने पर निलंबन की कार्रवाई की जाएगी।

डेपुटेशन पर तैनात शिक्षक और एलडीसी को रिलीव करने के निर्देश

मंत्री दिलावर ने बताया कि जालिमपुरा स्कूल का एक शिक्षक एसडीएम लाडपुरा के यहां डेपुटेशन पर है, जबकि एलडीसी अलवर में डेपुटेशन पर कार्यरत है। दोनों को तत्काल रिलीव कर स्कूल में कार्यभार संभालने के निर्देश दिए गए हैं। मंत्री दिलावर का निरीक्षण दौरा दोपहर में दीगोद से शुरू हुआ और रात तक जारी रहा। इस पूरे दौरे से पंचायत प्रतिनिधियों और कर्मचारियों में हड़कंप मच गया है। निरीक्षण के दौरान मंत्री दिलावर ने पंचायतों की सफाई व्यवस्था और शिक्षा व्यवस्था की हकीकत देखी। उन्होंने दीगोद, डूंगरज्या, निमोदा, मोरपा, बिसलाई, किशोरपुरा और जालिमपुरा सहित कई पंचायतों में सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। सड़कों और गलियों में कचरे के ढेर और नालियों में गंदगी देखकर संबंधित विकास अधिकारियों, ग्राम विकास अधिकारियों और सरपंचों को फटकार लगाई और सफाई करवाने के निर्देश दिए।

अंता उपचुनाव : जैन भाया को टिकट से किस मुश्किल में फंसे पायलट?

मीणा-गुर्जर समीकरण पर मंडराया संकट

जयपुर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। अंता विधानसभा उपचुनाव ने राजस्थान की राजनीति को फिर गरमा दिया है। सचिन पायलट के करीबी माने जाने वाले युवा नेता नरेश मीणा अब कांग्रेस से नाराज होकर चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी में हैं। कांग्रेस ने प्रमोद जैन भाया को टिकट देकर नरेश को झटका दिया है। अब अगर पायलट कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थन में प्रचार करते हैं, तो उन्हें अपने ही राजनीतिक शिष्य नरेश मीणा का सीधा विरोध करना होगा। यह मुकाबला मीणा-गुर्जर समीकरण को प्रभावित कर सकता है और 2028 के विधानसभा चुनाव की दिशा तय करने वाला साबित हो सकता है।

राजस्थान की अंता विधानसभा सीट पर उपचुनाव की घोषणा के साथ ही प्रदेश की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। यह उपचुनाव अब सिर्फ एक सीट की लड़ाई नहीं, बल्कि 2028 के विधानसभा चुनाव का "सेमीफाइनल" बन गया है। कांग्रेस ने अपने प्रत्याशी के रूप में पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया का नाम घोषित कर दिया है, जबकि पार्टी से टिकट की उम्मीद लगाए बैठे युवा छात्र नेता नरेश मीणा अब बतौर निर्दलीय या किसी अन्य पार्टी से मैदान में उतरने की तैयारी में हैं।

नरेश मीणा ने हाल ही में जयपुर में झालावाड़ के पीपलोदी में स्कूल हादसे में बच्चों की मृत्यु के मामले को लेकर भूख हड़ताल की थी, जिसमें कांग्रेस नेताओं का उन्हें खुला समर्थन मिला था। अनशन खत्म करने के बाद वे पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास से भी मिले थे। राजनीतिक गलियारों में यह माना जा रहा था कि कांग्रेस उन्हें अंता से मौका देगी। लेकिन टिकट मिलने से पहले ही उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर कांग्रेस से टिकट की मांग की और यह भी कहा कि अगर वे किसी और पार्टी में चले गए तो कांग्रेस में लौटना मुश्किल हो जाएगा।

नरेश मीणा के समर्थकों में नाराजगी

वीडियो जारी होने के कुछ घंटे बाद ही कांग्रेस ने भाया को उम्मीदवार घोषित कर दिया। इससे नरेश मीणा के समर्थकों में नाराजगी फैल गई। अगले ही दिन नरेश मीणा ने एक और वीडियो जारी कर अपने समर्थकों से राय मांगी कि वे किस पार्टी से चुनाव लड़ें। उन्होंने 14 अक्तूबर को नामांकन दाखिल करने की घोषणा भी कर दी।

सचिन पायलट और नरेश मीणा अप्रत्यक्ष रूप से आमने-सामने

इस उपचुनाव में अब सचिन पायलट और नरेश मीणा अप्रत्यक्ष रूप से आमने-सामने हैं। अगर पायलट कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया के लिए प्रचार करते हैं तो उन्हें नरेश मीणा का विरोध करना होगा, जो कभी उनके नजदीकी माने जाते थे। ऐसे में मीणा-गुर्जर समीकरण, जो कांग्रेस की राजनीति में अब तक एक शक्ति माना जाता रहा है, दरकता हुआ दिख रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि यह उपचुनाव न सिर्फ अंता की सीट तय करेगा बल्कि 2028 के विधानसभा चुनाव के लिए जातीय और राजनीतिक समीकरणों की दिशा भी तय करेगा।

कांग्रेस की आंतरिक लड़ाई से फर्क नहीं पड़ता

भाजपा नेताओं का कहना है कि कांग्रेस की आंतरिक लड़ाई से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। पार्टी अपने कार्य और संगठन के बल पर चुनाव लड़ेगी। उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि भाजपा पूरी तैयारी में है, जबकि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी ने टिप्पणी की कि "गहलोत-पायलट की लड़ाई पुरानी है और कांग्रेस को हमेशा इसी ने कमजोर किया है।"

ऑनलाइन ठगी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

कॉलगर्ल के झांसे में फंसकर लोगों ने गंवाया अपना पैसा

जयपुर, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजधानी की झोटवाड़ा और चौमूं थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक बड़ी साइबर ठगी का पर्दाफाश किया है।

पुलिस ने कॉलगर्ल उपलब्ध करवाने का झांसा देकर ऑनलाइन ठगी करने वाले दो शातिर ठगों को गिरफ्तार किया है। आरोपी फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट बनाकर लोगों को फंसाकर उनसे हजारों रुपये ऐंठते थे। जयपुर पश्चिम के पुलिस उपायुक्त हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया कि झोटवाड़ा थाना क्षेत्र में दो युवक एस्कॉर्ट सर्विस के नाम पर ठगी की वारदात को अंजाम दे रहे थे। पुलिस ने शिकायत मिलने पर जांच शुरू की और साइबर टीम की मदद से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मुकेश कुमार कांटवा (30) निवासी हिरनोदा कांटवा की ढाणी, थाना फुलेरा, जयपुर ग्रामीण, हाल खिरणी फाटक झोटवाड़ा और अंकित सियाक (28) के रूप में हुई है। दोनों आरोपी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फर्जी इंस्टाग्राम और फेसबुक आईडी बनाते थे। वे गूगल से आकर्षक लड़कियों की तस्वीरें डाउनलोड कर अपनी फर्जी प्रोफाइल पर पोस्ट करते और फिर वॉट्सऐप पर ग्राहकों से संपर्क करते थे।

अदलुरी ने छात्रावासों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और जवाबदेही पर जोर दिया

मंत्री ने छात्रावासों के कामकाज की समीक्षा की

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक एवं विकलांग कल्याण मंत्री अदलुरी लक्ष्मण ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे हाशिए पर पड़े और कमजोर समुदायों के छात्रों के लिए कल्याण छात्रावासों में सभी बुनियादी सुविधाओं और सुविधाओं को उच्चतम संभव मानकों पर बनाए रखें।

मंत्री ने शुक्रवार को सचिवालय स्थित अपने कक्ष में कल्याण विभाग की विशेष मुख्य सचिव सब्यासाची घोष और कल्याण विभागों के सचिवों के साथ एक विस्तृत समीक्षा बैठक की। उन्होंने कल्याण छात्रावासों और शैक्षणिक संस्थानों के समग्र कामकाज की समीक्षा की।

मंत्री ने निर्देश दिया कि राज्य भर के प्रत्येक कल्याण छात्रावास में स्वच्छ रहने की स्थिति, पौष्टिक भोजन, स्वच्छ रसोई और सुरक्षित पेयजल सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संबंधित अधिकारियों द्वारा भोजन निरीक्षण, गुणवत्ता नियंत्रण और आवश्यक वस्तुओं की नियमित आपूर्ति की कड़ी निगरानी की जानी चाहिए। मंत्री ने सलाह दी कि जिला अधिकारियों को छात्रावासों की स्थिति का व्यक्तिगत रूप से सत्यापन करने और स्थानीय शिकायतों का तुरंत समाधान करने के लिए औचक निरीक्षण और व्यापक दौरे करने चाहिए। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि खाद्यान्न से लेकर छात्रावास के उपकरणों तक सभी खरीद निष्पक्ष, पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी तरीके से की जानी चाहिए, जिससे गुणवत्ता और लागत-प्रभावशीलता दोनों सुनिश्चित हो सके।

अदलुरी लक्ष्मण ने कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए मुख्यमंत्री की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक छात्रों के कल्याण, शिक्षा और सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। मंत्री ने अधिकारियों को छात्रावास के बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण में तेजी लाने के भी निर्देश दिए, जिसमें सीसीटीवी कैमरे, बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली और डिजिटल निगरानी तंत्र की स्थापना शामिल है ताकि छात्रावास में रहने वालों की जवाबदेही और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने अधिकारियों को जिला कलेक्टरों के साथ घनिष्ठ समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए ताकि छात्रावासों में उत्पन्न होने वाली किसी भी समस्या का तुरंत समाधान किया जा सके और बिना किसी देरी के उसका समाधान किया जा सके, जिससे निर्बाध प्रशासन और शिकायतों का तत्काल निवारण सुनिश्चित हो सके।

विस्फोटक पटाखों के अवैध भंडारण पर छापा, 18 लाख रुपये के विभिन्न ब्रांड के पटाखे जब्त

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आयुक्त कार्य बल, पूर्वी क्षेत्र टीम, हैदराबाद के अधिकारियों ने अफजलगंज पुलिस के साथ मिलकर अफजलगंज पुलिस थाने के अंतर्गत हैदराबाद के सिद्धम्बर बाजार स्थित एक गोदाम पर छापा मारा। इस दौरान आवासीय परिसर में अवैध रूप से विस्फोटक पटाखों का भंडारण कर रहे एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। साथ ही, विभिन्न ब्रांड के लगभग 18 लाख रुपये के पटाखे जब्त किए गए। पुलिस के अनुसार आरोपी का श्याम कुमार सुगंधी, बोगलकुंटा, अबिड्स, हैदराबाद का रहने वाला है। पुलिस का दावा है कि आरोपी, श्याम कुमार सुगंधी, संबंधित अधिकारियों से कोई वैध लाइसेंस लिए बिना, गोदाम परिसर में अवैध रूप से विस्फोटक पटाखों का भंडारण कर रहा था और यह जानते हुए भी कि आवासीय क्षेत्र में पटाखों का भंडारण करने से, बिना किसी एहतियाती उपाय के, किसी भी अप्रिय घटना के घटित होने पर निवासियों के जीवन और संपत्ति को गंभीर नुकसान हो सकता है। एक गुप्त सूचना के आधार पर, कमिश्नर टास्क फोर्स, पूर्वी क्षेत्र टीम, हैदराबाद ने अफजलगंज पुलिस के साथ मिलकर पटाखा गोदाम पर छापा मारा और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। यह छापेमारी पूर्वी क्षेत्र टास्कफोर्स के पुलिस निरीक्षक यू. चंद्रशेखर की देखरेख में, पूर्वी क्षेत्र टास्कफोर्स के उप-निरीक्षक एम. अनंत चारी, एस. करुणाकर रेड्डी और पी. नागराजू तथा अफजलगंज पुलिस की टीम द्वारा की गई।

ट्रेन के सामने कूदकर की आत्महत्या

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नौकरी न मिलने और आर्थिक तंगी से परेशान एक व्यक्ति ने गुरुवार रात मौला अली और चेरलापल्ली रेलवे स्टेशनों के बीच रेलवे ट्रैक पर तेज गति से आ रही ट्रेन के सामने कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, ओडिशा निवासी 30 वर्षीय सुशील कुमार साहू नौकरी की तलाश में हैदराबाद आया था, लेकिन कई प्रयासों के बावजूद उसे सफलता नहीं मिली। घटना में वह एक तेज गति से आती यात्री रेलगाड़ी के सामने कूद गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सिकंदराबाद राजकीय रेलवे पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

निडादावोलु रेलवे स्टेशन पर अमृत संवाद आयोजित

डीआरएम मोहित सोनकिया ने यात्रियों से सीधे संवाद किया

विजयवाड़ा, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के विजयवाड़ा मंडल ने आज निडादावोलु रेलवे स्टेशन पर अमृत संवाद का आयोजन किया। यह आयोजन मंडल भर में यात्रियों से निरंतर जुड़ाव और फीडबैक प्राप्त करने की पहल के तहत किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में विजयवाड़ा मंडल के शाखा अधिकारियों के साथ-साथ 100 से अधिक यात्री, डीआरयूसीसी सदस्यों और जनप्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दक्षिण मध्य रेलवे के विजयवाड़ा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक, मोहित सोनकिया ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाई और यात्रियों से सीधे संवाद किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, श्री सोनकिया ने भारत के माननीय प्रधान मंत्री द्वारा दिए गए 'पंच प्राण' दृष्टिकोण के महत्व पर प्रकाश डाला, जो नागरिकों से अमृत काल के दौरान एक विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान करता है। उन्होंने कहा कि अमृत संवाद रेलवे और उसके मूल्यवान यात्रियों के बीच संवाद को मज़बूत करने का एक मंच है। डीआरएम ने यात्रियों को अपनी रचनात्मक प्रतिक्रिया और बहुमूल्य सुझाव साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया और इस बात पर ज़ोर दिया कि अच्छे कार्यों की सराहना और सुधार के विचार रेलवे को अपनी सेवाओं को और बेहतर बनाने में मदद करते हैं। संवाद के दौरान, यात्रियों ने अपने अनुभव साझा किए और सुविधाओं, स्वच्छता, समय की पाबंदी और समग्र यात्रा आराम पर सुझाव दिए। निडादावोलु में ट्रेनों के अतिरिक्त ठहराव की मांग की गई। मंडल के अधिकारियों ने उपयुक्त कार्रवाई और सुधार के लिए प्रतिक्रिया पर ध्यान दिया। यह कार्यक्रम प्रगति और समावेशिता के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप, नागरिक-केंद्रित सेवा वितरण और यात्री अनुभव में निरंतर सुधार के प्रति विजयवाड़ा मंडल की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

अंतरराज्यीय ड्रग तस्कर गिरफ्तार

1 करोड़ रुपये मूल्य की अफीम और चूरापोस्त जब्त

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। विशेष अभियान दल (एसओटी), मलकाजगिरी और कीसरा पुलिस ने एक संयुक्त अभियान में कथित अंतरराज्यीय ड्रग तस्कर लोकेश बारेठ (26) को गिरफ्तार किया और कुंदनपल्ली ओआरआर रोटरी के पास 1 करोड़ रुपये मूल्य का प्रतिबंधित सामान जब्त किया। लोकेश राजस्थान का निवासी है और होटल मैनेजमेंट में स्नातक है। नौकरी छूटने के बाद वह ड्रग तस्करी में लग गया और अपने फरार साथी जगदीश गुज्जर के निर्देशानुसार राजस्थान से हैदराबाद तक अफीम और पोस्त की तस्करी करता था।

पुलिस ने बताया कि लोकेश ने अगस्त में हैदराबाद में 2 किलो अफीम की डिलीवरी की थी। गुरुवार को उसे कुंदनपल्ली ओआरआर रोटरी के पास ड्रग्स पहुंचाते हुए पकड़ा गया। तस्करी का सामान जब्त करने पर 7 किलो अफीम और 2 किलो चूरा पोस्त बरामद हुए, जिसकी कुल कीमत लगभग 1 करोड़ रुपये है। कीसरा पुलिस मामले की जांच कर रही है और मुख्य सप्लायर जगदीश गुज्जर का पता लगाने और उसे गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं।

सड़क दुर्घटना में 7 लोग घायल

जगतियाल, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कोरुतला के बाहरी इलाके मारुतिनगर के पास हुई सड़क दुर्घटना में सात लोग घायल हो गए। यह घटना उस समय घटी जब घायलों से भरी एक कार गुरुवार देर रात सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गई। कोरुटला कस्बे के निवासी, पीड़ित मारुतिनगर में एक ढाबे पर चाय पीने के लिए जा रहे थे और उस समय दुर्घटना हो गई जब चालक ने स्टीयरिंग पर से नियंत्रण खो दिया और कार सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गई। सात लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं और तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों को जगतियाल और करीमनगर के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

33 किलोग्राम गांजा जब्त, दो आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद जीआरपी, ईगल टीम (टीजीएएनबी) और आरपीएफ के संयुक्त अभियान में गुरुवार रात बेगमपेट रेलवे स्टेशन पर दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया और 16.5 लाख रुपये मूल्य का 33.05 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया। ओडिशा निवासी राजेश बिशोयी (26) और सुजाता सिंह (29) को दो ट्रॉली सूटकेसों में पाए गए 16 बंडलों के साथ पकड़ा गया। वे छत्रपुर से मुंबई जाने वाली कोणार्क एक्सप्रेस से उतरने के बाद दूसरी ट्रेन में चढ़ने का इंतजार कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि दोनों ओडिशा के प्रमुख आपूर्तिकर्ता किशोर लीमा के निर्देश पर यह प्रतिबंधित सामान ले जा रहे थे। उन्हें प्रत्येक किलो गांजा के लिए 1,000 रुपये देने का वादा किया गया था। मामले की जांच चल रही है और किशोर लीमा को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

बैंगलोर और हैदराबाद की सफलता के बाद, अब चेन्नई में शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स का स्वर्णिम प्रदर्शन

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बैंगलोर एवं हैदराबाद की ऐतिहासिक सफलता के बाद, शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वेलर्स (एसएलजे) अब अपनी भव्य ज्वेलरी प्रदर्शिनी लेकर आ रहे हैं चेन्नई में।

यह प्रदर्शनी 11 एवं 12 अक्टूबर को वायएमसीए ग्राउंड, रोयापेत्ता में आयोजित की जा रही है। जहां भी एसएलजे ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। एसएलजे ने कहा वहां ग्राहकों का अपार प्रेम, सराहना और उत्साह ने हमें प्रेरित किया है और अब वही अनुभव चेन्नई के ग्राहकों तक पहुंचाने का सौभाग्य मिला है।

इस प्रदर्शनी में प्रस्तुत की जाएगी आभूषणों की अनोखी दुनिया, जहां हर डिजाइन में झलकती है कलात्मकता, हर वैरायटी में है नयापन और हर पीस में झलकती है उत्कृष्ट क्वालिटी। पिछले 50 वर्षों से, एसएलजे अपनी विश्वसनीयता, गुणवत्ता और परंपरा के लिए जानी जाती है। चाहे पारंपरिक गोल्ड ज्वेलरी हो, आधुनिक डायमंड कलेक्शन या सिल्वर की सुंदर कलाकृतियां, हर आभूषण एसएलजे की मेहनत, शिल्प और विश्वास की कहानी कहता है।

हैदराबाद के सभी ग्राहकों और मित्रों से विनम्र अनुरोध है कि आप अपने चेन्नई में रहने वाले रिश्तेदारों और मित्रों को इस भव्य प्रदर्शनी में आमंत्रित करें, ताकि वे भी एसएलजे की इस शानदार प्रस्तुति का अनुभव कर सकें। जहां डिजाइन में है सुंदरता, क्वालिटी में है विश्वसनीयता, और हर रचना में बसता है 50 वर्षों का विश्वास।

मोबाइल चोरी के आरोप में युवक की हत्या

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। घाटकेसर के उपनगर में एक ईंट और सीमेंट निर्माण इकाई में 35 वर्षीय वेंकन्ना की उसके सहकर्मी विवेक ने पीट-पीटकर हत्या कर दी। पोचारम आईटी कॉरिडोर पुलिस के अनुसार, दोनों यूनिट में सहकर्मी थे। हाल ही में जब विवेक का मोबाइल फोन गायब हुआ, तो उसने वेंकन्ना पर चोरी का शक किया। गुरुवार को जोडीमेटला में विवेक ने वेंकन्ना से फोन की मांग की और मारपीट की। वेंकन्ना ने 200 रुपये में फोन गिरवी रखने की बात कबूल की।

सिलेंडर विस्फोट से युवक की मौत

संगारेड्डी, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आरसी पुरम मंडल की एलआईजी कॉलोनी में गुरुवार रात एलपीजी सिलेंडर बदलने का प्रयास एक युवक के लिए जानलेवा साबित हुआ। 22 वर्षीय स्वरूप रात करीब 10:30 बजे सिलेंडर बदल रहा था, तभी उसमें रिसाव होने लगा, जिससे विस्फोट हो गया और आवासीय भवन हिल गया। विस्फोट की तीव्रता से स्वरूप पहली मंजिल से नीचे गिर गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। उस समय मौजूद उनकी माँ और बहन को मामूली चोटें आईं। भेल के अग्निशमन कर्मियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पा लिया।

नागारम-मनीकोन्डा स्थित करवा चौथ के पावन अवसर पर अखंड सौभाग्य के वरदान एवं पति-पत्नी मे समानता प्रतीक पर्व पर पूजा-अर्चना कर चाँद का दीदार करती हुई पूनम ग्रूप महिला मंडल अध्यक्षा सुशीला देवड़ा, किरन कंवर सोलंकी व मंडल की महिलाएँ।

दक्षिण मध्य रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना सं. डीआरएम/वर्क्स/बीजेडए/29/2025 दि.9-10-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु तत्संबंधित विवरित तिथि के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा संख्याःई-19-दक्षिण-बीजेडए-2025, कार्य विवरणः एडीइएन /एनएलआर के तहत एसएसइ/पीवे/जीडीआर, एनएलआर एण्ड बीटीटीआऱ क्षेत्राधिकार के अंतर्गत प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित यार्ड का सुधार एवं विभिन्न यार्ड्स में उन्नयन या अपग्रेडेशन कार्य। पूरा करने की अवधिः 18(अठारह महिने), निविदा मूल्य रू.7,14,83,184.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू.5,07,400.00, बंद करने की तिथिः 30-10-2025

निविदा संख्याःई-20-दक्षिण-बीजेडए-2025, कार्य विवरणः एडीइएन /ओजीएल के तहत एसएसइ/पीवे/केवीजेड, एसकेएम एण्ड ओजीएल क्षेत्राधिकार के अंतर्गत प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित यार्ड का सुधार एवं विभिन्न यार्ड्स में उन्नयन या अपग्रेडेशन कार्य। पूरा करने की अवधिः 12(बारह महिने), निविदा मूल्य रू.6,18,18,826.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू.4,59,100.00, बंद करने की तिथिः 30-10-2025

निविदा संख्याःई-38-उत्तर-बीजेडए-2025, कार्य विवरणः गोदावरी पुष्करम्स-202%, कोव्वूर स्टेशन पर व्यवस्थाः जलापूर्ति/भंडारण या स्टोरेज सिस्टम में वृध्दि तथा प्लेटफार्म सरफेस (पीएफ नं.1,2 एण्ड 3) का सुधार कार्य तथा गोदावरी स्टेशन पर व्यवस्थाः परिसंचरण क्षेत्र या सर्कूलेटिंग एरिया, प्लेटफार्म सरफेज (पीएफ नं.1 एण्ड 2) का सुधार कार्य एवं पुष्करम के शुभावसर पर आफिसर्स, सुपरवाइजर्स व स्टाफ आरेंजमेंट्स का सुधार कार्य। पूरा करने की अवधिः 12(बारह महिने), निविदा मूल्य रू.14,92,94,514.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू.8,96,500.00, बंद करने की तिथिः31-10-2025

निविदा संख्याःई-39-उत्तर-बीजेडए-2025, कार्य विवरणः बीजेडए-वीएसकेपी सेक्शन-एडीइएन/तुनी सब-डिवीजन के तहत एसएसइ/वर्क्स/तुनी सेक्शन में बीटी रोड्स के लिए एलसी गेट्स की मरम्मत तथा पानी या वाटरिंग व्यवस्थाएं, शौचालय सुविधाएं एवं 11 एलसी का मानकीकरण या स्टैंडर्डाइजेशन करना। पूरा करने की अवधिः 09(नौ महिने), निविदा मूल्य रू.1,01,01,757.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू.2,00,,500.00, बंद करने की तिथिः31-10-2025

निविदा संख्याःई-29-मध्य-बीजेडए-2025, कार्य विवरणः डीइएन/सेंट्रल/बीजेडए क्षेत्राधिकार के तहत एसडब्ल्यू-I-विजयवाडा डिवीजन-जीडीआर-बीजेडए-वीएसकेपी सेक्शनः (i) टीएसआर(एस) कार्य-बल्लास्ट की डीप स्क्रीनींग एवं बल्लास्ट कूशन की रिकुपमेंट एवं 300एमएम तक वृध्दि सहित न्यू वाइडर पीएससी स्लीपर्स 1660 नग/किमी के साथ 1540 नग/किमी घनत्व या डेन्सिटी के पीएससी5 स्लीपर्स पर इएक्सजी.52 केजी/90युटीएस रेल्स के 6.840 किमी का टीएसआर (एस) कार्य। (ii) एसएसइ/पी.वे/इन्डो सेक्शन में डीएन लूप 385.088-से--386.105=1.017 किमी पर पीएससी 60केजी स्लीपर्स 1660/किमी घनत्व पर 60केजी(सी1-I)/आर-260 रेल्स सहित पीएससी 52केजी स्लीपर्स 1540/किमी पर इएक्सजी.52केजी/90युटीएस रेल्स का टीआरआर(एस) कार्य। एसडबल्यू-II-विजयवाडा डिवीजन-जीडीआर-बीजेडए-वीएसकेपी सेक्शन--टीटीआर रेल्स कार्य-टर्नआउट रेल्स द्वारा इएक्सजी.52/60केजी स्वीचेस, लीड रेल्स का नवीनीकरण तथा नई 60केजी थिक वेब स्वीचेस, लीड रेल्स सहित रन्निंग लाइन्स में क्रासिंग्स एवं डब्ल्यूसीएमएससी क्रासिंग्स के लिए विभिन्न जगहों पर तत्संबंधित कुल सेट्स टीटीआर कार्य (एफएस+टीडब्ल्यूएस+ डब्ल्यूसीएमएससी) =60 सेट्स, टीटीआऱ कार्य(एफएस+टीडब्ल्यूएस) =06सेट्स, टीटीआर कार्य(सीएस+सीएमएससी)16 सेट्स, टीटीआर कार्य(डीएस) =30 सेट्स एवं टीटीआर कार्य(डब्ल्यूसीएमएससी) =57 सेट्स। एसडब्ल्यू-III-विजयवाडा डिवीजन-जीडीआर-बीजेडए-वीएसकेपी सेक्शनः (i) टीएफआर(ए-एफ) कार्य- कुल लंबाई 47.768 किमी के लिए पीएससी स्लीपर ट्रैक पर फिट्टींग्स का नवीनीकरण करना। (ii) विजयवाडा-विशाखापट्नम (अप एण्ड डाउन) टीबीआर कार्यः कुल लंबाई 29.296 किमी के लिए बीसीएम द्वारा डीप स्क्रीनींग सहित ट्रैक की बल्लास्टींग करना। (iii) टीडब्ल्यूएसइजे कार्यः कुल 131 सेट्स के लिए थिक वेब एसइजे का नवीनीकरण तथा (iV) जीजे)- कुल 129 नग (60केजी) के लिए ग्लूड जायंट्स का नवीनीकरण। पूरा करने की अवधिः 12(बारह महिने), निविदा मूल्य रू.8,15,93,588.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू.5,58,000.00, बंद करने की तिथिः31-10-2025

वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजों में निविदा शर्ते/अन्य विवऱणों जैसे संपूर्ण कार्य विवरण, उपरोक्त कार्य का तत्समान स्वभाव का कार्य, योग्यता मानदण्ड आदि उपलब्ध है।

भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, किसी भी निविदा के परिवर्तनों/शुध्दिपत्रों को नोट करने के लिए निविदा बंद करने की तिथि से पहले, **वेबसाइट** www.ireps.gov.in पर जाएं।

निविदा सूचना को, विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य) का कार्यालय, दमरे, विजयवाडा एवं एडीइएन सब-डिवीजनल आफिसेज पर स्थित नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित किया गया है, जिसे देखा जा सकता है।

रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को रध्द करने का अधिकार सुरक्षित है।

हमारा वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।

विभागीय रेल प्रबंधक (कार्य), विजयवाडा

खुली निविदा सूचना संख्या-बी-ई29-टीआरडी-टीएनडीआर-27-2025-26 दि.8-10-2025

अधोहस्ताक्षरी द्वारा आईआरइपीएस में निम्न कार्यो हेतु निविदाएं आमंत्रित हैं।

कार्य विवरणः गोदावरी स्टेशन पर पीएफ 1 तथा पीएफ 2 पर प्लेटफार्म शेल्टर्स के सुधार कार्यों के संबंध में ओएचइ का जोड एवं परिवर्तन कार्य तथा कोव्वूर स्टेशन पर प्लेटफार्म सरफेस (पीएफ नं.1,2,3) के सुधार कार्यों से संबंधित ओएचइ का परिवर्तन कार्य एवम् गोदावरी पुष्करम -2027 के शुभावसर पर गोदावरी व कोव्वूर स्टेशनों पर 6एम वाइड सहित एफओबी के प्रावधान से संबंधित ओएचइ का परिवर्तन कार्य। अनुमानित मूल्य रू. 1,09,16,841.28, बोली सुरक्षा रु.2,04,600.00, पूरा करने की अवधिः 12 महिने, बंद करने की तिथिः 30-10-2025 के 15.00 बजे

निविदा दस्तावेज मूल्य रू. शून्य

सूचनाः यदि निविदा खोलने की तिथि को अवकाश घोषित होता है तो निविदा उसके अगले कार्य दिवस में खोला जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, टीआरडी/विजयवाडा

ई-निविदा सूचना सं. एन-एसजी-36-2025-26-एसटीआरजीटीएच-22, दि.7-10-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, एसआर.डीएसटीइ/एनइडी द्वारा निम्न कार्य हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं. व तिथिः एन-एसजी-36-2025-26-एसटीआरजीटीएच-22, दि.%-10-2025, कार्य विवरणः /नांदेड डिवीजन के रिलाएबुल सिग्नलिंग के लिए एर्थिंग एवम् सर्ज प्रोटेक्शन सिस्टम्स का मजबूतीकरण। अनुमानित परियोजना मूल्य रु.3,04,61,984.00, बोली सुरक्षा रु.3,02,300.00, पूरा करने की अवधिः 12 महिने

बोली बंद करने की तिथि (बोली की नियत तिथि)-30-10-2025 के 15.00 बजे
बोली खोलने की तिथिः 30-10-2025 के 15.00 बजे के बाद
आफर वैधः बोली बंद करने की तिथि से लेकर 60 दिन
निविदा पुस्तिका मूल्य रू. शून्य

सभी बिड्डींग, इण्डियन रेलवे ई-टेन्डरिंग पोर्टलः www.ireps.gov.in पर होगी। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं। अधिक जानकारी हेतु वेबसाइटःस www.ireps.gov.in देखें।

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल एवं दूर संचार अभियंता, नांदेड

A1593

निविदा शर्ते/अधिक जानकारी एवम् निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया हमारा वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

दक्षिण मध्य रेलवे

संख्याः वाय/सी.ई-नीलामी/एचवायबी/2025-26,दि.7-10-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-द.म.रे. द्वारा आईआरईपीएस वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in के ई-नीलामी लीजिंग माड्यूल के माध्यम से ई-बिड्स या ई-बोलियां आमंत्रित हैं। प्रकाशित कैटलाग्स का विवरण निम्न प्रकार हैः

क्रम संख्या	श्रेणी	कैटलाग नं.	कार्य विवरण	नीलामी की तिथि	नीलामी शुरु समय	नीलामी बंद समय
1	पार्किंग	एचवायबीए मआयएक्स इडी-045	06 रेलवे स्टेशनों जैसे डबीरपुरा, कर्नूल सिटी, मिर्झापल्ली, बोलारम, अक्कनापेट व मलकपेट (मेन साइड) पर पार्किंग लाट्स प्रदान करना।	22.10.25	11:00	12:40
2	एनएफआर पार्किंग	एचवायबी-एमआयएक्स इडी-045	02 स्थानों जैसे सिकंदराबाद (पूर्व) एवं मेट्टुगुडा रेलवे स्टेशनों के अतिरिक्त स्थानों पर एनएफआर पार्किंग लाट्स प्रदान करना।	22.10.25	11:00	12:40
3	एडीवीटी-इएफएफ-एस1-एमएमटीएस-24-1(ट्रेन के बाहरी ओर, फुल फेस पर विज्ञापन या एडवर्टाइजिंग व्यवस्था)	एचवायबी-एनएफआर-50	एमएमटीएस रेलों के बाहरी ओर(एक्सटीरियर) विज्ञापन अधिकार ।	22.10.25	15.00	15.30
4	एडीवीटी-इएफएफ-202068-2--25-1(ट्रेन के अंदरुनी ओर, फुल फेस पर विज्ञापन या एडवर्टाइजिंग व्यवस्था)	एचवायबी-एनएफआर-50	रेल सं.12789/12790 काचीगुडा तथा 22715/22716 काचीगुडा-मदुराई-काचीगुडा एक्सप्रेस के बाहरी ओर ।	22.10.25	15.10	15.40
5	एडीवीटी-एचवायबी-एमडीएके-ओएच-119-25-1 (आउट आफ होम पर एडवर्टाइजिंग या विज्ञापन व्यवस्था)	एचवायबी-एनएफआर-50	मेदक, गजवेल व सिध्दीपेट रेलवे स्टेशनों पर आउट आफ होम श्रेणी के तहत विज्ञापन अधिकार ।	22.10.25	15.20	15.50
6	एडीवीटी-एचवायबी-एमडीएके-ओएसएन-118-25-1(स्टेशन परिसरों में नान डिजीटल एडवर्टाइजिंग या विज्ञापन व्यवस्था)	एचवायबी-एनएफआर-50	मेदक, गजवेल व सिध्दीपेट रेलवे स्टेशनों पर आउट आरडीएन श्रेणी के तहत विज्ञापन अधिकार ।	22.10.25	15.30	16.00
7	एडीवीटी-एचवायबी-टीएमएक्स-ओएसएन-123-25-1(स्टेशन परिसर में नान डिजीटल एडवर्टाइजिंग या विज्ञापन व्यवस्था)	एचवायबी-एनएफआर-50	थिम्मापुर, शादनगर व जडचेर्ला रेलवे स्टेशनों पर आरडीएन श्रेणी के तहत विज्ञापन अधिकार।	22.10.25	15.40	16.10
8	एडीवीटी-एचवायबी-एमजेएफ-ओएसएन-114-25-1(स्टेशन परिसर में नान डिजीटल एडवर्टाइजिंग या विज्ञापन व्यवस्था)	एचवायबी-एनएफआर-50	मलकाजगिरी, सफीलगुडा, लालागुडा, दयानंद नगर व रामकिस्टापुरम रेलवे स्टेशनों पर आरडीएन श्रेणी के तहत विज्ञापन अधिकार ।	22.10.25	15.50	16.20
9	पीएनयु-एचवायबी-एफएम-टीओआय-23-25-1(पे & यूज टायलेट्स या शौचालय)	एचवायबी-एनएफआर-50	फलकनुमा रेलवे स्टेशन पर पे एण्ड यूज टायलेट्स या शौचालयों का संचालन व रखरखाव ।	22.10.25	16.00	16.30
10	पीएनयु-एचवायबी-केसीजी-डब्ल्यूआरएल-22-25-1(पे & यूज लाउंजेस/वेटिंग/रिटायरिंग/क्लोक रूम्स)	एचवायबी-केसीजी-क्लोक-1	काचीगुडा रेलवे स्टेशन पर क्लोक रूम का प्रावधान व संचालन ।	22.10.25	16.10	16.40
11	एटीएम-एचवायबी-एसटीपीडी-जीइएन-50-25-1(एटीएम जनरल)	एचवायबी-एमआयएक्स इडी-046	--हैदराबाद डिवीजन के तारनाका के पास ईरीसेट पर एटोमेटेड टेल्लर मशीन (एटीएम) व्यवस्था, प्रदान करना।	22.10.25	16.20	16.50
12	एटीएम-एचवायबी-केआरएनटी-जीइएन-47-25-1(एटीएम जनरल)	एचवायबी-एनएफआर-50	हैदराबाद डिवीजन के कर्नूल सिटी रेलवे स्टेशन पर एटोमेटेड टेल्लर मशीन (एटीएम) व्यवस्था, प्रदान करना।	22.10.25	16.30	17.00
13	एटीएम-एचवायबी-जीडब्ल्यूडी-जीइएन-48-25-1(एटीएम जनरल)	एचवायबी-एनएफआर-50	हैदराबाद डिवीजन के गदवाल रेलवे स्टेशन पर एटोमेटेड टेल्लर मशीन (एटीएम) व्यवस्था, प्रदान करना।	22.10.25	16.40	17.10
14	एटीएम-एचवायबी-जेसीएल-जीइएन-46-25-1(एटीएम जनरल)	एचवायबी-एनएफआर-50	हैदराबाद डिवीजन के जडचर्ला रेलवे स्टेशन पर एटोमेटेड टेल्लर मशीन (एटीएम) व्यवस्था, प्रदान करना।	22.10.25	16.50	17.20
15	एटीएम-एचवायबी-एसएचएनआर-जीइएन-45-25-1(एटीएम जनरल)	एचवायबी-एनएफआर-50	हैदराबाद डिवीजन के शादनगर रेलवे स्टेशन पर एटोमेटेड टेल्लर मशीन (एटीएम) व्यवस्था, प्रदान करना।	22.10.25	17.00	17.30
16	एटीएम-एचवायबी-एसटीपीडी-जीइएन-3-25-1(एटीएम जनरल)	एचवायबी-एनएफआर-50	हैदराबाद डिवीजन के सीताफलमण्डी रेलवे स्टेशन पर एटोमेटेड टेल्लर मशीन (एटीएम) व्यवस्था, प्रदान करना।	22.10.25	17.10	17.40
17	एटीएम-एचवायबी-वीडीआय-जीइएन-49-25-1(एटीएम जनरल)	एचवायबी-एनएफआर-50	हैदराबाद डिवीजन के वेलदुर्थी रेलवे स्टेशन पर एटोमेटेड टेल्लर मशीन (एटीएम) व्यवस्था, प्रदान करना।	22.10.25	17.20	17.50
18	एमएसएस-एचवायबी-डीवायइ-बीएस-95-25-1(छिटपुट स्थैतिक सेवाएं-बैटरी स्वैपिंग स्टेशन्स)	एचवायबी-एनएफआर-50	दयानंद नगर पर बैटरी स्वैपिंग का ठेका ।	22.10.25	17.30	18.00
19	एमएसएस-एचवायबी-एनजेडबी-एचएलटीएचके-8-4-21(छिटपुट स्थैतिक सेवाएं-हेल्थ कियोस्क)	एचवायबी-एनएफआर-50	निजामाबाद रेलवे स्टेशन पर हेल्थ कियोस्क का संचालन व रखरखाव ।	23.10.25	10.00	10.30
20	एमएसएस-एचवायबी-एमजेएफ-जीजेड-91-25-1(छिटपुट स्थैतिक सेवाएं-गेमिंग झोन)	एचवायबी-एनएफआर-50	रेल कलारंग, मेट्टुगुडा पर स्नैक्स बार सहित टेन्निस एकादमी की स्थापना करना ।	23.10.25	10.10	10.40
21	एमएसएस-एचवायबी-वीएआर-टीएचडीपीके-92-25-1(छिटपुट स्थैतिक सेवाएं, ट्रैवल हेल्प डेस्क/ट्रैवलर्स इनफर्मेशन & प्रमोशनल कियोस्क)	एचवायबी-एमआयएक्स इडी-046	--विद्यानगर रेलवे स्टेशन पर कार्यालयीन परिसरों/सपोर्ट डेस्क/ट्रैवल डेस्क की स्थापना करना।	23.10.25	10.20	10.50
22	एमएसएस-एचवायबी-एलजीडीएच-एसटीजीइएन-84-25-1जीजेड-71-24-1(छिटपुट स्थैतिक सेवाएं-जनरल)	एचवायबी-एमएसएस-एलजीडीएच-01	सेंट्रल रेलवे हास्पीटल लालागुडा पर फूड स्टाल ओपी (न्यू ब्लाक) का संचालन ।	23.10.25	10.30	11.00

A1598 हस्ता./-- वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद

टेस्ट का पहला दिन यशस्वी जायसवाल के नाम

> दोहरे शतक के करीब पहुंचे, स्टम्प तक भारत का स्कोर 318/2

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और वेस्टइंडीज के बीच दूसरा टेस्ट शुक्रवार (10 अक्टूबर) से दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में शुरू हुआ. इस मुकाबले में पहले दिन का खेल समाप्त हो चुका है. पहले दिन स्टम्प तक भारत का स्कोर पहली पारी में दो विकेट के नुकसान पर 318 रन है. यशस्वी जायसवाल 173 और शुभमन गिल 20 रन बनाकर नाबाद हैं. यशस्वी ने अपनी इनिंग्स में अब तक 253 गेंदों का सामना किया है और 22 चौके लगाए हैं।

मुकाबले में टॉस भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने जीता और पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था. भारत ने अहमदाबाद में पहले टेस्ट में भारत ने वेस्टइंडीज को पारी और 140 रनों से रौंदा था. इस तरह भारतीय टीम सीरीज में 1-0 से आगे है। इस मुकाबले के लिए भारतीय टीम अनचेंज है. वहीं वेस्टइंडीज की टीम में 2 बदलाव हुए हैं. ब्रैंडन किंग और जोहान लेन बाहर हैं. वहीं एंडरसन फिलिप और टेविम इमलाच टीम में आए हैं।

भारत की पहली पारी की हाइलाइट्स

भारतीय टीम की ओर से ओपनिंग करने यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल आए. दोनों ने संभल-संभलकर खेलना शुरू किया. आखिरकार केएल राहुल 38 रन बनाकर चलते बने. 58 के स्कोर पर पहला विकेट गिरा. फिर जायसवाल और साई सुदर्शन के बीच दूसरे विकेट के लिए 193 रनों की पार्टनरशिप हुई. यशस्वी ने अपना शतक 145 गेंदों में पूरा किया. यह टेस्ट क्रिकेट में उनका 7वां शतक है।

दूसरी ओर साई सुदर्शन अपनी दूसरी टेस्ट फिफ्टी जड़ने में सफल रहे. सुदर्शन ने 165 गेंदों का सामना करते हुए 87 रन बनाए, जिसमें 12 चौके शामिल रहे. सुदर्शन के आउट होने के बाद कप्तान शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल ने भारत को पहले दिन कोई और नुकसान नहीं होने दिया। यशस्वी जायसवाल ने जुलाई 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ ही अपना टेस्ट डेब्यू किया था। दो साल में ही वह इस लिस्ट का हिस्सा बन गए हैं। जबकि सचिन तेंदुलकर ने 16 साल की उम्र में डेब्यू किया था और 24 की उम्र से पहले उनके नाम 11 टेस्ट शतक दर्ज हो गए थे। जबकि सर डॉन ब्रैडमैन ने 12 और सर गैरफील्ड सोबर्स ने 9 टेस्ट शतक 24 से कम उम्र में लगा दिए थे।

वहीं अगर भारत के लिए 24 से पहले की उम्र में सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने की बात करें तो यशस्वी इस लिस्ट में रवि शास्त्री (5), दिलीप वेंगसरकर (5) और मोहम्मद अजहरुद्दीन (4) से आगे हैं।

चार दिग्गजों के रिकॉर्ड को किया बराबर

वहीं यशस्वी ने अपने इस शतक के साथ चार खिलाड़ियों की बराबरी की है। इससे पहले 24 से कम उम्र में पाकिस्तान के जावेद मियांदाद, साउथ अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ, इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज एलिस्टेयर कुक और न्यूजीलैंड के स्टार खिलाड़ी केन विलियम्सन ने भी 7-7 टेस्ट शतक लगाए थे। जबकि वह इस लिस्ट में कई बड़े खिलाड़ी जैसे एबी डिविलियर्स, वेस्टइंडीज के क्रेग ब्रेथवेट समेत कई दिग्गज नामों से आगे हैं।

1987 के बाद से दिल्ली में मैच नहीं हारी है भारतीय टीम

दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम (फिरोजशाह कोटला स्टेडियम पुराना नाम) में भारतीय टीम 1987 से कभी हारी नहीं है. अंतिम बार भारत ने दिल्ली में टेस्ट मैच 1987 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 5 विकेट से हारा था. उसके बाद से भारत ने इस मैदान पर 11 टेस्ट जीते और 2 ड्रॉ रहे हैं. भारत ने आजादी के बाद वेस्टइंडीज के खिलाफ कोई टेस्ट मैच 1948 में दिल्ली में खेला था। भारतीय टीम वेस्टइंडीज से साल 2002 से कोई टेस्ट मैच नहीं हारी है।

रूस के वर्ल्ड चैंपियन कास्परोव ने भारत के विश्व विजेता आनंद पर शुरुआती 2.5-1.5 की बढ़त बनाई

तीसरी बाजी में हराया

चंडीगढ़, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। शतरंज के इतिहास के संभवतः सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी कास्परोव ने 62 साल की उम्र में दिखाया कि 21 साल पहले वर्ष 2004 में संन्यास लेने के बावजूद उनमें अब भी काफी शतरंज बचा है। आनंद को भी मौके मिले लेकिन वह उनका फायदा उठाने में नाकाम रहे।

शतरंज की दुनिया एक बार फिर इतिहास दोहराने जा रही है। शतरंज की दुनिया के दो दिग्गज भारत के विश्वनाथन आनंद और रूस के गैरी कास्परोव के बीच प्रतिद्वंद्विता फिर से जीवंत हुई, जब से ये दोनों 30 साल बाद एक बार फिर आमने-सामने हुए। पेरिस इंटरनेशनल ओलम्पिक से शतरंज एशिया महाद्वीप के महासचिव ब्रह्मचारी कुलदीप शतरंज ने बताया कि भारत के दिग्गज शतरंज खिलाड़ी विश्वनाथन आनंद को क्लच शतरंज टूर्नामेंट की तीसरी बाजी में गैरी कास्परोव से हार का सामना करना पड़ा। इस तरह महान खिलाड़ियों के बीच खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट में कास्परोव ने 2.5-1.5 की बढ़त बना ली।

शतरंज के इतिहास के संभवतः सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी कास्परोव ने 62 साल की उम्र में दिखाया कि 21 साल पहले संन्यास लेने के बावजूद उनमें अब भी काफी शतरंज बचा है। शतरंज 960 प्रारूप के तहत रोजाना दो रैपिड और दो ब्लिट्ज मुकाबले होने हैं। दिन की शुरुआती दो बाजी ड्रॉ रहीं जिसके बाद कास्परोव ने तीसरी बाजी में आनंद को हराया। आनंद के पास बाजी को ड्रॉ कराने का मौका था लेकिन वह चूक गए। पहली बाजी में भी आनंद का पलड़ा भारी था, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने सहज गलतियां करके दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी कास्परोव को वापसी करके बाजी ड्रॉ कराने का मौका दे दिया। दोनों खिलाड़ियों के बीच दूसरी और चौथी बाजी भी ड्रॉ रही।

बेशर्मी के निचले स्तर पर गिरे पीसीबी अध्यक्ष नकवी

ट्रॉफी को लेकर सुनाया नया फरमान

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। एशिया कप 2025 की खिताब विजेता भारतीय टीम को अब तक उसकी ट्रॉफी नहीं मिली है और वह एसीसी कार्यालय में रखी हुई है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने ट्रॉफी को लेकर नया फरमान जारी कर दिया है। उन्होंने निर्देश दिया है कि उनकी मंजूरी के बिना इसे स्थानांतरित या भारत को नहीं सौंपा जाना चाहिए। भारतीय टीम ने नकवी के हाथों से ट्रॉफी लेने से किया था इनकार भारतीय टीम ने एशिया कप जीतने के बाद नकवी के हाथों ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। इसके बाद नकवी इसे अपने साथ ले गए थे और तभी से यह ट्रॉफी एसीसी कार्यालय में है। भारत ने 28 सितंबर को दुबई में एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराया था। नकवी पीसीबी के अध्यक्ष और अपने देश के गृह मंत्री भी हैं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है।

एसीसी कार्यालय में मौजूद ट्रॉफी को लेकर नकवी का नया फरमान नकवी के एक करीबी सूत्र ने पीटीआई को बताया, 'आज की स्थिति में ट्रॉफी दुबई में एसीसी कार्यालय में है और नकवी ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि उनकी मंजूरी और व्यक्तिगत उपस्थिति के बिना इसे किसी को नहीं सौंपा जाना चाहिए। नकवी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि केवल वही व्यक्तिगत रूप से ट्रॉफी (जब भी ऐसा होगा) भारतीय टीम या बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) को सौंपेंगे।'

बीसीसीआई ने की नकवी की निंदा

एशिया कप भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के साए में खेला गया। भारतीय खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान पाकिस्तान के खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाए। इसके अलावा नकवी ने भी सोशल मीडिया पर राजनीतिक बयान दिए। बीसीसीआई ने ट्रॉफी लेकर भागने की उनकी हरकत पर कड़ी आपत्ति जताई और अगले महीने आईसीसी की बैठक में इस मुद्दे को उठाने का संकल्प लिया।

जूनियर विश्व कप से पहले जोहोर कप में ताकत आजमाएगी भारतीय टीम

कोच श्रीजेश बोले-यह हमारे लिए बड़ा मंच

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। मलेशिया के जोहोर बाहरू में शनिवार से शुरू हो रहे सुल्तान जोहोर कप हॉकी टूर्नामेंट में भारतीय जूनियर टीम दमदार प्रदर्शन के इरादे से उतर रही है। यह प्रतियोगिता भारत के लिए बेहद अहम मानी जा रही है क्योंकि इसी के जरिए टीम 28 नवंबर से चेन्नई और मदुरै में होने वाले जूनियर विश्व कप की तैयारियों को अंतिम रूप देना चाहती है। भारत का पहला मुकाबला शनिवार को ग्रेट ब्रिटेन से होगा।

श्रीजेश की कोचिंग में नई ऊर्जा

भारतीय टीम इस बार देश के अनुभवी गोलकीपर और दो बार के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पी.आर. श्रीजेश की कोचिंग में खेल रही है। श्रीजेश का मानना है कि यह टूर्नामेंट युवा खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खुद को साबित करने का एक शानदार मौका है। उन्होंने कहा, 'सुल्तान जोहोर कप हमारे लिए हमेशा से एक विशेष टूर्नामेंट रहा है। हमारी मौजूदा सीनियर टीम के कई खिलाड़ियों ने पहली बार यहीं अपनी छाप छोड़ी थी।' श्रीजेश ने कहा कि यह मंच खिलाड़ियों को विश्व के सर्वश्रेष्ठ जूनियर्स के खिलाफ खेलने का अनुभव देगा और यह समझने में मदद करेगा कि लगातार शीर्ष स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने के लिए क्या चाहिए। टीम की रणनीति पर बात करते हुए श्रीजेश ने कहा कि उनकी प्राथमिकता रचनात्मकता, अनुशासन और आक्रामकता पर रहेगी। उन्होंने बताया, 'हम हर प्रतिद्वंद्वी का सम्मान करते हैं, लेकिन हमारा ध्यान अपनी तरह की साहसिक और आक्रामक हॉकी खेलने पर है। टीम भारत की हॉकी विरासत को जानती है और उसे बरकरार रखने के लिए प्रतिबद्ध है।'

भारत का शानदार इतिहास और मुकाबलों का कार्यक्रम

भारत सुल्तान जोहोर कप के इतिहास में दूसरी सबसे सफल टीम है। उसने यह खिताब तीन बार (2013, 2014 और 2022) जीता है। केवल ग्रेट ब्रिटेन इससे आगे है, जिसने चार खिताब अपने नाम किए हैं। इस बार भारत अपने पहले मैच में ग्रेट ब्रिटेन से भिड़ेगा, जिसके बाद टीम न्यूजीलैंड (12 अक्टूबर), पाकिस्तान (14 अक्टूबर), ऑस्ट्रेलिया (15 अक्टूबर) और मेजबान मलयेशिया (17 अक्टूबर) से मुकाबला करेगी। राउंड-रॉबिन चरण के बाद शीर्ष दो टीमें 18 अक्टूबर को फाइनल खेलेंगी।

विश्व कप की तैयारियों का अहम पड़ाव

सुल्तान जोहोर कप न सिर्फ प्रतिस्पर्धा की कसौटी साबित होगा बल्कि यह इस युवा भारतीय टीम को जूनियर विश्व कप से पहले आवश्यक आत्मविश्वास भी देगा। श्रीजेश ने कहा, 'यह टूर्नामेंट जूनियर विश्व कप से पहले हमारे लिए परफेक्ट टेस्ट है। हमें यहां से बहुत कुछ सीखने और सुधारने का मौका मिलेगा।'

साई सुदर्शन को समझ नहीं आई जोमेल वारिकेन की 'जादुई गेंद'

> पहला टेस्ट शतक जड़ने का सपना यूं टूटा

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और वेस्टइंडीज के बीच दूसरा टेस्ट आज यानी 10 अक्टूबर से अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस मैच में भारत के विस्फोटक ओपनर यशस्वी जायसवाल ने शानदार बैटिंग करते हुए दमदार शतक ठोका।

लेकिन, युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन ऐसा करने से सिर्फ 13 रन से चूक गए। सुदर्शन अपना पहला टेस्ट शतक वेस्टइंडीज के खिलाफ जड़ते-जड़ते रह गए। उनको अब अपने मेडिन टेस्ट सेंचुरी के लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा। 23 साल के साई सुदर्शन धीरे-धीरे अपने पहले टेस्ट शतक की ओर बढ़ रहे थे। लेकिन, फिर वेस्टइंडीज के उपकप्तान जोमेल वारिकेन की जादुई गेंद ने साई का पहला टेस्ट शतक जड़ने का सपना तोड़ दिया। दरअसल, 69वां ओवर वेस्टइंडीज की तरफ से जोमेल वारिकन डाल रहे थे। उनके ओवर की तीसरी बॉल पर साई सुदर्शन स्ट्राइक पर थे। वारिकन की गेंद पड़ने के बाद तेजी से अंदर आई और साई सुदर्शन पूरी तरह से बीट हो गए।

सुदर्शन के पीछे वाले पैड पर गेंद लगी। इसके बाद वेस्टइंडीज की टीम ने एलबीडब्ल्यू की जोरदार अपील की और अंपायर ने उन्हें आउट करार दे दिया। इसके बाद साई सुदर्शन ने डीआरएस लिया। लेकिन, उसका कोई फायदा नहीं हुआ। गेंद सीधा जाकर स्टंप्स पर लग रही थी। बता दें कि साई सुदर्शन 165 गेंदों में 87 रन बनाकर आउट हो गए। उन्होंने अपनी पारी में 12 चौके लगाए।

बेंगलुरु ओपन 2025 का शानदार आगाज

एटली ने भारत में पिकलबॉल के विकास का जिम्मा संभाला

बेंगलुरु, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत में पिकलबॉल का क्रेज लगातार बढ़ता जा रहा है, और अब इस जुनून को और ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए, वर्ल्ड पिकलबॉल लीग (डब्ल्यूपीएल) और बेंगलुरु जवान्स फ्रैंचाइज़ी ने, कर्नाटक स्टेट पिकलबॉल एसोसिएशन (केएसपीए) के सहयोग से, गर्व के साथ 'बेंगलुरु ओपन 2025' की घोषणा की है, जो डब्ल्यूपीएल टूर का तीसरा चरण होगा। देश में इस खेल के लिए यह एक ऐतिहासिक पल है, क्योंकि यह एक भव्य तीन दिवसीय खेल महोत्सव में टूर्नामेंट खिलाड़ियों, प्रशंसकों और समर्थकों का स्वागत करेगा, जो जुनून, समावेश और प्रतिस्पर्धा का उत्सव होगा।

जसप्रीत बुमराह ने रचा इतिहास

तीनों फॉर्मेट में खेले 50-50 मैच! भारत के पहले तेज गेंदबाज बने; धोनी-कोहली के क्लब में शामिल

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। जसप्रीत बुमराह भारत के पहले तेज गेंदबाज बन गए हैं, जिन्होंने भारत के लिए तीनों फॉर्मेट (टेस्ट, वनडे और टी20) में कम से कम 50-50 मैच खेले हैं. भारत बनाम वेस्टइंडीज दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में चल रहा दूसरा टेस्ट बुमराह का 50वां टेस्ट है. बुमराह एमएस धोनी, विराट कोहली के खास क्लब में शामिल हुए. दिल्ली के अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में भारत बनाम वेस्टइंडीज दूसरा टेस्ट खेला जा रहा है. ये जसप्रीत बुमराह के टेस्ट करियर का 50वां मैच है. इससे पहले खेले 49 टेस्ट में उन्होंने 222 विकेट चटकाए हैं. टेस्ट में वह 15 बार फाइव विकेट हॉल कर चुके हैं.

31 वर्षीय बुमराह ने 2016 में ओडीआई डेब्यू किया था, इसी समय उन्होंने टी20 में भी डेब्यू किया था. इसके 2 साल बाद उन्होंने अपना पहला टेस्ट मैच खेला. जसप्रीत बुमराह ने 50 टेस्ट मैच खेले हैं. इसके आलावा उन्होंने 89 वनडे और 75 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं. 89 वनडे में उन्होंने 149 विकेट लिए हैं, 75 टी20 में उनके नाम 96 विकेट हैं. वनडे में वह 5 बार फाइव विकेट हॉल कर चुके हैं.

विराट कोहली- एमएस धोनी के क्लब में शामिल

जसप्रीत बुमराह भारत के पहले तेज गेंदबाज बने हैं, जिन्होंने हर फॉर्मेट में कम से कम 50 मैच खेले हैं. वह ऐसा करने वाले भारत के 7वें खिलाड़ी हैं. उनसे पहले एमएस धोनी, विराट कोहली, रोहित शर्मा, रवींद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन और केएल राहुल ऐसा कर चुके हैं. अब बुमराह भी इस लिस्ट में शामिल हो गए हैं. पहले सेशन में भारत ने 1 विकेट खोकर 94 रन बनाए.

फीफा 2026 विश्व कप क्वालीफायर : स्कॉटलैंड नीदरलैंड्स और डेनमार्क का शानदार प्रदर्शन

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। फीफा 2026 विश्व कप क्वालीफायर में स्कॉटलैंड ने ग्रीस पर 3-1 से शानदार जीत दर्ज करते हुए अपनी संभावनाओं को मजबूत किया है। वहीं, नीदरलैंड्स, डेनमार्क और ऑस्ट्रिया ने अपने प्रदर्शन से फैंस को प्रभावित किया। ग्रुप-सी के मुकाबले में हैम्पडेन पार्क में अपने पिछले दौरे में 3-0 से जीत हासिल करने वाली ग्रीस की टीम ने इस मैच में भी शानदार शुरुआत की। कोस्टास सिमिकास ने 62वें मिनट में गोल करते हुए ग्रीस को 1-0 से बढ़त दिलाई। हालांकि, ग्रीस की खुशी ज्यादा देर तक नहीं टिक पाई। स्कॉटलैंड की ओर से रयान क्रिस्टी ने दो मिनट बाद (64वें मिनट) ही नजदीकी रेंज से गोल दागा। लुइस फर्ग्यूसन ने 80वें मिनट में गोल करते हुए स्कॉटलैंड को

2-1 से बढ़त दिला दी। ग्रुप-सी के एक अन्य मैच में रासमस होजलुंड ने दो गोल दागकर डेनमार्क को हंगरी के खिलाफ 6-0 से जीत दिलाई। इसी के साथ जर्मनी ग्रुप में शीर्ष पर है, जबकि स्कॉटलैंड, ग्रीस और बेलारूस क्रमशः दूसरे, तीसरे और चौथे पायदान पर मौजूद हैं। ग्रुप-जी में नीदरलैंड्स ने माल्टा को 4-0 से हराया। इस मुकाबले में कोडी गाकपो ने 12वें और 48वें मिनट में गोल दागे। विपक्षी टीम एक अदद गोल के लिए तरसती रह गई। नीदरलैंड की टीम इस ग्रुप में शीर्ष पर है। ग्रुप-एच में ऑस्ट्रिया ने सैन मैरिनो पर 10-0 से बड़ी जीत दर्ज की। इस मुकाबले में मार्को अर्नौटोविक ने चार (8वें मिनट, 47वें मिनट, 83वें और 84वें मिनट) गोल दागे। इसी के साथ मार्को अर्नौटोविक ऑस्ट्रिया के सर्वकालिक रिकॉर्ड स्कोरर बन गए हैं। मार्को ने इस देश के लिए 45 गोल दागे हैं। वह टोनी पोलस्टर से एक कदम आगे हैं। ग्रुप-एच में ऑस्ट्रिया शीर्ष पर मौजूद है, जबकि सैन मैरिनो पांचवें पायदान पर है। इस ग्रुप में बोस्निया एंड हर्जेगोविना दूसरे, रोमानिया तीसरे और साइप्रस चौथे स्थान पर मौजूद हैं।

डीडीसीए का अजीबोगरीब फैसला : 'अनफिट' नितीश राणा को दिल्ली रणजी टीम में चुना, 24 में से 9 खिलाड़ी नहीं जा पाएंगे ड्रेसिंग रूम

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली रणजी टीम के चयन ने फिर डीडीसीए की कार्यप्रणाली पर अंगुली उठाई है। ऐसा लगता है जैसे दिल्ली टीम का चयन प्रदर्शन से ज्यादा प्रभाव के दम पर हो रहा है। टीम चयन के फैसले अब फिटनेस से नहीं, पसंद-नापसंद से तय होते दिख रहे हैं। रणजी सीजन शुरू होने से पहले ही विवाद का पहला पन्ना खुल चुका है। रणजी ट्रॉफी के लिए चयनकर्ताओं ने 24 खिलाड़ियों को चुना है, लेकिन इनमें से नौ को ड्रेसिंग रूम शेयर करने की मंजूरी भी नहीं मिलेगी। वहीं, फिटनेस पर सवालों के बावजूद नितीश राणा को शामिल किया जाना नई बहस को जन्म दे रहा है। चयन नीति को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं कि आखिर टीम बनाई जा रही है या ट्रायल कैम्प?

डीडीसीए सचिव ने दी यह दलील दो दर्जन खिलाड़ी चुनने के सवाल पर डीडीसीए सचिव अशोक शर्मा ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया, 'चयनकर्ताओं ने 24 खिलाड़ियों को इसलिए चुना है, क्योंकि उन्हें लगता है कि इससे हर मैच में चयन के लिए एक बड़ा पूल हमेशा उपलब्ध रहता है। जब हम दिल्ली में घरेलू मैच खेलेंगे, तो हम इसे घटाकर 15 कर देंगे।'

ड्रेसिंग रूम में बैठ सकते हैं सिर्फ 15 खिलाड़ी

भ्रष्टाचार निरोधक संहिता के अनुसार भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) केवल 15 खिलाड़ियों को ही ड्रेसिंग रूम में जाने की मंजूरी देता है। इस बारे में पूछे जाने पर डीडीसीए के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा, 'मैच के लिए चुने गए 15 खिलाड़ियों के अलावा अन्य नौ खिलाड़ी चार दिन टीम होटल में बिताएंगे।'

'नितीश राणा लाल गेंद फॉर्मेट के लिए पूरी तरह फिट नहीं'

नितीश राणा की वापसी पर अशोक शर्मा ने बताया, 'वह एक अनुभवी खिलाड़ी हैं और चयनकर्ता उन्हें परखना चाहते थे। अगले मैच में हम ऋषभ पंत के खेलने की उम्मीद कर रहे हैं।' वहीं, डीडीसीए के एक पदाधिकारी ने नाम उजागर न करने की शर्त पर बताया कि नितीश राणा लाल गेंद के प्रारूप में खेलने के लिए पूरी तरह फिट नहीं हैं।

सरकार हैदराबाद के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध : भट्टी

डिप्टी सीएम ने राष्ट्रीय रियल एस्टेट विकास परिषद में भाग लिया

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि जनता की सरकार हैदराबाद महानगर के एकीकृत विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उपमुख्यमंत्री ने शुक्रवार को हाईटेक्स में आयोजित नारेडको (राष्ट्रीय रियल एस्टेट विकास परिषद) के 15वें सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

उन्होंने कहा कि देश का कोई भी अन्य राज्य आतिथ्य को तेलंगाना जितना महत्व नहीं देता- जहां दोस्तों और रिश्तेदारों का घर पर स्वागत एक उत्सव की तरह मनाया जाता है। उन्होंने बिल्डरों और रियल एस्टेट कारोबारियों से राज्य के पर्यटन विकास में भागीदार बनने का आग्रह किया और कहा कि तेलंगाना घने जंगलों, झरनों और बाघ अभयारण्यों से समृद्ध है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद में अंतर्राष्ट्रीय कनेक्टिविटी और मजबूत बुनियादी ढांचा है, और रियल एस्टेट कारोबारियों से निवेशकों और निवासियों के लिए विभिन्न क्षेत्रों को बढ़ावा देने का आह्वान किया। भट्टी विक्रमार्क ने जोर देकर कहा, सरकार शहरी विकास के लिए बजट से सालाना 10,000 करोड़ आवंटित कर रही है। पिछले दो वर्षों में, 20,000 करोड़ मूल्य के विकास कार्य शुरू किए गए हैं, और अब उनका प्रभाव दिखाई देने लगा है- ये परियोजनाएं हैदराबाद के परिदृश्य को बदल देंगी। हाल ही में, 39 एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) परियोजनाओं को मंज़ूरी दी गई है। सीवरेज प्लांट और पेयजल सुविधाओं पर लगभग 11,927 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं, और 13,704 करोड़ मूल्य के अन्य प्रस्ताव विचाराधीन हैं। उन्होंने बताया कि कुल मिलाकर, सीवरेज और पेयजल आपूर्ति प्रणालियों में सुधार के लिए लगभग 25,631 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री ने कहा, हाल ही में हुई सरकारी जमीन की नीलामी में एक एकड़ ज़मीन 177 करोड़ रुपये में बिकी- यह दर्शाता है कि हैदराबाद में रियल एस्टेट कितनी तेजी से बढ़ रहा है। लगभग 25 बिल्डरों ने भाग लिया और प्रति एकड़ 150 करोड़ तक की बोली लगाई।

उन्होंने बताया कि पैराडाइज जंक्शन से राष्ट्रीय राजमार्ग तक एक एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण 1,487 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने व्यक्तिगत रूप से दिल्ली में डेरा डाला और केंद्रीय रक्षा मंत्री को सार्वजनिक उद्देश्यों के लिए रक्षा भूमि के उपयोग की अनुमति देने के लिए राजी किया। शमीरपेट में, 3,619 करोड़ रुपये की लागत से सड़क चौड़ीकरण का कार्य प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद देश का एकमात्र शहर है जहां 24 घंटे निर्बाध रूप से गुणवत्तापूर्ण बिजली और पेयजल उपलब्ध है। मंजीरा और गांदीपेट जलाशयों के साथ, गोदावरी नदी का पानी भी शहर में लाया जा रहा है- जो नागरिकों और उद्योगों दोनों के लिए एक बड़ी संपत्ति है। उपमुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि हैदराबाद की झीलों, चट्टानी संरचनाओं और पार्कों को आने वाली पीढ़ियों के लिए संरक्षित और संरक्षित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता की सरकार एक व्यापार-अनुकूल सरकार है। "बिल्ड नाउ" डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के ज़रिए, सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि भवन निर्माण की अनुमति निर्धारित समय-सीमा के भीतर जारी की जाए। हैदराबाद को एक स्वच्छ और हरित शहर बनाने के प्रयास में, डीज़ल बसों की जगह इलेक्ट्रिक वाहन लिए जा रहे हैं। उपली कृष्ण राव ने इस बात पर जोर दिया कि आईटी, फार्मा, एयरोस्पेस, इलेक्ट्रिक वाहन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे प्रमुख क्षेत्र विस्तार और बुनियादी ढांचे के लिए रियल एस्टेट क्षेत्र पर निर्भर हैं। इस अवसर पर मंत्री जूपल्ली कृष्णा राव ने कहा कि सरकार की महत्वाकांक्षी क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर) परियोजना 30 से ज्यादा शहरों और कस्बों को जोड़ेगी, जिससे नए रियल एस्टेट विकास गलियारे बनेंगे। नारेडको को तेलंगाना पर्यटन नीति 2025-2030 को आकार देने में सहयोग करने के लिए आमंत्रित करते हुए, मंत्री ने एकीकृत टाउनशिप, रिसॉर्ट्स, कन्वेंशन सेंटर और हेरिटेज होटलों के विकास को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, आइए हम सिर्फ घर और दफ़्तर ही न बनाएं, बल्कि ऐसे गंतव्य बनाएं जो दुनिया को तेलंगाना की भव्यता दिखाएं। नारेडको तेलंगाना के अध्यक्ष विजया साईं मेका, डेवलपर्स, निवेशक और उद्योग जगत के दिग्गज इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

18 महीने के बच्चे की गड्ढे में गिरने से मौत

कोत्तागुडेम, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। डुम्मुगुडेम मंडल के नादिकुडी में शुक्रवार को 18 महीने के अक्षय कुमार नाम के बच्चे की इंदिराम्मा घर के निर्माण के लिए खोदे गए गड्ढे में गिरने से मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि गुरुवार रात हुई बारिश के बाद निर्माणाधीन घर के गड्ढे में पानी भर गया था। घर के बाहर खेल रहा अक्षय कुमार गलती से गड्ढे में गिर गया। कुछ देर बाद जब वह घर में नहीं दिखा, तो उसकी मां अम्माजी ने उसे ढूंढ़ा और गड्ढे में तैरता हुआ पाया। उसके पिता तुष्टि सुरेश ने उसे नरसापुरम के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुभाष ने सीपीआर किया, लेकिन बच्चे को बचाया नहीं जा सका। सुरेश और अम्माजी को शादी के दस साल बाद एक बेटा हुआ था। बच्चे की मौत से गांव में शोक का माहौल है। स्थानीय पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

जुबली हिल्स उपचुनाव विवाद : कांग्रेस नाराज अंजन कुमार यादव को मनाने की कोशिश में

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कांग्रेस के नेताओं ने पूर्व सांसद अंजन कुमार यादव को शांत करने की कोशिशें शुरू कर दी हैं, जो जुबली हिल्स विधानसभा सीट से पार्टी का टिकट मांग रहे थे। पार्टी आलाकमान द्वारा नवीन यादव को उम्मीदवार बनाए जाने के फैसले के बाद, अंजन कुमार यादव ने खुलकर अपनी नाराजगी जताई थी और विरोध प्रदर्शन करने का इरादा जताया था।

यह समझते हुए कि वरिष्ठ कांग्रेस नेता की असहमति नवीन यादव की संभावनाओं को खतरे में डाल सकती है, पार्टी पदाधिकारियों ने अंजन कुमार यादव को मनाने की कोशिश शुरू कर दी है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रभारी विश्वनाथन, पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर और श्रम मंत्री विवेक वेंकटस्वामी सहित वरिष्ठ नेताओं ने शुक्रवार को हैदराबाद स्थित पूर्व सांसद के घर जाकर उनसे मुलाकात की। उन्होंने अंजन कुमार यादव को आश्वस्त किया कि पार्टी उनकी वरिष्ठता का सम्मान करेगी और भविष्य में उनके योगदान का उपयोग करेगी। बाद में, मीडिया से बात करते हुए, मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने सभी संबंधित पक्षों से गहन विचार-विमर्श के बाद ही अपने उम्मीदवार का चयन किया है। उन्होंने बताया कि अंजन कुमार यादव के जुबली हिल्स सीट से चुनाव लड़ने की उम्मीद थी। हालांकि, वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए, पार्टी ने किसी अन्य व्यक्ति को टिकट दे दिया है।

पोन्नम प्रभाकर ने टिप्पणी की कि हमने अंजन कुमार के भविष्य पर चर्चा की है। वह कांग्रेस पार्टी के एक प्रमुख नेता हैं, जिन्होंने दो बार कार्यकारी अध्यक्ष का पद संभाला है और दो बार संसद सदस्य के रूप में कार्य किया है। अंजन कुमार यादव हैदराबाद में कांग्रेस के लिए एक प्रमुख व्यक्ति हैं, और उनके नेतृत्व में, हम शहर में पार्टी को और आगे बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। पार्टी द्वारा लिया गया निर्णय वर्तमान परिदृश्य को दर्शाता है। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस नेता आगामी जुबली हिल्स उपचुनाव के लिए एकजुट होंगे और कहा कि उनकी पार्टी सफलता हासिल करेगी।

इंदिरा महिला शक्ति योजना के तहत साड़ियां वितरित की जाएंगी : तुम्मला

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हथकरघा एवं वस्त्र मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने घोषणा की है कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में हथकरघा श्रमिक एक नए आशाजनक अध्याय की शुरूआत करेंगे और निकट भविष्य में पूरे राज्य में इंदिराम्मा महिला शक्ति साड़ियां वितरित करने की योजना है। मंत्री ने शुक्रवार को सचिवालय में हथकरघा एवं वस्त्र विभाग की प्रमुख सचिव शैलजा राम अय्यर और टेक्सटाइल्स टेस्को के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की। तेलंगाना में 64,69,192 महिला शक्ति साड़ियों के वितरण के लिए लगभग 4.34 करोड़ मीटर कपड़े की आवश्यकता है। इसमें से लगभग 3.65 करोड़ मीटर साड़ियां पावरलूम श्रमिकों द्वारा उत्पादित की गई हैं। तुम्मला नागेश्वर राव ने बताया कि अब तक 33.35 लाख साड़ियां जिला-स्तरीय गोदामों में पहुंचाई जा चुकी हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इंदिरा महिला शक्ति पहल ने साड़ी उत्पादन के लिए 6,900 बुनकरों के लिए छह से आठ महीने की अवधि के लिए रोजगार के अवसर पैदा किए हैं, जिससे उनकी मासिक आय 18,000 रुपये से 22,000 रुपये तक है। मंत्री ने अधिकारियों को इंदिरा महिला शक्ति साड़ियों का उत्पादन और आपूर्ति 15 नवंबर तक पूरी करने और उन्हें वितरण के लिए तैयार करने हेतु ज़िला गोदामों में पहुँचाने के निर्देश दिए। तुम्मला ने अधिकारियों को हथकरघा श्रमिकों की ऋण माफी की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने सत्यापन प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी करने और उनके खातों में धनराशि जमा करने के आदेश दिए। तुम्माला ने कहा कि एक लाख रुपये तक के व्यक्तिगत ऋण माफी से 6,780 हथकरघा श्रमिक ऋण मुक्त हो जाएंगे। मंत्री ने अधिकारियों को हैदराबाद में अस्थायी रूप से संचालित भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान को याद्राद्री भुवनगिरी जिले के पोचमपल्ली हथकरघा पार्क में स्थानांतरित करने का कार्य तुरंत शुरू करने के भी निर्देश दिए।

प्रसाद लड्डू में खराबी पर मंदिर प्रशासन ने तुरंत उठाया कदम

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजन्ना-सिरसिला के वेमुलावाड़ा स्थित श्री राजराजेश्वर स्वामी मंदिर में भक्तों को बेचे जाने वाले लड्डू प्रसाद की गुणवत्ता को लेकर कई शिकायतें मिली हैं। भक्तों ने कहा कि प्रसाद काउंटर पर बेचे जाने वाले लड्डुओं में अलग तरह की गंध आती है और कभी-कभी उनमें फफूंद भी दिखाई देती है। लड्डुओं में बासी गंध और फफूंद देखकर कुछ श्रद्धालुओं ने अधिकारियों से शिकायत की। मंदिर प्रशासन ने तुरंत प्रसाद की थालियां बदल दीं और श्रद्धालुओं को ताजा लड्डू उपलब्ध कराए। बताया गया कि लगातार बारिश और मौसम में बदलाव के कारण लड्डू ठीक से सुखाए नहीं जा सके थे, जिससे उनमें बासी गंध आ रही थी। लगभग 3,000 लड्डू खराब पाए गए।

इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए मंदिर के सहायक अधिशासी अधिकारी श्रीनिवास ने बताया कि पिछले दो-तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश की वजह से कुछ लड्डू की थालियों में नमी आ गई थी, जिससे लड्डू बासी हो गए थे। उन्होंने कहा कि जब श्रद्धालुओं ने यह मामला उनके ध्यान में लाया, तो कर्मचारियों ने तुरंत ट्रे बदल दी और ताजा लड्डू दिए। श्रीनिवास ने आश्वासन दिया कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

मी-सेवा केंद्र मालिक की दिनदहाड़े हत्या

पेद्दापल्ली, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रामगिरी मंडल की सेंटेनरी कॉलोनी में शुक्रवार दोपहर तीन अज्ञात हमलावरों ने मी-सेवा केंद्र के मालिक कोटा चिरंजीवी (38) पर चाकुओं और डंडों से हमला कर दिया। गंभीर चोटों के कारण चिरंजीवी की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय निवासियों के अनुसार, चिरंजीवी न्यू मारेडुपाका निवासी थे और मंडल समाख्या कार्यालय गए थे, जहां उन पर हमला हुआ। हत्या का कारण विवाहेतर संबंध बताया जा रहा है। चिरंजीवी अपनी पत्नी की मृत्यु के बाद कथित तौर पर एक महिला के करीब थे। मंथनी सीआई राजू और रामगिरी एसआई श्रीनिवास ने घटनास्थल का दौरा किया और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बीआरएस नेता ने पिछड़ा वर्ग आरक्षण में की कार्रवाई की मांग

'पिछड़े वर्गों को धोखा देने की योजना'

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस में बी विनोद कुमार ने कहा कि राज्य के लोग 'पिछड़े वर्गों को धोखा देने की योजना' साफ तौर पर देख सकते हैं। उन्होंने पिछड़े वर्गों के आरक्षण के सरकारी आदेश को खोखला कदम बताया और कहा कि इस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली बीआरएस सरकार द्वारा 2017 में उठाए गए कदमों का जिक्र करते हुए कहा कि पार्टी ने कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण बढ़ाने और नौवीं अनुसूची में सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया था। उन्होंने बताया कि केसीआर ने इस मामले में प्रधानमंत्री मोदी पर भी दबाव डाला था।

विनोद कुमार ने कांग्रेस द्वारा 1972 में 39वें संविधान संशोधन का उदाहरण देते हुए कहा कि तब कांग्रेस ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को बचाने के लिए संविधान संशोधन किया, लेकिन पिछड़ी जातियों को बढ़ा हुआ आरक्षण देने के लिए ऐसा प्रयास नहीं किया गया। उन्होंने 2010 के कृष्ण मूर्ति मामले के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए बताया कि आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए, बावजूद इसके पिछड़ी जातियों के लिए कोई संवैधानिक संशोधन नहीं किया गया।

विनोद कुमार ने रेवंत रेड्डी और भाजपा के मंत्रियों से इस लड़ाई में शामिल होने और पिछड़ी जातियों को नौवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग की। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी पिछड़ी जातियों के चल रहे संघर्ष और अशांति के 'मूल कारण' हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी भाजपा नेतृत्व से पिछड़ी जातियों के आरक्षण के लिए संविधान संशोधन या निजी विधेयक लाने का अनुरोध करें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जानते हैं कि आरक्षण बढ़ाने के लिए केवल सरकारी आदेश पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि संविधान संशोधन जरूरी है। उन्होंने जोर देकर कहा, पिछड़ी जातियों के आरक्षण को नौवीं अनुसूची में शामिल किया जाए।

टीटीए ने अमेरिका के 15 राज्यों में भव्य मेगा बतुकम्मा मनाया

तेलुगु प्रवासियों के लिए एक यादगार अनुभव

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना अमेरिकन तेलुगु एसोसिएशन (टीटीए) ने संयुक्त राज्य अमेरिका के 15 राज्यों में 'मेगा बतुकम्मा 2025' मनाया, जो टीटीए के संस्थापक डॉ. पैला मल्ला रेड्डी और कार्यकारी समिति व निदेशक मंडल के सदस्यों के दूरदर्शी नेतृत्व में एक शानदार सफलता का प्रतीक है। नवरात्रि के पूरे मौसम में, बतुकम्मा की जीवंत भावना पूरे देश में गूंजती रही क्योंकि तेलुगु समुदाय उत्सवी एकता में एकजुट हुए। न्यूयॉर्क, इंडियानापोलिस, चार्लोट, न्यू जर्सी, अटलांटा, सिएटल, डलास, एरिजोना, टैम्पा, बोस्टन, लॉस एंजिल्स, फिलाडेल्फिया, अलबामा, मियामी और पोर्टलैंड में समारोह भव्यता के साथ आयोजित किए गए। प्रत्येक कार्यक्रम में तेलंगाना की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन किया गया, जिसमें पारंपरिक परिधानों में सजे परिवारों, महिलाओं और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और पुष्प कला, संगीत और नृत्य का आनंद लिया। यह वर्ष टीटीए के लिए एक विशेष उपलब्धि भी रहा, क्योंकि अलबामा का आधिकारिक तौर पर एक नवगठित अध्याय के रूप में स्वागत किया गया, जो मियामी के साथ बढ़ते टीटीए परिवार में शामिल हो गया, जिसने हाल ही में इस वर्ष के बतुकम्मा उत्सव की शुरूआत की और उसमें सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यकारी निदेशक और राष्ट्रीय बतुकम्मा सलाहकार कविता रेड्डी और महासचिव शिवा रेड्डी कोल्ला को उनके उत्कृष्ट समन्वय और सहयोग के लिए विशेष धन्यवाद दिया जाता है। टीटीए ने अपनी महिला नेतृत्व टीम के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया, जिनके जुनून और प्रतिबद्धता ने तेलंगाना की परंपराओं को पीढ़ियों और भौगोलिक क्षेत्रों में जीवंत और जीवंत बनाए रखा है। टीटीए नेतृत्व ने राज्य स्तरीय आयोजन टीमों और स्वयंसेवकों को हार्दिक धन्यवाद दिया, जिनके अथक प्रयासों ने यह सुनिश्चित किया कि प्रत्येक बतुकम्मा उत्सव अमेरिका में तेलुगु प्रवासियों के लिए एक यादगार और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध अनुभव बन गया।

ग्राम पंचायत सचिव को रिश्वत लेते हुए एसीबी ने पकड़ा

करीमनगर, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के अधिकारियों ने शुक्रवार को गंगाधर मंडल के मधुरानगर में इंदिराम्मा आवास योजना के एक लाभार्थी से 10,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए ग्राम पंचायत सचिव को पकड़ लिया। एसीबी के अनुसार, मधुरानगर ग्राम पंचायत के सचिव अनिल ने इंदिराम्मा आवास योजना के तहत बिल जारी करने के लिए लाभार्थी से 10,000 रुपये की मांग की थी। लाभार्थी रिश्वत नहीं दे पाया और उसने सीधे एसीबी से संपर्क किया। इसके बाद एसीबी ने जाल बिछाकर सचिव को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर हिरासत में ले लिया।

सरकारी चूक से बीसी आरक्षण में बाधा : डॉ. राव

हैदराबाद, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं भाजपा नेता डॉ. वकुलाभरणम कृष्णमोहन राव ने कड़े शब्दों में कहा कि सरकारी विफलता, राजनीतिक स्वार्थ और नाटकीय रवैये के कारण स्थानीय निकायों में लागू किए जाने वाले 42 प्रतिशत बीसी आरक्षण पर संकट खड़ा हुआ है। शुक्रवार को काचीगुड़ा के एक निजी सभागार में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि सत्ता का इस्तेमाल जनता के हित में होना चाहिए, लेकिन जानबूझकर लिए गए गलत निर्णयों के चलते आज बीसी वर्गों के साथ धोखा और अन्याय हुआ है। उच्च न्यायालय के समक्ष सरकारी वकील पूरे तथ्यों के साथ बहस करने के बजाय सवालों का जवाब तक नहीं दे पाए, जिससे हालात और बिगड़ गए। उन्होंने बताया कि सर्वे प्रक्रिया में खामियां थीं, स्वतंत्र वैधानिक आयोग नियुक्त नहीं किया गया और रिपोर्ट में गोपनीय रखी गईं। इन गलतियों की ओर लगातार ध्यान दिलाया गया, फिर भी सरकार ने सुधार नहीं किया। नतीजतन उच्च न्यायालय को स्थगन आदेश देना पड़ा। डॉ. राव ने कहा कि तेलंगाना में यह सर्वे राज्य के योजना विभाग द्वारा कराया गया, जबकि उसके पास ऐसा कोई वैधानिक अधिकार नहीं है। आरक्षण बढ़ाने के लिए सर्वे केवल स्वतंत्र और विधिसम्मत आयोग के द्वारा ही होना चाहिए। सरकार ने इस मूल नियम की जानबूझकर अवहेलना की। उन्होंने याद दिलाया कि पटना उच्च न्यायालय ने बिहार में जीएडी विभाग द्वारा कराए गए सर्वे को रद्द कर दिया था, फिर भी तेलंगाना में वही गलती दोहराई गई। यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि बीसी आरक्षण बढ़ोतरी रोकने की साजिश है। उन्होंने समझाया कि जब भी 50 प्रतिशत की सीमा पार करने की प्रक्रिया होती है, तब हर कदम संवैधानिक रूप से वैध होना चाहिए। इसके लिए एक समर्पित आयोग का गठन अनिवार्य है। लेकिन सरकार ने न तो इसे 1952 के आयोग जांच अधिनियम के तहत और न ही संविधान के अनुच्छेद 340 के अंतर्गत नियुक्त किया। इसके बजाय केवल बीसी कल्याण विभाग के अधीन एक सदस्यीय समिति बनाई गई, जिसकी कोई वैधानिक हैसियत नहीं थी।

ग्रामीणों में बाघ की हलचल से डर

मंचेरियल, 10 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। लक्सेटीपेट मंडल के तलामाला गांव में पिछले कुछ दिनों से निकटवर्ती क्षेत्रों में बाघ की गतिविधि की सूचना से ग्रामीण डर के माहौल में हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि गुरुवार और शुक्रवार को गांव के बाहरी इलाके में बाघ देखे जाने के बाद वे खेती-बाड़ी करने से हिचकिचा रहे हैं। सबसे अधिक चिंता जंगल में जाने वाले चरवाहों को है। ग्रामीणों ने वन अधिकारियों से अनुरोध किया है कि बाघ को घने जंगलों में ले जाएं और मानव हताहतों को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाएं। वन अधिकारियों ने कहा कि इलाके में बाघ के पैरों के निशान मिले हैं और उन्होंने किसानों को सतर्क रहने की सलाह दी है। उन्होंने बताया कि यह बाघ थलामाला और पेद्दमपेट के जंगलों के बीच घूम रहा है और कथित तौर पर महाराष्ट्र में रही एक मादा बाघ मंचेरियल के जंगलों में चली गई है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.